THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 283 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) माघ कृ.6 2082 गुरुवार, 8 जनवरी-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ❊ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

'हिंदुओं के अधिकार छीने जाने का आरोप झूठा'

डिंडीगुल, 7 जनवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने बुधवार को कहा कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का राज्य में हिंदुओं के अधिकार छीने जाने का आरोप पूरी तरह झूठा और उनकी पदवी के अनुकूल नहीं है। एक सरकारी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्टालिन ने कहा हमारे राज्य में सभी धर्मों के लोगों के विश्वास और धार्मिक अधिकारों का पूरा सम्मान किया जाता है।

ऐसे में गृहमंत्री का यह आरोप कि हिंदुओं के अधिकार छीने जा रहे हैं, पूरी तरह गलत और अनुचित है। यह वही मानसिकता है जो दंगे और विघटन चाहती है, लेकिन तमिलनाडु में उसे कोई सफलता नहीं मिली। स्टालिन ने आगे कहा ऐसा भविष्य में कभी नहीं होने दिया जाएगा।

भारत को मिली मजबूती : पीएम मोदी

> स्वदेशी प्रदूषण नियंत्रण जहाज समुद्र प्रताप का जलावतरण

पीएम मोदी ने की नेतन्याहू से बात

> रक्षा और आतंकवाद से जुड़े मुद्दों पर चर्चा

नई दिल्ली, 7 जनवरी (एजेंसियां)। वेनेजुएला पर अमेरिकी हमले के बाद अब कयास लगाए जा रहे हैं कि यूएस का अगला निशाना ईरान हो सकता है। इस बीच भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने एक दूसरे पर फोन पर बात की है।

इस महत्वपूर्ण बातचीत का ब्योरा पीएम मोदी ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में दिया है। पीएम मोदी ने कहा कि अपने दोस्त, प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बात करके खुशी हुई और उन्हें और इजरायल के लोगों को नए साल की शुभकामनाएं दीं। हमने आने वाले साल में भारत-इजरायल रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा कि हमने क्षेत्रीय स्थिति पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया और आतंकवाद से ज्यादा मजबूती से लड़ने के अपने साझा संकल्प को दोहराया। दरअसल, पीएम मोदी और बेंजामिन नेतन्याहू के बीच हुई ये बातचीत ऐसे समय हुई है, जब पूरी दुनिया की वैश्विक राजनीति में हालात डामाडोल हैं। >14

नई दिल्ली, 7 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि स्वदेशी प्रदूषण नियंत्रण जहाज समुद्र प्रताप अब चालू हो गया है। उन्होंने कहा कि इस जहाज के शुरू होने से भारत की आत्मनिर्भरता और मजबूत हुई है।

इसके साथ ही यह दिखाता है कि भारत पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को जहाज समुद्र प्रताप का शुभारंभ किया। यह भारत का पहला स्वदेशी प्रदूषण नियंत्रण पोत है। यह अब तक तटरक्षक बल के बेड़े का सबसे बड़ा जहाज है। प्रधानमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, भारतीय तटरक्षक पोत (आईसीजीएस) समुद्र प्रताप का कमीशन होना कई कारणों से उल्लेखनीय है। जिनमें यह तथ्य भी शामिल है कि यह आत्मनिर्भरता के हमारे दृष्टिकोण को मजबूती प्रदान करता है। हमारे सुरक्षा तंत्र को बढ़ावा देता है और स्थिरता के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

इस पोत की प्राथमिक भूमिका समुद्र में प्रदूषण से निपटने की है

यह पोत समुद्री प्रदूषण नियंत्रण नियमों को लागू करने, समुद्री कानून प्रवर्तन, खोज और बचाव अभियानों और भारत के विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र की सुरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में कार्य करेगा। इस पोत की प्राथमिक भूमिका समुद्र में प्रदूषण से निपटने की है, जिसे अत्याधुनिक प्रणालियों द्वारा समर्थित किया जाता है, जिनमें साइड-स्वीपिंग आर्म्स, फ्लोटिंग बूम, उच्च क्षमता वाले स्किमर, पोर्टेबल बजरा और एक प्रदूषण नियंत्रण प्रयोगशाला शामिल हैं। इस जहाज में एक बाहरी अग्निशमन प्रणाली भी लगी हुई है और स्वचालन और मिशन दक्षता को बढ़ाने के लिए इसमें डायनेमिक पोजिशनिंग, एकीकृत ब्रिज सिस्टम, एकीकृत प्लेटफॉर्म प्रबंधन प्रणाली और स्वचालित पावर प्रबंधन प्रणाली जैसी उन्नत प्रणालियां एकीकृत की गई हैं।

'आपको देश से निकाला जा सकता है'

नियमों के उल्लंघन को लेकर भारतीय छात्रों को अमेरिका की चेतावनी

नई दिल्ली, 7 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका में पढ़ रहे भारतीय छात्रों को लेकर अमेरिकी दूतावास ने बुधवार को चेतावनी जारी की। दूतावास ने कहा कि किसी भी तरह के नियम उल्लंघन पर छात्रों को उनके देश से निकाला जा सकता है। अमेरिकी दूतावास ने स्पष्ट कहा कि अमेरिकी वीजा कोई अधिकार नहीं, बल्कि एक विशेष सुविधा है और वहां रहते हुए कानून तोड़ने पर गंभीर नतीजे हो सकते हैं।

एक सोशल मीडिया पोस्ट में अमेरिकी दूतावास ने कहा, अमेरिकी कानून तोड़ने से आपके छात्र वीजा पर गंभीर असर पड़ सकता है। अगर आप गिरफ्तार होते हैं या किसी कानून का उल्लंघन करते हैं, तो आपका वीजा रद्द किया जा सकता है, आपको निर्वासित (डिपोर्ट) किया जा सकता है और भविष्य में अमेरिकी वीजा मिलने से रोका जा सकता है। नियमों का पालन करें और अपनी यात्रा को खतरे में न डालें। अमेरिकी वीजा एक सुविधा है, अधिकार नहीं। यह चेतावनी ऐसे समय आई है, जब कुछ महीने पहले ट्रंप प्रशासन ने छात्र वीजा प्रक्रिया में बड़े बदलावों की घोषणा की थी। इनमें ज्यादा शुल्क, सोशल मीडिया की अनिवार्य जांच और छात्रों के अमेरिका में रहने की अवधि पर प्रस्तावित सीमा शामिल है। इन बदलावों का सीधा असर अमेरिका में पढ़ाई की योजना बना रहे भारतीय छात्रों पर पड़ने की संभावना है। इन बदलावों के केंद्र में 'वन बिग ब्यूटीफुल बिल' है, जिस पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चार जुलाई 2025 को हस्ताक्षर किए थे। इस बिल के तहत 250 अमेरिकी डॉलर (यानी करीब 21,463 रुपये) की 'वीजा अखंडता शुल्क' और फॉर्म आई-94 के लिए 24 डॉलर (यानी लगभग 2,060 रुपये) का अनिवार्य शुल्क लगाया गया। फॉर्म आई-94 विदेशी नागरिकों की आवाजाही से जुड़ा एक अहम दस्तावेज है।

ट्रंप ने एच-1बी वीजा के लिए हर साल एक लाख अमेरिकी डॉलर का नया आवेदन शुल्क लगाने के आदेश पर हस्ताक्षर किए। इस फैसले का सबसे ज्यादा असर भारतीय नागरिकों पर होगा, क्योंकि एच-1बी वीजा पाने वालों में उनकी संख्या सबसे अधिक है।

गायिका नेहा को अंतरिम सुरक्षा

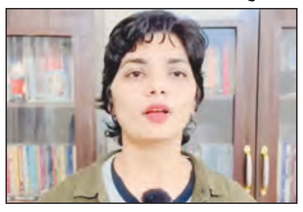

नई दिल्ली, 7 जनवरी (एजेंसियां)। लोकप्रिय लोक गायिका नेहा सिंह राठौर को सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को गिरफ्तारी से अंतरिम सुरक्षा प्रदान की। यह आदेश उस एफआईआर के संबंध में आया है, जिसमें उन पर पीएम नरेंद्र मोदी और पहलगाम आतंकी हमले को लेकर विवादित पोस्ट करने का आरोप है।

न्यायमूर्ति जे.के. महेश्वरी और अतुल एस. चंदुकर की बेंच ने कहा कि इस मामले में कोई बाध्यकारी कार्रवाई नहीं की जाएगी, जबकि राठौर की याचिका पर नोटिस जारी किया गया है। >14

ट्रम्प का मोदी पर बयान

राहुल बोले-फर्क समझो सर जी

इंदिरा ने अमेरिका को झुकाया था, ट्रम्प के आगे मोदी सरेंडर

नई दिल्ली, 7 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को पीएम नरेंद्र मोदी की लीडरशिप की तुलना पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी से की। राहुल ने एक्स पर 'फर्क समझो सर जी' कैप्शन के साथ 3 जून का वीडियो शेयर किया। राहुल ने कहा- मोदी ट्रम्प के आगे सरेंडर हो जाते हैं, लेकिन इंदिरा ने अमेरिका को झुकाया था। आपको वह समय याद होगा जब फोन कॉल नहीं था, सातवां फ्लीट आया था। 1971 के युद्ध में अमेरिका ने अपने एयरक्राफ्ट कैरियर और हथियार भेजे थे। तब इंदिरा गांधी जी ने कहा था, 'मुझे जो करना है, मैं करूंगी। राहुल ने कहा, इधर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जरा सा दबाव डालो वे सरेंडर कर देते हैं। मैं अब इन बीजेपी-आरएसएस के लोगों को बहुत अच्छी तरह जानता हूं। उन्हें थोड़ा धक्का दो और वे डर के मारे भाग जाएंगे। राहुल का यह वीडियो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के उस बयान के एक दिन बाद आया है, जिसमें ट्रम्प ने कहा था-प्रधानमंत्री मोदी मुझसे मिलने आए और कहा सर, क्या मैं आपसे मिल सकता हूं।

'लोकसभा अध्यक्ष की जांच समिति कानून के खिलाफ'

शीर्ष अदालत में न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा का दावा

नई दिल्ली, 7 जनवरी (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा ने सुप्रीम कोर्ट में लोकसभा अध्यक्ष द्वारा उनके खिलाफ गठित जांच समिति को चुनौती दी है। यह समिति उनके भ्रष्टाचार आरोपों की जांच के लिए बनाई गई थी। न्यायमूर्ति वर्मा की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने बताया कि जज (जांच) अधिनियम, 1968 के तहत, यदि किसी जज के खिलाफ इम्पीचमेंट मोशन दोनों सदनों में एक ही दिन प्रस्तुत किए गए हों, तो जांच समिति का गठन दोनों सदनों द्वारा संयुक्त रूप से होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि इस मामले में राज्यसभा में मोशन खारिज कर दिया गया, लेकिन इसके बावजूद लोकसभा अध्यक्ष ने तीन सदस्यीय समिति गठित कर दी। रोहतगी ने इसे कानूनी रूप से 'नॉन-एस्ट' (अवैध) बताया। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने यह सवाल उठाया कि क्या एक सदन में मोशन खारिज होने पर दूसरे सदन में कार्रवाई करना रोका जा सकता है। रोहतगी ने जोर देकर कहा कि कानून के अनुसार, दोनों सदनों में मोशन सही ढंग से प्रस्तुत होने के बाद ही प्रक्रिया शुरू हो सकती है, अन्यथा पूरी कार्रवाई अवैध मानी जाएगी। न्यायमूर्ति वर्मा को नई दिल्ली में उनके सरकारी आवास से जले हुए नोट मिलने के बाद दिल्ली हाईकोर्ट से इलाहाबाद हाईकोर्ट में भेजा गया था। इसके पहले, मुख्य न्यायाधीश ऑफ इंडिया संजीव खन्ना ने न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ एक इन-हाउस जांच समिति बनाई थी।

चुनाव आयोग ने एसआईआर के तहत सुनवाई के लिए अमर्त्य सेन को भेजा नोटिस

टीएमसी ने बताया 'शर्मनाक तमाशा'

कोलकाता, 7 जनवरी (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के सिलसिले में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित अमर्त्य सेन को नोटिस जारी किया है। आयोग ने प्रसिद्ध अर्थशास्त्री से 16 जनवरी को उनके आवास पर सुनवाई के लिए उपस्थित होने को कहा है। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। इस घटनाक्रम पर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने कड़ी प्रतिक्रिया दी और इसे 'शर्मनाक तमाशा' करार दिया। अधिकारियों के मुताबिक, अमर्त्य सेन (92 वर्षीय) इस समय विदेश में हैं, इसलिए यह नोटिस शांति निकेतन के बोलपुर स्थित उनके पैतृक घर पर उनके परिवार के एक सदस्य को सौंपा गया। पश्चिम बंगाल के मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) कार्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह स्पष्ट किया कि प्रोफेसर सेन को केवल एक ही नोटिस दिया गया है। उनके की ओर से जो गणना फॉर्म जमा किए गए, उनमें कुछ तार्किक विसंगतियां पाई गई थीं। इसी वजह उन्हें सुनवाई के लिए बुलाया गया है। उनकी उम्र 85 वर्ष से अधिक है। इसलिए चुनाव आयोग के नियमों के अनुसार संबंधित बीएलओ उनके घर जाकर उनकी सुनवाई करेगा। अमर्त्य सेन के एक चचेरे भाई ने नोटिस मिलने की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि वह इस बारे में सेन को जानकारी देंगे। अधिकारी ने बताया कि यह नोटिस एसआईआर प्रक्रिया के दौरान तथ्यात्मक विसंगति के आधार पर जारी किया गया।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा-कैसे पता चलेगा की कुत्ता काटेगा कि नहीं

नई दिल्ली, 7 जनवरी (एजेंसियां)। आवारा कुत्तों से जुड़े मामले में दाखिल याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को सुनवाई के दौरान एक वकील के बयान पर बड़ी टिप्पणी की। सुप्रीम कोर्ट ने अधिवक्ता वंदना जैन की एक दलील पर टिप्पणी की, 'जब हम पशु प्रेमियों की बात करते हैं, तो इसमें सभी जानवर शामिल होते हैं। मैं अपने घर में कोई जानवर रखना चाहता हूं या नहीं, यह मेरा विवेक है।'

'कल सोसाइटी में कोई भैंस ले आएगा, तो क्या करेंगे?'

सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा, 'यही बात गेटेड कम्युनिटी पर भी लागू होती है। गेटेड कम्युनिटी में कुत्ते को घूमने देना चाहिए या नहीं, यह समुदाय को तय करना होगा।

मान लीजिए, 90 प्रतिशत निवासियों को लगता है कि यह बच्चों के लिए खतरनाक होगा, लेकिन 10 फीसदी कुत्ते रखने पर जोर देते हैं। कोई कल भैंस ला सकता है। वे कह सकते हैं कि मुझे भैंस का दूध चाहिए।' सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि ऐसा कोई प्रावधान होना चाहिए जिसके तहत गेटेड कम्युनिटी मतदान के जरिए फैसला ले सके। वकील वंदना जैन ने कहा, 'हम कुत्तों के खिलाफ नहीं हैं। हमें कुत्तों के खतरे और सार्वजनिक सुरक्षा को देखना होगा। 6.2 करोड़ कुत्तों की आबादी है और स्थिति नियंत्रण से बाहर होती जा रही है।' मामले की सुनवाई कल भी जारी रहेगी। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं की दलीलों पर सवाल करते हुए कहा, 'क्या कुत्तों को यह सिखाया जा सकता है कि वे किसी को न काटें? किसी को कैसे पता चलेगा कि कौन सा कुत्ता काटने के मूड में है या नहीं?'

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पशुप्रेमियों को शेल्टर में मौजूद कुत्तों को खाना खिलाना चाहिए।

'राजस्थान हाई कोर्ट के दो जज भी कुत्तों के शिकार'

नई दिल्ली, 7 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को आवारा कुत्तों से जुड़े मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि मनुष्यों पर हमले बढ़ रहे हैं। इस मामले की सुनवाई जस्टिस नाथ, मेहता और एनवी अंजारी की तीन-न्यायाधीशों वाली विशेष पीठ द्वारा की गयी। इस दौरान अदालत ने कहा कि राजस्थान हाईकोर्ट के दो जज दुर्घटना का शिकार हुए हैं और एक जज अभी भी रीढ़ की हड्डी की चोट से जूझ रहे हैं। वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को आवारा कुत्तों के मामले में दायर किए जा रहे अंतरिम आवेदनों की अधिक संख्या पर ध्यान दिया। कोर्ट ने यह भी टिप्पणी की कि मानव मामलों में भी इतनी संख्या में आवेदन नहीं देखे जाते।

जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच ने सुनवाई शुरू करते हुए कहा, आज हम सबको समय देंगे। किसी को शिकायत न रहे कि उसे नहीं सुना गया। पहले पीड़ितों को सुनेंगे, फिर डॉग लवर्स को। कोर्ट ने कहा कि सड़क पर आवारा पशुओं की मौजूदगी से राजस्थान हाईकोर्ट के दो जज दुर्घटना का शिकार हुए हैं।

इसरो के नए साल का पहला मिशन

> रणनीतिक क्षमता बढ़ाने वाला ईओएस-एन1 उपग्रह 12 जनवरी का होगा लॉन्च

नई दिल्ली, 7 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन इसरो नए साल के अपने पहले मिशन की तैयारी में जुट गया है। इस कड़ी में पीएसएलवी-सी62 मिशन का प्रक्षेपण 12 जनवरी को श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से किया जाएगा। इसरो के एक अधिकारी के अनुसार, मिशन का मुख्य पेलोड ईओएस-एन1 है, जो एक उन्नत इमेजिंग सैटेलाइट है। इस उपग्रह को अनुसंधान और विकास संगठन द्वारा रणनीतिक जरूरतों के लिए विकसित किया गया है। इससे निगरानी और सुरक्षा से जुड़ी क्षमताओं को मजबूती मिलने की उम्मीद है। इस मिशन में रॉकेट के साथ एक छोटा प्रोब डिवाइस केस्ट्रेल इनिशियल डेमोंस्ट्रेटर भी भेजा जाएगा, जिसे स्पेन स्थित एक स्टार्टअप ने विकसित किया है। यह डिवाइस पीएस-4 स्टेज से जुड़ा रहेगा। इसके अलावा, भारत, मॉरीशस, लक्जमबर्ग, यूएई, सिंगापुर, यूरोप और अमेरिका के स्टार्टअप्स व शोध संस्थानों के कुल 17 अन्य वाणिज्यिक पेलोड भी इस उड़ान में शामिल हैं। इसरो ने 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट कर जानकारी दी कि आम लोग इस प्रक्षेपण को श्रीहरिकोटा स्थित लॉन्च व्यू गैलरी से देख सकते हैं। इसके लिए ऑनलाइन पंजीकरण अनिवार्य होगा। एजेंसी ने दर्शकों से आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस या किसी अन्य सरकारी पहचान पत्र के साथ मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी तैयार रखने की अपील की है, ताकि पंजीकरण प्रक्रिया सुगम और त्वरित हो सके।

वेनेजुएला पर भारत ने क्लियर कर दिया अपना स्टैंड

दोनों देशों के संबंध बहुत अच्छे : जयशंकर

नई दिल्ली, 7 जनवरी (एजेंसियां)। वेनेजुएला में अमेरिका की 'दादागीरी' पर भारत का क्या स्टैंड है? ये सवाल तब से ही लगातार पूछा जा रहा है कि जबसे अमेरिका निकोलस मादुरो को गिरफ्तार करके अमेरिका ले गया है। आखिरकार अब भारत ने अपना स्टैंड क्लियर कर दिया है कि वेनेजुएला में हुए इतने बड़े घटनाक्रम को लेकर आखिरकार भारत क्या सोचता है।

भारत ने यह भी साफ कर दिया है कि वेनेजुएला के साथ हमारे बहुत पुराने और अच्छे संबंध रहे हैं, इसलिए हम यह चाहते हैं कि वेनेजुएला के हालात फिर से अच्छे हो जाएं। भारत का स्टैंड विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सामने रखा है। उनका बयान तब आया, जब वह यूरोपीय देश लग्जमबर्ग की यात्रा पर गए हुए हैं। लग्जमबर्ग में एस जयशंकर से पूछा गया कि वेनेजुएला में अमेरिकी एक्शन पर भारत का क्या रुख है। इस पर विदेश मंत्री ने कहा कि हमने पहले ही इस बारे में भारत का स्टैंड सबके सामने रख दिया है। इसलिए आपको एक दिन पहले ही भारत की तरफ से दिया गया स्टेटमेंट देखना चाहिए। विदेश मंत्री ने आगे कहा कि इस घटनाक्रम को लेकर हम चिंतित हैं। हम दोनों पक्षों से यह कहेंगे कि वह एक टेबल पर आकर बैठें और इस मुद्दे को सुलझाने के लिए किसी निर्णय पर पहुंचें।

उन्होंने आगे कहा कि अगर दोनों किसी मत पर पहुंच जाते हैं तो यह वेनेजुएला के लोगों के भी हित में होगा। भारतीय विदेश मंत्री ने वेनेजुएला के साथ भारत के संबंधों की बात करते हुए बताया कि हम वेनेजुएला को फिर से उस देश की तरह देखना चाहते हैं, जिसके साथ भारत के बहुत पुराने और अच्छे संबंध रहे हैं। हम चाहेंगे कि जो भी घटनाक्रम वेनेजुएला में हुए हैं, वहां के लोग उससे ठीक तरह से बाहर आ जाएं। बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस हमले के पहले से ही वेनेजुएला पर कई तरह के आरोप लगाते आए हैं। ट्रंप ने अपने एक्शन से पहले कहा था कि वेनेजुएला से अमेरिका में ड्रग्स और हथियार की सप्लाई की जा रही है। हालांकि, जब निकोलस मादुरो को अमेरिकी कोर्ट में पेश किया गया तो उन्होंने इन आरोपों से साफतौर पर इनकार कर दिया। एक्सपर्ट्स का मत है कि डोनाल्ड ट्रंप ने वेनेजुएला पर वहां के तेल रिजर्व के लिए हमला किया है।

कैदियों को पारिवारिक शादियों के लिए भी मिलेगी छुट्टियां

> भतीजे-भानजे में भेदभाव असंवैधानिक

तिरुवनंतपुरम, 7 जनवरी (एजेंसियां)। केरल उच्च न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण निर्णय में स्पष्ट किया है कि किसी बंदी को आपातकालीन अवकाश देते समय उसके भाई और बहन की संतानों के बीच कोई भेद नहीं किया जा सकता। न्यायालय ने व्यवस्था दी है कि अब कैदी अपने भाई के बच्चों (भतीजे-भतीजी) के विवाह समारोह में भी सम्मिलित हो सकेंगे। न्यायालय ने कहा कि जेल प्रशासन की वर्तमान व्याख्या संविधान के अनुच्छेद 14 और 15 का उल्लंघन करती है।

न्यायालय ने कहा नियमों की हो रही गलत व्याख्या

न्यायालय ने पाया कि केरल कारागार एवं सुधारात्मक सेवा (प्रबंधन) नियम, 2014 के नियम 400 (1) (ii) के अंतर्गत आने वाले मलयालम शब्द 'प्रत्यक्ष भतीजा' और 'प्रत्यक्ष भतीजी' की गलत व्याख्या की जा रही है। इसमें केवल बहन के पुत्र और पुत्री को ही शामिल किया जा रहा है। न्यायालय ने कहा कि ऐसी व्याख्या संविधान के अनुच्छेद 14 और 15 का उल्लंघन है।

न्यायालय ने जारी किया आदेश

न्यायालय ने कहा कि नियम 400 अच्छे आचरण वाले बंदियों को असाधारण परिस्थितियों में आपातकालीन छुट्टी का प्रावधान करता है। इसमें बेटे, बेटी, भाई, बहन और पोते-पोती की शादी शामिल है। न्यायमूर्ति ने स्पष्ट किया कि बहन की संतानों और भाई की संतानों के बीच कोई भेदभाव नहीं किया जा सकता।

अगर बंदी नियम 400 की अन्य शर्तें पूरी करता है, तो उसे अपने भाई के बच्चों के विवाह में शामिल होने के लिए भी अवकाश दिया जाना चाहिए। न्यायालय ने याचिका स्वीकार करते हुए निर्देश दिया कि इस निर्णय की प्रति राज्य के सभी कारागार अधीक्षकों को भेजी जाए, ताकि भविष्य में ऐसी विसंगति न हो।

हवा में ही दुश्मन के ड्रोन हो जाएंगे तबाह

भारत मिशन सुदर्शन चक्र के तहत कर रहा स्पेशल ग्रिड का निर्माण

नई दिल्ली, 7 जनवरी (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारतीय थल सेना, वायु सेना और नौसेना तीनों अपनी क्षमता बढ़ाने के लिए लगातार कोशिश में जुटी हुई है। इसी क्रम में भारतीय सशस्त्र बल एक संयुक्त मानवरहित हवाई प्रणाली (सीयूएएस) ग्रिड विकसित करने में जुट गया है जो तीनों सेवाओं में ड्रोन-रोधी क्षमताओं को एकीकृत करेगा। इस ग्रिड के बनने से दुश्मन के हर ड्रोन हवा में ही नष्ट हो जाएंगे।

यह सीयूएएस ग्रिड, इंटीग्रेटेड एयर कमांड एंड कंट्रोल सिस्टम (आईएससीसीएस) जैसे वर्तमान में मौजूद हवाई रक्षा नेटवर्क से बिल्कुल अलग तरह से काम करेगा। अधिकारियों के मुताबिक पारंपरिक हवाई खतरों के साथ-साथ छोटे ड्रोनों पर नजर रखने का काम आईएससीसीएस पर डालने से नेटवर्क पर अत्यधिक बोझ पड़ जाएगा। इसके बजाय, नया ग्रिड, सेना, नौसेना और वायु सेना के संयुक्त हवाई रक्षा केंद्रों (जेएडीसीएस) से जुड़ा होगा और एक स्थायी डेडिकेटेड ड्रोन-रोधी नेटवर्क के रूप में कार्य करेगा।

ड्रोन राधी सिस्टम को एक साथ एकीकृत करेगा

अधिकारियों ने इस ग्रिड को लेकर जानकारी देते हुए कहा कि यह ग्रिड पिछले 5 से 6 वर्षों में सेना की तीनों सेवाओं के पास मौजूद ड्रोन-रोधी प्रणालियों को एकीकृत करेगा, जिससे वास्तविक समय की निगरानी और कम ऊंचाई वाले और मानवरहित हवाई खतरों पर तुरंत प्रतिक्रिया संभव हो सकेगी। बता दें कि पाकिस्तान की सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान तुर्की और चीनी ड्रोन से भारत के नागरिक और सैन्य ठिकानों पर हमला करने की कोशिश की थी। लेकिन भारतीय सेना की एयर डिफेंस यूनिट्स ने इन हमलों को हर बार नाकाम कर दिया। खास तौर पर, एल-70 और जेडयू-23 गन्स ने छोटे ड्रोन्स को भारी नुकसान पहुंचाया।

जयपुर-बेंगलुरु फ्लाइट में बच्चे की तबीयत बिगड़ी इंदौर में इमरजेंसी लैंडिंग

इंदौर, 7 जनवरी (एजेंसियां)। इंदौर में जयपुर से बेंगलुरु जा रही एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट की मेडिकल इमरजेंसी के चलते इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। विमान में सवार एक बच्चे की तबीयत अचानक बिगड़ने के बाद यह फैसला लिया गया। बच्चे को सांस लेने में गंभीर परेशानी हो रही थी। हालांकि अस्पताल पहुंचाने से पहले ही बच्चे की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट आईएक्स1240 मंगलवार को जयपुर से शाम 5:30 बजे रवाना होकर रात 8:10 बजे बेंगलुरु पहुंचने वाली थी। यात्रा के दौरान विमान में सवार एक साल के बच्चे की तबीयत अचानक खराब हो गई। बच्चे को सांस लेने में दिक्कत होने लगी, जिसकी सूचना परिजनों ने तुरंत एयर होस्टेस को दी स्थिति गंभीर होने पर पायलट ने नजदीकी एयरपोर्ट इंदौर से शाम करीब 7:20 बजे संपर्क किया। एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने विमान को इंदौर एयरपोर्ट पर मेडिकल इमरजेंसी लैंडिंग की अनुमति दी और एयरपोर्ट पर मेडिकल इमरजेंसी घोषित कर दी गई।

बंगाल की खाड़ी में भारत की रणनीतिक बढ़त

हल्दिया में नया नौसैनिक बेस, चीनपाकिस्तानबांग्लादेश त्रिकोण पर नजर

कोलकाता, 7 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय नौसेना पश्चिम बंगाल के हल्दिया में नया नौसैनिक बेस स्थापित कर रही है। इसका उद्देश्य बंगाल की खाड़ी में भारत की मौजूदगी मजबूत करना, समुद्री निगरानी बढ़ाना और चीनपाकिस्तान के साथ-साथ बांग्लादेश क्षेत्र से जुड़ी बदलती समुद्री गतिविधियों पर करीबी नजर रखना है। हल्दिया, हुगली नदी पर स्थित है और बंगाल की खाड़ी से करीब 130 किलोमीटर दूर सैंडहेड्स डीप-सी एरिया के पास है। यहां पहले से मौजूद हल्दिया डॉक कॉम्प्लेक्स (1970 के दशक से चालू) बड़े जहाजों को संभालने में सक्षम है, जिससे नौसेना को बुनियादी ढांचा तैयार मिल रहा है। नई बेस में मुख्य रूप से फास्ट इंटरसेप्टर क्राफ्ट और न्यू वॉटर जेट फास्ट अटैक क्राफ्ट तैनात किए जाएंगे। ये पोत तटीय सुरक्षा, एंटी-पायरेसी और तुरंत गश्त के लिए अहम होंगे। इससे समुद्री निगरानी, मानवीय सहायता और आपदा राहत जैसे कार्यों में भी तेजी आएगी। बंगाल की खाड़ी में हाल के सालों में चीन की नौसैनिक गतिविधियां तेजी से बढ़ी हैं। चीन ने बांग्लादेश में चटगांव और पायरा पोर्ट जैसे इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में बड़ी भागीदारी की है, वहीं बांग्लादेशी नौसेना को चीनी युद्धपोत और पनडुब्बियां भी मिल रही हैं। दूसरी ओर, पाकिस्तान पहले से ही चीनी नौसैनिक प्लेटफॉर्म, पनडुब्बियां और सर्विलांस सिस्टम के सहारे अपनी समुद्री क्षमता बढ़ा रहा है। ऐसे में हल्दिया बेस भारत के लिए पूरब में उभरते चीनपाकिस्तानबांग्लादेश समुद्री समीकरण पर नजर रखने का अहम केंद्र बनेगा। हल्दिया की रणनीतिक स्थिति से भारतीय नौसेना बंगाल की खाड़ी से मलक्का स्ट्रेट की ओर जाने वाले समुद्री यातायात पर निगरानी बढ़ा सकेगी। यह वैश्विक व्यापार का अहम मार्ग है, जहां चीन की गतिविधियां लगातार बढ़ रही हैं। नया बेस अंडमान-निकोबार कमांड के साथ तालमेल बढ़ाने में मदद करेगा और पूर्वी समुद्री मोर्चे पर भारत की प्रतिक्रिया क्षमता को तेज करेगा।

मेडिकल कॉलेज हॉस्टल में छात्रा को जबरन पढ़ाई नमाज टीचर और वार्डन सस्पेंड

पालघर, 7 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पालघर जिले के वाडा तालुका में स्थित एक मेडिकल कॉलेज की छात्रा को कथित तौर पर एक दूसरी छात्रा ने जबरन नमाज पढ़ने के लिए मजबूर किया। घटना की जानकारी मिलने पर हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं ने कॉलेज में हंगामा किया। इसके बाद कॉलेज के एक टीचर और हॉस्टल वार्डन को सस्पेंड कर दिया गया।

बताया जा रहा है कि यह घटना रविवार रात को पोशेरी के एक कॉलेज में हुई, जिसके बाद तनाव फैल गया और हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं ने जमकर हंगामा काटा। जिसके बाद इलाके में पुलिस तैनात कर दी गई है। पुलिस ने सोमवार रात को इस मामले में एफआईआर दर्ज की। शुरुआती जांच से पता चलता है कि यह घटना रैगिंग से जुड़ी हो सकती है। पीड़ित छात्रा नासिक की रहने वाली है और कॉलेज में फर्स्ट ईयर की फिजियोथेरेपी की स्टूडेंट है।

भगत सिंह ने कांग्रेस सरकार के खिलाफ असेंबली में बम फेंका था: मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, 7 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है, जिसमे वो यह कह रही हैं कि भगत सिंह ने कांग्रेस सरकार के खिलाफ के बम फेंका था। उन्होंने यह बयान दिल्ली विधानसभा में दिया है। इस वीडियो के सामने आने के बाद लोग तरह-तरह के सवाल खड़े कर रहे हैं। वीडियो पर आम आदमी पार्टी और कांग्रेस ने सीएम रेखा पर तंज कसा है। सीएम रेखा गुप्ता के वीडियो को पोस्ट करते हुए पूर्व मंत्री सौरभ भारद्वाज ने लिखा कि रेखा गुप्ता जी को यह भी नहीं पता कि शहीद भगत सिंह आजादी से पहले के समय के क्रांतिकारी थे।

उन्हें लगता है कि आजादी के बाद कांग्रेस के विरोध में उन्होंने बम फेंका। स्कूल के बच्चे भी जानते हैं कि शहीद भगत सिंह ने 1929 को सेंट्रल लेजिस्लेटिव असेंबली में ब्रिटिश सरकार के विरोध में बम फेंका था। भारद्वाज ने सीएम की वीडियो के साथ एक अपना वीडियो भी पोस्ट किया है, जिसमें वह भगत सिंह की तस्वीर के सामने हाथ जोड़े हुए खड़े नजर आ रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने तस्वीर से हाथ जोड़कर माफी मांगी है। उन्होंने कहा कि हम आपसे माफी मांगते हैं। दिल्ली में बीजेपी की ऐसी मुख्यमंत्री आ गई हैं। जो ये कहती हैं कि आपने जो बम फेंका था वह आपने कांग्रेस की सरकार पर फेंका था। आपने भी नहीं सोचा होगा कि कभी ऐसा होगा।

कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत सीएम रेखा का वीडियो पोस्ट करते हुए कहा कि सुभाष चंद्र प्लेस के बाद अब दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता शहीदे आजम भगत सिंह से दिल्ली में कांग्रेस सरकार के ख़िलाफ़ बम फिकवा रही हैं। आगे लिखा कि वह ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ लड़ते हुए 1931 में मात्र 23 साल की उम्र में फांसी के फंदे को चूम कर शहीद हो गए थे। बीजेपी में एक से एक नमूने हैं।

'वन संरक्षण कानून में बदलाव से जंगलों के निजीकरण का रास्ता खुला'; कांग्रेस का केंद्र सरकार पर आरोप

नई दिल्ली, 7 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर बड़ा आरोप लगाते हुए कहा है कि वन संरक्षण कानून में 2023 में किए गए संशोधनों से देश में जंगलों के प्रबंधन का निजीकरण शुरू हो गया है। पार्टी का कहना है कि यह बदलाव देश की वन नीति और पर्यावरण सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है। कांग्रेस के महासचिव और पूर्व पर्यावरण मंत्री जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा 2 जनवरी को जारी एक सर्कुलर साझा करते हुए यह आरोप लगाया।

जयराम रमेश ने कहा कि अगस्त 2023 में मोदी सरकार ने वन संरक्षण अधिनियम, 1980 में संशोधन को संसद में जल्दबाजी में पारित कराया। इस दौरान न केवल कानून का नाम बदलकर वन (संरक्षण एवं संवर्धन) अधिनियम किया गया, बल्कि जंगलों के संचालन और प्रबंधन से जुड़े नियमों में भी बड़े और दूरगामी बदलाव किए गए। उनका कहना है कि उस समय ही यह आशंका जताई गई थी कि इन संशोधनों से निजी संस्थाओं को जंगलों में प्रवेश का रास्ता मिल जाएगा, और अब मंत्रालय के सर्कुलर से यह साफ हो गया है।

जयराम रमेश ने चेतावनी देते हुए कहा कि यह तो केवल शुरुआत है और आने वाले समय में इससे जंगलों के व्यावसायिक उपयोग को और बढ़ावा मिल सकता है। कांग्रेस का आरोप है कि इससे पर्यावरण संरक्षण की मूल भावना कमजोर होगी।

क्या कहता है मंत्रालय का सर्कुलर

सर्कुलर के अनुसार, यदि राज्य सरकारें सरकारी या गैर-सरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर प्राकृतिक पुनरुत्पादन, वृक्षारोपण या वन प्रबंधन गतिविधियां संचालित करती हैं, तो इसे वन गतिविधि माना जाएगा।

इस स्थिति में प्रतिपूरक वनीकरण और नेट प्रेजेंट वैल्यू का भुगतान जैसी शर्तें लागू नहीं होंगी। साथ ही, राज्य सरकारों को यह अधिकार भी दिया गया है कि वे इन गतिविधियों से होने वाले राजस्व का वितरण और साझा करने का ढांचा स्वयं तय कर सकें, जिससे जंगलों के व्यावसायिक और निजी प्रबंधन की राह खुल जाती है।

7 फीट गहरी हौज में डूबने से बच्चे की मौत

इंदौर, 7 जनवरी (एजेंसियां)। इंदौर के पलासिया थाना क्षेत्र अंतर्गत मनोरमागंज इलाके में मां मनीषा के साथ अपने नाना-नानी के घर रह रहे तीन साल के मासूम की पानी की हौज में डूबने से मौत हो गई। घटना मंगलवार शाम की है। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पलासिया पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान गणेश पुत्र सुनील भील (उम्र 3 वर्ष) के रूप में हुई है। मंगलवार शाम उसकी मां मनीषा घर के अंदर चाय बना रही थी, इसी दौरान गणेश खेलते-खेलते बाहर चला गया। काफी देर तक जब वह नजर नहीं आया तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। कुछ समय बाद गणेश घर के बाहर बनी करीब 7 फीट गहरी पानी की हौज में डूबा हुआ मिला। परिजन उसे तत्काल बाहर निकालकर अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

जेएनयू में शरजील इमाम की 'औलादों' के इरादों को कुचल देंगे: देवेंद्र फडणवीस

मुंबई, 7 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि जेएनयू में पैदा हुईं शरजील इमाम की औलादों के इरादों को कुचल दिया जाएगा। यह टिप्पणी जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में विरोध प्रदर्शन को लेकर हुए विवाद के मद्देनजर आई है। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को 2020 के दिल्ली दंगों की साजिश के मामले में कार्यकर्ताओं उमर खालिद और शरजील इमाम को जमानत देने से इनकार कर दिया।

नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) और राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) के खिलाफ व्यापक विरोध प्रदर्शनों के दौरान फरवरी 2020 में उत्तर पूर्वी दिल्ली में दंगे भड़क उठे, जिसमें 53 लोग मारे गए और 700 से अधिक लोग घायल हो गए। खालिद और इमाम को जमानत देने से इनकार किए जाने के विरोध में जेएनयू में हुए प्रदर्शन ने विवाद को जन्म दिया, जहां कथित तौर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को निशाना बनाते हुए आपत्तिजनक नारे लगाए गए थे। जेएनयू में नारों के संबंध में एक सवाल के जवाब में फडणवीस ने कहा कि हम जेएनयू में पैदा शरजील इमाम की इन औलादों के इरादों को कुचल देंगे। हम ऐसे इरादों को कुचल देंगे।

हुबली में पुलिस की बर्बरता

बीजेपी महिला कार्यकर्ता को निर्वस्त्र कर बदसलूकी का आरोप, पार्टी समर्थकों में फूटा गुस्सा

हुबली, 7 जनवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक के हुबली में एक बीजेपी महिला कार्यकर्ता को निवस्त्र कर उनके साथ बदसलूकी करने का आरोप है। केशवपुर पुलिस स्टेशन के पुलिसकर्मियों पर ये आरोप लगा है। कहा जा रहा है कि पुलिस ने कांग्रेस नगर निगम के एक सदस्य की शिकायत के बाद ऐसा किया, जिससे बीजेपी समर्थकों में भारी नाराजगी है। महिला के साथ बदसुलूकी की ये तस्वीरें सोशियल मीडिया पर भी पोस्ट हुई हैं। पुलिस के आला अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, कांग्रेस पार्षद सुवर्णा कल्लाकुंतला की शिकायत के बाद महिला को हिरासत में लिया गया। यह शिकायत राज्य में मतदाता सूची पुनरीक्षण अभ्यास के दौरान कांग्रेस और बीजेपी कार्यकर्ताओं के बीच पहले हुए विवाद से जुड़ी है। बताया जा रहा है कि महिला कांग्रेस की पूर्व कार्यकर्ता है जो हाल ही में बीजेपी में शामिल हुई थीं।

यह विवाद उन आरोपों से उत्पन्न हुआ था कि उन्होंने कुछ मतदाताओं के नामों को हटाने में अधिकारियों की सहायता की, जिसके कारण कांग्रेस और बीजेपी कार्यकर्ताओं के बीच झड़पें हुईं। जिनके साथ बदसलूकी हुई उन पर पहले से ही कुछ आपराधिक मामले दर्ज हैं, ऐसा पुलिस की जांच में सामने आया है। पुलिस कमिश्नर फिलहाल केशवपुर पुलिस स्टेशन में हैं और मामले की तहकीकात कर रहे हैं। इस घटना से इलाके में राजनीतिक तनाव जारी है और दोनों पार्टियां एक-दूसरे के खिलाफ शिकायत दर्ज करा रही हैं।

बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्या पर भड़के रॉबर्ट वाड्रा

बोले- 'बलि नहीं चढ़ाया जा सकता '

नई दिल्ली, 7 जनवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों को लेकर कारोबारी और कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हो रहे अत्याचारों की वह कड़े शब्दों में निंदा करते हैं। वाड्रा ने साफ कहा कि किसी देश की राजनीतिक अस्थिरता, प्रशासन की नाकामी या वैचारिक बदलाव किसी भी समुदाय पर हिंसा को सही नहीं ठहरा सकते।

रॉबर्ट वाड्रा ने कहा कि यह पूरी तरह अस्वीकार्य है कि किसी दूसरे देश की आंतरिक अव्यवस्था का नुकसान भारतीयों, खासकर हिंदुओं को उठाना पड़े। उन्होंने जोर देकर कहा कि मानवाधिकारों और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को किसी भी हालत में राजनीतिक अराजकता की भेंट नहीं चढ़ाया जा सकता।

लगातार सामने आ रही हैं हिंसा की खबरें

वाड्रा का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर लगातार हमलों की खबरें सामने आ रही हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पिछले तीन हफ्तों में हिंदू समुदाय के 5 लोगों की अलग-अलग हिंसक घटनाओं में मौत हो चुकी है।

जेस्सोर में हिंदू पत्रकार की हत्या

सोमवार शाम को बांग्लादेश के जेस्सोर जिले के मोनिरामपुर इलाके में एक और हिंदू व्यक्ति की कथित तौर पर सरेआम गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान राणा प्रताप बैरागी के रूप में हुई है, जो एक स्थानीय अखबार के कार्यवाहक संपादक भी बताए जा रहे हैं।

पुलिस का पक्ष क्या है?

हालांकि पुलिस का कहना है कि राणा प्रताप बैरागी के खिलाफ हत्या, बलात्कार और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत अलग-अलग थानों में तीन मामले दर्ज थे। यह घटना मोनिरामपुर उपजिले के एक बाजार में हुई।

जांच जारी, वजह अब भी साफ नहीं

राणा प्रताप बैरागी की हत्या को लेकर सोशल मीडिया पर काफी चर्चा हो रही है, लेकिन उनकी हत्या की असली वजह अब तक स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और सभी पहलुओं पर गौर किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला का बड़ा बयान

'वे हर चीज में धर्म को घसीटते हैं, अब जम्मू को अलग करने की कोशिश'

जम्मू, 7 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने विजय मर्चेंट ट्रॉफी में जम्मू-कश्मीर के शानदार प्रदर्शन के बहाने भाजपा और हिंदू संगठनों पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने फुटबॉल टीम चयन विवाद पर कहा, वे हर चीज में धर्म को घसीटते हैं। वे शिक्षा में धर्म को घसीटते हैं। वे खेलों में धर्म को घसीटते हैं। जम्मू को अलग करने की कोशिश कर रहे हैं। खाने-पीने के बारे में सुझाव देकर तो उन्होंने सारी हदें पार कर दी हैं। अब क्या बचा है? मुख्यमंत्री ने जम्मू में पत्रकारों के सवालों पर कहा कि उनकी पार्टी हर खेल को उसके वास्तविक स्वरूप में देखती है।

आपको उन लोगों से सवाल पूछने चाहिए जो खेल को राजनीति से जोड़ते हैं। जब हम टीम को देखते हैं, तो हम खिलाड़ियों के धर्म को नहीं देखते। वे धर्म के अलावा कुछ और नहीं देखते। जब फुटबॉल टीम में मुसलमानों की संख्या अधिक थी तो उन्हें उस पर आपत्ति थी। जब क्रिकेट टीम में

मुसलमानों की संख्या कम हुई तो उन्हें क्रिकेट टीम पर कोई आपत्ति नहीं थी। जब समस्या नहीं बची तो जम्मू को अलग करना चाहते हैं : पिछले कई दिनों से भाजपा व हिंदू संगठन जम्मू को अलग राज्य बनाने की मांग उठा रहे हैं। मुख्यमंत्री उमर ने इस पर पहली बार प्रतिक्रिया दी। उमर ने विरोध करने वालों पर हमला करते हुए कहा, उनके पास अब कोई समस्या नहीं बची है तो वे जम्मू को अलग करने की कोशिश कर रहे हैं। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा, आरक्षण के मुद्दे पर सरकार ने अपना काम पूरा कर लिया है। अब लोकभवन को इस बारे में जवाब देना है।

अकोला में कांग्रेस नेता की हत्या; नमाज के बाद हिदायतुल्ला पटेल पर चाकू से हमला

अकोला, 7 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र कांग्रेस के उपाध्यक्ष हिदायतुल्ला पटेल (66) पर अकोला जिले में एक मस्जिद के बाहर चाकू से हमला किए जाने के बाद इलाज के दौरान बुधवार सुबह मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि इस मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार, मंगलवार दोपहर करीब 1.30 बजे अकोट तालुका के मोहला गांव स्थित जामा मस्जिद में नमाज अदा करने के बाद जैसे ही

पटेल बाहर निकले, पुराने विवाद को लेकर आरोपी ने धारदार हथियार से उनके गले और सीने पर वार कर दिया। हमले में अत्यधिक रक्तस्राव हुआ। स्थानीय लोगों ने उन्हें तुरंत अकोट के एक निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां आईसीयू में इलाज के दौरान बुधवार सुबह उन्होंने दम तोड़ दिया। घटना के बाद सोशल मीडिया पर कुछ वीडियो वायरल हुए, जिनमें पटेल खून से सने कपड़ों में मस्जिद से बाहर निकलते दिखाई दे रहे हैं। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर फोरेंसिक टीम की मदद से साक्ष्य जुटाए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बी चंद्रकांत रेड्डी ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छह पुलिस टीमें गठित की गई थीं। आरोपी की पहचान उबैद खान कालू खान उर्फ रजिक खान पटेल (22) के रूप में हुई है, जिसे मंगलवार शाम करीब 8 बजे अकोट तालुका के पनाज गांव से गिरफ्तार किया गया। घटना के बाद मोहला गांव और अकोट शहर में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। जिला पुलिस अधीक्षक आर्चित चंदक हालात की समीक्षा कर रहे हैं। अकोट ग्रामीण पुलिस थाने में मामले की एफआईआर दर्ज कर आगे की जांच जारी है।

सोते वक्त कंबल में घुसा सांप और बीत गई पूरी रात, नहीं लगी भनक; आंख खुली तो... मौत को ऐसे छूकर निकला युवक

कोलकाता, 7 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के पश्चिम मिदनापुर जिले से एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। यहां कड़ाके की ठंड में एक व्यक्ति को उस समय जिंदगी और मौत के बीच की सबसे डरावनी रात गुजारनी पड़ी, जब वह अनजाने में एक जहरीले सांप के साथ पूरी रात सोता रहा। यह घटना चंद्रकोना ब्लॉक नंबर-1 के सीतारशोल गांव की है। सीतारशोल गांव निवासी श्यामसुंदर सांतरा रोज की तरह दिनभर मेहनत के बाद रात में अपने कमरे में मच्छरदानी लगाकर सो गए थे। सर्दी से बचने के लिए बिस्तर पर कंबल और कालीन बिछा हुआ था। इसी दौरान ठंड से बचने की तलाश में एक जहरीला चंद्रबोड़ा सांप, जिसे हिंदी में फुरसा और अंग्रेजी में रसेल का वाइपर कहा जाता है, मच्छरदानी के कोने से अंदर घुस आया। सांप कालीन की तहों में छिप गया और श्यामसुंदर के शरीर के बिल्कुल पास पूरी रात पड़ा रहा। श्यामसुंदर गहरी नींद में थे और उन्हें इस बात का जरा भी अंदाजा नहीं था कि मौत उनके इतने करीब है।

बीएमसी चुनाव से पहले बीजेपी को बड़ा झटका चुनाव आयोग ने किया रिजेक्ट कर दिया कैंपेन सॉन्ग

मुंबई, 7 जनवरी (एजेंसियां)। म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (बीएमसी) चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी को बड़ा झटका लगा है। पार्टी की ओर से तैयार किया गया खास कैंपेन गाना चुनाव आयोग ने रिजेक्ट कर दिया है। यह फैसला चुनावी तैयारियों के बीच सामने आया है, जिससे बीजेपी की रणनीति पर असर पड़ सकता है। बीएमसी चुनाव को लेकर बीजेपी ने एक खास कैंपेन सॉन्ग तैयार कराया था, ताकि युवाओं और आम मतदाताओं तक पार्टी का संदेश आसानी से पहुंचे। इस गाने के जरिए पार्टी मुंबई में अपने कामकाज और भविष्य की योजनाओं को आकर्षक अंदाज में पेश करना चाहती थी। इलेक्शन कमीशन ऑफ़ इंडिया ने इस गाने को चुनावी आचार संहिता के उल्लंघन के आधार पर कैंपेन में इस्तेमाल करने की इजाजत नहीं दी। आयोग का कहना है कि गाने में "भगवा" शब्द का इस्तेमाल किया गया है, जिसे चुनाव कोड ऑफ कंडक्ट के नियमों के तहत आपत्तिजनक माना गया।

जेम्स लेन मामला: ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस ने मांगी माफी, बॉम्बे हाईकोर्ट में दाखिल किया माफीनामा

मुंबई, 7 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी लेखक जेम्स लेन मामले में एक अहम घटनाक्रम सामने आया है। छत्रपति शिवाजी महाराज और राजमाता जीजामाता की कथित मानहानि से जुड़े इस मामले में ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस ने माफी मांग ली है। इसके साथ ही माफीनामा बॉम्बे हाईकोर्ट में दाखिल किया है और 20 साल बाद सतारा लोकसभा से संसद सदस्य उदयनराज भोसले को लेटर भेजा है।

यह मामला वर्ष 2003 में ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस इंडिया द्वारा प्रकाशित जेम्स विलियम लेन की किताब 'शिवाजीः हिंदू किंग इन इस्लामिक इंडिया' से जुड़ा है। आरोप है कि पुस्तक के कुछ अध्याय और अंश छत्रपति शिवाजी महाराज और राजमाता जिजाऊ की छवि को ठेस पहुंचाने वाले थे। इसके विरोध में आपराधिक मामला संख्या 3230/2004 के तहत सतारा के माननीय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में निजी शिकायत दर्ज की गई थी। मामले की सुनवाई के बाद 2 अप्रैल 2005 को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, सतारा ने आरोपियों के खिलाफ कार्यवाही शुरू करने का आदेश दिया।

इसके बाद बचाव पक्ष ने हाईकोर्ट में आपराधिक रिट याचिकाएं दाखिल की थीं। बचाव पक्ष में सैयद मंजर खान (संपादक, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस इंडिया), डॉ। श्रीकांत बहुलेकर (संस्कृत प्रोफेसर, तिलक महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, पुणे), सुचेता परांजपे (प्रोफेसर, तिलक महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, पुणे) और वीएल मंजुल (लाइब्रेरियन, भंडारकर संस्थान) के नाम शामिल थे। ये याचिकाएं 17 दिसंबर 2025 को कोल्हापुर सर्किट बेंच में न्यायमूर्ति शिवकुमार एस दिगे के समक्ष सूचीबद्ध हुईं। सुनवाई के दौरान आरोपियों के वकीलों ने अदालत को बताया कि वे शिकायतकर्ता (श्रीमंत छत्रपति उदयनराजे भोसले) से माफी मांगने को तैयार हैं और यह माफी अखबारों में प्रकाशित की जाएगी। शिकायतकर्ता की ओर से वकील शैलेश धनंजय चव्हाण, रणजीत पाटिल, सुजीत निकम और धवलसिंह पाटिल ने पक्ष रखा। इसके बाद हाईकोर्ट ने आरोपियों को 15 दिनों के भीतर राष्ट्रीय स्तर के अखबारों में माफी प्रकाशित करने का आदेश दिया।

माफी पत्र में कहा गया है कि छत्रपति शिवाजी महाराज करोड़ों लोगों के दिलों में सम्मान का स्थान रखते हैं और पुस्तक से यदि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंची हो तो उसके लिए गहरा खेद है। साथ ही उदयनराजे भोसले से बिना शर्त क्षमा मांगी गई है। बता दें कि इस किताब को लेकर विवाद वर्ष 2004 में तब गहराया था, जब संभाजी ब्रिगेड के कार्यकर्ताओं ने पुणे स्थित भंडारकर ओरिएंटल रिसर्च इंस्टीट्यूट में तोड़फोड़ की थी। प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि संस्थान ने लेखक को शोध में सहयोग दिया था और किताब में शिवाजी महाराज को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणियां की गई थीं।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार
जिंदगी भी कितनी अजीब होती है, मुस्कुराओ तो लोग जलते है, उदास रहो तो सवाल करते है!

सीएम की मौजूदगी में कई पार्षद कांग्रेस पार्टी में शामिल

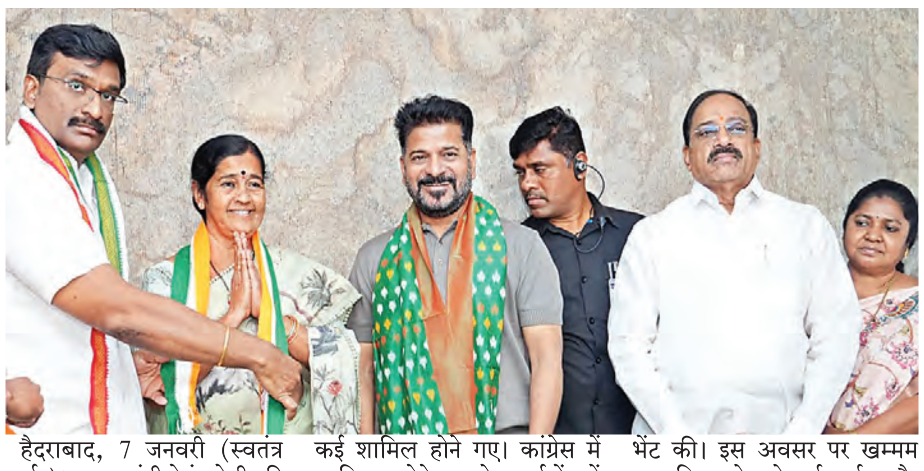

हैदराबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की उपस्थिति में खम्मम नगर निगम के कई पार्षदों के कांग्रेस पार्टी में शामिल होने का कार्यक्रम आयोजित किया गया। मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव के नेतृत्व में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस)से कांग्रेस में खम्मम नगर निगम के कई शामिल होने गए। कांग्रेस में शामिल होने वाले पार्षदों में दनियाल राधा, तोटा उमाराणी और रुद्रगानी श्रीदेवी शामिल हैं। इसके अलावा हाल ही में बीआरएस से कांग्रेस में शामिल हुए पार्षद सीएच लक्ष्मी, जी. चंद्रकला, डी. सरस्वती, अमृतम्मा और एम. श्रावणी ने मुख्यमंत्री से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर खम्मम नगर निगम से जुड़े कई पार्षद और कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता भी मुख्यमंत्री से शिष्टाचार भेंट के लिए उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विधायक मट्टा रागमयि, तुम्मला युगंधर तथा पूर्व एमएलसी बालसानी लक्ष्मी नारायण सहित अन्य नेता उपस्थित रहे।

शी टीम ने दिखाया सख्त रवैया, 13 अपराधी गिरफ्तार

कानूनी कार्रवाई में 3 दोषियों को 7 दिन की जेल

हैदराबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। महिला सुरक्षा विंग के शी टीम ने दिसंबर 2025 में सक्रिय अभियान चलाकर महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की। टीम ने इस दौरान 98 शिकायतें प्राप्त की, जिनमें से 29 को पुलिस स्टेशनों को भेजा गया और 14 मामलों में एफआईआर दर्ज हुई। 15 मामले आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए लंबित हैं। टीम की सक्रियता से 13 अपराधी रंगे हाथ पकड़े गए, जिनमें 11 वयस्क और 2 नाबालिग शामिल हैं। 7 अपराधियों को परिवार की मौजूदगी में चेतावनी देकर छोड़ा गया। गंभीर मामलों में 9 छोटो मामले दर्ज किए गए। कानूनी कार्रवाई में 3 दोषियों को 7 दिन जेल और जुर्माना, 1 दोषी को 4 दिन जेल और जुर्माना, 1 दोषी को 2 दिन जेल, और 3 दोषियों को केवल जुर्माना की सजा दी गई। प्रमुख मामले में एक इंजीनियरिंग छात्रा का रैपिडो चालक ने ऑनलाइन उत्पीड़न किया, आरोपी को गिरफ्तार कर 7 दिन जेल और 250 रुपये जुर्माना लगा। इसी तरह पड़ोसी टी. सोल राजू ने लड़की का पीछा किया और जबरदस्ती बाइक पर बैठाने का प्रयास किया, आरोपी को पकड़ कर 7 दिन जेल और 500 रुपये जुर्माना चुकाना पड़ा। इसी तरह इंस्टाग्राम पर दोस्त बनकर ब्लैकमेल करने वाले वाई. साई त्रिनाथ को 7 दिन जेल व 500 रुपये जुर्माना, सोशल मीडिया पर परेशान करने वाले के. सुमन्थ साई कुमार को 4 दिन जेल तथा 250 रुपये जुर्माना देना पड़ा। शी टीम ने दिसंबर में 188 जागरूकता कार्यक्रम, 1045 निगरानी अभियान, और 234 एवी वाहन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर हजारों नागरिकों को सुरक्षित रहने के लिए जागरूक किया।

कांग्रेस नेता 28 करोड़ रुपये के जीएसटी धोखाधड़ी के आरोप में गिरफ्तार

हैदराबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जीएसटी खुफिया महानिदेशालय (डीजीजीआई) ने बुधवार को बताया कि तेलंगाना कांग्रेस नेता एम. सुनील कुमार को जीएसटी धोखाधड़ी के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। ऑरेंज पैसेंजर ट्रांसपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक सुनील कुमार और ट्रिलियन लीड फैक्ट्री के प्रबंध निदेशक चेतन एन. को क्रमशः जीएसटी चोरी और फर्जी आईटीसी रैकेट के आरोप में पकड़ा गया है।हैदराबाद क्षेत्रीय इकाई के डीजीजीआई का दावा है कि सुनील कुमार को 28.24 करोड़ रुपये का वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) एकत्र करते हुए पाया गया, लेकिन नियत तारीख के तीन महीने बाद भी उन्होंने धनराशि सरकार के पास जमा नहीं किया था। इसी तरह, ट्रिलियन लीड फैक्ट्री प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक चेतन, 22 करोड़ रुपये के फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) के मास्टरमाइंड थे। हैदराबाद क्षेत्रीय इकाई के डीजीजीआई ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि दोनों को सीजीएसटी अधिनियम 2017 के प्रावधानों के तहत गिरफ्तार किया गया है।

डीजीजीआई के अधिकारियों ने सुनील कुमार और चेतन दोनों को नामपल्ली आपराधिक न्यायालय परिसर में मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया। डीजीजीआई ने कहा कि उसने संगठित जीएसटी चोरी के मामलों में प्रवर्तन कार्रवाई तेज कर दी है। डेटा विश्लेषण और अंतर-एजेंसी सहयोग के माध्यम से विकसित विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर, संगठित जीएसटी चोरी रैकेट के सरगनाओं के खिलाफ प्रवर्तन कार्रवाई शुरू की गई ताकि बड़े पैमाने पर, अंतर-राज्यीय, संगठित धोखाधड़ी नेटवर्क को नष्ट किया जा सके। एजेंसी ने कहा कि अपराधों की गंभीरता को देखते हुए और संगठित कर धोखाधड़ी नेटवर्क पर लगातार दबाव बनाए रखने के लिए दोनों व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया था।सुनील कुमार निजामाबाद जिले के बल्कोंडा विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस पार्टी के प्रभारी भी हैं । उन्होंने 2023 के चुनावों में बल्कोंडा से चुनाव लड़ा था, लेकिन पूर्व मंत्री और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के नेता वेमुला प्रशांत रेड्डी से हार गए थे। जुलाई 2023 में, उन्होंने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे उपस्थिति में कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए थे।

जनस्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वालों पर कड़ी कार्रवाई तय

हैदराबाद सिटी पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार की चेतावनी

खाद्य मिलावट रोकने को लेकर पुलिस और फूड सेफ्टी अधिकारियों की तैयारी बैठक

हैदराबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद शहर में खाद्य पदार्थों में मिलावट को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और जनता के जीवन से खिलवाड़ करने वालों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

यह चेतावनी हैदराबाद सिटी पुलिस आयुक्त श्री वी.सी. सज्जनार ने दी। उन्होंने कहा कि खाद्य मिलावट के इस दानव को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए पुलिस और खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की विशेष संयुक्त टीमों को मैदान में उतारा जाएगा। खाद्य मिलावट की रोकथाम के लिए उठाए जाने वाले कदमों पर बुधवार को बंजारा हिल्स स्थित टीजीआईसीसीसी में खाद्य सुरक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक तैयारी बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता सिटी पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार ने की। बैठक में सिटी पुलिस आयुक्त ने कहा कि खाद्य मिलावट को कोई मामूली अपराध नहीं माना जाएगा, बल्कि इसे जनता के जीवन को खतरे में डालने वाला हत्या के प्रयास के समान गंभीर अपराध के रूप में देखा जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि केवल सड़क किनारे छोटे व्यापारियों तक ही कार्रवाई सीमित नहीं रहेगी, बल्कि मिलावट के स्रोत बने निर्माण और उत्पादन केंद्रों पर भी सीधे छापे मारे जाएंगे। इसके लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार कर उसे सख्ती से लागू किया जाएगा। बैठक के दौरान पुलिस और खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के साथ खाद्य मिलावट नियंत्रण से जुड़ी जमीनी चुनौतियों और आवश्यक कदमों की समीक्षा की गई।

अधिकारियों द्वारा दिए गए सुझावों पर विचार कर एसओपी को अंतिम रूप दिया जाएगा और प्रभावी ढंग से लागू किया जाएगा। सिटी पुलिस आयुक्त ने कहा कि निरीक्षण, नमूना संग्रह, जब्ती और गिरफ्तारी की प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की कानूनी बाधा न आए, इसके लिए पूरी सावधानी और कानूनी मजबूती के साथ कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने व्यापारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि गुणवत्ता मानकों का पालन अनिवार्य है। मिलावट के मामलों में बार-बार पकड़े जाने वाले व्यापारियों के लाइसेंस स्थायी रूप से रद्द कराए जाएंगे। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि जनता के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने वाले मिलावट माफिया के खिलाफ पीडी एक्ट लागू करने से भी पुलिस पीछे नहीं हटेगी। सिटी पुलिस आयुक्त ने जानकारी दी कि खाद्य मिलावट से संबंधित सूचनाएं तत्काल देने के लिए शीघ्र ही आम जनता के लिए एक विशेष व्हाट्सएप या टोल-फ्री नंबर शुरू किया जाएगा। सूचना देने वालों की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। बैठक में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (क्राइम्स) श्रीनिवासुलु, संयुक्त पुलिस आयुक्त (ट्रैफिक) जॉयल डेविस, पुलिस उपायुक्त श्वेता, अपूर्वा राव, रूपेश, गायकवाड़ वैभव रघुनाथ, निदेशक डॉ. शिवलीला, सेवानिवृत्त डीएफसी विजय कुमार, एएफसी बाल राजू, आनंद राव, फूड इंस्पेक्टर जग्गा रेड्डी, सभी जोनों के डीसीपी, अतिरिक्त डीसीपी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

मादक पदार्थ और देह व्यापार में संलिप्तता के आरोप में केन्या की महिला निर्वासित

हैदराबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में मादक पदार्थों की तस्करी और देह व्यापार में कथित संलिप्तता पाए जाने के बाद बुधवार को केन्या की महिला सिल्वेंदा खासोहा को निर्वासित कर दिया गया। दिसंबर 2025 में राज्य की सीमा पर तीन विदेशी महिलाओं को अवैध गतिविधियों के संदेह में गिरफ्तार किया गया था। जांच में पता चला कि तीनों महिलाओं ने जाली पासपोर्ट और वीजा का उपयोग कर दिल्ली से भारत में प्रवेश किया और बाद में आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में अपार्टमेंट किराए पर लेकर कथित अवैध गतिविधियों में लिप्त रही। बायोमेट्रिक सत्यापन से पुष्टि हुई कि खासोहा भारत में समाप्त वीजा के साथ अवैध रूप से रह रही थी। आवागमन प्रतिबंध आदेश के तहत उन्हें हैदराबाद के सीसीएस हिरासत केंद्र में रखा गया और एक महीने से अधिक समय तक हिरासत में रहने के बाद खसोहा को केन्या प्रत्यर्पित कर दिया गया।

कांग्रेस और बीआरएस एक ही सिक्के के दो पहलू: भाजपा सांसद

हैदराबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मेदक से भाजपा सांसद रघुनंदन राव ने बुधवार को कांग्रेस सरकार और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि हालिया विधानसभा सत्र महज औपचारिकता के तौर पर केवल पांच दिनों के लिए चलाया गया। उन्होंने मुख्य विपक्षी दल बीआरएस पर सत्र का बहिष्कार कर अपनी भूमिका में पूरी तरह विफल रहने का आरोप लगाया। रघुनंदन राव ने कहा कि जहां कांग्रेस सरकार ने महत्वपूर्ण जल मुद्दों पर चर्चा से बचाव किया, वहीं बीआरएस 'डरकर भाग गई।' उन्होंने कहा, 'अब यह स्पष्ट हो गया है कि कांग्रेस और बीआरएस एक ही सिक्के के दो पहलू हैं।' उन्होंने यह भी कहा कि सीमित संख्या में होने के बावजूद भाजपा विधायकों ने विधानसभा में सरकार से मजबूती से सवाल किए। भाजपा सांसद ने भाजपा विधायक दल के नेता महेश्वर रेड्डी और पार्टी के विधायकों के प्रदर्शन की सराहना की तथा तेलंगाना की जनता और बुद्धिजीवियों से राज्य की सत्ता भाजपा को सौंपने का अवसर देने की अपील की। रघुनंदन राव ने आरोप लगाया कि जब मुख्यमंत्री पलामुरु और कृष्णा जल मुद्दों पर बोल रहे थे, तब कांग्रेस के करीब 20 विधायक अनुपस्थित थे, जिससे पार्टी की गंभीरता पर सवाल खड़े होते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस दलबदल के जरिए सत्ता में आई है और दलबदलू नेताओं को आत्ममंथन करना चाहिए। फिल्म टिकट दरों पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने भेदभाव का आरोप लगाया और कहा कि एक अभिनेता की फिल्मों के लिए ऊंची टिकट दरों की अनुमति देना और अन्य के लिए नहीं देना पक्षपात दर्शाता है। उन्होंने कहा, 'सभी फिल्मों के लिए एक ही नियम होना चाहिए।'

रेलवे प्रशासन की रीढ़ हैं आशुलिपिक : राघवय्या

दमरे आशुलिपिक संगठन की वार्षिक साधारण सभा संपन्न

हैदराबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे आशुलिपिक संगठन (साउथ सेंट्रल रेलवे स्टेनोग्राफर्स एसोसिएशन) द्वारा आज रेलवे स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स (आरएससी), सिकंदराबाद में वार्षिक साधारण सभा (एजीबी) का भव्य आयोजन किया गया। यह सभा आशुलिपिकों के जनक सर आइजैक पिटमैन (4 जनवरी 1813 – 22 जनवरी 1897) की स्मृति में आयोजित की गई। कार्यक्रम में एनएफआईआर/एससीआरईएस के महासचिव डॉ. एम. राघवय्या मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। सभा का आयोजन जोनल अध्यक्ष टी. अनिल कुमार और जोनल सचिव जे. रामकृष्ण के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर डॉ. एम. राघवय्या ने दक्षिण मध्य रेलवे के सात सेवानिवृत्त वरिष्ठ आशुलिपिकों को उनके दशकों तक चले निस्वार्थ और अथक सेवा कार्यों के सम्मान में 'लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड' मेमेंटो एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में आशुलिपिकों की भूमिका को रेलवे प्रशासन की रीढ़ बताते हुए संगठन की एकता, समर्पण और कर्मचारियों के कल्याण के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि आशुलिपिकों का योगदान प्रशासनिक कार्यों में अत्यंत महत्वपूर्ण है और संगठन को उनके हितों की रक्षा के लिए निरंतर सक्रिय रहना चाहिए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में आशुलिपिकों एवं संगठन के पदाधिकारियों ने भाग लिया।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I , Smt Maheswari, W/o, No. 14647137L, Hav, K Sreenivasulu, R/o, Dist : Prakasam, A P, changed my name from Smt Maheswari to Kancharla Maheswari, vide Affidavit No. BN 820750 dt. 06.01.2026, before Spl Judicial Magistrate, Hyderabad.

I , No. 14667895 K, NK, Patil Dipak Pratap, R/o, Dist: Jalgaon, Maharashtra, changed my Father's name from Pratap to Pratap Yadav Patil , vide Affidavit No.284135 dt.06.01.2025, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No. 14667895K, NK, Patil Dipak Pratap,R/o, Dist Jalgaon, Maharashtra, changed my Mother's name from Kalpana Ben to Kalpanabai Pratap Patil, vide Affidavit No.284133 dt.06.01.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No. 14648194Y, Hav, Om Prakash Gupta, R/o, Dist: Banda, Uttar Pradesh, changed my Mother's name from Ram Dulari Gupta to Ram Dulari, vide Affidavit No.284137 dt.06.01.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I , No.14647341K, Hav, Om Prakash Yadav, R/o, Dist: Sikar, Rajasthan, changed my Mother's name from Tija Devi to Tija , vide Affidavit No.284139 dt. 06.01.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

झोलाछाप डॉक्टर पकड़ा गया अवैध दवाइयां जब्त

हैदराबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना ड्रग्स कंट्रोल प्रशासन (डीसीए) के अधिकारियों ने एल्काथुर्थी मंडल के दामेरा गांव में एक अवैध क्लिनिक पर छापा मारकर बिना लाइसेंस रखी गई 30 प्रकार की दवाइयां जब्त कीं। 'फर्स्ट एड क्लिनिक' नाम से संचालित यह केंद्र स्वर्गम सतीश बाबू द्वारा चलाया जा रहा था, जो बिना किसी योग्यता के चिकित्सा अभ्यास कर रहा था। जब्त दवाओं में एंटीबायोटिक्स और स्टेरॉयड शामिल हैं, जिनकी कीमत 21,650 रुपये आंकी गई है। अधिकारियों ने चेतावनी दी कि एंटीबायोटिक्स का अंधाधुंध उपयोग एंटीमाइक्रोबियल प्रतिरोध को बढ़ाता है और स्टेरॉयड का दुरुपयोग गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा करता है। दवाओं के नमूने जांच के लिए भेजे गए हैं और आगे कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

भारत का पहला फेफड़ों पर केंद्रित जैव-इंजीनियरिंग केंद्र स्थापित

संगारेड्डी, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारत का पहला विशेष फेफड़ों के स्वास्थ्य पर केंद्रित जैव-इंजीनियरिंग उत्कृष्टता केंद्र बुधवार को आईआईटी हैदराबाद (आईआईटीएच) परिसर में स्थापित किया गया। यह केंद्र जर्मनी के गिएसेन स्थित जस्टस लिबिग विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट फॉर लंग हेल्थ (आईएलएच) के सहयोग से स्थापित किया गया है। केंद्र का उद्देश्य फेफड़ों के स्वास्थ्य अनुसंधान, अंतर्विषयक नवाचार और भारत-जर्मन साझेदारी को बढ़ावा देना है। इसका संयुक्त नेतृत्व आईआईटीएच की संकाय सदस्य रेणु जॉन और आईएलएच की सोनी सवाई पुलमसेट्टी कर रही हैं।

उद्घाटन कार्यक्रम में एआईजी हॉस्पिटल्स के चेयरमैन डी. नागेश्वर रेड्डी, जर्मनी के आईएलएच निदेशक प्रोफेसर वर्नर सीगर और आईआईटीएच के निदेशक प्रोफेसर बीएस मूर्ति उपस्थित थे। डॉ. नागेश्वर रेड्डी ने कहा कि बढ़ते वायु प्रदूषण के कारण फेफड़ों की बीमारियों पर गहन शोध की जरूरत है। प्रोफेसर वर्नर सीगर ने कहा कि यह केंद्र फेफड़ों और रक्त वाहिकाओं से संबंधित बीमारियों के अनुसंधान और उपचार में नए युग की शुरुआत करेगा। केंद्र आईआईटीएच के बायोमेडिकल इंजीनियरिंग विभाग की विशेषज्ञता के साथ फेफड़ों के स्वास्थ्य देखभाल में नवाचार, शोध और प्रतिभा विकास को बढ़ावा देगा। उद्घाटन कार्यक्रम का समापन विशेषज्ञों द्वारा गोलमेज चर्चा और वार्ता के साथ हुआ।

महिंद्रा और ऑस्ट्रेलियाई विश्वविद्यालय के बीच समझौता

हैदराबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। महिंद्रा विश्वविद्यालय (एमयू) और ऑस्ट्रेलियाई राष्ट्रीय विश्वविद्यालय (एएनयू) के बीच भारतीय स्नातक इंजीनियरिंग छात्रों के लिए एक अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक मार्ग तैयार करने को लेकर समझौता हुआ है।

इस समझौते के तहत छात्र अपने स्नातक पाठ्यक्रम के पहले दो वर्ष हैदराबाद स्थित महिंद्रा विश्वविद्यालय में पूरे करेंगे और अंतिम दो वर्षों की पढ़ाई के लिए ऑस्ट्रेलिया के कैनबरा स्थित एएनयू में अध्ययन करेंगे। वहां से उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त डिग्री प्राप्त होगी।

यह साझेदारी कृत्रिम बुद्धिमत्ता, कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग, मेकाट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कंप्यूटर इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग और नैनोटेक्नोलॉजी सहित सात प्रमुख इंजीनियरिंग विषयों को कवर करती है। छात्रों की प्रगति की वार्षिक समीक्षा की जाएगी और शुरुआत में प्रति वर्ष अधिकतम 20 छात्रों को ही इस कार्यक्रम में प्रवेश दिया जाएगा।

किलनी और घुनों के विकास की गुत्थी सुलझी

जीनोमिक अध्ययन से परजीवित की उत्पत्ति का खुलासा

हैदराबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। घुन (माइट्स) और किलनी (टिक्स) की रहस्यमयी दुनिया जितनी विविध है, उतनी ही जटिल भी। देखने में ये कीट जैसे प्रतीत होते हैं, लेकिन वास्तव में ये अरैक्निड वर्ग से संबंधित हैं, जिनके शरीर के दो भाग और आठ पैर होते हैं। घरों में पाए जाने वाले सूक्ष्म धूल घुनों से लेकर पालतू जानवरों और जंगलों में पाए जाने वाले रक्तचूषक किलनी तक, ये जीव पृथ्वी के लगभग हर वातावरण में मौजूद हैं। इनमें से कई प्रजातियां परजीवी होती हैं और खुजली, लंपी स्किन रोग, पौधों पर गॉल्स जैसी बीमारियों का कारण बनती हैं, जिससे वैश्विक स्तर पर पशुधन और फसलों को भारी नुकसान होता है। वैज्ञानिक लंबे समय से इनके जीनोम के आधार पर रोग फैलाने की क्षमता का पूर्वानुमान लगाने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन अरैक्निड्स के जीनोमिक विकास को समझने के प्रयास अब तक सीमित रहे हैं। इसी दिशा में सीएसआईआर-कोशिकीय एवं आणविक जीवविज्ञान केंद्र (सीसीएमबी), हैदराबाद के रामानुजन फेलो डॉ. सिद्धार्थ कुलकर्णी के नेतृत्व में किया गया एक नया अध्ययन महत्वपूर्ण साबित हुआ है। इस शोध में आईआईएसईआर तिरुवनंतपुरम के तीन स्नातक छात्रों के सहयोग से 90 विभिन्न अरैक्निड जीनोम का विश्लेषण किया गया, जो अब तक का सबसे बड़ा ऐसा अध्ययन माना जा रहा है। शोधकर्ताओं ने केवल जीनों की संरचना ही नहीं, बल्कि क्रोमोसोम पर जीनों की भौतिक क्रमबद्धता का भी अध्ययन किया। डॉ. कुलकर्णी के अनुसार, 'इसे ताश के पत्तों की गड्डी की तरह समझा जा सकता है। समय के साथ पत्ते फेंटे जाते हैं, लेकिन यदि दो अलग समूहों में पत्तों का क्रम एक जैसा मिले, तो यह उनके साझा पूर्वज की ओर संकेत करता है।' इस विश्लेषण से दो प्रमुख निष्कर्ष सामने आए। पहला, घुन और किलनी दो अलग-अलग वंशों से स्वतंत्र रूप से विकसित हुए हैं। ये दो समूह हैं, एकेरिफॉर्मीज़, जिसमें अधिकांश घुन शामिल हैं, और पैरासिटिफॉर्मीज़, जिसमें किलनी और कुछ अन्य घुन आते हैं। यह अध्ययन अरैक्निड्स के बीच विकासात्मक संबंधों की जटिल गुत्थी को सुलझाने की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

वैज्ञानिकों का मानना है कि इन संबंधों की बेहतर समझ से संक्रमण के प्रसार का पूर्वानुमान, नए रोगवाहकों की पहचान और समय रहते नियंत्रण संभव होगा। चूंकि घुन और किलनी वन्यजीवों, पशुओं और मनुष्यों के बीच आसानी से फैलते हैं, यह शोध वन हेल्थ रणनीतियों को मजबूत करने में सहायक होगा। जलवायु परिवर्तन और भूमि उपयोग में बदलाव के कारण इन सूक्ष्म अरैक्निड्स का फैलाव बदल रहा है। ऐसे में इनके विकासात्मक नेटवर्क को समझना मानव, पशु और पर्यावरणीय स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

थाने में दी गई थर्ड डिग्री... समस्तीपुर में चोरी के आरोपी के साथ पुलिस ने की बर्बरता

समस्तीपुर, 7 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के समस्तीपुर जिले में चोरी के आरोपी युवक को थर्ड डिग्री टॉर्चर और पिटाई करने का अजीब मामला सामने आया है। जिले के एक ज्वेलरी शॉप से 26 किलो चांदी चोरी मामले आरोपी युवक की बेरहमी से पिटाई की गई और उसके प्राइवेट पार्ट में पेट्रोल डाला थर्ड डिग्री टॉर्चर किया गया। दुकानदार और पुलिस पर थर्ड डिग्री टॉर्चर करने का आरोप है। घटना ताजपुर थाना क्षेत्र की है। आरोप है कि पुलिस कस्टडी में 31 दिसंबर से 4 जनवरी तक आरोपी युवक के साथ अमानवीय व्यवहार किया गया।

पांच जनवरी को हालात गंभीर होने पर छोड़ दिया गया। पीड़ित मनीष कुमार ने बताया कि पिता और पत्नी को थाने में तीन दिनों तक रखा गया। उसके घर की तलाशी ली गई और मारपीट की गई। पेट्रोल डालने के बाद जब प्राइवेट पार्ट से ब्लड आने लगा तो उसे छोड़ दिया गया। पीड़ित को परिजनों ने इलाज के लिए ताजपुर रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया है।

मिशन कर्मयोगी: कैपेसिटी बिल्डिंग से तय होगा अफसरों और कर्मचारियों का प्रमोशन

सात दिन का होगा कार्यक्रम

लखनऊ, 7 जनवरी (एजेंसियां)। अधिकारियों और कर्मचारियों की क्षमता बढ़ाने के लिए कैपेसिटी बिल्डिंग कार्यक्रम अनिवार्य होगा। ये कार्यक्रम सात दिनों का होगा। साथ ही इसे कर्मचारियों के प्रमोशन एवं एसीआर से भी जोड़ा जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मिशन कर्मयोगी के तहत उच्चस्तरीय बैठक में यह निर्देश देते हुए कार्ययोजना की समीक्षा की। सीएम ने नव प्रशिक्षणार्थियों की कार्यदक्षता बढ़ाने के लिए सभी ट्रेनिंग सेंटर्स के लिए कैपेसिटी बिल्डिंग पाठ्यक्रम बनाने को कहा। साथ ही सभी विभागों एवं सरकारी संस्थाओं के पाठ्यक्रम में एआई और साइबर सिक्योरिटी को अनिवार्य रूप से शामिल करने को भी कहा। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सभी विभाग और सरकारी संस्थाएं जरूरत के अनुसार अपना पाठ्यक्रम बनाकर भारत सरकार के ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म आईगॉट पोर्टल पर अपलोड करें। बैठक में कैपेसिटी बिल्डिंग कमीशन की चेयरपर्सन एस। राधा चौहान ने उत्तर प्रदेश में मिशन के क्रियान्वयन की स्थिति को लेकर विस्तृत कार्ययोजना प्रस्तुत की। इस दौरान सीएम ने कहा कि मिशन कर्मयोगी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की परिवर्तनकारी पहल है, जिसका उद्देश्य वैश्विक दृष्टिकोण के साथ भारतीय संस्कृति के मूल्यों को आत्मसात करते हुए ऐसे सक्षम मानव संसाधन तैयार करना है, जो देश के विकास की शक्ति बने।

हर स्तर के कर्मचारियों के अनुरूप बने पाठ्यक्रम

मुख्यमंत्री योगी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमों की गुणवत्ता, नियमित मूल्यांकन और व्यावहारिक उपयोगिता पर विशेष ध्यान दिया जाए। इसका ध्यान रखा जाए कि विभिन्न विभागों में कार्यरत अभियंताओं को नई डिजाइन एवं नई तकनीकि का ज्ञान प्राप्त हो सके। यह भी निर्देश दिया कि मिशन कर्मयोगी के तहत एएनएम, आशा कार्यकर्ता, पुलिस कांस्टेबल, पंचायती राज संस्थाओं और नगरीय निकायों से जुड़े फील्ड कर्मियों के लिए व्यवहारिक, कार्य-आधारित और जरूरतों के अनुरूप पाठ्यक्रम एवं प्रशिक्षण को प्राथमिकता दी जाए।

देश भर के 790 से अधिक सरकारी प्रशिक्षण संस्थान होंगे आधुनिक

मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत केंद्र में 30 लाख से अधिक सिविल सेवकों, राज्यों में लगभग 2.2 करोड़ कार्मिकों तथा शहरी स्थानीय निकायों और पंचायती राज संस्थाओं में लगभग 50 लाख कार्मिकों को क्षमता संवर्धन से जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस मिशन के माध्यम से देश भर के 790 से अधिक सरकारी प्रशिक्षण संस्थानों को आधुनिक बनाया जा रहा है। सभी सिविल सेवकों के सतत एवं समग्र ऑनलाइन प्रशिक्षण के लिए आईगॉट (इंटीग्रेटेड गवर्नमेंट ऑनलाइन ट्रेनिंग) डिजिटल प्लेटफॉर्म की स्थापना की गई है। आईगॉट प्लेटफॉर्म पर अब तक 1.45 करोड़ से अधिक उपयोगकर्ता पंजीकृत हो चुके हैं।

प्लेटफॉर्म पर कुल 4179 प्रशिक्षण पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं, जिनमें 840 से अधिक पाठ्यक्रम हिंदी में तथा 15 अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में 540 से अधिक पाठ्यक्रम शामिल हैं। अब तक 6.7 करोड़ से अधिक पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूर्ण किए जा चुके हैं, जबकि पाठ्यक्रम पूर्णता दर 70 प्रतिशत से अधिक है। आईगॉट कर्मयोगी के क्रियान्वयन में उत्तर प्रदेश देश का अग्रणी राज्य बनकर उभरा है। प्रदेश से 18.8 लाख से अधिक कार्मिक प्लेटफॉर्म पर ऑनबोर्ड हो चुके हैं, जो वर्ष 2025 में देश भर में हुई कुल ऑनबोर्डिंग का 93 प्रतिशत है। वहीं, प्रदेश के 10 लाख से अधिक उपयोगकर्ताओं ने कम से कम एक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया है।

तेज प्रताप यादव 14 जनवरी को देंगे चूड़ा दही का भोज, लालू परिवार को भी बुलाएंगे

पटना, 7 जनवरी (एजेंसियां)। तेज प्रताप यादव चूड़ा दही का भोज 14 जनवरी को देंगे। लालू परिवार को भी चूड़ा दही के भोज में निमंत्रण दिया जाएगा। तेज प्रताप यादव सत्ता पक्ष और विपक्ष को भी चूड़ा दही के भोज में आमंत्रण देंगे। तेज प्रताप यादव की पार्टी जेजेी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विकास ने ये जानकारी दी है। तेज प्रताप यादव को लालू प्रसाद यादव ने पार्टी और परिवार दोनों से निकाल दिया है। तेज प्रताव यादव ने इस बार अलग पार्टी बनाकर चुनान भी लड़ा। तेज प्रताप यादव खुद तो चुनाव हारे ही। साथ ही उनकी पार्टी के सभी उम्मीदवार भी चुनाव हार गए। चुनावी हार के बाद तेज प्रताप यादव ने सार्वजनिक कार्यक्रमों से दूरी बना ली थी।

वहीं, अब वह मकर संक्रांति के अवसर पर दही चूड़ा का आयोजन कर अपने आवास पर गैदरिंग करने वाले हैं। इसमें वह परिवार वालों, सरकार और विपक्ष के नेताओं को बुलाने की तैयारी में हैं। तेज प्रताप यादव ने बिहार सरकार के मंत्री और उपेन्द्र कुशवाहा के बेटे दीपक प्रकाश को दही चूड़ा के भोज पर आमंत्रित किया है।

इसकी जानकारी तेज प्रताव यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दी है। तेज प्रताप यादव ने कहा कि वह इस बार 26 एम स्ट्रैंड रोड स्थित अपने आवास पर दही चूड़ा भोज का आयोजन कर रहे हैं। बता दें कि बिहार में दही-चूड़ा का भोज मकर संक्रांति के अवसर पर एक प्रमुख सांस्कृतिक और पारंपरिक आयोजन है। यह त्योहार हर साल 14 जनवरी को मनाया जाता है। मान्यता है कि जब सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है। तब ये त्योहार मनाया जाता है।

कोडीन कफ सिरप मामले पर धनंजय सिंह ने साधी चुप्पी, पत्रकारों के सवाल पर जोड़ लिए हाथ

गोंडा, 7 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के गोंडा में नंदनी निकेतन में आयोजित आठ दिवसीय राष्ट्रकथा में जौनपुर के पूर्व बाहुबली सांसद धनंजय सिंह पहुंचे जहां सतगुरु श्री रितेश्वर महाराज जी का आशीर्वाद लिया और बृजभूषण शरण से मुलाकात की। इस दौरान जब उनसे कोडीन सिरप को लेकर सवाल किया तो वो बचते हुए दिखाई दिए। गोंडा में ये राष्ट्र कथा पूर्व बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह की तरफ से कराई जा रही है। इस कथा में धनंजय सिंह शामिल हुए। इस दौरान पत्रकारों ने जब धनंजय सिंह से कोडीन कफ सिरप और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के आरोपों को लेकर सवाल पूछा तो उनके बाउंसर्स और साथियों ने मीडियाकर्मियों को धक्का दे दिया। धनंजय सिंह भी हाथ जोड़ते हुए पीछे हट गए।

कोडीन को लेकर पूछे सवाल पर साथी चुप्पी

यूपी में कोडीन कफ सिरप की अवैध बिक्री के मामले में धनंजय सिंह के कई करीबी गिरफ्तार हुए हैं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव लगातार धनंजय सिंह पर हमलावर हैं। अखिलेश ने कहा था उनका नाम लिए बिना कहा कि मिर्जापुर में कालीन भैया और जौनपुर में कोडीन भैया। सपा अध्यक्ष ने योगी सरकार से भी सवाल पूछा था कि कोडीन भैया पर बुलडोजर कब चलेगा? हालांकि अखिलेश ने कभी सीधे तौर पर धनंजय सिंह का नाम नहीं लिया।

आरएसएस प्रांत प्रचारक के साथ बैठे धनंजय सिंह

इससे पहले धनंजय सिंह ने राष्ट्र कथा में पहुंचकर संत सद्गुरु रितेश्वर जी महाराज और भाजपा के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह का आशीर्वाद लिया। कैसरगंज से भाजपा सांसद करण भूषण सिंह ने धनंजय सिंह के पैर छुए तो धनंजय सिंह ने उन्हें गले लगाया। सदर विधायक प्रतीक भूषण सिंह ने भी उनका अभिनंदन किया। करण और प्रतीक भाई और बृजभूषण के बेटे हैं। धनंजय सिंह ने इस दौरान आरएसएस के प्रांत प्रचारक कौशल जी के साथ मंच पर बैठकर सद्गुरु की कथा सुनी।

आरएसएस के प्रांत प्रचारक के साथ धनंजय सिंह के मंच साझा करने के बाद राजनीतिक हलकों में अटकलें तेज हो गई हैं। इसे आने वाले समय की राजनीति से जोड़कर देखा जा रहा है।

बेऊर जेल से मिली थी अमन शुक्ला को धमकी

पटना, 7 जनवरी (एजेंसियां)। डकैत अमन शुक्ला हत्याकांड में पुलिस को लीड मिल चुकी है। जांच में जुटी एसआईटी कड़ियो और सबूतों को जोड़ने में जुटी है। तीन संदिग्धों को पुलिस ने उठाया है और पूछताछ कर रही है। अमन की पत्नी नेहा शुक्ला के लिखित बयान पर पत्रकार नगर थाने में अज्ञात पर केस दर्ज किया गया है। अमन का दाह संस्कार होने की वजह से उसकी पत्नी और अन्य परिजनों से पुलिस पूछताछ नहीं कर सकी है। अमन पर दो शूटरों ने तीन गोलियां चलाई थीं। अमन को 2 गोली लगी थीं। अमन शुक्ला को बेऊर जेल से एक सप्ताह पहले हत्या की धमकी मिली थी। कॉल कर उससे कहा गया था कि तुम्हारी हत्या कर दी जाएगी।

रिटायर्ड दरोगा का बेटा अमन नालंदा जिले के सरमेरा थाने के बड़ी मलामा गांव का रहने वाला था। उसने गिरोह के साथ जून 2020 में बेउर स्थित पंजाब नेशनल बैंक में दिनदहाड़े 52.38 लाख की डकैती की थी। इस मामले में वह जेल गया था। पिछले साल मई में जेल से छूटा था। उसके बाद मीठापुर में रहकर सिक्योरिटी एजेंसी चलाता था। माफियाओं को बाउंसर और सिक्योरिटी गार्ड उपलब्ध करवाता था।

जस्टिस संगम कुमार साहू बने पटना हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश, राज्यपाल ने दिलाई शपथ

पटना, 7 जनवरी (एजेंसियां)। जस्टिस संगम कुमार साहू ने पटना उच्च न्यायालय के 47वें मुख्य न्यायाधीश बन चुके हैं। बुधवार सुबह उन्होंने राजभवन में शपथ ली। राजभवन के राजेंद्र मंडप में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इसके बाद जस्टिस संगम कुमार साहू ने औपचारिक रूप से मुख्य न्यायाधीश का कार्यभार संभाल लिया। उन्होंने पूर्व मुख्य न्यायाधीश पीबी बजंथ्री के सेवानिवृत्त होने के बाद यह जिम्मेदारी संभाली है।

समारोह में उच्च न्यायालय के न्यायाधीश, वरिष्ठ अधिवक्ता, अधिकारी तथा अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। जस्टिस साहू के मुख्य न्यायाधीश बनने से न्यायिक कार्यों में गति और प्रभावशीलता आने की उम्मीद जताई जा रही है।

कॉलेजियम की सिफारिश पर राष्ट्रपति की मुहर

जस्टिस साहू की नियुक्ति की प्रक्रिया पिछले महीने शुरू हुई थी। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने 18 दिसंबर 2025 को हुई अपनी महत्वपूर्ण बैठक में जस्टिस संगम कुमार साहू के नाम की अनुशंसा केंद्र सरकार को भेजी थी। राष्ट्रपति की स्वीकृति मिलने के बाद केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्रालय ने गुरुवार को उनकी नियुक्ति की आधिकारिक विज्ञप्ति जारी कर दी। वर्तमान में पटना हाई कोर्ट में कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश के रूप में जस्टिस सुधीर सिंह जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।

जस्टिस संगम कुमार साहू का कानूनी सफर । जस्टिस साहू का जन्म वर्ष 1964 में हुआ था। उन्होंने कटक के नया बाजार हाई स्कूल से मैट्रिक और स्टीवर्ट विज्ञान कॉलेज से बीएससी की डिग्री ली। इसके बाद उन्होंने उत्कल विश्वविद्यालय से अंग्रेजी और ओड़िया में एम।ए। की उपाधि प्राप्त की। न्याय की समझ उन्हें विरासत में मिली। उन्होंने अपने पिता, प्रसिद्ध फौजदारी कानून विशेषज्ञ स्वर्गीय शरत चंद्र साहू के सानिध्य में वकालत की बारीकियां सीखीं।

26 नवंबर 1989 को ओडिशा राज्य कानून परिषद में वकील के रूप में पंजीकृत होने के बाद, उन्होंने डॉ। मनोरंजन पंडा के साथ भी काम किया। वह फौजदारी मामलों के माहिर वकील माने जाते थे। अपनी काबिलियत के दम पर 2 जुलाई 2014 को उन्हें ओडिशा हाई कोर्ट का न्यायाधीश नियुक्त किया गया था।

पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर की देवरिया जेल में बिगड़ी तबीयत, सीने में तेज दर्द के कारण गोरखपुर भेजा गया

देवरिया, 7 जनवरी (एजेंसियां)। जिला कारागार में निरुद्ध पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर की तबीयत रात अचानक खराब हो गई। उन्हें उपचार के लिए बीआरडी मेडिकल कॉलेज गोरखपुर में भर्ती कराया गया है। जेल अधीक्षक के मुताबिक उनकी स्थिति सामान्य है। रात के 11:30 बजे पूर्व आइपीएस ने सीने में दर्द की शिकायत की। उन्हें आनन-फानन में महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी लाया गया जहां किसी हृदय रोग विशेषज्ञ की तैनाती नहीं होने की वजह से उन्हें बीआरडी मेडिकल कॉलेज गोरखपुर रेफर कर दिया गया। वहां उनका उपचार चल रहा है। फर्जी ढंग से कूट रचना कर जमीन बेचने के आप में पूर्व आइपीएस जेल में निरुद्ध है। जेल अधीक्षक प्रेम सागर शुक्ल ने बताया कि पूर्व आईपीएस ने सीने में दर्द बताया था। जिससे उन्हें बीआरडी मेडिकल कॉलेज गोरखपुर में भर्ती कराया गया है उनकी स्थिति सामान्य है। वह चल फिर रहे हैं बातचीत कर रहे हैं। पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर बीआरडी मेडिकल कॉलेज के आईसीयू वार्ड नंबर 14 के बेड नंबर आठ पर भर्ती हैं। सीने में दर्द की वजह से डॉक्टरों ने ट्रॉप आई कि जांच लिखी है। उन्होंने हायर सेंटर रेफर के लिए व्यक्तिगत अनुरोध किया है, लेकिन ट्रॉप आई कि जांच रिपोर्ट न आने से डॉक्टरों ने उन्हें रेफर नहीं किया है।

प्राचार्य डॉ। राम कुमार जायसवाल ने बताया कि सीने में दर्द हार्ट अटैक की वजह से भी हो सकता है, इसलिए ट्रॉप आई कि जांच कराई जा रही है। उनकी तबीयत स्थिर है। उपचार कर रहे डॉ। राजकिशोर सिंह ने बताया कि उनकी ईसीजी जांच कराई गई है जो खराब आयी है। इसलिए कार्डियोलॉजी में रेफरेंस भेजा गया है। ईको जांच के बाद ही कुछ कहा जाएगा। तब तक ट्रॉप आई कि जांच रिपोर्ट भी आ जायेगी।

सीएम नीतीश कुमार की बड़ी बिहार यात्रा जल्द, विकास कार्यों की होगी पड़ताल

पटना, 7 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इसी महीने बिहार यात्रा पर निकल सकते हैं। यह यात्रा मकर संक्रांति के बाद शुरू होने की संभावना है और इसकी तिथि व कार्यक्रम की आधिकारिक घोषणा मुख्यमंत्री सचिवालय की ओर से जल्द की जा सकती है। यात्रा के तहत मुख्यमंत्री पूरे बिहार के विभिन्न जिलों में जाएंगे और सरकार के कामकाज की जमीनी स्थिति का आकलन करेंगे। मुख्यमंत्री की प्रस्तावित यात्रा को लेकर बिहार के सभी जिलों में प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। सभी जिलों के डीएम और एसपी को यात्रा से जुड़े इंतजामों के लिए निर्देश दिए गए हैं। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य पिछले वर्ष प्रगति यात्रा के दौरान की गई घोषणाओं की जमीनी हकीकत की पड़ताल करना है। मुख्यमंत्री यह देखना चाहते हैं कि जिन योजनाओं की घोषणा हुई थी, वे धरातल पर किस स्थिति में हैं और उनका लाभ आम जनता तक पहुंच रहा है या नहीं।

योजनाओं की समीक्षा और नई घोषणाएं

मुख्यमंत्री की इस यात्रा का कार्यक्रम इस तरह तैयार किया जा रहा है कि वह विकास योजनाओं के काम की समीक्षा कर सकें। जिन जिलों में योजनाओं का कार्य पूरा हो चुका है, वहां मुख्यमंत्री लोकार्पण भी कर सकते हैं। इसके साथ ही इस यात्रा के दौरान कई नई योजनाओं के ऐलान की भी संभावना जताई जा रही है, जिससे बिहार को बड़ी सौगातें मिल सकती हैं। यात्रा के दौरान अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के साथ समीक्षा बैठकें होंगी, जहां योजनाओं की प्रगति, कमियों और आगे की रणनीति पर चर्चा की जाएगी। सात निश्चय-3 के तहत इज ऑफ लिविंग जैसे अहम बिंदुओं को जिलों में मुख्यमंत्री स्तर पर समझा और परखा जा सकता है।

2025 का चुनाव जीतने के बाद पहली यात्रा

विधानसभा चुनाव में एनडीए को प्रचंड जीत मिलने के बाद यह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पहली बड़ी जनसंपर्क यात्रा मानी जा रही है। चुनावी नतीजों के बाद पहली बार वह सीधे जनता के बीच जाकर धन्यवाद देंगे और संवाद करेंगे। आम लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनना भी यात्रा का अहम हिस्सा रहेगा।

साल 2005 से अब तक नीतीश कुमार न्याय यात्रा, विकास यात्रा, धन्यवाद यात्रा, प्रवास यात्रा, विश्वास यात्रा, सेवा यात्रा, अधिकार यात्रा, संकल्प यात्रा, संपर्क यात्रा, निश्चय यात्रा, समीक्षा यात्रा, जल-जीवन-हरियाली यात्रा, समाज सुधार यात्रा, समाधान यात्रा और प्रगति यात्रा निकाल चुके हैं। ऐसे में इस नई यात्रा को लेकर सभी की नजरें मुख्यमंत्री सचिवालय की आधिकारिक घोषणा पर टिकी हैं, जिसके बाद यात्रा की पूरी तस्वीर साफ हो जाएगी।

कानपुर में पुलिसवाले ने लड़की से गैंगरेप किया

कानपुर, 7 जनवरी (एजेंसियां)। कानपुर में स्कॉर्पियो सवार पुलिसकर्मी ने दोस्त के साथ मिलकर 14 साल की छात्रा को किडनैप कर गैंगरेप किया। दोनों करीब 2 घंटे तक कार के अंदर छात्रा से हैवानियत करते रहे। जब वह बेहोश हो गई, तो उसे उसके घर के सामने फेंक कर भाग गए। भाई ने देर रात ही डायल-112 पर सूचना दी, लेकिन इसके बावजूद पुलिस ने कोई एक्शन नहीं लिया। आरोप है कि पुलिसवाले के शामिल होने की वजह से मामले को टरकाया गया। मंगलवार को पीड़ित पुलिस अफसरों के पास पहुंचे। इसके बाद पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की। पुलिस ने छात्रा का मेडिकल कराया है। मामला सचेंडी थाना क्षेत्र का है।

मस्जिद में नमाज पढ़ने को लेकर खूनी संघर्ष, छतों से बरसाए गए ईंट-पत्थर; इलाके में तनाव

सहारनपुर, 7 जनवरी (एजेंसियां)। नागल थाना क्षेत्र के गांव नोजली दनियालपुर में स्थित हाजरा मस्जिद में नमाज अदा करने को लेकर विवाद ने मंगलवार को हिंसक रूप ले लिया। दो पक्षों के बीच शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते ईंट-पत्थरबाजी में बदल गया। जिससे गांव में खलबली मच गई। इस दौरान महिला समेत दो लोग घायल हो गए। घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना मिलते ही थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। नोजली दनियालपुर निवासी गुलजार और यूनुस ने तहरीर देते हुए पुलिस को बताया कि उनके गांव में हाजरा मस्जिद में सभी लोग वर्षों से मिल-जुलकर नमाज अदा करते आ रहे हैं, लेकिन हाल ही में एक पक्ष उन्हें नमाज पढ़ने से रोक रहा है। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी हो गई, जो बाद में हिंसक झड़प में बदल गई। आरोप है कि दूसरे पक्ष के कुछ लोग मस्जिद की छत पर चढ़ गए और वहां से ईंट-पत्थर फेंकने लगे। जिसमें अमरीशा गंभीर रूप से घायल हो गई। वहीं दूसरे पक्ष के इकराम ने आरोप लगाया कि गांव का एक पक्ष मस्जिद की देखरेख और जिम्मेदारी को लेकर दबाव बना रहा था। उनका कहना है कि जब उन्होंने इसका विरोध किया तो उनके साथ मारपीट की गई। जिसमें वह घायल हो गया।

'रुचि वीरा मेरी बहन ', बेटी की शादी का कार्ड न भेजे जाने के दावों पर बोले सपा नेता एसटी हसन

मुरादाबाद, 7 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में समाजवादी पार्टी सांसद रुचि वीरा और पूर्व सांसद डॉ एसटी हसन के बीच शादी के निमंत्रण को लेकर जारी तल्खी कम होती नजर नहीं आ रही। अब डॉ। एसटी हसन ने रुचि वीरा के बयान पर कहा कि हमने तो कार्ड भेजा था, अगर कहीं मिसप्लेस हुआ है तो कहा नहीं जा सकता, वो मेरी बहन की तरह हैं। डॉ। हसन ने कहा, "मैंने तो शादी में सपा, बीजेपी, कांग्रेस और बसपा सहित सभी पार्टियों के नेताओं को बुलाया था।

रुचि वीरा तो हमारी पार्टी की सांसद हैं और मेरे लिए तो वह मेरी छोटी बहन के जैसी हैं। उन्हें कार्ड मिला या नहीं मिला आखिर क्या वजह रही? जो वह नहीं आईं। मेरा तो घर उनके लिए हर वक्त खुला है। वह इसे अपना ही घर समझें। हमारे बीच में ऐसी कोई बात नहीं है कि हम एक दूसरे को नीचा दिखाने की कोशिश करें।"

डॉ एस टी हसन ने जेएनयू में गृह मंत्री अमित शाह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ हुई आपत्तिजनक नारेबाज़ी पर कहा, "इस तरह की नारेबाजी बहुत गलत बात है। प्रधानमंत्री और गृह मंत्री हमारे प्यारे देश के संवैधानिक पदों पर बैठे हैं। वह हम सब के प्रधानमंत्री और गृह मंत्री हैं। उनके खिलाफ नारेबाजी देश के खिलाफ नारेबाजी है। हमारे उनसे मदभेद हो सकते हैं, लेकिन अगर कोई इस तरह उनको बेइज्जत करेगा और ऐसी बात करेगा तो हम समझते हैं की वह हिदुस्तान की शान में गुश्ताखी कर रहा है। ऐसा हरगिज़ नहीं होना चाहिए और ऐसे लोगो पर कार्यवाही होनी चाहिए।"

उत्तर प्रदेश में हुई एसआईआर के आंकड़ों पर डॉ एसटी हसन ने कहा, "हमें इसकी उम्मीद थी की प्रदेश में लगभग पौने तीन करोड़ वोट काटे जायेंगे और ऐसा ही हुआ है। हमें लगता है इसमें पीडीए विपक्ष और मुसलमानों के वोट सबसे अधिक कटे होंगे।" उन्होंने आरोप लगाया की मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वोट काटने को लेकर पहले ही जो बयान दिया था, उससे उन्होंने एक तीर से दो निशाने किए थे। एक तो अपने लोगों को अलर्ट कर दिया था और दूसरा विपक्ष के लोगों को भ्रम में डाल दिया था। उन्होंने कहा, "जब फ़ाइनल रिपोर्ट सामने आ जाएगी, तब सही बता पता चलेगी। वैसे इतने वोट कटने नहीं चाहिए थे जितने कटे हैं।"

मौलाना तौकीर रजा का बेटा हिरासत में लिया गया

एक्सीडेंट के बाद कार से मिली ड्रग्स और सिरिंज, मचा हड़कंप

शाहजहांपुर, 7 जनवरी (एजेंसियां)। यूपी के शाहजहांपुर से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां बरेली के इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल (आईएमसी) प्रमुख मौलाना तौकीर रजा के बेटे की कार का एक्सीडेंट हो गया है। एक्सीडेंट के बाद पुलिस को कार से एक संदिग्ध बैग बरामद हुआ, जिसमें ड्रग्स (क्रिस्टल) और एक सिरिंज बरामद हुई है। पुलिस ने मौलाना तौकीर रजा के बेटे को हिरासत में ले लिया है। गौरतलब है कि तौकीर रजा खुद भी बरेली दंगा मामले में जेल में बंद हैं। शाहजहांपुर में बरेली के मौलाना तौकीर रजा के बेटे की गाड़ी से पुलिस को ड्रग्स मिला, जिसके बाद पुलिस ने तौकीर रजा के बेटे को हिरासत में ले लिया। बता दें कि बरेली के तौकीर रजा के बेटे फरमान रजा की कार का नेशनल हाईवे पर एक्सीडेंट हुआ था।

उनकी कार एक बस के पीछे के हिस्से में घुस गई थी। इसके बाद जब पुलिस मौके पर पहुंची तो उसे कार से नीले रंग का एक संदिग्ध बैग मिला। बैग की तलाशी लेने पर उसमें पुलिस को ड्रग्स (क्रिस्टल) और एक सिरिंज मिली। शाहजहांपुर पुलिस ने तौकीर रजा के बेटे को हिरासत में लेकर मेडिकल के लिए भेजा है। मामला यूपी के शाहजहांपुर में कोतवाली तिलहर क्षेत्र में नेशनल हाईवे का है, जहां फरजान रजा की कार सीतापुर डिपो की रोडवेज बस में पीछे से घुसी। सूचना मिलते ही शाहजहांपुर की एसपी ग्रामीण दिक्षा भंवरे घटना स्थल पर पहुंचीं। पुलिस की जांच के बाद एसपी ग्रामीण ने बताया कि मौलाना तौकीर रजा के बेटे फरमान रजा की कार हाईवे पर दुर्घटना का शिकार हो गई। एक्सीडेंट की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौलाना के बेटे फरमान को हिरासत में लेकर पूछताछ की, साथ ही उसकी वरना कार की तलाशी ली तो उसमें पुलिस को एक नीले रंग का संदिग्ध बैग मिला।

शिवसेना को रोकने के लिए भाजपा और कांग्रेस ने मिलाया हाथ

महाराष्ट्र के इस नगर परिषद में गजब 'खेला'

मुंबई, 7 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस-मुक्त भारत का नारा लगाने वाली भाजपा ने ठाणे में अंबरनाथ नगर परिषद में सीधे कांग्रेस से हाथ मिला लिया है। मुंबई से महज 70 किलोमीटर दूर स्थित अंबरनाथ नगर परिषद में शिंदे सेना को सत्ता से दूर रखने के लिए बीजेपी ने कांग्रेस से हाथ मिलाया है। भाजपा-कांग्रेस के इस गठबंधन से राजनीति गरमा गई है और राज्य की राजनीति में हलचल मच गई है।

शिवसेना ने क्या कहा?

इस गठबंधन को अम्बरनाथ विकास अघाड़ी नाम दिया गया है। हालांकि, इन घटनाक्रमों से शिवसेना शिंदे समूह में भारी असंतोष है। बीजेपी-कांग्रेस में हुए गठबंधन के बाद शिंदे सेना आगबबूला हो गई है। शिवसेना शिंदे समूह ने भाजपा पर तीखा हमला करते हुए इस गठबंधन को अभद्र युति (गठबंधन) बताया है।

शिंदे समूह के विधायक डॉ। बालाजी किनिकर ने कांग्रेस-मुक्त भारत की बात करने वाली भाजपा पर कांग्रेस के साथ गठबंधन करके शिवसेना पर हमला करने का आरोप लगाया है।

समझें पूरा घटनाक्रम

अंबरनाथ शिंदे सेना का गढ़ माना जाता है, एकनाथ शिंदे के बेटे श्रीकांत शिंदे यहां से सांसद है। हाल ही में अंबरनाथ नगरपरिषद का चुनाव हुए थे। इस नगर परिषद चुनाव में बीजेपी ने शिंदे सेना को मात दी। यहां बीजेपी का नगराध्यक्ष चुनकर आया। इस चुनाव में शिंदे सेना सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी लेकिन बहुमत से थोडा दूर रह गई। शिंदे सेना सोच रही थी की बीजेपी उनके साथ मिलकर नगर परिषद में सरकार बनाएगी लेकिन ऐसा नहीं हुआ। बीजेपी ने शिंदे सेना के बजाय कांग्रेस से हाथ मिला लिया और नगर परिषद में सत्ता स्थापित कर ली। स्थानीय स्तर पर कांग्रेस के साथ मिलकर सत्ता स्थापित करना का फैसला लिया गया।

श्रीकांत शिंदे का आया बयान

अंबरनाथ में हुए राजनीतिक घटनाक्रम पर सांसद श्रीकांत शिंदे का बयान सामने आया है। अंबरनाथ में बीजेपी और कांग्रेस के गठबंधन पर श्रीकांत शिंदे ने कहा- यह सवाल पूरी तरह से हमारी सहयोगी भारतीय जनता पार्टी के लिए है। बीजेपी नेता इसका जवाब अच्छे से दे पाएंगे। कई सालों से, बीजेपी और शिवसेना केंद्र, राज्य और नगर निगम में गठबंधन में हैं। यह गठबंधन अटूट रहना चाहिए। अंबरनाथ में शिवसेना सत्ता में थी और शिवसेना ने अंबरनाथ में अच्छा विकास कार्य किया। अब, वे जो भी फैसला लेना चाहते हैं, शिवसेना विकास की राजनीति करने वाले के साथ होगी।

भाजपा ने क्या सफाई दी?

भाजपा और कांग्रेस के इस गठबंधन को शिवसेना ने पीठ में छुरा घोंपने जैसा बताया है। वहीं, भाजपा ने इन आरोपों को खारिज कर दिया है। भाजपा उपाध्यक्ष गुलाबराव करंजुले पाटिल ने शिंदे समूह पर पलटवार करते हुए कहा है कि अगर वे पिछले पच्चीस वर्षों से भ्रष्टाचार में लिप्त शिंदे समूह के साथ सत्ता में होते तो यह एक बेहद ही अनुचित गठबंधन न होता। उन्होंने यह भी दावा किया कि उन्होंने अंबरनाथ नगर परिषद के लिए शिंदे समूह के साथ महागठबंधन पर कई बार चर्चा करने की कोशिश की, लेकिन उनके नेताओं से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। एक ओर जहां भाजपा-कांग्रेस गठबंधन अंबरनाथ नगर परिषद में सत्ता के बंटवारे को स्पष्ट कर रहा है। वहीं, दूसरी ओर इस गठबंधन ने महागठबंधन में तनाव पैदा कर दिया है। अंबरनाथ में यह गठबंधन अनुचित है या अपरिहार्य, इस पर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप आने वाले समय में और भी तेज होने की संभावना है।

बीजेपी नेता दुष्यंत कुमार को दिल्ली एचसी से बड़ी राहत

कांग्रेस आप को अंकिता भंडारी केस से जुड़ा पोस्ट हटाने का निर्देश

नई दिल्ली, 7 जनवरी (एजेंसियां)। अंकिता भंडारी मर्डर केस में बीजेपी नेता दुष्यंत कुमार गौतम को दिल्ली हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। दिल्ली हाईकोर्ट ने कांग्रेस, आप और अन्य को बीजेपी नेता दुष्यंत कुमार गौतम को अंकिता भंडारी मर्डर केस से जोड़ना वाला कंटेंट पोस्ट करने पर रोक लगा दी है। साथ ही कोर्ट ने 24 घंटे के अंदर पोस्ट हटाने का निर्देश दिया है। दुष्यंत कुमार गौतम के मानहानि के मुकदमे पर पास किए गए अंतरिम आदेश में, जस्टिस मिनी पुष्करणा ने दोनों राजनीतिक पार्टियों को मर्डर केस में कथित वीआईपी के तौर पर बीजेपी के नेशनल सेक्रेटरी को टारगेट करने वाला कोई भी कंटेंट पोस्ट करने से भी रोक दिया। दिल्ली हाई कोर्ट ने उर्मिला सनावर और उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी समेत दूसरे लोगों और संस्थाओं के खिलाफ भी अंतरिम आदेश दिया है। जस्टिस पुष्करणा ने कहा कि गौतम ने अपने पक्ष में पहली नजर में केस बनाया है और अगर 'बदनाम करने वाले' कंटेंट की होस्टिंग पर रोक लगाने का अंतरिम आदेश पास नहीं किया गया, तो उन्हें ऐसा नुकसान होगा जिसकी भरपाई नहीं हो सकती। जस्टिस ने साफ किया कि अगर 24 घंटे के अंदर कंटेंट नहीं हटाया गया, तो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म नियमों के मुताबिक, उसे हटा देगा।

साल 2022 में पौड़ी जिले के वनतंत्रा रिजॉर्ट में रिसेप्शनिस्ट 19 साल की अंकिता भंडारी की हत्या कर दी गई थी। रिजॉर्ट के मालिक पुलकित आर्य और दो कर्मचारियों सौरभ भास्कर और अंकित गुप्ता को बाद में गिरफ्तार किया गया और सेशन कोर्ट ने इस जुर्म के लिए उन्हें उम्रकैद की सजा सुनाई।

पॉक्सो के आरोपी को अदालत से मिली राहत, कहा- मामले में पर्याप्त सबूत नहीं

ठाणे, 7 जनवरी (एजेंसियां)। ठाणे की एक अदालत ने एक नाबालिग लड़की का पीछा करने और यौन उत्पीड़न करने के आरोपी व्यक्ति को बरी कर दिया। अदालत ने पाया कि उसके कृत्यों में यौन इरादा नजर नहीं आया, जो यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत आवश्यक एक प्रमुख तत्व है। मजदूरी का काम करने वाले मयूरेश कैलाश शेल्के (25) आरोप है कि उसने 2019 में महाराष्ट्र के ठाणे शहर में 15 वर्षीय पीड़िता के घर में प्रवेश किया और उससे अपने प्यार का इजहार किया। न्यायाधीश रूबी यू मालवणकर ने टिप्पणी की कि पीड़िता के साथ कोई शारीरिक संपर्क नहीं हुआ था।

उन्होंने कहा कि आरोपी की ओर से इस्तेमाल किए गए शब्द किसी प्रकार के 'यौन इरादे' को प्रदर्शित करने वाले 'इरादे' के बराबर नहीं होंगे। उन्होंने कहा, 'यौन इरादे में क्या शामिल है और क्या नहीं, यह एक तथ्यात्मक प्रश्न है। इस मामले में आरोपी की ओर से प्रयुक्त शब्दों से ऐसा कोई यौन इरादा प्रतीत नहीं होता है।' 22 दिसंबर, 2025 को पारित हुए आदेश की प्रति मंगलवार को सामने आने के बाद ये जानकारी मिली। पीड़िता की ओर से इस मामले को लेकर 2019 में प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज कराई गई थी। इसमें पीड़िता ने आरोप लगाया था कि उसका पड़ोसी शेल्के 1 नवंबर, 2019 को डोम्बिवली के म्हात्रे नगर स्थित एक चॉल में उसके घर में घुस गया, जब वह अकेले पढ़ाई कर रही थी। अभियोजन पक्ष के अनुसार आरोपी ने पीड़िता से कहा, 'मुझे दादा कहकर मत पुकारो, मैं तुमसे प्यार करता हूं। आरोप लगाया गया कि वह उसका पीछा कर रहा था और बार-बार फोन कर रहा था।

अभियोजन पक्ष ने शेल्के पर भारतीय दंड संहिता की धारा 354डी (पीछा करना) और 441 (आपराधिक अतिक्रमण) के साथ पॉक्सो अधिनियम की धारा 7 (यौन उत्पीड़न) और 11 (यौन शोषण) के तहत आरोप लगाए। हालांकि, बचाव पक्ष के वकील अमरीश एस जाधव ने अभियोजन पक्ष के मामले को चुनौती दी। अदालत ने बताया कि यह घटना कथित तौर पर घनी आबादी वाली चॉल में हुई थी, फिर भी किसी और स्वतंत्र गवाह का कोई अन्य सबूत पेश नहीं किया गया जो इस तरह के कृत्य को देखने के बारे में गवाही दे सकता था।

आधी रात में चला बुलडोजर तो मच गया बवाल

पत्थरबाजी में कई पुलिसवाले घायल, अब तक 10 पत्थरबाज गिरफ्तार

नई दिल्ली, 7 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली के तुर्कमान गेट इलाके में फैज-ए-इलाही मस्ज़िद के पास अवैध ढांचे को हटाने की कार्रवाई लगातार जारी है। इस दौरान पुलिस पर पथराव किया गया है। पुलिस ने पथराव कर रहे उपद्रवियों को खदेड़ने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े। फिलहाल इलाके में भारी पुलिस फोर्स तैनात की गई है। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई रात करीब 2 बजे से शुरू हुई। एमसीडी के कर्मचारी 30 से ज्यादा बुलडोजर के साथ मस्जिद के पास पहुंचे और अतिक्रमण हटाने का काम शुरू किया। अब पुलिस ने पत्थरबाजी में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने की तैयारी कर ली है। दिल्ली पुलिस ने 10 लोगों को पथराव के मामले में हिरासत में लिया है।

क्या है पूरा मामला?

दिल्ली हाईकोर्ट ने मस्जिद से सटे दवाघर और बारात घर को अवैध घोषित किया है। जैसे ही अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू हुई वहां पर कुछ उपद्रवी जमा हो गये और उन्होंने पुलिस पर पथराव करना शुरू कर दिया। पथराव के बाद जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने उपद्रवियों को खदेड़ने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े। कुछ उपद्रवियों ने ये गोले वापस पुलिस की तरफ फेंके लेकिन पुलिस पीछे नहीं हटी और पथराव कर रहे लोगों को वहां से खदेड़ दिया।

ऐसे आरोपियों की पहचान करेगी पुलिस

फैज ए इलाही मस्जिद के बाहर हुई पत्थर बाजी में कई पुलिस कर्मी घायल हुए हैं। इस दौरान चांदनी महल थाने के एसएचओ महावीर प्रसाद भी गंभीर रूप से घायल हुए। दिल्ली पुलिस मस्जिद के बाहर हुई पत्थरबाजी मामले में आरोपियों की पहचान करेगी। जिन पुलिस कर्मियों ने बॉडी कैम लगाए हुए थे उनके बॉडी कैम और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की मदद से आरोपियों की पहचान की जाएगी। फैज ए इलाही मस्जिद के बाहर हुई पत्थरबाजी मामले में दिल्ली पुलिस जल्द ही एफआईआर दर्ज करेगी।

सामान हटाने की मोहलत दी गई थी

जानकारी के मुताबिक, मस्जिद के अवैध अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई करने से पहले स्थानीय लोगों को अपना सामान हटाने की मोहलत दी गई थी। पुलिस ने रात में ही ट्रैफिक एडवाइज़री भी जारी कर दी थी। कुछ सड़कों को पूरी तरह बंद कर दिया गया था। आसपास के थानों से भारी पुलिस फोर्स मौके पर तैनात कर दी गई थी। पैरामिलिट्री फोर्सेस को भी तैनात किया गया ताकि किसी भी आपात स्थिति से निपटा जा सके।

पुलिस ने क्या बताया?

अवैध ढांचा हटाने के मामले में बवाल पर दिल्ली पुलिस का बयान सामने आया है। डीसीपी ने जानकारी दी है कि सुबह 10 बजे तक रास्ते खोल दिये और इलाके में भारी फोर्स तैनात रहेगी। उन्होंने बताया है कि एमसीडी की मांग पर रात को कार्रवाई की गई। पथराव करने वालों की पहचान की जा रही है और उनपर पर एफआईआर दर्ज की। पुलिसकर्मियों के बॉडी कैम से उपद्रवियों की पहचान होगी।

जहां दूषित पानी से हुई 16 मौतें, वहां के पार्षद को मिला था 'बेस्ट' अवॉर्ड

इंदौर, 7 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के इंदौर में स्थित भागीरथपुरा इलाके में दूषित पानी पीने से 16 लोगों की मौत के मामले पर नई परतें खुलने लगी हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, जिस बीजेपी पार्षद कमल वाघेला पर दूषित पानी की शिकायतों को नजरअंदाज करने का आरोप है, उसी को इंदौर के मेयर पुष्यमित्र भार्गव ने कुछ महीने पहले सार्वजनिक मंच से 'बेस्ट पार्षद' का अवॉर्ड दिया था। अब वह पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है, जो मेयर के दावों की पोल खोल रहा है। वीडियो में मेयर पार्षद की तारीफों के पुल बांध रहे हैं और दूसरे पार्षदों को उनसे सीखने की सलाह दे रहे हैं, लेकिन हकीकत में ड्रेनेज और पानी की पाइपलाइन का काम अधूरा होने की वजह से लोग जहरीला पानी पीने पर मजबूर हुए और मौतें हुईं।

डिजिटल अरेस्ट के नाम पर बैतूल में दूसरी बड़ी साइबर ठगी

सेवानिवृत्त बैंक अधिकारी से 23.50 लाख की धोखाधड़ी

बैतूल, 7 जनवरी (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के बैतूल जिले में डिजिटल अरेस्ट के नाम पर साइबर ठगी के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। बीते एक माह के भीतर यह दूसरी बड़ी घटना है, जिसमें ठगों ने खुद को दिल्ली पुलिस बताकर एक सेवानिवृत्त बैंक अधिकारी को निशाना बनाया और लाखों रुपये की ठगी कर ली। जानकारी के अनुसार, बैतूल निवासी सेवानिवृत्त बैंक अधिकारी बसंत कुमार मेदमवार के मोबाइल पर एक कॉल आया, जिसकी कॉलर आईडी पर दिल्ली पुलिस लिखा हुआ था।

कॉल करने वाले व्यक्ति ने खुद को पुलिस अधिकारी बताते हुए कहा कि उनके आधार कार्ड से खरीदी गई सिम का इस्तेमाल बड़े साइबर अपराध में किया गया है। ठगों ने यह भी दावा किया कि उनके नाम से दिल्ली और मुंबई में बैंक खाते संचालित हो रहे हैं और उनके घर में रखा सोना भी संदिग्ध है। कानूनी कार्रवाई का भय दिखाकर उन्हें मानसिक दबाव में ले लिया गया और लगातार तीन दिनों तक फोन व वीडियो कॉल के जरिए निगरानी में रखा गया, जिसे डिजिटल अरेस्ट कहा जाता है।

ठगों के निर्देश पर बसंत कुमार मेदमवार ने दो किश्तों में कुल 23 लाख 50 हजार रुपये बताए गए खातों में ट्रांसफर कर दिए। शेष रकम के लिए उन्हें बैंक जाकर गोल्ड लोन लेने को कहा गया। बैंक में कॉल पर निर्देश लेते देख ब्रांच मैनेजर को संदेह हुआ और तत्काल पुलिस को सूचना दी गई।

कर्ज नहीं चुका रहा था तो हंसिये से काटकर कर दी थी हत्या, अब 4 दोषियों को उम्रकैद

तंजावुर, 7 जनवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडु के तंजावुर जिले से सूदखोरी की क्रूरता को उजागर करने वाला एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। कर्ज के दबाव और पैसों की वसूली के विवाद में एक युवक की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। इस मामले में कुंभकोणम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाते हुए चार आरोपियों को आजीवन कारावास और मुख्य साजिशकर्ता को 14 साल की जेल की सजा सुनाई है। कुंभकोणम के पानादुरई पथुकात्तु स्ट्रीट निवासी शिवसुब्रमण्यन (54) इलाके में किराना दुकान चलाते थे।

दुकान के काम और पुराने कर्ज चुकाने के लिए उन्होंने उसी इलाके के सेंथिलकुमार से 3 लाख रुपये उधार लिए थे। आरोप है कि शिवसुब्रमण्यन कर्ज पर अब तक करीब 3 लाख रुपये ब्याज के रूप में चुका चुके थे। कुछ महीनों से शिवसुब्रमण्यन कर्ज की रकम वापस नहीं कर पा रहे थे। इसी बात को लेकर सूदखोरों ने उन पर लगातार दबाव बनाना शुरू कर दिया। मानसिक तनाव से परेशान होकर शिवसुब्रमण्यन ने जहर पी लिया था, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया।

दुकान में हुआ विवाद, बेटे की हत्या

1 मई 2019 को शिवसुब्रमण्यन का 22 साल के बेटा अरुण दुकान पर मौजूद था। इसी दौरान सेंथिलकुमार पैसे मांगने दुकान पर पहुंचा और अरुण से झगड़ा करने लगा। बाद में सेंथिलकुमार ने इस विवाद की जानकारी बालागुरु को दी। बालागुरु के उकसावे पर सेंथिलकुमार अपने दोस्तों वेंकटेशन, चंद्रशेखरन, काथिरवन और जीवाकरुणा उर्फ मोहम्मद शबीर के साथ दुकान पर पहुंचा।

सभी ने मिलकर अरुण के साथ मारपीट की और हंसिये से काटकर उसकी बेरहमी से हत्या कर दी। इस मामले में कुंभकोणम ईस्ट पुलिस ने केस दर्ज कर बालागुरु, सेंथिल, वेंकटेशन, चंद्रशेखरन और काथिरवन को गिरफ्तार किया था, जबकि जीवाकरुणा फरार हो गया था। केस की सुनवाई कुंभकोणम अतिरिक्त जिला सत्र न्यायालय में हुई। न्यायाधीश ने बालागुरु को 14 साल की जेल और चार अन्य आरोपियों को आजीवन कारावास के साथ 11-11 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई।

आरबीआई अधिकारी बनकर व्यापारी से लाखों की धोखाधड़ी

नकली नोट के खेल का चौंकाने वाला खुलासा

पुणे, 7 जनवरी (एजेंसियां)। मुंबई के माटुंगा इलाके में खुद को भारतीय रिज़र्व बैंक का अधिकारी बताकर काले कागज और केमिकल से असली नोट बनाने का नाटकीय प्रदर्शन दिखाते हुए पुणे के एक व्यापारी से लाखों रुपये ठगने का गंभीर मामला सामने आया है। आरोपियों ने नकली नोट बनाने का डेमो देने के साथ-साथ बैंक में नोट जमा कराकर उनकी असलियत साबित करने का नाटक किया, जिससे पीड़ित का भरोसा जीतकर उससे बड़ी रकम ऐंठ ली गई। पीड़ित की शिकायत पर माटुंगा पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। माटुंगा पुलिस के अनुसार, पीड़ित अक्षय गजानन खाडे (32) पुणे के हडपसर इलाके के निवासी हैं और शेयर मार्केट में निवेश से जुड़े कार्य करते हैं।

अक्षय बचपन से दिव्यांग हैं। आरोप है कि आरोपियों ने उनकी स्थिति और भरोसे का फायदा उठाते हुए योजनाबद्ध तरीके से ठगी को अंजाम दिया। पुलिस जांच में सामने आया है कि वर्ष 2017 में अक्षय की पहचान अरविंद बबन लांबे से हुई थी। नवंबर 2024 में अरविंद ने फेसबुक के माध्यम से दोबारा संपर्क किया और खुद को आरबीआई में कार्यरत बताते हुए एक गोपनीय ऑफर का हवाला देकर उन्हें दादर बुलाया। 27 नवंबर 2024 को दादर पूर्व स्थित एक होटल में अरविंद लांबे, विकास शिंदे और एक अज्ञात व्यक्ति ने काले कागज को केमिकल में डालकर 500 रुपये के नोट बनाने का प्रदर्शन किया।

मैडम, आपके सरकारी वाहन का पीयूसी एक्सपायर है आरटीओ ने सुना और काट दिया अपनी ही गाड़ी का चालान

सिरमौर, 7 जनवरी (एजेंसियां)। कानून सबके लिए बराबर है। हम सभी ने ऐसा कभी न कभी जरूर सुना होगा, लेकिन हिमाचल प्रदेश की एक अधिकारी ने इसे हकीकत में बदलकर एक मिसाल पेश की है। सिरमौर की क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी सोना चंदेल ने अपने ही सरकारी वाहन का चालान काट दिया। ये कोई पहला मौका नहीं है, जब उन्होंने ऐसा किया है बल्कि वे नियम तोड़ने पर अपने ही परिवार के एक सदस्य की स्कूटी पर पहले भी जुर्माना लगाकर साफ संदेश दे चुकी हैं कि कानून सबके लिए समान है। जानकारी के अनुसार, यह मामला 20 दिसम्बर 2025 का है। आरटीओ सोना चंदेल उस दिन कालाअंब क्षेत्र में वाहनों की नियमित जांच पर निकली थीं। जांच के दौरान यह सामने आया कि बैरियर पर तैनात स्टाफ भी निजी वाहनों का उपयोग कर रहा था।

कर्मचारी ने बताया- एक्सपायर है पीयूसी

जांच के दौरान ही उन्होंने कर्मचारियों से वाहनों के दस्तावेजों को लेकर सवाल किया। सभी ने दस्तावेजों के सही होने की बात कही, लेकिन इसी बीच एक कर्मचारी ने हिम्मत जुटाकर धीमी आवाज में कह दिया कि मैडम, आपके सरकारी वाहन का प्रदूषण प्रमाण पत्र (पीयूसी) एक्सपायर हो चुका है। यह सुन मौके पर मौजूद लोग हैरान रह गए। ऐसे मामलों में जहां आमतौर पर लोग मामले को नजरअंदाज कर देते हैं, वहीं आरटीओ ने बिना किसी संकोच के अपने ही सरकारी वाहन का 500 रुपए का चालान काट दिया। इतना ही नहीं मौके पर ही वाहन का वैध प्रदूषण प्रमाण पत्र भी बनवाया गया।

अपनों पर पहले भी कस चुकी हैं कानूनी शिकंजा

बता दें कि आरटीओ सोना चंदेल इससे पहले भी अपनों पर कानून का शिकंजा कस चुकी हैं। 27 मई 2025 को हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट अभियान के दौरान उनके परिवार के एक सदस्य की स्कूटी पर नंबर प्लेट नहीं पाई गई, जैसे ही यह जानकारी सामने आई, उन्होंने बिना किसी रियायत के 3,000 रुपए का चालान काट दिया।

अपने पेट का जुगाड़ करने गए थे, बाघ ने बनाया शिकार... खा गया युवक का आधा शरीर पेंच टाइगर रिजर्व में सिक्योरिटी पर सवाल

छिंदवाड़ा, 7 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के पेंच टाइगर रिजर्व में सिस्टम की घोर लापरवाही सामने आई है। छिंदवाड़ा वन क्षेत्र के गुमतरा कोर परिक्षेत्र में प्रतिबंधित क्रिटिकल टाइगर हैबिटेट के भीतर मछली पकड़ने गए एक ग्रामीण की बाघ के हमले में मौत हो गई। इस घटना से इलाके में दहशत फैल गई है। वहीं हादसे के बाद पेंच पार्क प्रबंधन की गश्त और सुरक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। घटना चांद थाना क्षेत्र की है। मृतक की पहचान 43 वर्षीय कमल उईके के रूप में हुई है, जो कुरई थाना क्षेत्र के ग्राम टिकारी माल का निवासी था। परिजनों के मुताबिक कमल 4 जनवरी की शाम से लापता था। 5 जनवरी को परिजनों ने वन विभाग को इसकी सूचना दी, लेकिन समय रहते कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। 6 जनवरी की सुबह चांद थाना पुलिस और वन विभाग की संयुक्त तलाशी में महादेव घाट के पास कमल का शव क्षत-विक्षत अवस्था में मिला।

चेतावनी से डरी पाकिस्तानी सेना, सिविलियंस की आड़ में बना रही थी डिफेंस बंकर, भारत की चेतावनी पर काम रोकना पड़ा

जम्मू, 7 जनवरी (एजेंसियां)। भारत के द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद से पाकिस्तान घबराया हुआ है। हालात ये हैं कि भारतीय सेना की एक चेतावनी पर पाकिस्तानी सेना ने एक जगह पर चल रहे अपने काम को रोक दिया है। इसका वीडियो भी सामने आया है। दरअसल पाकिस्तानी सेना अपने भट्टल इलाके में सिविलियंस की आड़ लेकर डिफेंस बंकर और स्ट्रक्चर बना रही थी। इसी बीच कुछ ऐसा हुआ, जिसने पाकिस्तान की घबराहट को सबके सामने ला दिया। जैसे ही भारतीय सेना को ये पता लगा कि भट्टल इलाके में डिफेंस बंकर और स्ट्रक्चर बनाने का काम चल रहा है तो भारतीय सेना ने साफ कह दिया कि ये सब ना करें, वो भी एलओसी पर। भारतीय सेना की इस चेतावनी के बाद भट्टल के लोगों ने पाकिस्तानी फोर्स के पास जाकर काम रोकने के लिए कहा और पाकिस्तानी सेना को काम बंद करना पड़ा। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है। बता दें कि जिस जगह सिविलियंस की आड़ लेकर ये काम पाकिस्तानी सेना करवा रही थी, वह जम्मू के केजी सेक्टर के ठीक सामने है। पाक विदेश मंत्री इशाक डार ने हालही में ये बात मानी थी कि कई ड्रोन को विफल करने के बाद भी नूरखान पर भारत का ड्रोन पहुंचने में सफल रहा था और एयरबेस को नुकसान हुआ था। पाकिस्तान के इस स्वीकारनामे से उसके उन झूठों की पोल खुल गई थी, जिसमें उसने कहा था कि पाकिस्तान को कोई नुकसान नहीं हुआ।

दरअसल पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने सालाना प्रेस कॉन्फ्रेंस में जो बातें कहीं, उससे उनके ही देश की पोल खुल गई और दुनिया को पता लग गया कि मई 2025 में भारत द्वारा छोड़े गए 80 ड्रोनों में से काफी को रोकने के बावजूद ड्रोन हमले से रावलपिंडी के चकलाला इलाके में स्थित महत्वपूर्ण नूर खान एयरबेस को नुकसान हुआ था। बता दें कि भारत के ऑपरेशन सिंदूर से पाकिस्तान कांप गया था। पहलगाम में आतंकी अटैक के बाद भारत ने ये कार्रवाई की थी।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 8 जनवरी- 2026

एसआईआर पर विवाद

यूपी में स्पेशल इंटेशिव रिविजन (एसआईआर) का ड्राफ्ट रोल मंगलवार को जारी हो गया है, 2.89 करोड़ नाम काटे गए हैं। भला हो चुनाव आयोग का जिसने नामों को काटने की वजहें बताई हैं, लेकिन लोगों को दावे-आपत्तियों के लिए, इतनी जटिल प्रक्रिया है कि किसी को समझने में काफी वक्त लग सकता है। ऐसे में इसके सरलीकरण की आवश्यकता है। बिहार में एसआईआर को अंजाम देने के बाद वहां शुरुआती लिस्ट में 65 लाख नाम कटे थे। वहां भी के लोगों ने बवाल काटा था। यूपी में एसआईआर का ड्राफ्ट रोल जारी होने के बाद चुनाव आयोग ने बताया है कि पहले चरण के बाद 2.89 करोड़ नाम काटे गए हैं इसका अंदाजा पहले से ही था। अभी तक जिन 11 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की ड्राफ्ट लिस्ट आई है, वहां कुल मिलाकर 3.69 करोड़ नाम कटे हैं। बता दें कि ड्राफ्ट लिस्ट फाइनल नहीं होती। लोगों के पास दावे और आपत्तियों के लिए अब भी मौका है, लेकिन यह प्रक्रियाआम नागरिकों की सुविधा का ख्याल रखने वाली होनी चाहिए। यूपी में पहले चरण में 2.89 करोड़ नाम कटेः बिहार में एसआईआर को अंजाम दिया गया था। वहां जारी शुरुआती लिस्ट में 65 लाख नाम काटे गए थे, जिसे लेकर काफी हंगामा मचा था।

जब लिस्ट रिवाइज की गई, तो 17.9 लाख वोटर्स और बढ़ गए। ऐसा ही बदलाव यूपी और उन राज्यों में भी देखने की उम्मीद है, जहां आपत्तियां ली जा रही है या अब ली जाएंगी। यही हाल बंगाल का भी है। वहां भी चुनाव से जुड़ी जरूरी प्रक्रिया होने के बावजूद एसआईआर को लेकर कई विवाद चल रहे हैं। दुर्भाग्य से दूसरे चरण में जिन राज्यों में ड्राफ्ट रोल आ चुका है, वहां भी विवाद थमने का नाम नहीं ले रहे। बंगाल में सबसे ज्यादा असंतोष है। राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अब एसआईआर में इस्तेमाल होने वाले सॉफ्टवेयर पर ही सवाल उठा दिए हैं। उनकी पार्टी टीएमसी उन वोटर्स की मैपिंग में भी गड़बड़ी बता रही है, जिनके नाम लिस्ट में नहीं हैं। चुनाव आयोग से डेटा जारी कर बताया है कि इन नामों को किन-किन वजहों से काटा गया। देखा जाए तो यह स्पष्टीकरण अच्छी बात है, लेकिन जिनके नाम नहीं हैं, उन्हें उनके मताधिकार को हासिल करने के लिए हरसंभव मदद भी की जानी चाहिए।

इसमें राजनीतिक दलों की भी जिम्मेदारी बनती है कि वे दावे-आपत्तियां दाखिल कराने, नाम चेक करने में आम लोगों की मदद करें। बिहार एसआईआर से जुड़े मुद्दों पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने राजनीतिक दलों की निष्क्रियता पर हैरानी जताई थी और पूछा था कि पार्टी के स्थानीय कार्यकर्ताओं व जनता के बीच इतनी दूरी क्यों है। बता दें कि लगभग 21 साल पहले हुए एसआईआर की यादें भी अब धुंधली हो चुकी हैं, क्योंकि उस वक्त इतना शोर नहीं मचा था। शायद तब इसकी वजह बदली राजनीतिक परिस्थितियां रही होंगी। अब यह शोर चुनावी उत्सव पर भारी न पड़े, जनता का सिस्टम पर से भरोसा न कम हो - इसकी पूरी जिम्मेदारी चुनाव आयोग पर है। वह इस पर कितना खरा उतरती है यह तो समय ही बताएगा।

अमेरिका के पावर गेम से कई देश तबाह

स्नेहा सिंह

ईरान, ब्राज़ील, पनामा, इराक, अफ़ग़ानिस्तान, कांगो सहित अनेक देशों में अमेरिका ने घुसपैठ कर युद्ध किए, जिससे वहाँ की जनता बेघर, विस्थापित और कंगाल हो गई।

दशकों से अमेरिका ने अपनी पावर गेम की सनक को लोकतंत्र, मानवाधिकार, सहानुभूति और संवेदना के मुखौटे पहनाकर दूसरे देशों पर हमला करने और वहाँ की सत्ता अपने हाथ में लेने का मानो अबाध अधिकार मान लिया है। 1953 में ईरान को तबाह करने के बाद ग्वाटेमाला में "ऑपरेशन झसक्सेस" शुरू किया गया, जो लंबे समय तक चला और जिसमें दो लाख से अधिक लोगों की जान गई। इसी तरह 1960 में कांगो में राष्ट्रपति लुमुम्बा की सत्ता गिराने की साज़िशें रची गईं। वहाँ के तत्कालीन सैन्य प्रमुख जोसेफ मोबुतु ने सत्ता हथिया ली और लुमुम्बा को मृत्युदंड दे दिया। अफ़ग़ानिस्तान को 2001 में अमेरिका ने जकड़ लिया। ट्विन टावर हमलों के बाद आतंकवाद के ख़िलाफ़ अभियान शुरू हुए। अरबों डॉलर खर्च कर सरकारें चलाईं, अपनी मनपसंद नीतियाँ लागू कराईं, फिर भी कुछ हासिल नहीं हुआ। 2021 में अमेरिकी सेना अचानक लौट गई।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने वेनेजुएला पर हमला करवाया, वहां के राष्ट्रपति मादुरो का अपहरण कर गिरफ्तारी करवाई और अब वेनेजुएला के तेल कुओं सहित पूरे देश को अपने नियंत्रण में लेने की घोषणा कर दी। दूसरी ओर रेयर अर्थ मिनरल्स के लिए अमेरिका चीन पर निर्भर न रहे, इस उद्देश्य से उसकी कुदृष्टि अब ग्रीनलैंड और क्यूबा पर है, इन्हें भी निगलने की कोशिश की जा रही है। जानकार मानते हैं कि अमेरिका ने वर्षों से अपनी पावर गेम को लोकतंत्र और मानवाधिकारों की आड़ में चलाया है। दूसरे देश आपस में टकराएं तो अमेरिका को आपत्ति होती है, लेकिन वही अमेरिका किसी देश में घुसकर वहां के शासकों को हटाए या मार डाले तो उसे न्याय माना जाता है। सत्ता परिवर्तन की इस सनक ने कई देशों को तबाह किया है।अमेरिका की यह दंभी विश्व सरदारी 1953 में पहली बार ईरान पर कहर बनकर टूटी। उस समय प्रधानमंत्री मोहम्मद मोसाद्देह सत्ता में थे। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति थियोडोर रूजवेल्ट के पौत्र और सीआईए प्रमुख केर्मिट रूजवेल्ट जूनियर ने ईरान को तोड़ने की योजना बनाई, जिसे राष्ट्रपति ड्वाइट आइजनहावर ने मंज़ूरी दी। ऑपरेशन अजैक्स के तहत मोसाद्देह को पदच्युत कर नजरबंद किया गया और अमेरिकी कठपुतली मोहम्मद रजा पहलवी को सत्ता सौंपी गई। 1979 तक उसने शासन किया और ईरान को भीतर से खोखला कर दिया।

ग्वाटेमाला में भी यही हुआ। 1954 में सीआईए ने राष्ट्रपति जैकोबो आर्बेन्ज के ख़िलाफ सत्ता परिवर्तन का अभियान चलाया। आधे से अधिक निजी जमीन की मालिक अमेरिकी कंपनी यूनाइटेड फ्रूट के हित इसमें जुड़े थे। आर्बेन्ज को हटाकर कंपनी के लिए जमीन हड़पने की साजिश रची गई। ऑपरेशन सक्सेस में लंबे समय तक संघर्ष चला, हजारों गिरफ्तारियां हुईं और दो लाख से अधिक लोग मारे गए। कांगो को भी अमेरिका ने झकझोर दिया। 1960 में स्वतंत्र हुए कांगो में देशनायक पैट्रिस लुमुम्बा लोकतांत्रिक प्रधानमंत्री बने। अमेरिका को उनसे डर था कि वे कम्युनिस्टों के करीब हैं। उनकी सत्ता गिराने की साजिशें रची गईं, विरोधियों को पैसा और मदद दी गई, हत्या के प्रयास भी हुए। सेना प्रमुख जोसेफ मोबुतु ने सत्ता हथिया ली, लुमुम्बा को जेल में डालकर मार दिया गया। बाद में मोबुतु ने अमेरिकी मदद से 1965 में फिर सत्ता पाई और तीन दशक तक राज किया।

इंडोनेशिया भी नहीं बचा। 1949 में स्वतंत्रता के बाद सुकर्णो पहले लोकतांत्रिक नेता बने। वे सेना, इस्लामिक समूहों और कम्युनिस्ट पार्टी (PKI) के साथ संतुलन बनाकर चल रहे थे। 1965 में अमेरिकी मदद से सत्ता परिवर्तन हुआ, जनरल सुहार्तो सत्ता में आए। PKI पर आरोप लगाकर देशव्यापी दमन चला, जिसमें पांच लाख से अधिक लोग मारे गए। सुहार्तो तीन दशक तक राज करता रहा और भारी भ्रष्टाचार का प्रतीक बना।

मतदाता सूची का मेगा रीसेट: जनता, वोट और सत्ता की जंग

आरके जैन

उत्तर प्रदेश में हाल ही में मतदाता सूची में बड़ा संशोधन आया, जिसने राजनीति और प्रशासन दोनों में हलचल मचा दी है। 2.89 करोड़ नाम हटने के बाद लोकतंत्र की नींव पर गंभीर प्रश्न उठ खड़े हुए हैं। क्या यह कदम चुनावों को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने की वास्तविक कोशिश है, या सत्ता की चालाकी और रणनीति का हिस्सा मात्र? देश के सबसे बड़े राज्य में इस बदलाव ने व्यापक बहस को जन्म दिया है। शुद्धता के दावे और अन्याय के आरोपों के बीच जनता उलझन में है। ड्राफ्ट सूची में यह विशाल संशोधन दिखाता है कि मतदाता सूची केवल कागजी दस्तावेज़ नहीं, बल्कि लोकतंत्र की रीढ़ और उसकी विश्वसनीयता का प्रमाण है।

चुनाव आयोग ने 6 जनवरी 2026 को ड्राफ्ट सूची जारी की, जिसमें कुल 15.44 करोड़ मतदाताओं में से 2.89 करोड़ नाम हटा दिए गए। अब कुल वैध नाम केवल 12.55 करोड़ बचे हैं। हटाए गए नामों में 46.23 लाख मृतक, 2.17 करोड़ स्थानांतरित और 25.47 लाख डुप्लिकेट नाम शामिल हैं। यह कुल मतदाताओं का 18.7 प्रतिशत है, जो भारत में किसी भी राज्य में सबसे बड़ा संशोधन माना जा रहा है। एसआईआर की समयसीमा और ड्राफ्ट प्रकाशन कई बार बढ़ाया गया, क्योंकि सूची में बड़े पैमाने पर असंगतियां मिलीं। दावा-आपत्ति की अवधि 6 फरवरी तक है, जिससे सभी प्रभावित लोग फॉर्म भरकर नाम जोड़ सकते हैं। इस विशाल हटाव ने सवाल खड़े किए हैं कि क्या यह लोकतंत्र को मजबूत करने का कदम है, या लक्षित राजनीतिक कार्रवाई है।

लोकतंत्र की शुद्धता के समर्थक इसे ऐतिहासिक सुधार कहते हैं। उनके अनुसार, मृतक और डुप्लिकेट नाम चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करते हैं। इससे वोटिंग सिस्टम में फर्जीवाड़ा रोका जा सकता है। एसआईआर प्रक्रिया के अनुसार, 81.3 प्रतिशत मतदाताओं ने गणना फॉर्म जमा किए, जबकि बाकी नहीं कर सके। इस तरह की सफाई अन्य राज्यों में भी हुई, लेकिन उत्तर प्रदेश में कटौती सर्वाधिक रही। समर्थकों का कहना है कि इससे वोट बैंक की राजनीति कमजोर होगी और असली मतदाताओं की आवाज़ को ताकत मिलेगी।

विपक्षी दल इसे राजनीतिक साजिश मान रहे हैं। उनका तर्क है कि गरीब और अल्पसंख्यक समुदाय के वोटों को प्रभावित किया जा रहा है। कई नेता और उनके परिवार के नाम हटाए जाने का दावा कर रहे हैं। उनका कहना है कि केवल निवास बदलने के कारण वैध मतदाताओं को बाहर किया गया। विरोधियों का आरोप है कि यह लोकतंत्र पर हमला है और संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन हो सकता है। शहरी क्षेत्रों और प्रवासी आबादी में अधिक नाम हटाए गए हैं, जिससे यह आशंका बढ़ रही है कि यह उद्देश्यपूर्ण कार्रवाई हो सकती है।

तथ्यों की पड़ताल करें तो आयोग ने हटाव के स्पष्ट कारण बताए हैं—मृत्यु, स्थानांतरण और डुप्लिकेट नाम। लखनऊ और गाजियाबाद जैसे शहरी केंद्रों में सबसे ज्यादा नाम हटाए गए। घर-घर जाकर फॉर्म भरवाए गए और 91 प्रतिशत से अधिक मैपिंगकी गई। शेष को नोटिस भेजे जा रहे हैं। बावजूद इसके, इतनी बड़ी संख्या ने संदेह पैदा कर दिया है। क्या सभी फॉर्म न जमा करने वाले असली मतदाता नहीं हैं? आयोग का कहना है कि दावा-आपत्ति प्रक्रिया में सुधार संभव है और यह निष्पक्षता दिखाती है। विपक्ष का कहना है कि दस्तावेज जुटाने में गरीब और अनपढ़ मतदाताओं को दिक्कत होगी, जिससे लोकतंत्र की वैधता पर सवाल उठते हैं।

इस संशोधन का आगामी चुनावों पर गहरा प्रभाव पड़ सकता है। उत्तर प्रदेश की 80 लोकसभा सीटें निर्णायक मानी जाती हैं। अगर वैध मतदाता भी हट गए, तो वोट प्रतिशत और चुनाव परिणाम प्रभावित हो सकते हैं। समर्थक इसे फर्जीवाड़ा रोकने का कदम मानते हैं, जबकि विपक्ष इसे वोट दबाने की रणनीति कह रहा है।

एसआईआर की अवधि बढ़ने से सत्यापन बेहतर हुआ, लेकिन गरीब और अल्पसंख्यक समुदाय इससे सबसे अधिक प्रभावित हो सकते हैं। यह सवाल उठता है कि क्या प्रक्रिया पर्याप्त पारदर्शी है या नहीं।

समाज पर नजर डालें तो प्रवासी मजदूर, शहरी गरीब और छोटे शहरों के मतदाता सबसे प्रभावित हुए हैं। ग्रामीण क्षेत्र भी इससे अछूते नहीं रहे। विपक्ष इसे मतदाता दमन मान रहा है। वहीं आयोग का कहना है कि मृतक नाम हटाना अनिवार्य था और यह रूटीन प्रक्रिया है। अन्य राज्यों में भी ऐसा सुधार होना चाहिए। मतदाता सूची की शुद्धता ही चुनाव की नींव है। अगर फर्जी नाम मौजूद रहें, तो लोकतंत्र कमजोर होगा। वहीं वैध नाम हटने से अन्याय होगा। जनता को जागरूक होना आवश्यक है।

आगे की राह में आयोग के लिए पूर्ण पारदर्शिता अनिवार्य हो गई है। दावा-आपत्ति की अवधि में लाखों मतदाता अपने अधिकार को सुरक्षित कर सकते हैं, और यदि कोई वैध मतदाता सूची से बाहर रह गया, तो लोकतंत्र की नींव हिल सकती है। अन्य राज्यों के अनुभव और उदाहरण हमें यह सिखाते हैं कि मतदाता सूची सिर्फ एक प्रशासनिक दस्तावेज़ नहीं, बल्कि हर नागरिक की राजनीतिक पहचान का प्रतीक है। इसलिए इसकी नियमित समीक्षा और सुधार न्यायपूर्ण, निष्पक्ष और समयबद्ध तरीके से होना चाहिए।

यह संशोधन दोधारी तलवार की तरह है—2.89 करोड़ नामों के हटने ने सार्वजनिक बहस और राजनीतिक विवाद को हवा दी है। यदि हटाए गए नाम केवल फर्जी थे, तो यह लोकतंत्र की शुद्धता की दिशा में ऐतिहासिक कदम होगा। लेकिन यदि वैध मतदाता प्रभावित हुए, तो यह अधिकार और विश्वास दोनों को क्षति पहुंचा सकता है।

विपक्ष को ठोस प्रमाण प्रस्तुत करने होंगे और आयोग को अपनी निष्पक्षता साबित करनी होगी। लोकतंत्र तब मजबूत रहेगा जब हर वैध वोट गिना जाएगा और किसी की आवाज़ दबाई नहीं जाएगी। यह प्रकरण याद दिलाता है कि वोट हमारा अधिकार है और सुरक्षित रहना चाहिए। समय ही बताएगा कि यह कदम लोकतंत्र की शुद्धता था या राजनीतिक खेल।

उत्तर प्रदेश का यह उदाहरण हमें एक बड़ा और सशक्त सबक देता है। बड़े बदलाव सोच-समझकर और पूरी सावधानी के साथ होने चाहिए, क्योंकि हर गलती सीधे लोकतंत्र की नींव को हिला सकती है। जनता के लिए यह जिम्मेदारी बन गई है कि वह अपने नाम, अपने अधिकार और मतदाता रिकॉर्ड की खुद जांच करे। हर मतदाता जागरूक रहे, ताकि किसी की आवाज दबाई न जा सके और हर वैध वोट सुरक्षित रहे। चुनाव प्रक्रिया की पवित्रता पर ध्यान देना अब केवल प्रशासन का कर्तव्य नहीं, बल्कि हर नागरिक की अनिवार्य भूमिका बन चुकी है।

वैश्विक अस्थिरता और भारत की भूमिका

अजय कुमार पाण्डेय

वैश्विक राजनीति इस समय तीव्र संक्रमण के दौर से गुजर रही है। एक ओर लैटिन अमेरिका में वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी के बाद उपजा राजनीतिक शून्य और अस्थिरता है, तो दूसरी ओर दक्षिण एशिया में बांग्लादेश की आंतरिक हिंसा और सामाजिक तनाव क्षेत्रीय संतुलन को प्रभावित कर रहे हैं। इन दोनों घटनाओं के बीच एक साझा सूत्र उभरता है—अमेरिका की भूमिका और विकासशील देशों, विशेषकर भारत, के प्रति उसका रणनीतिक दृष्टिकोण।

वेनेजुएला लंबे समय से राजनीतिक संकट, आर्थिक पतन और अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों की मार झेल रहा है। राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी ने इस संकट को एक नए, अधिक जटिल चरण में पहुँचा दिया है। सत्ता परिवर्तन को लेकर पश्चिमी देशों, विशेषकर अमेरिका, ने इसे लोकतंत्र की जीत के रूप में प्रस्तुत किया है। किंतु ज़मीनी सच्चाई इससे कहीं अधिक जटिल है।

मादुरो की गिरफ्तारी के बाद वेनेजुएला में सत्ता संघर्ष, सैन्य असंतोष और सामाजिक विभाजन और गहरा हुआ है। तेल-समृद्ध देश होने के बावजूद आम जनता भोजन, दवाइयों और बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रही है। राजनीतिक अनिश्चितता के कारण वैश्विक तेल बाजारों में भी अस्थिरता बढ़ी है, जिसका प्रभाव सीधे ऊर्जा आयातक देशों पर पड़ा है।

अमेरिका का रुख स्पष्ट है—वह वेनेजुएला में ऐसी सरकार देखना चाहता है जो उसके भू-राजनीतिक और आर्थिक हितों के अनुरूप हो। इसी क्रम में प्रतिबंधों, कूटनीतिक दबाव और वैकल्पिक नेतृत्व को समर्थन की नीति अपनाई गई। हालांकि, यह सवाल बना हुआ है कि क्या बाहरी हस्तक्षेप से किसी देश में स्थायी लोकतांत्रिक स्थिरता लाई जा सकती है।

भारत के लिए वेनेजुएला का मुद्दा मूलतः ऊर्जा सुरक्षा से जुड़ा रहा है। भारत अपनी तेल आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयात करता है और विविध स्रोतों पर निर्भर रहना उसकी रणनीतिक मजबूरी है। वेनेजुएला से कच्चे तेल का आयात इसी नीति का हिस्सा रहा है।

मादुरो की गिरफ्तारी के बाद भी अमेरिका का संकेत स्पष्ट है कि वह वेनेजुएला से ऊर्जा खरीद को राजनीतिक समर्थन के रूप में देखता है। भारत को संभावित द्वितीयक प्रतिबंधों की आशंका के बीच संतुलन साधना पड़ रहा है। यह स्थिति भारत की रणनीतिक स्वायत्तता के लिए एक चुनौती है, जहाँ उसे अपने राष्ट्रीय हितों और अमेरिका के साथ बढ़ते रणनीतिक संबंधों के बीच सावधानी से कदम रखना पड़ता है।

दक्षिण एशिया में बांग्लादेश की स्थिति भी चिंताजनक होती जा रही है। हाल के समय में वहाँ राजनीतिक ध्रुवीकरण, सांप्रदायिक तनाव और आंतरिक हिंसा की घटनाएँ बढ़ी हैं। इसका सीधा प्रभाव भारत की आंतरिक सुरक्षा, सीमा प्रबंधन और पूर्वोत्तर राज्यों की स्थिरता पर पड़ता है।

बांग्लादेश भारत के लिए केवल एक पड़ोसी देश नहीं, बल्कि एक महत्वपूर्ण रणनीतिक और आर्थिक साझेदार भी है। अवैध प्रवासन, सीमा सुरक्षा और उग्रवाद जैसे मुद्दे पहले से ही संवेदनशील रहे हैं। ऐसे में बांग्लादेश की आंतरिक अस्थिरता भारत के लिए अतिरिक्त चुनौतियाँ खड़ी कर सकती है।

अमेरिका बांग्लादेश में लोकतंत्र और मानवाधिकारों के नाम पर सक्रिय रुचि दिखा रहा है। उसने चुनावी प्रक्रियाओं, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और राजनीतिक दमन को लेकर कई बार सार्वजनिक टिप्पणियाँ की हैं। हालांकि, आलोचकों का मानना है कि यह रुचि केवल मानवीय सरोकारों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके पीछे हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के प्रभाव को संतुलित करने की रणनीति भी निहित है।

इस संदर्भ में भारत को अमेरिका एक "स्थिरकारी शक्ति" के रूप में देखता है। अमेरिका की अपेक्षा है कि भारत बांग्लादेश में स्थिरता बनाए रखने में सक्रिय भूमिका निभाए, किंतु साथ ही वह यह भी चाहता है कि भारत उसकी लोकतंत्र-समर्थक भाषा और दबाव की नीति से बहुत अलग न जाए। यह अपेक्षा कई बार भारत की पड़ोसी देशों के प्रति गैर-हस्तक्षेप और सम्मान-आधारित नीति से टकराती है।

वेनेजुएला और बांग्लादेश—भले ही भौगोलिक रूप से दूर हों, पर दोनों संकटों में अमेरिकी दृष्टिकोण एक समान दिखाई देता है। अमेरिका लोकतंत्र, मानवाधिकार और नियम-आधारित व्यवस्था की बात करता है, लेकिन उसके कदम अक्सर रणनीतिक हितों से निर्देशित प्रतीत होते हैं। भारत जैसे देशों के लिए यह स्थिति दुविधापूर्ण है।

भारत न तो अमेरिका के साथ अपने संबंधों को जोखिम में डाल सकता है और न ही अपनी स्वतंत्र विदेश नीति को त्याग सकता है। यही कारण है कि भारत ने वेनेजुएला मुद्दे पर भी संतुलित रुख अपनाया है और बांग्लादेश के मामले में भी आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप से परहेज़ किया है।

वर्तमान वैश्विक परिदृश्य भारत से परिपक्व और आत्मविश्वासी कूटनीति की मांग करता है। ऊर्जा सुरक्षा के लिए स्रोतों का विविधीकरण, पड़ोसी देशों के साथ निरंतर संवाद और बहुपक्षीय मंचों पर सक्रिय भूमिका—ये सभी भारत की प्राथमिकताएँ होनी चाहिए।

साथ ही, अमेरिका सहित सभी महाशक्तियों के साथ संबंधों में यह स्पष्ट संदेश देना आवश्यक है कि भारत सहयोग का समर्थक है, पर दबाव की राजनीति को स्वीकार नहीं करता।

मादुरो की गिरफ्तारी के बाद वेनेजुएला की अस्थिरता और बांग्लादेश की आंतरिक हिंसा यह दर्शाती है कि आज की वैश्विक राजनीति में संकट केवल स्थानीय नहीं रहते, वे क्षेत्रीय और वैश्विक प्रभाव छोड़ते हैं। अमेरिका की दृष्टि इन संकटों को अपने रणनीतिक चश्मे से देखती है, जबकि भारत को इन्हें अपने राष्ट्रीय हितों और क्षेत्रीय जिम्मेदारियों के संतुलन के साथ देखना होगा।

अंततः, भारत की सफलता इसी में निहित है कि वह न तो किसी शक्ति-ध्रुव का उपकरण बने और न ही वैश्विक जिम्मेदारियों से पीछे हटे—बल्कि एक स्वतंत्र, संतुलित और विश्वसनीय शक्ति के रूप में उभरे।

क्या यह तिकड़ी दूसरों के लिए सबब बन जाएगी ?

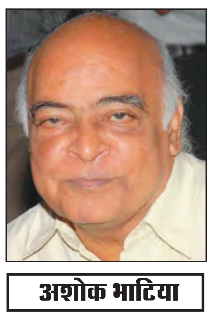

अशोक भाटिया

केवल यह तथ्य कि किसी देश के पास प्राकृतिक संसाधनों, खनिज तेल के प्रचुर भंडार हैं, किसी देश की प्रगति के लिए पर्याप्त नहीं है, लेकिन अगर इसे उचित अन्वेषण और उत्पादन में परिवर्तित नहीं किया जाता है, तो ये अमीर देश गरीब रहते हैं और आक्रमणकारियों का शिकार हो जाते हैं। वेनेजुएला इसका ताजा उदाहरण है, वेनेजुएला अपने समृद्ध खनिज भंडार के बावजूद उचित आर्थिक प्रगति नहीं कर पाया है। करीब 70 साल पहले वेनेजुएला के मंत्री जुआन पाब्लो अल्फोंसो ने अपने देशवासियों को इस हकीकत के बारे में आगाह किया था जब तेल निर्यातक देशों के संगठन (ओपेक) का जन्म हुआ था। वेनेजुएला के शासक, खनिज तेल के प्रचुर भंडार की खोज से खुश होकर, उस समय अपने हाथों पर बैठे थे। वे इस खनिज तेल का उपयोग व्यापार बढ़ाने और उद्योग के विस्तार के लिए नहीं करना चाहते थे। इसलिए, देश के निष्क्रिय शासकों से निराश होकर, अल्फोंस ने कहा, खनिज तेल शैतान का मल है... उस पर भरोसा मत करो, उन्होंने चेतावनी दी। लेकिन तब - और अब - वेनेजुएला के शासकों ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। यदि तेल की खोज, प्रौद्योगिकी विस्तार और बाजार की उथल-पुथल की निगरानी में कोई घरेलू निवेश नहीं होता है, तो कोई और ढह जाएगा और तेल भंडार पर नियंत्रण कर लेगा। यह इतिहास है, जिसे वेनेजुएला के आत्मकेंद्रित शासकों ने नजरअंदाज कर दिया और दंडित किया।

सऊदी अरब में यही हुआ था, जब सद्दाम हुसैन कुवैत पर कब्ज़ा करने की कोशिश कर रहा था, यह ईरान और इराक में और यहां तक कि लीबिया में भी हुआ। ये सभी हालिया घटनाएँः सऊदी अरब में घुसपैठ करने वाले संयुक्त राज्य अमेरिका का प्यार, युद्ध के लिए समय नहीं था, क्योंकि सउदी आदिम थे, और संयुक्त राज्य अमेरिका सऊदी शासकों के वित्तीय और प्रोत्साहन से सऊदी अरब को मनाने में सक्षम था, और ईरान के मोहम्मद मोसादेघ ने एक ब्रिटिश तेल कंपनी द्वारा अपने देश से तेल जब्त करने के प्रयास को विफल कर दिया। उनके खिलाफ विद्रोह हो गया और उन्हें छोड़ना पड़ा। बाद में, शाह मोहम्मद रजा पहलवी का शासन, जो संयुक्त राज्य अमेरिका के हाथों की कठपुतली बन गया, को अयातुल्ला रुहोला खुमैनी ने धार्मिक क्रांति के साथ उखाड़ फेंका। पड़ोसी इराक में, सद्दाम हुसैन, जिसे हाल ही में संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा खिलाया गया था, ने बाद में अमेरिकी तेल कंपनियों का अस्तित्व अपने हाथ में ले लिया। उन्होंने उन कंपनियों का राष्ट्रीयकरण किया और उनके अमेरिकी स्वामित्व को समाप्त कर दिया। सद्दाम को जाना पड़ा। लीबिया में, कर्नल मुअम्मर गद्दाफी अचानक संयुक्त राज्य अमेरिका आ गए क्योंकि उन्होंने उस देश से तेल बेचने वाली अमेरिकी कंपनियों से अधिक पेटेंट और मुआवजे की मांग की। अमेरिका ने उन्हें भी बाहर कर दिया था। वेनेजुएला के मादुरो का भी यही हश्र हुआ। संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए यह अनिवार्य है कि वह विस्तारवादी नीति को आगे बढ़ाने के लिए अधिक से अधिक ऊर्जा स्रोतों को नियंत्रित करे। सऊदी अरब जेब में है। इराक भी नियंत्रण में है। रूस, ईरान और वेनेजुएला केवल तीन देश हैं जिनके पास संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए तेल भंडार हैं।अमेरिका को इस बात की जानकारी है। अमेरिका ने वेनेजुएला को बाकी दो से काट दिया है। अब ईरान बचा है, इसलिए अमेरिका का अगला निशाना शिया ईरान होगा। ईरानी शासन को उखाड़ फेंकने के समय उस देश में आर्थिक विरोध प्रदर्शन हुए थे और लोग नाराज थे। ऐसा ही लगता है।

राष्ट्रपति ट्रम्प अटलांटिक के पार कोलंबिया, मैक्सिको, क्यूबा और ग्रीनलैंड को उखाड़ फेंकना चाहते हैं, न कि केवल नए साम्राज्यवाद के बारे में।कोलंबियाई शासन ट्रम्प की धुन पर नाचने नहीं जा रहे हैं। वास्तव में, वे कभी ऐसे नहीं थे। अब भी बोलीविया से लेकर क्यूबा तक के देश ट्रंप की भीख नहीं मांगते। जो नेता आपके सामने नहीं झुकते उनसे नफरत करते हैं, वे आज कई जगहों पर सत्ता में हैं। ट्रम्प इसकी रीढ़ हैं। वे इन देशों पर भी अमेरिकी नियंत्रण चाहते हैं। वास्तव में, ट्रम्प पहले अमेरिकी शासक नहीं हैं जिनकी ऐसी इच्छा है। द्वितीय विश्व युद्ध से लेकर बर्लिन की दीवार गिरने तक, 1989 तक, लगभग हर अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह दृष्टिकोण रखा, जिसके कारण 1961 में बे ऑफ पिग्स संकट और तृतीय विश्व युद्ध का प्रकोप हुआ, जिसके कारण अमेरिका की अवचेतन इच्छा इस क्षेत्र को नियंत्रित करने की थी।

एक है ट्रम्प की किसी भी स्तर तक उठने की क्षमता। उनके पास साधनों और साधनों के बारे में कोई विवेक नहीं है, और वह बुद्धिजीवियों में गिना नहीं जाना चाहते हैं। औसत विचारक राष्ट्रवाद की अस्पष्ट, खोखली भाषा की आसानी से सराहना करता है। कोई सीमा नहीं है।

आगे बढ़ने की सीमाएं हैं। इसलिए ट्रम्प के लिए जोखिम सबसे अधिक है। और दूसरा मुद्दा संयुक्त राज्य अमेरिका को चुनौती देने वाली ताकतों की कमी है। उस समय अमेरिकी शासक अपनी विस्तारवादी नीति को स्वतंत्र रूप से नहीं चला सकते थे क्योंकि सोवियत रूस के रूप में उनके सामने एक चुनौती थी। यह अब और नहीं है। आज के रूस के पास इतनी ताकत नहीं है। ऐसा करने के लिए पुतिन भी ट्रंप की तरह राष्ट्रवाद का सहारा ले रहे हैं, लेकिन ट्रंप जैसी मजबूत अर्थव्यवस्था पुतिन के पीछे नहीं है।

चलो घंटा बजाते हैं

डॉ. सुरेश कुमार

आओ मदन, आज तुम्हें उस सरकारी गुफा के दर्शन कराऊँ, जहाँ 'घंटा' शब्द धातु का मोह छोड़कर 'रिश्वत' का रसगुल्ला बन जाता है। ओंकार दादू ने हाथ पकड़कर मदन को उस गलियारे में खींच लिया, जहाँ फाइलों का ढेर किसी सड़ते हुए शव की तरह बदबू दे रहा था। परसाई जी की रूह यहाँ दीवारों पर टंगे उन पोस्टरों में मुस्कुरा रही थी, जिन पर लिखा था— 'भ्रष्टाचार मिटाओ', मगर जिनके पीछे ही असली 'घंटा' बजाया जा रहा था। यहाँ का सरोकार जनता की सेवा नहीं, बल्कि उस जेब का वजन है जो 'घंटे' के शोर को शांत कर सके। दादू ने फुसफुसाते हुए कहा, बेटा, यहाँ जब बड़ा बाबू कहे कि 'काम में घंटा भर लगेगा', तो समझ लेना कि वह साठ मिनट की बात नहीं कर रहा, बल्कि तुझसे उस 'दक्षिणा' की मांग कर रहा है जिसे दिए बिना यहाँ पत्ता भी नहीं हिलता। यहाँ 'घंटा' एक कूटशब्द (कोड वर्ड) है, जो मर्यादा की ओट में नंगई का नाच नाचता है।

साहब, मेरी फाइल पर दस्तखत कर दीजिये, माँ अस्पताल में है। मदन ने बड़े बाबू के सामने गिड़गिड़ाते हुए कहा। बाबू ने चश्मा नाक पर टिकाया और एक ऐसी नज़र डाली जो इंसान को सीधा 'घंटा' (अकिंचन) करार दे दे। मदन बाबू, फाइल तो बढ़ जाएगी, पर इसमें जो 'घंटा' गायब है, उसका क्या? यहाँ 'घंटा' का अर्थ वह चिकना नोट है जो फाइल के पहियों में ग्रीस का काम करता है। मदन ने मासूमियत से पूछा, साहब, दफ्तर में तो बड़ा घंटा टंगा है, फिर फाइल में कौन सा घंटा चाहिए? बाबू हँसे, वैसी ही कुटिल हँसी जैसी बिल्ली चूहे को खाने से पहले दिखाती है। मूर्ख, वह दीवार वाला घंटा तो केवल समय का क़त्ल करता है, फाइल वाला 'घंटा' ही असल में 'विकास' का रास्ता साफ़ करता है। यह हृदयविदारक यथार्थ है कि जहाँ न्याय और अधिकार की बात हो, वहाँ व्यवस्था एक बहरा 'घंटा' बन जाती है, जो तभी बजती है जब उस पर चांदी की चोट की जाए।

दादू, यो तो सीधा-सीधा डकैती है! मदन का खून खौल उठा। दादू ने उसका हाथ दबाया, चुप रह छोरा, यहाँ दीवार के भी कान हैं और वो भी 'घंटे' सुनने के आदी हैं। परसाई शैली का तीखा कटाक्ष यहाँ है— प्रशासन एक ऐसा मंदिर है जहाँ देवता तभी जागता है जब पुजारी की मुट्ठी गरम हो। यहाँ की फाइलें सबसे नीचे दबी होती हैं क्योंकि उनमें 'घंटे' की खनक नहीं होती।

देख मदन, यह जो भ्रष्टाचार का 'घंटा' है, इसकी जड़ें ऊपर तक हैं। जब नीचे वाला बजता है, तो ऊपर वाले को संगीत सुनाई देता है। यहाँ 'घंटा' वह माध्यम है जिससे पाप को पुण्य में बदला जाता है। मदन की आँखों में वही मार्मिक दर्द था, जो तब होता है जब एक आम आदमी को पता चलता है कि उसकी पूरी ज़िंदगी बस एक 'घंटा' है, जिसे व्यवस्था जब चाहे, जैसे चाहे बजा सकती है।

अरे ओ बाबू, अगर मैं पैसे न दूँ तो? मदन ने अपनी आखिरी हिम्मत जुटाई। बाबू ने फाइल अलमारी में पटक दी, तो फिर अपनी किस्मत का 'घंटा' बजाओ और घर जाओ। यहाँ 'घंटा बजाना' एक ऐसा मुहावरा बन गया जो बेबसी की अंतिम सीमा है। मालवी लहजे की कड़वाहट और परसाई की धार मिलकर एक ऐसा सस्पेंस पैदा कर रहे थे कि क्या मदन अपनी ईमानदारी को उस 'घंटे' की भेंट चढ़ा देगा? दादू ने कान में कहा, बेटा, यहाँ ईमानदारी वह 'घंटा' है जिसे लोग अपनी छाती पर पदक की तरह टांगते तो हैं, पर रात के अंधेरे में उसे उतारकर रिश्वत की खूँटी पर टांग देते हैं। यह समाज का वह सड़ा हुआ हिस्सा है जहाँ सरोकार केवल स्वयं की भूख से है, चाहे वह दूसरे की अंतिम उम्मीद का गला घोंटकर ही क्यों न मिटाई जाए।

तभी दफ्तर के बाहर एक बड़ा हंगामा हुआ। पता चला कि एंटी-भ्रष्शन ब्यूरो का छापा पड़ा है। मदन को लगा कि शायद अब 'इंसाफ का घंटा' बजेगा। छापा मारने वाले अधिकारी ने बड़े बाबू को कोने में ले जाकर बात की, और थोड़ी देर बाद दोनों बाहर आकर ठहाका मार रहे थे। दादू, ये क्या हुआ? मदन हक्का-बक्का था। दादू ने फीकी मुस्कान के साथ कहा, बेटा, यहाँ छापा भी एक 'घंटा' है। जब छोटे घंटे को डराना होता है, तो बड़ा घंटा बजाया जाता है। अब दोनों मिलकर जनता का 'घंटा' बजाएंगे। यह अंत इतना कारुणिक और हृदयविदारक था कि मदन की आँखों से टपका आँसू भी एक 'घंटा' बन गया—जो गिरा तो सही, पर उसकी आवाज़ सुनने वाला कोई नहीं था। व्यवस्था के इस पोस्टमार्टम में पाया गया कि 'घंटा' ही सर्वोपरि है, और हम सब उसकी गूँज में दफन होने वाली छोटी-छोटी चीखें हैं।

आज बन रहा रवि योग, चाहिए सुख समृद्धि और उच्च पद तो करें ये काम

8 जनवरी 2026 को रवि योग बन रहा है। विशेष रूप से रवि योग में सूर्य देव की पूजा-अर्चना फलदायी है। इस शुभ योग में अर्घ्य, मंत्र जाप, आदित्य हृदय स्तोत्र या 'ओम घृणि सूर्याय नमः' से सूर्य की कृपा शीघ्र मिलती है, सुख-शांति और उच्च पद की प्राप्ति होती है। सनातन धर्म में सूर्य देव की साधना का विशेष महत्व है। सूर्य आत्माकारक, नवग्रहों के राजा और प्रत्यक्ष देवता हैं। उनकी नियमित आराधना से स्वास्थ्य, आत्मविश्वास, पराक्रम, सम्मान और समृद्धि प्राप्त होती है। कुंडली दोष दूर होते हैं और करियर में उन्नति मिलती है। रवि योग दोपहर में 12:24 पी एम से लेकर 9 जनवरी को सुबह 07:15 ए एम तक है।

रवि योग में किए गए कार्य जल्दी फल देते हैं और सफल होते हैं। इस मुहूर्त में सूर्य देव की आराधना करने से सुख, समृद्धि और सम्मान मिलता है। यह योग उच्च पद, प्रतिष्ठा और सफलता प्रदान करने वाला होता है।

रवि योग में सूर्य देव को जल अर्पित कर पाठ करना चाहिए। धर्म शास्त्र के अनुसार,तांबे के लोटे में जल, रोली, गुड़, अक्षत डालकर जल देना चाहिए। इस दौरान ओम घृणि सूर्याय नमः का जप कर धूप-दीप जलाना चाहिए।

यह समय कई शुभ कार्यों के लिए बेहद अनुकूल है। घर में नई कार लाने, प्रॉपर्टी का सौदा पक्का करने, कार बुकिंग कराने, दुकान का उद्घाटन करने, गृह प्रवेश करने या किसी नए बिजनेस या कार्य की शुरुआत करने के लिए रवि योग शुभ माना जाता है। ऐसे कार्यों से लंबे समय तक लाभ मिलता है। दृक पंचांग के अनुसार, 8 जनवरी को षष्ठी तिथि सुबह 7 बजकर 5 मिनट तक रहेगी, उसके बाद सप्तमी शुरू होगी। अगर कोई शुभ कार्य करना चाहते हैं, तो राहुकाल का समय जरूर ध्यान में रखें। इस दौरान कोई महत्वपूर्ण या शुभ काम नहीं करना चाहिए।

राहुकाल दोपहर 1 बजकर 46 मिनट से 3 बजकर 4 मिनट तक रहेगा। चंद्रमा पूरे दिन सिंह राशि में गोचर करेंगे। सूर्योदय सुबह 7 बजकर 15 मिनट और सूर्यास्त शाम 5 मिनट 41 मिनट पर होगा।

वहीं, भद्रा काल अशुभ समय होता है। इस दौरान महत्वपूर्ण काम जैसे विवाह, मुंडन, नामकरण या नए निवेश जैसे कार्य नहीं करने चाहिए। भद्रा में शुरू किए कामों में बाधाएं आ सकती हैं।

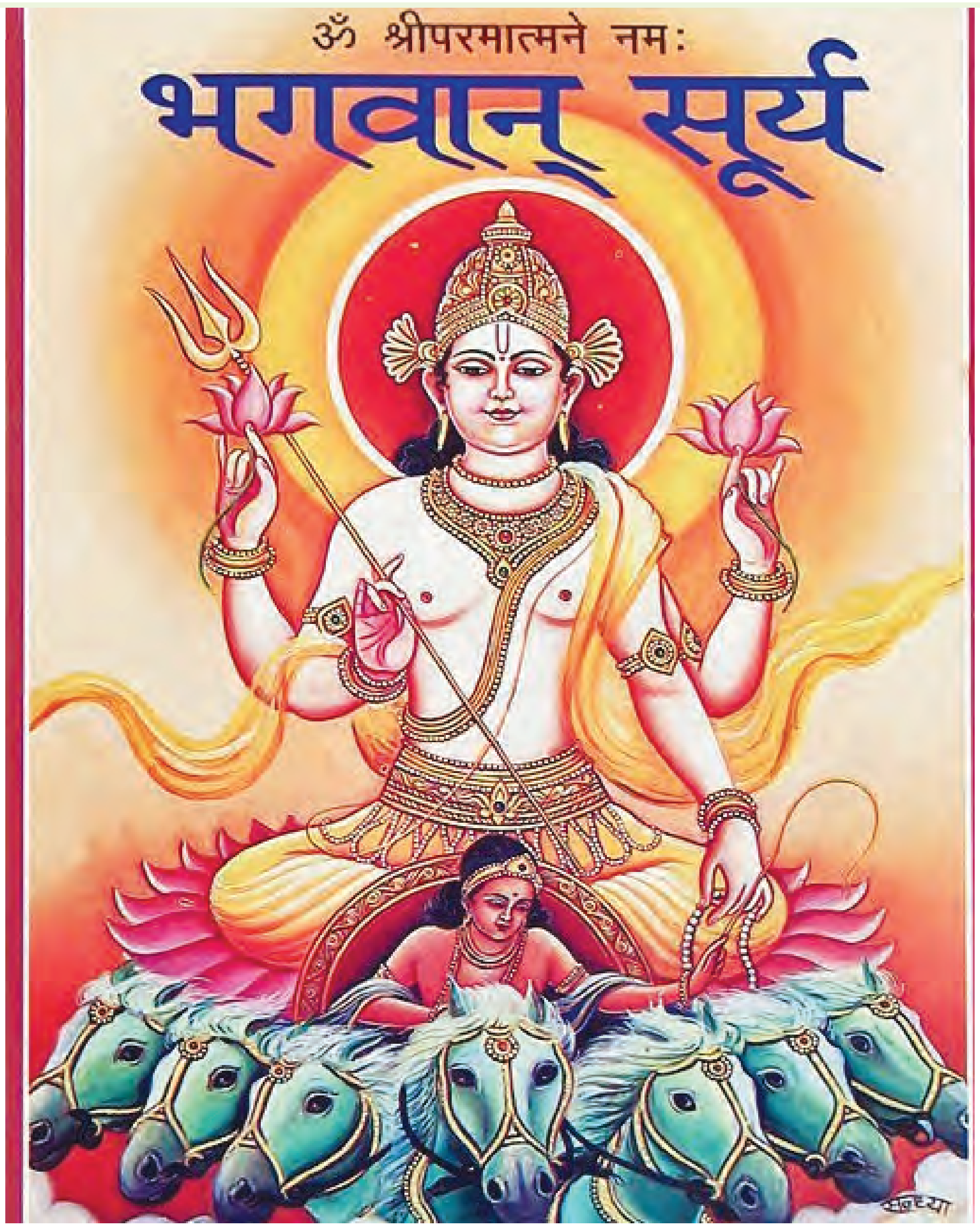

खरमास बाद शुरू होगा शादी का सीजन नए साल में कितने दिन बजेगी शहनाई?

नए साल 2026 का प्रारंभ हो चुका है। इस समय खरमास चल रहा है। खरमास का समापन 15 जनवरी को मकर संक्रांति के साथ होगा। मकर संक्रांति के बाद से शादी का सीजन शुरू होगा। इस साल 12 महीने में केवल 8 महीने ही विवाह का मुहूर्त है। जनवरी, अगस्त, सितंबर और अक्टूबर में इस साल कोई शहनाई नहीं बजेगी। जिन लोगों को 2026 में विवाह करना है, उनके लिए फरवरी में 12, मार्च में 8, अप्रैल में 8, मई में 8, जून में 8, जुलाई में 4, नवंबर में 4 और दिसंबर में 7 विवाह मुहूर्त हैं। इस साल विवाह के कुल 59 शुभ मुहूर्त हैं।

जनवरी विवाह मुहूर्त 2026: नए साल के पहले माह में खरमास तो खत्म हो जा रहा है, लेकिन विवाह के लिए कोई शुभ मुहूर्त नहीं है। खरमास के समय में सूर्य धनु राशि में होते हैं, इस वजह से कोई भी मांगलिक कार्य नहीं होता है।

फरवरी विवाह मुहूर्त 2026: इस माह में विवाह के सबसे अधिक 12 मुहूर्त है। फरवरी में विवाह के लिए 5, 6, 8, 10, 12, 14, 19, 20, 21, 24, 25 और 26 तारीखें शुभ हैं। फरवरी का समय विवाह के लिए अच्छा माना जाता है क्योंकि इस समय में गुलाबी सर्दी पड़ती है।

मार्च विवाह मुहूर्त 2026: मार्च यानि फाल्गुन, इसका नाम लेते ही रंगों का त्योहार होली का स्मरण हो आता है। मार्च में विवाह के लिए 8 शुभ तारीखें हैं। 2, 3, 4, 7, 8, 9, 11 और 12 तारीख शादी के लिए अच्छी हैं। 15 मार्च से सूर्य देव मीन राशि में आएंगे तो फिर से खरमास लग जाएगा। उसके बाद सूर्य देव 14 अप्रैल को मेष राशि में आएंगे, उसके साथ खरमास खत्म होगा।

अप्रैल विवाह मुहूर्त 2026: 14 अप्रैल को खरमास खत्म होने के साथ गर्मी में विवाह का सीजन शुरू होगा। अप्रैल महीने में भी शादी के लिए 8 शुभ दिन हैं। 15, 20, 21, 25, 26, 27, 28 और 29 को शुभ विवाह हो सकता है। हालांकि गर्मी के दिनों में विवाह का आयोजन मौसम की वजह से मुश्किलों वाला हो सकता है।

मई विवाह मुहूर्त 2026: मई में भी शादी के 8 शुभ मुहूर्त है। जिनको विवाह करना है, वे 1, 3, 5, 6, 7, 8, 13 और 14 में से किसी भी एक तारीख को कर सकते हैं।

जून विवाह मुहूर्त 2026: जून में चिलचिलाती धूप, बेहिसाब गर्मी और उमस से लोगों का हाल बेहाल रहता है और इस समय में बारिश भी होती है। ऐसे में विवाह का आयोजन चुनौतिपूर्ण होता है। जून माह में भी शुभ विवाह की 8 तारीखें हैं। 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27 और 29 तारीख शादी के लिए शुभ हैं।

जुलाई विवाह मुहूर्त 2026: जुलाई को बरसात का महीना माना जाता है। जुलाई में विवाह के लिए केवल 4 दिन शुभ हैं। 1, 6, 7 और 11 जुलाई शादी के लिए अच्छी तारीखें हैं।

अगस्त विवाह मुहूर्त 2026: 25 जुलाई से चातुर्मास लग जा रहा है, इस वजह से अगस्त में कोई विवाह मुहूर्त नहीं है। चातुर्मास के समय में भगवान विष्णु योग निद्रा में चले जाते हैं। वे 4 माह तक योग निद्रा में ही रहते हैं, तब सृष्टि का संचालन भगवान शिव के हाथों में रहता है।

सितंबर विवाह मुहूर्त 2026: चातुर्मास 4 माह तक रहता है, इसलिए सितंबर और अक्टूबर में कोई विवाह मुहूर्त नहीं है। चातुर्मास में सभी देवी और देवता शयन करते हैं। इस समय में पूजा, पाठ, यज्ञ, हवन आदि होता है।

नवंबर विवाह मुहूर्त 2026: 20 नवंबर को देवउठनी एकादशी से चातुर्मास खत्म हो जाएगा। तब से नवंबर में विवाह के केवल 4 शुभ मुहूर्त है। नवंबर में 21, 24, 25 और 26 तारीखें शादी के लिए शुभ हैं।

दिसंबर विवाह मुहूर्त 2026: इस साल के अंतिम माह दिसंबर में शादी के लिए 7 शुभ मुहूर्त हैं। 2, 3, 4, 5, 6, 11 और 12 तारीखें विवाह के लिए अच्छी हैं।

क्या भगवान राम की कोई बहन भी थी? वह राज जिसे दशरथ के चारों बेटे भी नहीं जानते थे

त्रेतायुग में धरती पर धर्म की स्थापना के लिए श्री हरि विष्णु भगवान राम के अवतार में आए थे। ये युग आदर्शों और मर्यादाओं का युग माना जाता है। इस युग में प्रभु श्रीराम ने अनेकों लीलाएं रचीं। रामायण और रामचरित मानस जैसे पवित्र ग्रंथों में भगवान श्रीराम के पूरे जीवन का वर्णन मिलता है। आज के समय हर कोई श्रीराम के जीवन से जुड़ी कहानियों के बारे में जानता है। रामायण के सभी किरदारों के बारे में लोगों को मालूम है। सबको मालूम है कि भगवान राम तीन भाई थे, जिनके नाम लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न थे, लेकिन बहुत कम लोग जानते होंगे कि भगवान श्रीराम की एक बहन भी थीं, जिनका नाम शांता था। रामायण में भी शांता का जिक्र बहुत कम मिलता है। शांता चारों भाइयों की बड़ी बहन थीं। आइए भगवान राम की बहन शांता की कहानी विस्तार से जानते हैं।

राजा दशरथ और माता कौशल्या की पुत्री थीं

शांता राजा दशरथ और माता कौशल्या की पुत्री थीं। उनको अंग देश के राजा रोमपद और उनकी पत्नी वर्षिणी ने गोद लिया था। वर्षिणी माता कौशल्या की बड़ी बहन थीं। उनको कोई संतान नहीं थी। एक बार वर्षिणी अपने पति के साथ अपनी बहन से मिलने अयोध्या आई थीं। उन्होंने मजाक में ही राजा दशरथ और माता कौशल्या के आगे शांता को गोद लेने की इच्छा जताई। वर्षिणी की ये बात सुनकर राजा दशरथ ने उनको वचन दे दिया कि वो अपनी पुत्री शांता को उनको गोद देंगे। इसके बाद शांता अंग देश की राजकुमारी बन गईं। इधर शांता के बाद राजा दशरथ की कोई संतान नहीं थी। उनकी इच्छा पुत्र पाने की थी, ताकि उनका राजवंश आगे बढ़ सके। इसलिए उन्होंने ऋषि श्रृंग को पुत्रकामेष्टि यज्ञ करने के लिए बुलाया।

राजा दशरथ को बताई अपनी पहचान

इसके परिणामस्वरूप ही श्रीराम, भरत और जुड़वां लक्ष्मण और शत्रुघ्न का जन्म हुआ। वहीं आगे चलकर अंग देश की राजकुमारी शांता का विवाह ऋषि श्रृंग से हुआ। पुत्रकामेष्टि यज्ञ के लिए ऋषि श्रृंग अपनी पत्नी शांता के साथ ही अयोध्या आए थे, जहां शांता ने राजा दशरथ के चरण छुए और अपनी पहचान प्रकट करते हुए बताया कि वो उनकी पुत्री हैं, जिसे उन्होंने गोद दे दिया था।

जिन लड़कियों के दांतों में होता है गैप वो कितनी होती हैं भाग्यशाली

दांतों में गैप को अक्सर सुंदरता से जोड़ा जाता है, पर ज्योतिष व सामुद्रिक शास्त्र इसे बेहद शुभ मानते हैं, खासकर महिलाओं के लिए। ये दर्शाता है कि ऐसी स्त्रियां बुद्धिमान, आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से समृद्ध होती हैं। वे अपने परिवार में खुशहाली और धन लाती हैं।

समुद्रिका शास्त्र के मुताबिक, दांतों के बीच गैप होना कोई दोष नहीं, बल्कि एक बड़ा आशीर्वाद है। विशेषकर यदि लड़कियों में यह विशेषता है तो वे बहुत भाग्यशाली होती हैं।

दातों में गैप वाले लोग होते हैं सबसे बुद्धिमान

ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, जिन लड़कियों के सामने के दांतों के बीच गैप होता है, वे बहुत बुद्धिमान होती हैं। उनकी समझने की क्षमता बहुत अधिक होती है। वे किसी भी जटिल समस्या को बड़ी चतुराई से हल कर सकती हैं। उनकी बुद्धिमत्ता उन्हें समाज में एक विशेष पहचान दिलाती है। वे पेशेवर जीवन में अटूट सफलता हासिल कर लेती हैं। उनमें किसी भी कार्य को पूरा करने तक न छोड़ने का दृढ़ संकल्प होता है। अगर उन्हें असफलता मिलती है तो इसके बावजूद भी वे हार नहीं मानतीं और अपने लक्ष्य को हासिल करने में लगी रहती हैं। इस तरह की लड़कियां ऑफिस में बड़े पदों पर पहुंचती हैं।

लड़कियां जहां जाती हैं वहां होती है वर्षा धन की

अगर आर्थिक दृष्टि से देखा जाए तो दांतों के बीच का गैप धन का प्रतीक माना गया है। ऐसा माना जाता है कि इन लड़कियों की शादी से पहले माता-पिता का घर धनधान्य से भरा रहता है। शादी के बाद जब ससुराल जाती हैं तो पति का घर धन से भर देती हैं। ये जहां भी रहती हैं वहां आर्थिक समस्याएं दूर हो जाती हैं। इन्हें महालक्ष्मी का अवतार माना जा सकता है।

दातों में गैप वाली लड़कियों का परिवार रहता है सुखी

दातों में गैप वाली लड़कियां अपने परिवार और स्वास्थ्य के प्रति बहुत सजग रहती हैं। वे हमेशा अपने पति को समझने में आगे रहती हैं। इससे परिवार में शांति और सुकून का माहौल बना रहता है। सामुद्रिक शास्त्र कहता है कि वे संतुलित भोजन करती हैं और अपने स्वास्थ्य का पूरा ध्यान रखती हैं। अगर आपके दांतों के बीच गैप है तो इसमें असुरक्षित महसूस करने की कोई जरूरत नहीं है।

तीर्थ न जा पाएं तो क्या करें?

घर पर माघ स्नान करने की विधि और नियम

पानी में मिलाएं गंगा जल

अगर आप नदी तक नहीं जा सकते, तो नदी को अपने पास ले आएं। नहाने के सामान्य पानी में थोड़ा सा गंगा जल मिलाएं। शास्त्रों के अनुसार, श्रद्धापूर्वक गंगा जल मिलाकर स्नान करने से वह जल गंगा के समान ही पवित्र और फलदायी हो जाता है।

ब्रह्म मुहूर्त का पालन करें

माघ मास में स्नान का समय बहुत महत्वपूर्ण है। सूर्योदय से पूर्व, यानी ब्रह्म मुहूर्त में स्नान करना सबसे उत्तम माना गया है। सुबह की ठंडी हवा और शांत वातावरण में स्नान करने से न केवल पुण्य मिलता है, बल्कि यह स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी है।

सप्त नदियों का स्मरण

स्नान करते समय भारत की सात पवित्र नदियों का ध्यान करें। जल को स्पर्श करते हुए इस मंत्र या इन नदियों के नाम का जाप करें। मान्यता है कि इन नदियों के स्मरण मात्र से आपके घर का जल तीर्थ जल में परिवर्तित हो जाता है।

तिल का विशेष प्रयोग

माघ मास और तिल का गहरा संबंध है। स्नान के पानी में काले तिल डालकर नहाएं। इसके अलावा शरीर पर तिल का उबटन लगाना भी बहुत शुभ माना जाता है। इससे शनि दोषों से मुक्ति मिलती है और शरीर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

पूजन और मंत्र जाप करें

स्नान केवल शरीर की शुद्धि नहीं, बल्कि मन की शुद्धि भी है। स्नान के पश्चात स्वच्छ वस्त्र धारण करें और भगवान विष्णु की विधि-विधान से पूजा करें। पूजा के दौरान 'ॐ नमो भगवते वासुदेवाय' मंत्र का जाप करें।

मोबाइल से दूर, संस्कारों के करीब बच्चों को सुनाएं गणेश जी की प्रेरणा दायक कहानियां

भगवान गणेश बच्चों के सबसे पसंदीदा देवताओं में से एक हैं। उनका प्यारा सा रूप, हाथी जैसा मुख, बड़ा पेट और छोटा सा चूहा, बच्चों को बहुत आकर्षित करता है। कई बच्चे तो गणेश जी को अपना दोस्त मानते हैं और उनसे दिल की बातें भी करते हैं। गणेश उत्सव के समय घरों और पंडालों में जो खुशी और उत्साह देखने को मिलता है, उसमें बच्चों की भागीदारी सबसे ज्यादा होती है। उन्हें गणेश जी की मूर्ति सजाना, मोदक चढ़ाना और आरती में शामिल होना बेहद पसंद होता है। बच्चे बातें कम और कहानियां ज्यादा समझते हैं।

कैसे बने भगवान गणेश?

एक दिन मां पार्वती स्नान करने जा रही थीं, लेकिन घर के बाहर पहरा देने के लिए कोई नहीं था। उन्होंने अपनी शक्ति से एक बालक की रचना की और उससे कहा कि जब तक वह स्नान करके बाहर न आएं, तब तक किसी को भी अंदर न आने देना। उस बालक का नाम उन्होंने गणेश रखा। कुछ समय बाद भगवान शिव वहां पहुंचे। गणेश ने उन्हें भी अंदर जाने से रोक दिया। शिव जी को यह बात पसंद नहीं आई। उन्होंने अपने वाहन नंदी को आगे भेजा, लेकिन गणेश ने नंदी को भी रोक दिया। क्रोध में

आकर शिव जी ने गणेश का सिर काट दिया। जब मां पार्वती बाहर आईं और यह देखा, तो उन्हें गहरा दुख हुआ। उन्होंने शिव जी से अपने बेटे को वापस जीवित करने की मांग की। शिव जी ने नंदी को आदेश दिया कि वह ऐसे जीव का सिर लेकर आए, जो अपनी मां से उलटी दिशा में सो रहा हो। नंदी को एक हाथी का बच्चा मिला और वह उसका सिर ले आए। शिव जी ने वही सिर गणेश को लगा दिया और उन्हें जीवनदान दिया।

सीखः यह कहानी बच्चों को सिखाती है कि माता-पिता का प्रेम अनमोल होता है और हर गलती को सुधारा जा सकता है।

ब्रह्मांड की परिक्रमा

एक दिन भगवान शिव और मां पार्वती ने अपने दोनों बेटों गणेश और कार्तिकेय की परीक्षा लेने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि जो पहले पूरे ब्रह्मांड की परिक्रमा करके आएगा, वही सबसे श्रेष्ठ माना जाएगा। कार्तिकेय तुरंत अपने मोर पर सवार होकर निकल पड़े। उन्होंने पहाड़, समुद्र, धरती और आकाश सब पार कर लिए। उन्हें पूरा भरोसा था कि गणेश उनसे मुकाबला नहीं कर पाएंगे। उधर गणेश शांति से बैठे रहे। कुछ देर बाद उन्होंने उठकर अपने माता-पिता के चारों ओर तीन चक्कर लगाए और वापस आकर बैठ गए। जब कार्तिकेय लौटे तो यह देखकर हैरान रह गए। गणेश ने कहा कि उनके लिए माता-पिता ही पूरा ब्रह्मांड हैं। शिव जी गणेश की समझदारी से बहुत खुश हुए और उन्हें सबसे पहले पूजे जाने का वरदान दिया।

सीखः यह कहानी बच्चों को सिखाती है कि ताकत से ज्यादा समझदारी काम आती है।

चंद्रमा को मिला श्राप

जब भगवान गणेश को हाथी का मुख मिला और उन्हें सबसे पहले पूजा जाने लगा, तब सभी देवताओं ने उनकी प्रशंसा की, लेकिन चंद्रमा अपने रूप पर घमंड करते हुए मंद-मंद मुस्कुरा रहा था। गणेश जी समझ गए कि चंद्रमा उनका मजाक उड़ा रहा है। क्रोध में आकर गणेश जी ने चंद्रमा को श्राप दे दिया कि वह काला हो जाएगा। चंद्रमा को अपनी गलती का एहसास हुआ और उसने माफी मांगी। तब गणेश जी ने श्राप को थोड़ा हल्का कर दिया और कहा कि सूर्य की रोशनी से वह धीरे-धीरे फिर चमकने लगेगा, लेकिन गणेश चतुर्थी के दिन उसका दर्शन नहीं करना चाहिए।

सीखः यह कहानी बच्चों को बताती है कि किसी का मजाक उड़ाना गलत है और घमंड इंसान को नीचे गिरा देता है।

51 साल की उम्र में ऋतिक रोशन ने कराया हॉट फोटोशूट

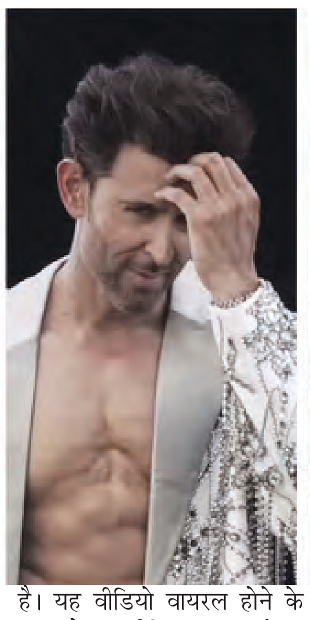
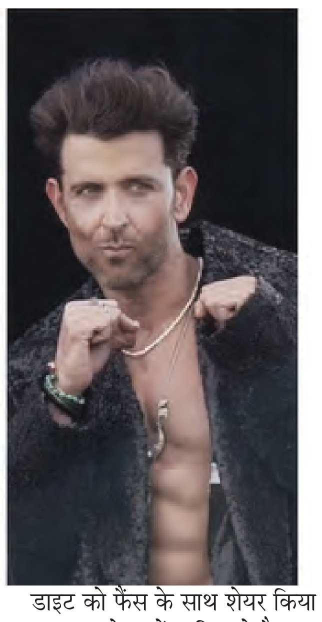

अपनी फिटनेस, डांसिंग और बेहतरीन अभिनय के लिए मशहूर ऋतिक रोशन ने आज सोशल मीडिया हैंडल पर अपना लेटेस्ट फोटोशूट शेयर कर अपने सभी फैंस को सरप्राइज कर दिया है। ऋतिक का आकर्षक व्यक्तित्व और सख्त अनुशासन उन्हें फिटनेस का बड़ा आइकन बनाता है। 51 साल की उम्र में भी उनकी फिटनेस बरकरार है। ऋतिक हर बार अपने लुक से फैंस को हैरान कर देते हैं। ऋतिक ने अपना लेटेस्ट फोटोशूट शेयर किया जिस पर उनकी रूमर्ड गर्लफ्रेंड सबा आजाद भी अपना रिएक्शन दिए बगैर रह नहीं पाईं।

ऋतिक का वायरल फोटोशूट

ऋतिक ने कुछ ही देर पहले इंस्टाग्राम पर अपना नया फोटोशूट वीडियो शेयर किया है, जो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में उनका शानदार स्टाइल हर किसी को पसंद आ रहा है। 2026 की शुरुआत में ऋतिक का यह दमदार फोटोशूट फैंस के लिए किसी तोहफे से कम नहीं है। इस फोटोशूट में ऋतिक आत्मविश्वास के साथ अपने 8 पैक एब्स फ्लॉन्ट करते नजर आ रहे हैं।

रील पर कैप्शन और प्रतिक्रियाएं

ऋतिक ने इस रील को 'वाइब्स ऑन, कंट्रोल ऑफ...' कैप्शन दिया और बैकग्राउंड में मशहूर गाना 'सामने ये कौन आया' सुनाई दे रहा है। यह वीडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है। ऋतिक की इस पोस्ट पर उनकी रूमर्ड गर्लफ्रेंड सबा आजाद ने लिखा, 'ओह हाय...' वहीं अनिल कपूर ने लिखा, 'बैंग बैंग फाइटर।' सिद्धार्थ गुप्ता और पुनीत मल्होत्रा ने लाल दिल वाले इमोजी बनाए हैं। फैंस ने भी ढेर सारी तारीफ की है। एक फैन ने लिखा, 'हमेशा की तरह शानदार', दूसरे फैन ने लिखा, 'इंडस्ट्री में सबसे बेस्ट फिजिक।'

ऋतिक का हालिया पोस्ट

हाल ही में ऋतिक ने अपनी फिटनेस के बारे में एक पोस्ट शेयर की थी, जिसमें उन्होंने अपनी खास डाइट को फैंस के साथ शेयर किया था। इस पोस्ट में ऋतिक ने कैप्शन में लिखा, 'नया मंत्र। कम खाओ, ज्यादा प्यार करो, लेकिन थाली को भरा हुआ दिखाओ।'

ऋतिक रोशन का वर्क फ्रंट

ऋतिक रोशन आखिरी बार कियारा आडवाणी और जूनियर एनटीआर के साथ 'वॉर 2' में नजर आए थे। अब वे 'कृष 4' की तैयारी में जुटे हैं, जो प्री-प्रोडक्शन में है। इस सुपरहीरो फिल्म की शूटिंग 2026 में शुरू होने वाली है। खास बात यह है कि ऋतिक इस फिल्म का निर्देशन भी खुद करेंगे, यानी यह उनकी डायरेक्टोरियल डेब्यू फिल्म होगी।

राहुल मोदी से अफेयर की चर्चाओं के बीच श्रद्धा कपूर ने शादी की योजना पर दी प्रतिक्रिया, बोलीं- मैं विवाह करूंगी

श्रद्धा कपूर बॉलीवुड की सबसे पसंदीदा और जबरदस्त फैन फॉलोइंग वाली एक्ट्रेस मानी जाती हैं। यही नहीं वो इंडस्ट्री की मोस्ट डिजायरेबल बैचलर्स एक्ट्रेस में से भी एक हैं। राहुल मोदी के साथ कथित रिलेशनशिप की खबरों के बाद फैंस उनकी शादी का भी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अब आखिर श्रद्धा ने एक फैन को जवाब देते हुए अपनी शादी पर चुप्पी तोड़ी है और शादी पर बात की है। जानिए श्रद्धा ने अपनी शादी को लेकर क्या कुछ कहा और फैन को ऐसा क्या जवाब दिया, जो अब वायरल है

श्रद्धा ने पूछा वैलेंटाइन के करीब हुआ किसका ब्रेकअप?

श्रद्धा कपूर ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपने ज्वेलरी ब्रांड का एक प्रमोशनल वीडियो पोस्ट किया। वीडियो में अभिनेत्री यह बताती नजर आ रही हैं कि आंकड़े बताते हैं कि ज्यादातर ब्रेकअप वैलेंटाइन डे के आसपास होते हैं। फिर वह इसके पीछे के संभावित कारणों पर विचार करती हैं और शरारती अंदाज में कहती हैं कि लोग प्यार के इस मौसम में अकेले रहने से बचने के लिए उनके गिफ्ट बॉक्स खरीद सकते हैं। अपने वीडियो के कैप्शन में भी श्रद्धा ने फैंस से यही पूछा है,

'किस किसका ब्रेकअप वैलेंटाइन के करीब हुआ है?'

श्रद्धा बोलीं- मैं विवाह करूंगी

श्रद्धा कपूर के इस वीडियो पर कई लोगों ने अभिनेत्री से उनकी शादी को लेकर सवाल कर डाला। तो कुछ ने तो उन्हें अपना वैलेंटाइन बनने के लिए ही पूछ लिया। इसी क्रम में एक यूजर ने उनकी शादी की योजना को लेकर सवाल करते हुए, कमेंट में लिखा, 'श्रद्धा जी आप शादी कब करोगे?' ये कमेंट वायरल तब हो गया, जब श्रद्धा ने इस पर रिप्लाई करते हुए अपना जवाब दिया। एक्ट्रेस ने बिना झिझक जवाब देते हुए लिखा, 'मैं करूंगी, विवाह करूंगी।' श्रद्धा का ये जवाब अब सोशल मीडिया पर वायरल है और उनके जल्द ही शादी करने की खबरों को भी बल दे रहा है।

राहुल मोदी के साथ जुड़ रहा श्रद्धा का नाम

श्रद्धा कपूर का नाम पिछले कुछ वक्त से राहुल मोदी के साथ जोड़ा जा रहा है। दोनों को कई मौकों पर साथ भी देखा गया है। हालांकि, दोनों में से किसी ने भी अपने रिश्ते पर कभी कुछ नहीं बोला। श्रद्धा और राहुल के बीच डेटिंग की अफवाहें सबसे पहले 2024 की शुरुआत में मुंबई में डिनर डेट के बाद एक साथ देखे जाने से उठीं। श्रद्धा कभी-कभी इंस्टाग्राम पर उनकी मजेदार तस्वीरें पोस्ट करती रहती हैं। उनके अलग होने की अफवाहें भी उड़ी थीं, लेकिन श्रद्धा ने दिसंबर 2024 में इंस्टाग्राम पर राहुल के साथ वड़ा पाव डेट की एक तस्वीर पोस्ट करके इन अफवाहों को खारिज कर दिया।

श्रद्धा का वर्कफ्रंट

वर्कफ्रंट की बात करें तो श्रद्धा कपूर आखिरी बार 'स्त्री 2' में नजर आई थीं। वहीं श्रद्धा के आगामी प्रोजेक्ट्स की बात करें तो इनमें 'ईथा', जो प्रसिद्ध मराठी लोक कलाकार विथाबाई नारायणगांवकर के जीवन पर आधारित एक बायोपिक ड्रामा है। इसके अलावा 'नागिन' और 'स्त्री 3' में भी श्रद्धा के होने की चर्चाएं हैं। हालांकि, 'स्त्री 3' में अभी समय है।

कन्नड़ एक्टर यश के जन्मदिन से एक दिन पहले निर्माताओं ने 'टॉक्सिक' को लेकर कही यह बात

'केजीएफ' एक्टर यश जल्द ही फिल्म 'टॉक्सिक' में नजर आएंगे। टॉक्सिक मूवी से इसकी स्टार कास्ट की घोषणा हाल ही में हुई थी, जिसमें कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, हुमा कुरैशी और नयनतारा का लुक सामने आया था। वहीं आज टॉक्सिक के निर्माताओं ने यश के जन्मदिन से ठीक एक दिन पहले फिल्म का एक पोस्टर जारी किया है। इसी के साथ उन्होंने यश के जन्मदिन पर कुछ खास रिवील करने की भी घोषणा की है। जानिए क्या?

निर्माताओं का पोस्ट

'टॉक्सिक' मूवी के निर्माताओं ने आज एक्स हैंडल पर यश का एक शानदार पोस्टर शेयर किया है। इस पोस्टर में यश नजर आ रहे हैं, लेकिन उनका चेहरा धुएं के पीछे छुपा हुआ है। पोस्टर देखकर लग रहा है कि यह फिल्म के किसी लड़ाई का सीन है क्योंकि चारों तरफ आग, धुआं, और लाशें पड़ी दिखाई दे रही हैं। इस पोस्टर के साथ निर्माताओं ने कैप्शन में लिखा है कि कल सुबह 10:10 बजे, 08-01-2026 को उस एक चीज का खुलासा किया जाएगा जिसके बारे में उन्होंने पहले चेतावनी दी थी। हालांकि, पोस्टर में साफ नहीं लिखा है कि कल यश के जन्मदिन पर 'टॉक्सिक का पोस्टर', 'टॉक्सिक का टीजर', या फिर 'टॉक्सिक का ट्रेलर' दिखाया जाएगा।

यश का जन्मदिन

कन्नड़ एक्टर यश 8 जनवरी 2026 को अपना 40वां जन्मदिन मनाएंगे। इस खास अवसर पर 'टॉक्सिक' फिल्म के निर्माता कुछ खास घोषणा करेंगे। यश ने अपने करियर की शुरुआत कन्नड़ टीवी सीरियल 'नंदा गोकुला' से की थी। इसके बाद उन्होंने कई टीवी सीरियल्स में काम किया और टीवी इंडस्ट्री में पहचान बनाई। टीवी इंडस्ट्री में छाने के बाद यश ने फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा। साल 2008 में आई 'मोगीना मनसु' फिल्म से एक्टर ने डेब्यू किया था। इसके बाद उन्होंने 'KGF' और 'KGF 2' से दर्शकों के दिलों में अपनी खास जगह बनाई। अब वह फिल्म 'Toxic movie' में नजर आएंगे।

'टॉक्सिक' मूवी के बारे में

'टॉक्सिक' गीतू मोहनदास द्वारा लिखित है। इस फिल्म को कन्नड़ और इंग्लिश में एक साथ शूट किया गया है। इसे हिंदी, तेलुगु, तमिल, और मलयालम सहित कई भाषाओं में डब किया जाएगा। टॉक्सिक 19 मार्च 2026 को रिलीज होगी। इस फिल्म में यश के अलावा तारा सुतारिया, हुमा कुरैशी, नयनतारा, और कियारा आडवाणी नजर आएंगी।

नई तेलुगु फिल्म में एक्शन अंदाज में दिखेंगी सामंथा

साउथ एक्ट्रेस सामंथा की आने वाली तेलुगु फिल्म 'मां इनति बंगारम' है। इस फिल्म को उनके पति और प्रोड्यूसर राज निदिमोरु ने प्रोड्यूस किया है। इस फिल्म की निर्देशक नंदिनी रेड्डी हैं। बुधवार को सामंथा की इस फिल्म का पहला पोस्टर लुक सामने आया है।

साड़ी पहने एक्शन अंदाज में दिखीं सामंथा

तेलुगु फिल्म 'मां इनति बंगारम' के पोस्टर में सामंथा ने साड़ी पहनी है। उनका किरदार गुस्से में नजर आ रहा है। वह बिल्कुल एक्शन मोड में नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस के इस लुक पर उनके फैंस ने भी रिएक्शन दिया और उनको सराहा है।

कब रिलीज होगा फिल्म का टीजर

फिल्म 'मां इनति बंगारम' के पोस्टर रिलीज के साथ ही मेकर्स ने इसके टीजर, ट्रेलर की तारीख भी शेयर की है। इस फिल्म का टीजर दर्शकों को 9 जनवरी 2026 को देखने को मिलेगा। इसके रिलीज का समय भी बताया गया है। 9 जनवरी को सुबह दस बजे फिल्म 'मां इनति बंगारम' का टीजर सामंथा के फैंस देख पाएंगे।

सामंथा इस वेब सीरीज में भी आएंगी नजर

'सिटाडेल हनी बनी' और 'फैमिली मैन 2' जैसी हिट वेब सीरीज करने के बाद सामंथा एक और वेब सीरीज का हिस्सा बनी हैं। इस वेब सीरीज को भी राज निदिमोरु प्रोड्यूस कर रहे हैं। सीरीज का नाम 'रक्त ब्रह्मांड' है। यह एक एक्शन सीरीज होगी।

मैं कार्तिक आर्यन की गर्लफ्रेंड नहीं हूं : करिना कुबिलियूट

बॉलीवुड में अफवाहों का बाजार फिल्मों से भी ज्यादा तेज चलता है और साल 2026 की शुरुआत कार्तिक आर्यन के लिए कुछ ऐसी ही रही है. उनकी फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी को बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक रिस्पॉन्स नहीं मिला लेकिन इसके बाद कार्तिक अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सोशल मीडिया पर जबरदस्त चर्चा में आ गए.

गोवा की फोटो के बाद उड़ी अफवाह

दरअसल, कार्तिक आर्यन ने हाल ही में अपने गोवा वेकेशन से एक रिलैक्स मूड वाली बीच फोटो शेयर की थी. फोटो में कार्तिक काफी चिल नजर आ रहे थे लेकिन फैंस की नजर फोटो के बैकग्राउंड पर टिक गई. इंटरनेट यूजर्स ने दावा किया कि कार्तिक की फोटो एक लड़की की तस्वीर से काफी मिलती-जुलती है.

कौन हैं करिना कुबिलियूटे?

जिस लड़की से कार्तिक की फोटो की तुलना की जा रही थी उसका नाम करिना कुबिलियूटे बताया गया. रिपोर्ट्स के मुताबिक करिना ग्रीस की रहने वाली हैं और फिलहाल यूके में पढ़ाई कर रही हैं. सोशल मीडिया पर लोगों ने दोनों की तस्वीरों में समुद्र का एंगल, बीच बेड्स और यहां तक कि तौलिये की प्लेसमेंट तक मैच कर दी.

रेडिट पर यूजर्स ने इस मामले को और हवा दे दी. कुछ लोगों ने ये भी दावा किया कि कार्तिक आर्यन ने करिना को इंस्टाग्राम पर फॉलो किया था. लेकिन अफवाहें फैलने के बाद अनफॉलो कर दिया. हालांकि, इस पूरे मामले पर दोनों की तरफ से कोई ऑफिशियल बयान नहीं आया था. जिससे "मिस्ट्री गर्ल" को लेकर चर्चा और तेज हो गई.

अफवाहों पर करिना का जवाब

अब इस कहानी में बड़ा ट्विस्ट आया है. करिना कुबिलियूटे ने खुद सामने आकर साफ किया है कि वो कार्तिक आर्यन की गर्लफ्रेंड नहीं हैं. सोशल मीडिया पर वायरल एक स्क्रीनशॉट में करिना को कमेंट करते देखा गया. जिसमें उन्होंने लिखा, "I'm not his gffff!!!" यानी वो साफ तौर पर इन अफवाहों को नकार रही हैं.

प्रोफेशनल फ्रंट पर उनकी पिछली फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी (2025) जिसमें वह अनन्या पांडे के साथ नजर आए थे. बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई.

'मैं सिर्फ पैसों के लिए नहीं करती कोई फिल्म' तापसी पन्नू ने बताया कैसे करती हैं फिल्मों का चयन

अभिनेत्री तापसी पन्नू अभिनय के अलावा अपने बेबाक बयानों को लेकर भी पहचानी जाती हैं। वो अक्सर हर मुद्दे पर खुलकर अपनी राय रखती रहती हैं। अब तापसी पन्नू ने अपने करियर को लेकर बात की और बताया कि कैसे कई फ्लॉप के बाद उन्हें अपने करियर की राह मिली। साथ ही एक्ट्रेस ने ये भी बताया कि कोई फिल्म चुनते वक्त उनके लिए क्या बात सबसे मायने रखती है।

दर्शकों से जुड़ने वाली फिल्में करना है पसंद

तापसी पन्नू ने लगातार फ्लॉप फिल्मों और दिल टूटने के बाद अपनी असली पहचान की खोज के बारे में खुलकर बात की। तापसी ने कहा कि मुझे अपनी असली पहचान पाने के लिए लगातार कई फ्लॉप फिल्मों और दिल तोड़ने वाले अनुभवों से गुजरना पड़ा। मुझे एहसास हुआ कि मैं उन फिल्मों में सबसे अच्छा प्रदर्शन करती हूं, जिनमें मेरा दिल और दिमाग पूरी तरह से उस चीज से जुड़ा होता है जिसे मैं पेश कर रही हूं। उस प्रोजेक्ट का दर्शकों के साथ गहरा जुड़ाव होता है।

इसलिए अब मैं सिर्फ अपनी अंतरात्मा की सुनती हूं। मैं शायद उन प्रोजेक्ट्स को नहीं चुनती जो मेरे बैंक खाते को बढ़ाएं, बल्कि उन प्रोजेक्ट्स को चुनती हूं जो मेरी आर्टिस्टिक क्षमता को निखारें। एक ऐसा नया रास्ता बनाएं जिस पर ज्यादा लोग नहीं चलते।

अपनी अंतरात्मा पर भरोसा करती हैं तापसी

अभिनेत्री ने यह भी बताया कि उन्होंने कुछ ऐसे प्रोजेक्ट और भूमिकाएं चुनीं जो बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं रहीं। हालांकि, तापसी द्वारा लिए गए कुछ अलग तरह के काम और किरदारों ने उन्हें सफलता दिलाई। तब से वह पारंपरिक फॉर्मूले की परवाह किए बिना अपनी अंतरात्मा पर भरोसा करती हैं। उन्होंने स्वीकार किया कि उन्होंने अपना खुद का एल्गोरिदम बनाया है।

तापसी पन्नू का वर्कफ्रंट

वर्कफ्रंट की बात करें तो तापसी आखिरी बार साल 2024 में आई फिल्म 'खेल खेल में' नजर आई थीं। यह मल्टीस्टारर कॉमेडी फिल्म थी। इसके बाद अब उनके आगामी प्रोजेक्ट्स में 'वो लड़की है कहां?', 'गांधारी' और 'दुर्गा' जैसी फिल्में शामिल हैं। वो 'दुर्गा' की शूटिंग भी शुरू कर चुकी हैं।

'मेरी पूरी दुनिया', जन्मदिन पर करण सिंह ग्रोवर ने पत्नी बिपाशा पर लुटाया प्यार

अभिनेत्री बिपाशा बसु आज अपना 47वां जन्मदिन मना रही हैं। इस मौके पर सेलेब्स से लेकर फैंस तक बिपाशा को अपने-अपने अंदाज में जन्मदिन की बधाई दे रहे हैं। इस बीच अब अभिनेत्री के पति व अभिनेता करण सिंह ग्रोवर ने भी बिपाशा को खास अंदाज में जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं। करण ने इस मौके पर बिपाशा की बेटी के साथ अनदेखी तस्वीर साझा की है।

करण ने शेयर की मां-बेटी की तस्वीर

करण सिंह ग्रोवर ने अपने इंस्टाग्राम पर पत्नी बिपाशा बसु को जन्मदिन की शुभकामनाएं देने के लिए एक तस्वीर साझा की है। इस तस्वीर में बिपाशा अपनी बेटी देवी के साथ नजर आ रही हैं। लाल कलर की ड्रेस में बिपाशा बेटी मालती को प्यार से गोद में लिए हुए हैं और कैमरे की ओर देखते हुए मुस्कुरा रही हैं। बिपाशा लाल शर्ट और गहरे नीले रंग की जींस में बेहद खूबसूरत लग रही

हैं, वहीं देवी चेक वाली ड्रेस में प्यारी लग रही हैं।

करण ने बिपाशा को बताया दुनिया की सबसे खूबसूरत लड़की

बिपाशा पर प्यार लुटाते हुए करण ने उन्हें प्यार से मंकी कहा है। अपने जीवन का सबसे पसंदीदा व्यक्ति बताते हुए करण ने कैप्शन में लिखा, 'दुनिया में मेरी सबसे प्यारी, मेरी सबसे अच्छी दोस्त। दुनिया की सबसे धैर्यवान इंसान, दुनिया में सबसे ज्यादा प्यार करने वाली, दुनिया की सबसे खूबसूरत लड़की, मेरी पूरी दुनिया और मेरी मंकी बिपाशा बसु को जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। हर गुजरते साल के साथ तुम और भी ज्यादा चमकती रहो।

मैं तुमसे बहुत प्यार करता हूं।' करण के इस प्यार भरे नोट पर बिपाशा ने कमेंट करते हुए सिर्फ 'TUVU' लिखा है।

2016 में हुई थी करण और बिपाशा की शादी

बिपाशा बसु और करण सिंह ग्रोवर ने साल 2016 में शादी की थी। शादी के छह साल बाद साल 2022 में कपल ने अपनी बेटी देवी का स्वागत किया था। अब देवी तीन साल की हो चुकी हैं। बिपाशा कई मौकों पर देवी की तस्वीरें साझा करती रहती हैं।

कार्डियक अरेस्ट से पहले शरीर खुद देता है चेतावनी
समय रहते नहीं कर पाए पहचान तो जा सकती है जान

हृदय रोग मौजूदा समय में सेहत के लिए सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक हैं। हर साल दिल की बीमारियों के कारण लाखों लोगों की मौत हो जाती है। जब भी बात दिल की बीमारियों से मौत की होती है तो हार्ट अटैक का नाम सबसे ज्यादा चर्चा में रहता है। वहीं कुछ रिपोर्ट्स में आपने कार्डियक अरेस्ट से जान जाने की खबरें भी सुनी होंगी। दिल से संबंधित ये स्थितियां असल में अलग-अलग हैं, जिन्हें अक्सर हम सभी एक ही मानने की भूल कर देते हैं।

हार्ट अटैक, कोरोनरी धमनियों के अवरुद्ध हो जाने के कारण होने वाली समस्या है। यदि इस स्थिति को अनुपचारित छोड़ दिया जाए तो हृदय तक रक्त का प्रवाह रुक जाता और पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिल पाता है। यह स्थिति जानलेवा हो सकती है। वहीं कार्डियक अरेस्ट तब होता है जब व्यक्ति का हृदय रक्त को पंप करना ही बंद कर देता है। इस स्थिति में रोगी सामान्य रूप से सांस नहीं ले पाता है। यह दोनों ही स्थितियां जानलेवा मानी जाती हैं।

कार्डियक अरेस्ट की समस्या

कार्डियक अरेस्ट का सामान्य कारण हृदय गति में आने वाली अनियमितता को माना जाता है। हृदय की विद्युत प्रणाली ठीक से काम नहीं कर रही होती है, तब यह समस्या हो सकती है। इस स्थिति में सीने में दर्द, दिल की धड़कन में अनियमितता, सांस लेने में कठिनाई, बेहोशी या चक्कर आने जैसी समस्या हो सकती है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, कार्डियक अरेस्ट होने पर कुछ ही मिनटों में मरीज की जान जा सकती है। अगर तुरंत सीपीआर या मेडिकल मदद न मिले तो ये जानलेवा हो सकता है। अक्सर यह बिना किसी चेतावनी के भी हो सकता है, जिससे खतरा और बढ़ जाता है।

कार्डियक अरेस्ट की दिक्कत होती क्यों है?

कार्डियक अरेस्ट का सबसे बड़ा कारण दिल की इलेक्ट्रिकल गतिविधि में गड़बड़ी होना है, जिससे दिल सही तरीके से धड़कना बंद कर देता है इसलिए दिल को स्वस्थ रखने वाले उपाय बहुत जरूरी हैं। विशेषज्ञों के अनुसार अत्यधिक तनाव, नींद की कमी, शारीरिक गतिविधियों की कमी, मोटापा, हाई ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल ये सभी हृदय रोगों के मुख्य कारण हैं। इसके चलते हार्ट अटैक हो या कार्डियक अरेस्ट, इन दोनों का खतरा बढ़ जाता है।

मेडिकल रिपोर्ट्स के मुताबिक धूम्रपान करने वालों और अत्यधिक शराब पीने वालों में दिल की इलेक्ट्रिकल सिस्टम प्रभावित होती है, जिससे अरेस्ट का खतरा और बढ़ जाता है। जिन लोगों के परिवार में पहले से किसी को ये समस्या रही है उन्हें और भी अलर्ट रहने की सलाह दी जाती है।

कार्डियक अरेस्ट के लक्षण क्या हैं?

हृदय रोग विशेषज्ञ कहते हैं, कार्डियक अरेस्ट को सबसे खतरनाक इसलिए माना जाता है क्योंकि इसके कई लक्षण अक्सर छिपे हुए होते हैं और लोग उन्हें नजरअंदाज कर देते हैं। इस जानलेवा समस्या से पहले कुछ लोगों को बार-बार चक्कर आने, असामान्य थकान, बिना कारण सांस फूलने या दिल की धड़कन तेज या अनियमित महसूस होने जैसे संकेत मिलते हैं। कई मामलों में हल्का सीने में दबाव, बेचैनी, घबराहट और अचानक पसीना आना भी हिडेन लक्षण हो सकते हैं। इन लक्षणों को समय रहते पहचानकर डॉक्टर से संपर्क किया जाए तो जान बचने की संभावना काफी बढ़ सकती है।

शरीर को अंदर से गर्म रखती हैं रसोई की ये चीजें

कड़ाके की ठंड और शीतलहर के दौरान खुद को बाहरी तौर पर ढंकना तो जरूरी है ही, लेकिन शरीर की आंतरिक गर्मी को बनाए रखना भी उतना ही अनिवार्य है। हमारे भारतीय किचन में कई ऐसी चीजें मौजूद हैं जो हमारे शरीर को अंदर से गर्म रखती हैं, इनमें से अदरक और लहसुन दो ऐसी चीजें हैं जो आसानी से उपलब्ध हो सकती हैं।

आयुर्वेद के अनुसार इन दोनों की तासीर गर्म होती है और इनमें 'थर्मोजेनिक' गुण पाए जाते हैं, जो मेटाबॉलिज्म को तेज कर शरीर के भीतर एनर्जी और गर्माहट पैदा करते हैं। अदरक में मौजूद 'जिंजरॉल' और लहसुन का मुख्य घटक 'एलिसिन' न केवल खून संचार को बेहतर बनाते हैं, बल्कि सर्दियों में होने वाले वायरल संक्रमण, सर्दी-जुकाम और खांसी से भी सुरक्षा प्रदान करते हैं।

जब हम इनका सेवन करते हैं, तो यह श्वसन तंत्र की जकड़न को दूर करते हैं और धमनियों को रिलैक्स कर हृदय पर पड़ने वाले ठंड के दबाव को भी कम करते हैं। आधुनिक शोध भी यह मानते हैं कि नियमित मात्रा में इनका सेवन रोग प्रतिरोधक क्षमता को कई गुना बढ़ा देता है, जिससे आप भीषण ठंड में भी अंदर से मजबूत और गर्म महसूस करते हैं।

लहसुन को ऐसे करें डाइट में शामिल

लहसुन का अधिकतम लाभ उठाने के लिए इसे कच्चा या हल्का भूनकर खाना सबसे बेहतर है। सुबह खाली पेट लहसुन की 1-2 कलियों को शहद के साथ लेने से इम्यूनिटी बढ़ती है। आप अपनी दाल, सब्जी या सूप में लहसुन का तड़का बढ़ा सकते हैं। इसके अलावा लहसुन की कलियों को सरसों के तेल में पकाकर उस तेल से पैरों के तलवों की मालिश करने से भी शरीर की ठंडी कम होती है और गर्माहट बनी रहती है।

अदरक का सेवन भी जरूरी

अदरक का सेवन बढ़ाने का सबसे आसान तरीका है अदरक की चाय या काढ़ा। पानी में अदरक, तुलसी और काली मिर्च उबालकर पीने से गले की खराश और ठंड तुरंत दूर होती है। भोजन से पहले अदरक के छोटे टुकड़े पर थोड़ा सा नमक और नींबू का रस लगाकर चबाने से पाचन क्रिया सुधरती है और भूख बढ़ती है। अदरक के रस को गर्म पानी और शहद के साथ लेना भी फेफड़ों के लिए गुणकारी होता है।

संक्रमण से बचाव और जोड़ों का दर्द

सर्दियों में जोड़ों का दर्द और जकड़न आम है। अदरक और लहसुन में मौजूद एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण जोड़ों की सूजन को कम करते हैं। लहसुन खून को पतला रखने में मदद करता है, जिससे सर्दियों में हार्ट अटैक का जोखिम कम होता है। अदरक का सेवन कफ को पिघलाकर बाहर निकालता है, जिससे श्वसन नली साफ रहती है। ये दोनों मिलकर एक सुरक्षा कवच की तरह काम करते हैं जो मौसमी बीमारियों को शरीर से कोसों दूर रखते हैं।

सावधानी

अदरक और लहसुन का सेवन सीमित मात्रा में ही करना चाहिए, क्योंकि इनकी तासीर बहुत गर्म होती है। बहुत अधिक मात्रा में सेवन करने से एसिडिटी या पेट में जलन हो सकती है। अगर आप पहले गर्म तासीर वाली दवाएं ले रहे हैं या गर्भवती हैं, तो एक बार विशेषज्ञ से सलाह जरूर लें। अपनी रसोई के इन अनमोल चीजों को आज से ही अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं और कड़ाके की ठंड में भी खुद को स्वस्थ और ऊर्जावान रखें।

चीनी के अलावा फैटी लीवर के जोखिम को कई गुना बढ़ा देती हैं किचन में मौजूद ये चीजें

आमतौर पर जब हम फैटी लीवर की बात करते हैं, तो सबसे पहले चीनी और शराब को ही इसका मुख्य कारण माना जाता है। मगर क्या आप जानते हैं कि आपके किचन के डिब्बों में रखी कुछ बेहद साधारण चीजें चीनी से भी ज्यादा नुकसानदायक हैं जो फैटी लीवर के जोखिम को कई गुना बढ़ा रही हैं?

फैटी लीवर एक ऐसी स्थिति है जिसमें लीवर की कोशिकाओं में अतिरिक्त फैट जमा हो जाती है, जो धीरे-धीरे लीवर में सूजन और सिरोसिस का कारण बन सकती है। आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में हम जानें-अनजाने में ऐसे चीजों का सेवन कर रहे हैं जो लीवर पर मेटाबॉलिक बोझ बढ़ा देते हैं। जब लीवर इन जटिल तत्वों को प्रोसेस नहीं कर पाता, तो वह उन्हें फैट के रूप में स्टोर करने लगता है।

इसी गंभीर खतरे को समझते हुए हेल्थ एक्सपर्ट्स भी समय-समय पर अलर्ट करते रहते हैं कि केवल चीनी छोड़ना काफी नहीं है, लीवर को सुरक्षित रखने के लिए किचन के उन चीजों की भी पहचान करना जरूरी है जो दबे पांव आपके लीवर को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

मैदा और रिफाइंड कार्ब्स

चीनी की तरह ही मैदा और उससे बने उत्पाद जैसे बिस्कुट, सफेद ब्रेड और पास्ता लीवर के लिए नुकसानदायक हैं। इनमें फाइबर की मात्रा ना के बराबर होती है, जिससे ये शरीर में जाकर तेजी से ग्लूकोज में बदल जाते हैं। जब खून में अचानक ग्लूकोज का लेवल बढ़ता है, तो लीवर इसे फैट में बदल देता है, जिससे 'नॉन-अल्कोहलिक फैटी लीवर डिजीज' का खतरा बढ़ जाता है।

नमक का अधिक सेवन

किचन में मौजूद नमक का अत्यधिक सेवन सिर्फ हाई ब्लड प्रेशर ही नहीं, बल्कि फैटी लीवर के जोखिम को भी बढ़ा देता है। प्रोसेस्ड स्नैक्स, अचार और डिब्बाबंद खानों में सोडियम की मात्रा बहुत ज्यादा होती है। बहुत अधिक सोडियम शरीर में 'फ्लुइड रिटेंशन' और ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस बढ़ाता है। यह लीवर की कोशिकाओं में स्कारिंग की प्रक्रिया को तेज कर सकता है, जिससे लीवर डैमेज होने की आशंका बढ़ जाती है।

ट्रांस फैट और वनस्पति घी

खाना पकाने के लिए इस्तेमाल होने वाला वनस्पति घी और दोबारा गरम किया गया तेल ट्रांस फैट का भंडार है। ट्रांस फैट्स न केवल शरीर में खराब कोलेस्ट्रॉल बढ़ाते हैं, बल्कि लीवर में सूजन पैदा करते हैं। समोसे, कचोरी या बाहर के तले हुए खाद्य पदार्थों में मौजूद ये फैट सीधे लीवर के टिशूज में जमा हो जाते हैं, जिसे पचाना शरीर के लिए लगभग असंभव हो जाता है।

बचाव के लिए क्या करें?

फैटी लीवर से बचने के लिए मैदा की जगह होल ग्रेन (जैसे ओट्स, बाजरा) और रिफाइंड तेल की जगह कोल्ड-प्रेस्ड तेल का चुनाव करें। अपने भोजन में फाइबर की मात्रा बढ़ाएं और सक्रिय जीवनशैली अपनाएं। ध्यान रखें लीवर आपके शरीर का फिल्टर है, यदि आप इसे साफ रखेंगे, तो यह पूरे शरीर को स्वस्थ रखेगा।

ऊनी कपड़ों को नए जैसा रखने के लिए अपनाएं ये टिप्स

सर्दियों की ऊनी शॉल, स्वेटर और कंबल आदि आपको ठंड से बचाते हैं। ये मौसम, याद और आराम से जोड़ने का जरिया हैं लेकिन जरा सी लापरवाही, गलत धुलाई या गलत स्टोरेज से आपके ऊनी कपड़े खराब हो जाते हैं। हर साल सारे ऊनी कपड़े नए खरीदना आसान नहीं होता। अच्छे स्वेटर और गर्म शॉल महंगी आती हैं, लेकिन जब आप ठंडा मौसम आने पर अपने पिछले साल वाले ऊनी कपड़े निकालते हैं और वह इस्तेमाल करने योग्य नहीं लगते या पुराने लगने लगते हैं तो मजबूरी में आपको नए कपड़ों पर फिर से पैसा निवेश करना पड़ता है।

अगर ये स्थिति आपकी भी है तो बचाव के लिए ऊनी कपड़ों की देखभाल और रखरखाव के कुछ सरल तरीके सीख लीजिए। ऊनी कपड़े नाज़ुक होते हैं, उन्हें ज़ोर नहीं, समझदारी चाहिए। अगर चाहती हैं कि आपके ऊनी कपड़े हर साल नए जैसे मुलायम, बिना रोएं और बिना बदबू के रहें, तो ये आजमाए हुए तरीके अपनाइए।

ऊनी कपड़ों को बार-बार धोना सबसे बड़ी गलती

ऊन को बार-बार पानी में डालना उसकी प्राकृतिक चिकनाहट खत्म कर देता है। हल्की गंदगी हो तो पूरा स्वेटर धोने के बजाय स्पॉट क्लीनिंग करें। स्वेटर को हर बार मत धोएं, दो-तीन बार पहनने के बाद ही धुलाई करें। मशीन वॉश से भी बचें।

टंडे या गुनगुने पानी में ही धोएं

गरम पानी ऊन के दुश्मन की तरह काम करता है। गर्म पानी से ऊनी कपड़े धोने से कपड़ा सिकुड़ जाता है और सख्त हो जाता है। धुलाई के लिए ठंडा या हल्का गुनगुना पानी चुनें। धुलते समय कपड़े को ज्यादा देर भिगोकर न रखें। रगड़ने की बजाय हल्के हाथ से दबाएं।

सही डिटर्जेंट चुनना बेहद जरूरी

ऊनी कपड़े धोने के लिए तेज डिटर्जेंट, ब्लीच या साबुन का उपयोग न करें, ये ऊन के रेशों को तोड़ देते हैं। ऊनी कपड़ों के लिए बना लिक्विड डिटर्जेंट ही उपयोग में लाएं। स्वेटर या जैकेट को बेबी शैंपू से भी धो सकते हैं लेकिन साबुन सीधा कपड़े पर न लगाएं।

निचोड़ना नहीं, पानी खुद निकलने दें

धोने के बाद पानी निचोड़ने के लिए कपड़े को मरोड़े नहीं। ऊन को मरोड़ने से उसकी शेप बिगड़ जाती है। इसके बजाय तौलिये में लपेटकर हल्का दबाएं। पानी अपने आप निकलने दें। कभी भी हैंगर पर गीला स्वेटर न टांगें

सुखाने का सही तरीका अपनाएं

सीधी धूप ऊनी कपड़ों को सख्त बना देती है। कपड़े को सुखाने के लिए छांव में सपाट जगह पर सुखाएं। हवा का रास्ता खुला रखें और बार-बार पलटते रहें।

रोएं हटाने का देसी जुगाड़

स्वेटर पर आने वाले रोएं देखने में सबसे खराब लगते हैं। इन्हें हटाने के लिए साफ रेज़र को हल्के हाथ से चलाएं या लिंट रिमूवर का इस्तेमाल करें। खींचकर रोएं निकालने से बचें।

सही स्टोरेज से आधी देखभाल पूरी

सीजन खत्म होने के बाद ऊनी कपड़ों को सही तरीके से रखना बेहद ज़रूरी है। कपड़ों को धोकर पूरी तरह से सुखाकर ही रखना चाहिए। ऊनी कपड़े को अखबार या सूती कपड़े में लपेटकर रखना चाहिए। कपड़ों के आसपास नीम की पत्तियां या कपूर रखें और इन्हें प्लास्टिक बैग में बंद न करें।

अधिकतर महिलाओं में होती है इन चार पोषक तत्वों की कमी, इनके लक्षणों से कर सकते हैं पहचान

भारत में महिलाओं के स्वास्थ्य को लेकर एक गंभीर चिंता का विषय उनके शरीर में कुछ आवश्यक पोषक तत्वों की भारी कमी है। अक्सर घर और कामकाज की जिम्मेदारियों के बीच महिलाएं अपनी डाइट और सेहत को नजरअंदाज कर देती हैं, जिसके परिणाम लंबे समय में बेहद घातक हो सकते हैं। पोषण की यह कमी केवल शारीरिक कमजोरी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हार्मोनल असंतुलन, मानसिक तनाव और गंभीर बीमारियों का आधार बनती है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन और राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के आंकड़े बताते हैं कि आधे से अधिक भारतीय महिलाएं एनीमिया यानी आयरन की कमी से जूझ रही हैं। इसके अलावा विटामिन-डी, विटामिन-बी12 और कैल्शियम की कमी उन्हें समय से पहले हड्डियों की बीमारी और तंत्रिका तंत्र की समस्याओं की ओर धकेल रही है।

शरीर इन कमियों को कुछ खास संकेतों और लक्षणों के माध्यम से प्रकट करता है, जिन्हें अगर समय रहते पहचान लिया जाए, तो केवल आहार में सुधार करके एक स्वस्थ जीवन जिया जा सकता है। इन पोषक तत्वों की कमी को समझना और उनके लक्षणों के प्रति जागरूक होना हर महिला के लिए अपनी सेहत की सुरक्षा की पहली सीढ़ी है। आइए इस लेख में उन्हीं लक्षणों के बारे में विस्तार से जानते हैं।

आयरन की कमी

आयरन की कमी या एनीमिया महिलाओं में सबसे आम है। इसका मुख्य लक्षण बिना किसी भारी काम के भी अत्यधिक थकान, सांस फूलना और त्वचा का पीला पड़ना है। आयरन शरीर में हीमोग्लोबिन बनाता है जो ऑक्सीजन पहुंचाता है। इसकी कमी होने पर एकाग्रता में कमी और हाथ-पैर ठंडे रहने की समस्या भी होती है। इससे बचाव के लिए हरी पत्तेदार सब्जियां, गुड़ और अनार को डाइट में शामिल करना चाहिए।

कैल्शियम और विटामिन-D की कमी

ज्यादातर महिलाओं को पीठ दर्द, जोड़ों में जकड़न और मांसपेशियों में ऐंठन की शिकायत रहती है, जो कैल्शियम और विटामिन-D की कमी का संकेत है। विटामिन-D के बिना शरीर कैल्शियम को सोख नहीं पाता, जिससे हड्डियां खोखली होने लगती हैं। अगर आपके नाखूनों में सफेद निशान हैं या दांत कमजोर हो रहे हैं, तो धूप में समय बिताने के साथ-साथ डेयरी उत्पादों का सेवन बढ़ाएं।

विटामिन-B12 की कमी

विटामिन-B12 की कमी नसों और मस्तिष्क को प्रभावित करती है। अगर आपको अक्सर हाथों-पैरों में सुई चुभने जैसी झनझनाहट, चक्कर आना या बार-बार भूलने की बीमारी हो रही है, तो यह B12 की कमी हो सकती है। शाकाहारी महिलाओं में यह कमी अधिक देखी जाती है क्योंकि यह विटामिन मुख्य रूप से पशु उत्पादों में मिलता है। इसकी कमी से मूड स्विंग्स और चिड़चिड़ापन भी बढ़ जाता है।

नियमित जांच और संतुलित आहार

इन पोषक तत्वों की कमी को दूर करने के लिए केवल सप्लीमेंट्स पर निर्भर रहने के बजाय नेचुरल फूड प्रोडक्ट्स को प्राथमिकता दें। साल में कम से कम एक बार कंप्लीट ब्लड काउंट और विटामिन प्रोफाइल टेस्ट जरूर कराएं। अपनी आहार में विविधता लाएं और शरीर के संकेतों को अनसुना न करें। ध्यान रखें एक स्वस्थ महिला ही एक स्वस्थ परिवार और समाज की नींव होती है।

सरल विधि से बनाएं गोंद के लड्डू, रोज एक खाने से सर्दियों में रहेगा शरीर गर्म

सर्दियों का मौसम आते ही शरीर को अतिरिक्त ऊर्जा, गर्माहट और मजबूती की जरूरत होती है। यही कारण है कि भारतीय रसोई में इस मौसम के लिए खास व्यंजन बनाए जाते हैं। इन्हीं में सबसे खास है गोंद का लड्डू जो स्वाद में भरपूर, सेहत के लिए फायदेमंद और पारंपरिक व्यंजन है। सर्दियों में गोंद के लड्डू सिर्फ एक मिठाई नहीं, बल्कि ठंड से लड़ने की देसी दवा है, जिसे दादी-नानी के जमाने से आजमाया जाता रहा है।

खाने वाली गोंद शरीर को अंदर से गर्म रखती है। यह जोड़ों को मजबूती देती है, थकान कम करती है और कमजोर शरीर को ताकत देती है। खासकर,

सर्दियों में हाथ-पैर दर्द

जोड़ों की अकड़न

कमजोरी और लो एनर्जी

डिलीवरी के बाद महिलाओं की रिकवरी

गोंद का लड्डू बनाने की सामग्री

खाने वाली गोंद – 100 ग्राम

देसी घी – 250 ग्राम

गेहूं का आटा – 250 ग्राम

गुड़ या बूरा – 250 ग्राम (स्वादानुसार)

काजू – 50 ग्राम

बादाम – 50 ग्राम

किशमिश – 50 ग्राम

इलायची पाउडर – 1 छोटी चम्मच

आसानी से गोंद का लड्डू कैसे बनाएं?

स्टेप 1- सबसे पहले गोंद को छोटे-छोटे टुकड़ों में तोड़ लें। कड़ाही में थोड़ा सा घी गर्म करें और धीमी आंच पर गोंद डालकर तलें। गोंद फूलकर कुरकुरी हो जाएगी। इसे निकालकर ठंडा करें और दरदरा कूट लें। स्टेप 2- अब उसी कड़ाही में थोड़ा और घी डालें और गेहूं के आटे को धीमी आंच पर भूनें। जब आटा सुनहरा और खुशबूदार हो जाए, तब गैस बंद कर दें। स्टेप 3- एक बड़े बर्तन में भुना आटा, कुटी गोंद, कटे हुए मेवे और इलायची पाउडर मिलाएं। स्टेप 4- अब गुड़ या बूरा डालकर अच्छे से मिक्स करें। मिश्रण थोड़ा गर्म रहे, तभी लड्डू बांधें। स्टेप 5- हाथों पर हल्का घी लगाएं और मध्यम आकार के लड्डू बना लें। प्रतिदिन 1 लड्डू पर्याप्त है। ज्यादा गर्म तासीर वालों को सीमित मात्रा में सेवन करना चाहिए। गोंद के लड्डू का सेवन बच्चों और बुजुर्गों के लिए भी फायदेमंद है।

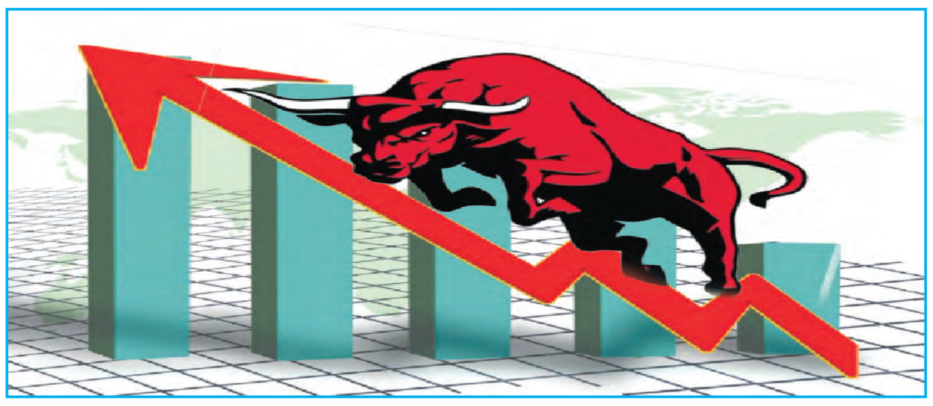

सेंसेक्स 102 अंक गिरकर 84,961 पर बंद-निफ्टी भी 37 अंक लुढ़का

मुंबई, 7 जनवरी (एजेंसियां)। शेयर बाजार में आज यानी 7 जनवरी को गिरावट रही। सेंसेक्स करीब 102 अंक की गिरावट के साथ 84,961 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 37 अंक की गिरावट रही, ये 26,140 के स्तर पर बंद हुआ।

ऑटो, बैंकिंग और एफएमसीजी शेयर्स में गिरावट रही। एशियाई बाजारों में कोरिया का कोस्पी 0.57% ऊपर 4,551 पर और जापान का निक्केई इंडेक्स 1.06% नीचे 51,961 पर बंद हुआ। हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग इंडेक्स 0.94% नीचे 26,458 पर और चीन का शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.052% बढ़कर 4,085 पर बंद हुआ। 6 जनवरी को अमेरिका का डाउ जोन्स 0.99% बढ़कर 49,462 पर बंद हुआ। वहीं, नैस्डेक कंपोजिट में 0.65% की गिरावट और एसएण्डपी 500 में 0.62% की तेजी रही।

मुकेश अंबानी को 4.37 अरब डॉलर रुपये की चपत

गौतम अडानी अमीरों की लिस्ट में टॉप 20 से बाहर

नई दिल्ली, 7 जनवरी (एजेंसियां)। देश की सबसे वैल्यूएबल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में मंगलवार को भारी गिरावट आई। कारोबार के दौरान यह 5 फीसदी तक गिर गया था। इससे कंपनी के मार्केट कैप में करीब 1 लाख करोड़ रुपये की गिरावट आई। कंपनी के चेयरमैन मुकेश अंबानी की नेटवर्थ में 4.37 अरब डॉलर यानी करीब 3,93,97,60,39,000 रुपये की गिरावट आई। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक अंबानी की नेटवर्थ अब 103 अरब डॉलर रह गई है। वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 18वें नंबर पर हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ में 4.21 अरब डॉलर की गिरावट आई है।

इस बीच अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी दुनिया के अमीरों की लिस्ट में टॉप 20 से बाहर हो गए हैं। मंगलवार को उनकी नेटवर्थ में 313 मिलियन डॉलर की गिरावट आई। वह 85.4 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ 21वें नंबर पर खिसक गए हैं। अमेरिका के थॉमस पीटरफी (87 अरब डॉलर) अब उनसे आगे निकल गए हैं। एलन मस्क इस लिस्ट में पहले नंबर पर जमे हुए हैं। हालांकि मंगलवार को उनकी नेटवर्थ 13.4 अरब डॉलर गिरकर 630 अरब डॉलर रह गई। गूगल के को-फाउंडर लैरी पेज 270 अरब डॉलर के साथ इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर बने हुए हैं। ऐमजॉन के फाउंडर जेफ बेजोस की नेटवर्थ में मंगलवार को 7.18 अरब डॉलर की तेजी आई। वह 262 अरब डॉलर की तेजी के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर हैं।

चांदी 2.46 लाख रुपये के ऑल टाइम हाई पर, आज 2,894 रुपये महंगी हुई

सोना 45 रुपये कम होकर 1.37 लाख रुपये हुआ

नई दिल्ली, 7 जनवरी (एजेंसियां)। चांदी के दाम आज यानी 7 जनवरी को ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए हैं। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार 2,894 रुपए बढ़कर 2,46,044 रुपए किलो पर पहुंच गया है।

इससे पहले कल ये 2,43,150 रुपए पर थी। वहीं चांदी के दाम में आज गिरावट है। 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 45 रुपए गिरकर 1,36,615 रुपए पर आ गया है। इससे पहले ये 1,36,660 रुपए पर था। वहीं सोना 29 दिसंबर 2025 को 1,38,161 रुपए के ऑल टाइम हाई पर पहुंचा था।

सरकार ने चालू वित्त वर्ष के जीडीपी अनुमानों में किया इजाफा, 7.4 प्रतिशत रह सकती है वृद्धि दर

सरकार ने चालू वित्त वर्ष के लिए जीडीपी के अनुमानों को बढ़ा दिया है। अग्रिम अनुमानों के अनुसार 2025-26 में जीडीपी में 7.4 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है। यह 2024-25 के 6.5 प्रतिशत से अधिक है। सरकार की ओर से बुधवार को जारी आंकड़े देश की आर्थिक गतिविधियों में तेजी का स्पष्ट संकेत देते हैं।

मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस सेक्टर का दम

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की ओर से जारी राष्ट्रीय आय के पहले अग्रिम अनुमानों के मुताबिक, इस वृद्धि को मुख्य रूप से विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों के बेहतर प्रदर्शन से बल मिलेगा। आंकड़ों के अनुसार, विनिर्माण और निर्माण क्षेत्रों में 7 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल करने का अनुमान जताया गया है।

मंत्रालय ने अपनी रिपोर्ट में साफ किया है कि सेवा क्षेत्र में जोरदार तेजी वित्त वर्ष 2025-26 में 7.3 प्रतिशत की अनुमानित वास्तविक जीवीए (ग्रॉस वॅल्यू एडेड) वृद्धि दर का एक प्रमुख चालक रही है।

कृषि क्षेत्र और नॉमिनल जीडीपी के आंकड़े

जहां एक तरफ उद्योग और सेवा क्षेत्र में तेजी का रुख है, वहीं दूसरी तरफ कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के साथ-साथ 'बिजली, गैस, जलापूर्ति और अन्य उपयोगिता सेवाओं' में 31 मार्च को समाप्त होने वाले चालू वित्त वर्ष के दौरान मध्यम वृद्धि रहने का अनुमान है। इसके अलावा, व्यापक आर्थिक तस्वीर को देखें तो मंत्रालय ने बताया है कि मौजूदा कीमतों पर जीडीपी के 2025-26 के दौरान 8 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है।

बजट के लिए अहम होंगे आंकड़े

ये आंकड़े नीतिगत दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इन अग्रिम अनुमानों का उपयोग आगामी केंद्रीय बजट की तैयारी में किया जाता है, जिसे संभवतः 1 फरवरी को पेश किया जाएगा। कुल मिलाकर, 7.4 प्रतिशत का अनुमानित विकास दर का आंकड़ा भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूत बुनियादी स्थिति को दिखाता है। विनिर्माण और सेवा क्षेत्र विकास की धुरी बनकर उभरे हैं, जो बजट से पहले सरकार और बाजार के लिए उत्साहजनक खबर है।

2026 में 0.50% और घट सकती है ब्याज दर

2025 में 1.25% की कटौती के बाद भी आरबीआई के पास गुंजाइश; लोन और सस्ते होने की उम्मीद

नई दिल्ली, 7 जनवरी (एजेंसियां)। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) साल 2026 में ब्याज दरों में 0.50% (50 बेसिस पॉइंट्स) की और कटौती कर सकता है। आईआईएफएल कैपिटल की एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2025 में ब्याज दरों में कुल 1.25% की कटौती करने के बाद भी केंद्रीय बैंक के पास रेट कट की जगह बची है। अगर ऐसा होता है, तो होम और ऑटो लोन की ईएमआई (ईएमआई) में और कमी आएगी, जिससे आम आदमी की जेब को बड़ी राहत मिलेगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्तमान में रेपो रेट और कोर इन्फ्लेशन (बुनियादी महंगाई) के बीच का अंतर लगभग 2.8% है। पिछले 7 सालों का औसत देखें तो यह अंतर 1.1% के करीब रहता है। जानकारों का मानना है कि महंगाई कंट्रोल में होने और इस बड़े अंतर के कारण आरबीआई के पास रेट कम करने के पर्याप्त तकनीकी कारण मौजूद हैं।

2025 में 1.25% घटी थी ब्याज दर

बीते साल यानी 2025 में रिजर्व बैंक ने ग्रोथ को रफ्तार देने के लिए ब्याज दरों में कुल 125 बेसिस पॉइंट्स यानी 1.25% की कटौती की थी। साल के आखिरी महीने दिसंबर में भी ब्याज दर 0.25% घटाई गई थी, जिससे रेपो रेट गिरकर 5.25% पर आ गया। अब 2026 में इसके 5% से नीचे या उसके करीब जाने की संभावना जताई जा रही है।

सर्वे में दावा-फूड एप पर खाना महंगा

55% यूजर्स ने रेस्टोरेंट से ज्यादा दाम चुकाए; सर्वे में 79 हजार जवाब शामिल

नई दिल्ली, 7 जनवरी (एजेंसियां)। देशभर में फूड डिलीवरी एप जैसे जोमैटो, स्विगी और ब्लिंकिट को लेकर उपभोक्ताओं और डिलीवरी वर्कर्स की नाराजगी बढ़ती जा रही है। लोकलसर्किल्स के हालिया सर्वे में 55% उपभोक्ताओं ने कहा कि जब वे इन एप से खाना ऑर्डर करते हैं, तो रेस्टोरेंट में जाकर खाने की तुलना में उन्हें ज्यादा पैसे चुकाने पड़ते हैं।

इसकी वजह एप द्वारा रेस्टोरेंट से लिया जाने वाला 20 से 30% तक की भारी कमीशन बताया गया है। इसका सीधा असर ग्राहकों की जेब पर पड़ता है। इस सर्वे में देश के 359 जिलों के 79 हजार से ज्यादा जवाबों को शामिल किया गया। इनमें 61% पुरुष और 39% महिलाएं थीं। प्रतिभागियों में 45% टियर 1 शहरों से, 33% टियर 2 शहरों से और 22% टियर 3, 4 और ग्रामीण इलाकों से थे। यह सर्वे लोकलसर्किल्स प्लेटफॉर्म पर किया गया और इसमें शामिल सभी लोग सत्यापित नागरिक थे। सर्वे में भाग लेने के लिए लोकल सर्कल्स पर पंजीकरण जरूरी था।

2030 तक 12 लाख करोड़ का फूड मार्केट

भारत का ऑनलाइन फूड डिलीवरी मार्केट 2024 में करीब 31.8 अरब डॉलर यानी 2.86 लाख करोड़ रुपए का था। स्मार्टफोन, इंटरनेट और शहरीकरण के बढ़ते इस्तेमाल के चलते यह बाजार 2030 तक 12 लाख करोड़ रु. पहुंच सकता है।

क्विक डिलीवरी एप पर जंक-फूड का ऑप्शन आधे से ज्यादा

भारत के शहरी इलाकों में जंक फूड का चलन तेजी से बढ़ रहा है। लोकलसर्कल्स के सर्वे के अनुसार, क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर बिकने वाले पैकेज्ड फूड आइटम्स में आधे से ज्यादा हाई फैट, शुगर, सॉल्ट (एचएफएसएस) वाले या अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड (यूपीएफ) हैं। सर्वे में 39% घरों ने बताया कि वे सॉफ्ट ड्रिंक्स, बिस्किट, चिप्स, नूडल्स जैसे आइटम रेगुलर खरीदते हैं, यानी हर 10 में 4 घर से जंक फूड ऑर्डर किया जा रहा है। खास बात ये है कि ऑर्डर करने वालों में बच्चे और यूवाओं की संख्या सबसे ज्यादा है।

टाटा लगाएगी देश की सबसे बड़ी फैक्ट्री, चीन को मिलेगी टक्कर

नई दिल्ली, 7 जनवरी (एजेंसियां)। टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी (टीपीआरईएल) आंध्र प्रदेश के नेल्लोर में 10 गीगावाट (जीडब्ल्यू) की एक नई इनगॉट और वेफर बनाने वाली फैक्ट्री लगाएगी।

यह देश की सबसे बड़ी ऐसी फैक्ट्री होगी। इस फैक्ट्री के लिए कंपनी 6675 करोड़ रुपये निवेश करेगी। इनगॉट और वेफर सेमीकंडक्टर चिप्स, सोलर सेल और मॉड्यूल बनाने के लिए बहुत जरूरी कच्चे माल हैं। आंध्र प्रदेश सरकार ने टीपीआरईएल के लिए इफको किसान स्पेशल इकोनॉमिक जोन (सेज) में 200 एकड़ जमीन दी है। इसमें से 120 एकड़ जमीन इस प्रोजेक्ट के लिए इस्तेमाल होगी और बाकी 80 एकड़ भविष्य में विस्तार के लिए रखी जाएगी। इकोनॉमिक टाइम्स के अनुसार यह प्रोजेक्ट केंद्र सरकार की उस नीति के तहत है जिसका मकसद सोलर उपकरण का भारत में ही उत्पादन बढ़ाना है, ताकि जरूरी पुर्जों के लिए चीन पर निर्भरता कम हो सके।

रिलायंस के रूसी तेल नहीं खरीदने से कई वर्षों में सबसे कम रहेगा आयात

दावा-तीन हफ्तों से नहीं पहुंची खेप

नई दिल्ली, 7 जनवरी (एजेंसियां)। रिलायंस इंडस्ट्रीज के रूस से कच्चे तेल नहीं खरीदने से जनवरी में रूसी तेल का आयात कई वर्षों के निचले स्तर पर आ सकता है। रिलायंस ने कहा, उसे रूस से तेल की कोई भी खेप जनवरी में मिलने की उम्मीद नहीं है। रिलायंस का यह बयान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रविवार को दी गई उस चेतावनी के बाद आया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि रूस से तेल खरीदने के कारण अमेरिका भारत पर आयात शुल्क और बढ़ा सकता है। रिलायंस ने सोशल मीडिया पर कहा, पिछले तीन सप्ताह से रिलायंस इंडस्ट्रीज की जामनगर रिफाइनरी में रूसी तेल की कोई खेप नहीं पहुंची है। दरअसल, 2022 में यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद भारत रियायती दरों पर मिलने वाले रूसी समुद्री कच्चे तेल का सबसे बड़ा खरीदार बनकर उभरा। तब से अब तक भारत ने रूस से 144 अरब यूरो मूल्य का कच्चा तेल खरीदा है। इस दौरान चीन रूस से 210.3 अरब यूरो का क्रूड आयात कर सबसे बड़ा खरीदार बन गया है।

एसबीआई के हजारों एटीएम में नोट भरेगी सीएमएस कंपनी

10 साल का मिला है कॉन्ट्रैक्ट

मुंबई, 7 जनवरी (एजेंसियां)। देश का सबसे बड़ा बैंक है भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने एक बड़ा फैसला लिया है। इसके देश भर में करीब 5,000 एटीएम में अब नोटों की गड्डी भरने का काम सीएमएस इन्फो सिस्टम्स लिमिटेड (सीएमएस) करेगी। यह 1000 करोड़ रुपये का कॉन्ट्रैक्ट है। इस कॉन्ट्रैक्ट की अविध 10 साल की है।

यह नया कॉन्ट्रैक्ट जनवरी 2026 से शुरू हो रहा है। इस कॉन्ट्रैक्ट में एसबीआई के एटीएम को चालू रखने, उनमें नकदी की कमी न होने देने और एटीएम को बेहतर तरीके से चलाने जैसी सेवाएं शामिल होंगी। इससे लाखों ग्राहकों को फायदा होगा क्योंकि उनके एटीएम हमेशा काम करते रहेंगे। यह पहला मौका है जब किसी बड़े सरकारी बैंक ने एटीएम से जुड़े इतने बड़े काम को सीधे किसी कंपनी को सौंपा है। इस कॉन्ट्रैक्ट के तहत, भारत भर में फैले एसबीआई के 5,000 एटीएम का काम सीएमएस देखेगी।

सीएमएस इन्फो सिस्टम्स बैंकों और फाइनेंस से जुड़ी कंपनियों को लॉजिस्टिक्स (सामान पहुंचाने की व्यवस्था) और टेक्नोलॉजी से जुड़ी सेवाएं देती है। सीएमएस इन्फोसिस्टम्स के चीफ बिजनेस ऑफिसर, अनुष राघवन ने कहा, एसबीआई से मिला यह 1000 करोड़ रुपये का 10 साल का कॉन्ट्रैक्ट हमारे लिए बहुत खास है। इससे हमें 500 करोड़ रुपये का अतिरिक्त रेवेन्यू मिलेगा। उन्होंने आगे कहा, भारत में 2025 में एटीएम सेवाओं में काफी दिक्कतें आई थीं, और हमने कई बैंकों को उनके एटीएम को फिर से ठीक से चलाने में मदद की है।

यह लंबा कॉन्ट्रैक्ट हमें स्थिरता देगा और लाखों ग्राहकों को बिना किसी परेशानी के बैंकिंग सेवाएं मिलती रहेंगी। इस कॉन्ट्रैक्ट के तहत एसबीआई को सीएम इन्फो सिस्टम्स की तरफ से एटीएम से जुड़ी सभी सेवाएं एक साथ मिलेंगी। माना जा रहा है कि यह एसबीआई और सीएमएस के बीच पुराने रिश्ते को और मजबूत करेगा।

सीएमएस पहले भी एसबीआई के साथ बड़े और मुश्किल प्रोजेक्ट्स पर काम कर चुकी है।

2020-21 से 2024-25 के बीच जीरो टैक्स फाइलर 20% बढ़े

इनकम छूट के बावजूद टैक्स देने वालों में 4 साल में 50% बढ़ोतरी

नई दिल्ली, 7 जनवरी (एजेंसियां)। आयकर में छूट का दायरा बढ़ने के बावजूद देश में टैक्स चुकाने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। केंद्र सरकार की संसद में पेश की गई रिपोर्ट के अनुसार, बीते 4 सालों में जहां जीरो टैक्स रिटर्न फाइल करने वालों की संख्या 20% बढ़ी, वहीं, टैक्स देने वाले 50.4% तक बढ़ गए। 2020-21 में कुल 6.72 करोड़ रिटर्न फाइल हुए थे। इनमें 4.84 करोड़ जीरो टैक्स फाइलर थे यानी इन पर कोई टैक्स देनदारी नहीं थी। जबकि, 1.88 करोड़ लोगों ने टैक्स दिया था। वहीं, 2024-25 में जीरो टैक्स फाइलर 5.58 करोड़ हो गए, पर टैक्स देने वालों का आंकड़ा 2.82 करोड़ तक पहुंच गया।

साल 2020-21 में कुल रिटर्न में से 72% जीरो फाइलर थे, जो 2024-25 में घटकर 66% रह गए। वहीं, टैक्स चुकाने वालों की हिस्सेदारी 28% से बढ़कर 34% हो गई।

विशेषज्ञों के अनुसार एआई, फेसलेस असेसमेंट और आयकर कानूनों की सरलता से टैक्स सिस्टम में भरोसा बढ़ा है। पहले जो टैक्स पेयर टैक्स बचाने की रणनीति में उलझे रहते थे, अब वे सीधे टैक्स चुका रहे हैं। कोविड के बाद वेतन, व्यवसाय और एमएसएमई से आय बढ़ने का असर भी टैक्स कलेक्शन में दिख रहा है। कॉरपोरेट लाभ पिछले पांच साल में काफी बढ़ा है। इसका असर टैक्स चुकाने के लिए आयकर रिटर्न भरने वालों की संख्या में इजाफे के रूप में देखने को मिल रहा है। उत्तर की तुलना में समृद्ध माने जाने वाले दक्षिण के राज्यों में जीरो फाइलर तेज बढ़े। नए राज्य तेलंगाना में जीरो फाइलर की संख्या पांच साल में तीन गुना हो गई। केरल में ढाई गुना जीरो फाइलर हो गए। तमिलनाडु में करीब सवा दोगुना हो गई।

करोड़पति टैक्सपेयर्स की संख्या में भारी इजाफा, लखपतियों की आबादी हुई कम

नई दिल्ली, 7 जनवरी (एजेंसियां)। एसेसमेंट ईयर 2025-26 के लिए बिलेटेड और रिवाइज्ड आईटीआर भरने की डेडलाइन 31 दिसंबर को खत्म हो गई है। इस बार आईटीआर भरने वाले टैक्सपेयर्स की संख्या में पिछले साल से मुकाबले मामूली बढ़ोतरी हुई है। लेकिन करोड़पति टैक्सपेयर्स की संख्या में भारी बढ़ोतरी देखने को मिली है। 1 अप्रैल से 31 दिसंबर तक करीब 9 करोड़ आईटीआर भरे गए जबकि पिछले साल यह संख्या 8.92 करोड़ थी। कुल टैक्सपेयर्स की संख्या में 1.22 फीसदी की मामूली तेजी आई। हिंदू बिजनेसलाइन की एक रिपोर्ट के मुताबिक 1 करोड़ रुपये से अधिक इनकम घोषित करने वाले टैक्सपेयर्स की संख्या में 22 फीसदी तेजी आई है। इस दौरान 5 लाख रुपये तक की इनकम वाले टैक्सपेयर्स की संख्या में करीब 24 फीसदी गिरावट आई है। पिछली बार यह संख्या करीब 3.61 करोड़ थी जो अब 2.74 करोड़ रह गई।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति		
सूर्य	धनु	मे
चंद्र	सिंह	मे
मंगल	धनु	मे
बुध	धनु	मे
गुरु	मिथुन	मे
शुक्र	धनु	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लग्नारभ समय	
धनु.....	05-12 बजे
मकर...	07-18 बजे
कुंभ....	09-09 बजे
मीन....	10-46 बजे
मेष.....	12-22 बजे
वृष....	14-07 बजे
मिथुन..	16-08 बजे
कर्क...	18-20 बजे
सिंह---	20-32 बजे
कन्या--	22-39 बजे
तुला---	00-44 बजे
वृश्चिक..	02-54 बजे

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य उत्तरायणे, ऋतु- शिशिर
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426874
सूर्योदय 06-51
सूर्यास्त. 17-52
कलियुग संवत् - 5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्- 1955885126
दिशाशूल - दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
मास - माघ कृष्ण पक्ष गुरुवार 08 January 2026
तिथि - षष्ठी अहोरात्र तक
नक्षत्र - पूर्वाफाल्गुनी 12-24 तक उप उ.फाल्गुनी
योग - सौभाग्य 17-25 तक उप. शोभन
करण - गर 18-43 तक उप वणिज

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 13-46 15-10

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया		
शुभ	06-51 - 08-13	शुभ
रोग	08-13 - 09-36	अशुभ
उत्पात	09-36 - 10-59	अशुभ
चंचल	10-59 - 12-23	शुभ
लाभ	12-23 - 13-46	शुभ
अमृत	13-46 - 15-10	शुभ
काल	15-10 - 16-33	अशुभ
शुभ	16-33 - 17-52	शुभ

रात का चौघड़िया		
अमृत	17-52 - 19-33	शुभ
चंचल	19-33 - 21-10	शुभ
रोग	20-10 - 22-46	अशुभ
काल	22-46 - 00-23	अशुभ
लाभ	00-23 - 01-59	शुभ
उत्पात	01-58 - 03-36	अशुभ
शुभ.	03-36 - 05-13	शुभ
अमृत	05-13 - 06-51	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,)
आपकी निजी और व्यवसायिक जिन्दगी के बीच एक असंतुलन है । इसे दूर करने का एक ही तरीका है कि आप अपने प्रतिदिन के काम की योजना बनाएं,जो हर दिन की जरुरत के हिसाब से अलग हो । चिंता ना करें,आपके परिजन हाल-फिलहाल आपके उनके प्रति कम ध्यान के बावजूद आपके समर्पण को पहचान पाएंगे ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
यह तो आप देख ही चुके की आकस्मिक प्रवृति पर आधारित फैसले कई बार सही साबित नही हुए हैं,इसीलिए यह जरूरी है कि आप अपने फैसले तर्क की कसौटी पर कसकर ही करें । ऐसा करना और भी जरूरी है क्योंकि कोई ऐसा है जो आपका करीबी होते हुए भी आपके खिलाफ साजिश कर रहा है । अगर एक बार आप सोच समझकर कोई फैसला ले लें तो उसे कार्यान्वित करने में हिचकिचाएं नही ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आज आप साझेदारी के अंतर्गत घर और ऑफिस दोनों ही में बहुत अच्छा काम करेंगे । यदि अकेले काम करेंगे तो अस्पष्ट और असंभव सी लगने वाली मुसीबतों में फंस सकते हैं । टीम के रूप में काम करने पर ये बाधाएं परेशान नही करेंगी । आपसी सहयोग से आज आप किसी भी प्रयास में सफलता हासिल कर पायेंगे ।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,)
आप एक साधारण आदमी हैं और इसीलिए आप संबंधों में कोई चालाकी नही करते । इससे आपको कई बार नुक्सान भी उठाना पड़ता है लेकिन यह सब अधिक समय तक नही चलेगा ,आखिर में चालाकी के स्थान पर आपकी सरलता की ही जीत होगी । अपनी संवेदनाओं को नियंत्रण में रखें । करीबियों के साथ अच्छा वक़्त बिताने की सम्भावना बनी हुई है ।

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे,)
आप आज अनजाने तथ्यों के साथ सहज महसूस नही करेंगे । इसलिए आप प्रयोग ना करते हुए जानी –पहचानी राहों पर ही आगे बढने की कोशिश करेंगे ।आपके सामने नए अवसर आयेंगे ,लेकिन आप उनमे से भी उसी को चुनेंगे जिससे आप भली-भांति परिचित हैं । इस समय का उपयोग अपना पिछला बचा हुआ काम निपटाने के लिए करें ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आपमें समर्पण की अद्भुत भावना आ गयी है । आपको परिवार से जुडी कई जिम्मेदारियां निभानी हैं और आप ऐसा बहुत अच्छे से करेंगे । जीवन की चुनातियों से निपटने के लिए आप अपने कौशलों को निखारने और अपनी छुपी हुई क्षमता को बाहर लाने के प्रयासों में जुटे हुए हैं ।आपका सफ़र मुश्किल हो सकता है लेकिन आप इसका हरेक पल आनंद लेंगे ।

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते,)
अगर आप अपना समय और ऊर्जा गरीब और कम सुविधा प्राप्त बच्चों को शिक्षा देने में लगायेंगे तो आपको बहुत ख़ुशी मिलेगी । अपना कुछ सामन किसी जरूरतमंद को दे दें । आपकी वित्तीय स्थिति अच्छी है ,आप पैसे से भी किसी की मदद कर सकते हैं । आप नए लोगों से जल्दी ही परिचय भी कर लेते हैं और सबकी जरूरतों का ध्यान रखने के कारण आपकी लोकप्रियता भी है ।

वृश्चिक (तो, ना, नी, ने, नू, नो, या, यी, यू,)
आज का दिन तारीफ और प्रशंसा से भरा रहेगा । आपके बेहतरीन कामों के लिए पुरस्कार भी मिल सकते हैं । आपकी सच के साथ बने रहने की खासियत से आप अपने से प्रतिस्पर्धा करने वाले कई लोगों के रोल-मॉडल बन पायेंगे । आज कोई फैसला कार्यान्वित करने से पहले एक बार फिर से सोच लें ।

धनु (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
आज आप किसी भी ,अच्छे-बुरे तरीके से अपना लक्ष्य पा लेने के मूड में हैं । काफी समय तक हाशिये पर रहने के बाद आपको आज अपने ग्रहों की बदौलत काफी आत्मविश्वास का अनुभव होगा । आप अपनी मानसिक प्रवृति के आधार पर फैसले ले सकते हैं,यकीन मानिए वे सही ही साबित होंगें ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
सामान्यत आप काफी स्पष्ट सोच रखते हैं ,लेकिन आज आप अपनी निजी समस्याओं और अपनी असुरक्षाओं से घिरे होने के कारण स्पष्ट नही सोच पायेंगे । इसलिए आज का दिन किसी नए काम को हाथ में लेने या नयी साझेदारी के लिए उपयुक्त नही है । आपके आज के फैसले गलत हो सकते हैं । इसीलिए भविष्य के कार्यक्रमों की योजना आज बनाना सही नही है । आज आराम करें ।

कुंभ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आपने अपने लिए बहुत ऊँचे मानक तय किये हैं और आप इन्हें हासिल करने के लिए बहुत प्रयास कर रहे हैं । फिर भी लक्ष्य तक पहुंचना मुश्किल होगा और इससे आपको थोड़ी निराशा होगी । आपको लक्ष्य तय करने से पहले अपनी क्षमताएं ध्यान में रखनी होंगी । समय कोई बड़ा फैसला लेने के लिए उपयुक्त नही है ।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची)
आप उन बदलावों के बारे में सोच रहे हैं जो शायद आपके काम और आपकी सेहत के बीच संतुलन ला सकते हैं । आप अपने किसी करीबी दोस्त से इस सम्बन्ध में मेल करके समाधान पूछ सकते हैं । इन बदलावों से आपको आराम मिलेगा । आप अपने आप को फ़िलहाल सही आदमियों के साथ पायेंगे जो आपको आपके विभिन्न लक्ष्यों का उद्देश्य निर्धारित करने में मदद करेंगे ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

एम्बुलेंस से 2.60 करोड़ का गांजा जब्त

दवाइयों के कार्टून और सीट के नीचे छिपाकर ओडिशा से महाराष्ट्र ले जा रहे थे, 3 तस्कर गिरफ्तार

महासमुंद, 7 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में पुलिस ने एक एम्बुलेंस से 5 क्विंटल 20 किलो गांजा जब्त किया है। जब्त गांजे की कीमत 2.60 करोड़ रुपये बताई जा रही है। गांजे को तस्कर ओडिशा के भवानीपटना जिले से छत्तीसगढ़ के रास्ते महाराष्ट्र के नागपुर ले जा रहे थे। पुलिस ने महासमुंद में तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है।

महासमुंद पुलिस के मुताबिक तस्करों ने एम्बुलेंस में सीट के नीचे चैंबर बनाकर गांजा छिपाया था। इसके अलावा दवाइयों के कार्टून में भी गांजा रखा था। गांजा तस्करी के लिए आरोपियों ने महाराष्ट्र पासिंग एम्बुलेंस पर ओडिशा की फर्जी नंबर प्लेट (OD 02 AX 5501) का इस्तेमाल किया था। गिरफ्तार किए गए तीनों आरोपी महाराष्ट्र के रहने वाले हैं। यह मामला कोमाखान थाना के टेमरीनाका चेकिंग प्वाइंट का है।

दरअसल, कोमाथाना पुलिस को मंगलवार को सोर्स से जानकारी मिली थी कि एक एम्बुलेंस में बड़ी मात्रा में गांजा

लोड है, जो ओडिशा से छत्तीसगढ़ के रास्ते महाराष्ट्र के नागपुर जा रही है। एम्बुलेंस में 3 लोग सवार हैं। सूचना मिलते ही कोमाखान थाना की पुलिस एक्टिव हो गई।

कोमाखान थाने की पुलिस ने ओडिशा-छत्तीसगढ़ बार्डर के टेमरीनाका पर चेकिंग प्वाइंट बनाकर वहां से गुजरने वाली गाड़ियों की चेकिंग शुरू की। चेकिंग प्वाइंट पर गाड़ियों की जांच चल रही थी। इसी दौरान एक पुरानी और जर्जर हालत में एम्बुलेंस चेकिंग प्वाइंट की ओर आते दिखी। एम्बुलेंस पर ओडिशा का नंबर प्लेट (OD 02 AX 5501) था।

पुलिस ने चेकिंग प्वाइंट पर तैनात पुलिसकर्मियों ने एम्बुलेंस को रोका। एम्बुलेंस की हालत देख शक के आधार पर पुलिसकर्मियों ने उसकी तलाश ली। एम्बुलेंस की तलाशी लेने पर उसमें दवा के 16 कार्टून मिले। पुलिस ने कार्टून को खुलवाकर देखा तो उसके दवाइयों के नीचे गांजा रखा हुआ था। वहीं पुलिस ने एम्बुलेंस की सीट के नीचे तलाशी ली तो उसमें चैंबर मिला, जिसमें 14 प्लास्टिक बोरियों बरामद हुई। प्लास्टिक की बोरियों में गांजा छिपाकर रखे गए थे। बोरियों से कुल 5 क्विंटल 20 किलो गांजा भरा मिला।

पुलिस ने गांजे के साथ-साथ 4 मोबाइल फोन और एम्बुलेंस को भी जब्त कर लिया। जब्त किए गए कुल सामान की कीमत 2,65,10,500 रुपये आंकी गई है। आरोपियों को नारकोटिक्स एक्ट के तहत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। महासमुंद की एडिशनल एसपी प्रतिभा पांडेय ने बताया कि 6 जनवरी को टेमरीनाका चेकिंग प्वाइंट पर पुलिस की निगरानी थी। इसी दौरान महाराष्ट्र की तरफ से जाने वाली एक एम्बुलेंस पर शक हुआ। एम्बुलेंस पर ओडिशा का नंबर प्लेट था और यह टूटी-फूटी हालत में थी। पुलिस ने एम्बुलेंस की तलाशी ली। तलाशी में पता चला कि दवाइयों के पैकेट, सीट के नीचे चैंबर बनाकर गांजा छिपाकर रखा गया था। कुल गांजे की मात्रा 5 क्विंटल 20 किलो थी और इसकी कीमत लगभग 2 करोड़ 60 लाख रुपये बताई जा रही है। इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

नौ दिन पहले छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में भी पुलिस ने एक ट्रक से 6 करोड़ का गांजा जब्त किया था। गांजे को 3 तस्कर ओडिशा के बलांगीर जिले से छत्तीसगढ़ के रास्ते यूपी होते हुए 1700 किलोमीटर दूर राजस्थान ले जा रहे थे, लेकिन सीजी-यूपी बॉर्डर पर पकड़े गए।

आरोपी ट्रक में नारियल भूसा भरे थे। भूसे के बीच में गांजे की बोरियां थीं, जिसे टेप से लपेटा गया था। चेकिंग के दौरान आरोपियों ने ट्रक से कूदकर भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने तीन आरोपियों को दौड़ाकर पकड़ लिया। तीनों आरोपी यूपी के रहने वाले हैं।

मंत्री टंकराम वर्मा बोले- नाथूराम राष्ट्रवादी व्यक्ति थे

कांग्रेस बोली- गोडसे भारत का पहला हत्यारा था, महात्मा गांधी का कातिल था, टंकराम को बीजेपी बर्खास्त करे

धमतरी, 7 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में जी राम जी को लेकर छत्तीसगढ़ की राजनीति में तीखा टकराव शुरू हो गया है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सोशल मीडिया पर लिखा कि 'नाथूराम गोडसे मुर्दाबाद, गोडसेवादी मुर्दाबाद'। मनरेगा से गांधी का नाम हटाना 'गोडसेवादी सोच' का परिणाम है।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बयान पर धमतरी में राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि नाथूराम गोडसे एक राष्ट्रवादी व्यक्ति थे। पहले योजनाएं किसी के नाम पर नहीं थी, लेकिन कांग्रेस ने महात्मा गांधी, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी के नाम जोड़कर योजनाओं का नामकरण किया।

उन्होंने कहा कि पहले योजनाएं किसी के नाम पर नहीं थीं, लेकिन कांग्रेस ने महात्मा गांधी, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी के नाम जोड़कर योजनाओं का नामकरण किया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस को जब-जब मौका मिला, उसने महापुरुषों के नाम हटाकर अपने परिवार के नाम पर योजनाएं रखीं।

वहीं मंत्री टंकराम वर्मा के बयान पर कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भाजपा को इस मामले में स्पष्टीकरण देना चाहिए कि गोडसे राष्ट्रवादी था या भारत का पहला हत्यारा था। गोडसे ने आजादी के बाद महात्मा गांधी की हत्या की थी। महात्मा गांधी का कातिल था।

दरअसल, 6 जनवरी को राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा धमतरी पहुंचे थे। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ग्रामीण विकास के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक कदम के रूप में विकसित भारत जी-राम-जी अधिनियम 2025 लाया गया है।

यह अधिनियम देश के गांवों को विकसित बनाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। यह अधिनियम किसानों, मजदूरों और गरीबों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

मंडी से गायब हो गया 6 करोड़ रुपये का धान

बैंक की रिपोर्ट आई तो खुली पोल अब विभाग के एक्शन से हड़कंप

जशपुर, 7 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में 6.55 करोड़ रुपये के धान खरीद घोटाले के मामले में पुलिस ने मंगलवार को एक आरोपी को गिरफ्तार किया। यह गड़बड़ी जशपुर जिले के तुमला में कोनपारा धान खरीद सब-सेंटर पर सामने आई है। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी बैंक लिमिटेड के नोडल ऑफिसर द्वारा दी गई विस्तृत रिपोर्ट के बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी। इस बैंक को एपेक्स बैंक भी कहा जाता है। इस मामले में तुमला थाना क्षेत्र के झारमुंडा गांव के रहने वाले 39 वर्षीय शिशुपाल यादव को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। बाकी पांच संदिग्ध अभी फरार हैं। उनकी तलाश जारी है और जल्द ही गिरफ्तारी की उम्मीद है। मामला 2024-25 के खरीफ मार्केटिंग सीजन के दौरान ट्राइबल सर्विस कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड, कोनपारा के खरीद ऑपरेशन से जुड़े छह लोगों से संबंधित है।

रिकॉर्ड से पता चलता है कि सब-सेंटर पर 1,61,250 क्विंटल धान खरीदा गया था। हालांकि, सिर्फ 1,40,663.12 क्विंटल ही मिलों और स्टोरेज सुविधाओं में भेजा गया, जिससे 20,586.88 क्विंटल की कमी सामने आई। सरकार के 3,100 रुपए प्रति क्विंटल के रेट के हिसाब से गायब धान की कीमत लगभग 6.38 करोड़ रुपए बताई गई। इसके अलावा, 17.07 लाख रुपए कीमत के 4,898 नए और पुराने बोरे भी गायब मिले, जिससे कुल फाइनेंशियल नुकसान बढ़कर 6,55,26,979 रुपए हो गया।

हाथी का उत्पात, 7 दिन में 16 लोगों को मारा

फिर 6 लोगों को कुचला, हाथी को ट्रेंकुलाइज कर काबू करने की तैयारी

चाईबासा, 7 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड के चाईबासा में जंगली हाथी का आतंक जारी है। मंगलवार रात नोवामुंडी प्रखंड के जेटिया पंचायत अंतर्गत भरबरिया गांव में हाथी ने 6 लोगों को कुचलकर मार डाला। दो लोग गंभीर घायल हैं। बीते 7 दिनों में हाथी इस क्षेत्र में कुल 16 लोगों की जान ले चुका है।

मंगलवार रात करीब 10 बजे गांव में जब सभी सो रहे थे। अचानक हाथी ने घर पर हमला कर दिया। हमले में सनातन मेराल, उनकी पत्नी जोंकों कुई, उनके दो बच्चे और दूसरे परिवार के दो सदस्य मारे गए। एक बच्चा किसी तरह जान बचाकर भागने में सफल रहा।

चाईबासा के डीएफओ आदित्य नारायण ने कहा हाथी बहुत तेजी से अपनी लोकेशन बदल रहा है, जिससे उसे लगातार ट्रेस कर पाना वन विभाग की टीमों के लिए बड़ी

चुनौती बन गया है। उन्होंने बताया कि पश्चिम बंगाल से विशेषज्ञ टीम को बुलाया गया है, जो हाथी को ट्रेंकुलाइज कर काबू करने में मदद करेगी।

इसके साथ ही वन्यजीव संरक्षण संगठन 'वनतारा' की टीम से भी संपर्क किया गया है और उनके आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। आदित्य नारायण ने बताया कि वन विभाग की पूरी टीम प्रभावित इलाकों में लगातार घूम रही है, ड्रोन और अन्य संसाधनों की मदद से हाथी की मूवमेंट पर निगरानी रखी जा रही है, ताकि किसी भी नए गांव में नुकसान होने से पहले अलर्ट किया जा सके।

सरकार और प्रशासन के लिए सिर दर्द बना हाथी दिनभर जंगल में छिपकर रहता है। अंधेरा होते ही वह गांवों की ओर मूव करता है। इस दौरान रास्ते में दिखने वाले घरों पर अटैक करता है। सोते हुए लोगों को भी हाथी पटक कर और घसीटकर मार रहा है।

वन विभाग की तकनीकी टीम अब हाथी का पता लगाने के लिए रात को थर्मल सेंसर ड्रोन उड़ाएगी। बुधवार शाम को तकनीकी टीम पहुंच गई है।

इन 3 कारणों से आक्रामक हो जाता है हाथी

दलमा वन क्षेत्र के वन्य प्राणी रिसर्चर व विशेषज्ञ राजा घोष के अनुसार, हाथियों के आक्रामक होने के 3 कारण हैं-

नर हाथियों में हार्मोनल अवस्था आती है, जिसे 'मस्त' कहते हैं। इस दौरान शरीर में टेस्टोस्टेरोन का स्तर 60 गुना तक बढ़ जाता है। हाथी के कनपटी से गाढ़ा गंधयुक्त तरल पदार्थ निकलता है, जिसे मद कहा जाता है। इससे वह अत्यधिक आक्रामक हो जाता है।

कई बार नर हाथी को उसकी हरकतों के कारण हथिनी समूह से अलग कर देती है। इससे वह चिड़चिड़ा हो जाता है।

हाथियों के हैबिटेट्स रूट पर गांवों से निकलकर लोग जंगली इलाकों में बसने लगे हैं। इससे हाथी गुस्सैल होकर हमला कर देता है।

हत्यारोपी पति और प्रेमिका ने किया सरेंडर

वाइफ की हत्या कर शव गड्ढे में दफनाया था, जेसीबी से निकाली गई थी लाश

पलामू, 7 जनवरी (एजेंसियां)। पलामू में प्रियंका देवी हत्याकांड के सामने आने के सातवें दिन आरोपी पति रंजीत मेहता और उसकी प्रेमिका ने न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस अब दोनों को रिमांड पर लेकर मामले में पूछताछ करेगी। रंजीत मेहता पर आरोप है कि उसने अपनी प्रेमिका के साथ मिलकर पत्नी प्रियंका देवी की हत्या की। अवैध संबंध में पत्नी के बाधा बनने के कारण इस वारदात को अंजाम दिया गया। हत्या के बाद शव को नावाबाजार थाना क्षेत्र के तुकबेरा के डरौना गांव में दफना दिया गया था।

बिश्रामपुर थाना प्रभारी ऋषिकेश दुबे ने बताया कि पुलिस लगातार फरार पति और उसकी प्रेमिका की गिरफ्तारी के लिए दबाव बना रही थी और छापेमारी कर रही थी। इसी दबाव के चलते दोनों ने न्यायालय में आत्मसमर्पण किया। प्रियंका देवी 26 दिसंबर से लापता थीं। उनकी खोजबीन के दौरान हत्या कर शव दफनाए जाने की जानकारी पुलिस को मिली थी।

पुलिस ने 1 जनवरी को दंडाधिकारी की मौजूदगी में जेसीबी की मदद से प्रियंका देवी का दफनाया हुआ शव गड्ढे से बाहर निकाला था। आरोप है कि पति और प्रेमिका ने मिलकर प्रियंका का गला घोंटकर हत्या की थी। जिस गड्ढे में शव दफनाया गया था, उसे 28 दिसंबर को खुदवाया गया था और 29 दिसंबर को भर दिया गया था।

दरोगा-पत्रकार ने स्कॉर्पियो में लड़की से गैंगरेप किया

बेहोशी की हालत में घर के बाहर फेंका, कानपुर में चौकी से पुलिस ने भगाया, डीसीपी-इंस्पेक्टर सस्पेंड

कानपुर, 7 जनवरी (एजेंसियां)। कानपुर में 14 साल की लड़की को किडनैप कर दरोगा और पत्रकार ने गैंगरेप किया। सोमवार रात स्कॉर्पियो में किशोरी के साथ दरिंदगी हुई। करीब 2 घंटे बाद किशोरी की हालत बिगड़ी तो आरोपी उसको घर के बाहर फेंक कर भाग गए।

परिजन किशोरी को चौकी ले गए तो वहां से उन्हें भगा दिया गया। फिर पुलिस अफसरों से शिकायत के बाद एफआईआर तो हुई, लेकिन आरोपियों का नाम हटवाकर मुकदमा अज्ञात में दर्ज कर दिया।

बुधवार को पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल ने डीसीपी वेस्ट दिनेश चंद्र त्रिपाठी को हटाकर डीसीपी हेड क्वार्टर से अटैच कर दिया है। सचेंडी इंस्पेक्टर विक्रम सिंह को सस्पेंड कर दिया है। विक्रम सिंह पर आरोप है कि मुकदमे में उन्होंने पॉक्सो एक्ट की धाराएं नहीं लगाईं। तथ्यों में तोड़-मरोड़ किया।

पुलिस कमिश्नर ने बताया कि

शुरुआत में अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया गया था। पीड़िता ने अपने बयान में बिठूर में तैनात दरोगा अमित कुमार मौर्या और पत्रकार शिवबरन का नाम लिया। इसके बाद दोनों को मुकदमे में नामजद किया गया। पत्रकार शिवबरन को बुधवार को गिरफ्तार कर लिया गया है।

घटना में इस्तेमाल की गई स्कॉर्पियो (UP 78 JJ 9331) को पुलिस ने जब्त कर लिया है। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि यह स्कॉर्पियो दरोगा अमित कुमार मौर्या की है।

घटना के समय दरोगा की सचेंडी में मौजूदगी पाई गई है, जबकि उसकी तैनाती बिठूर थाने में थी। आरोपी दरोगा अमित कुमार मौर्या फिलहाल फरार है, जिसकी तलाश में चार टीमें लगाई गई हैं।

गैंगरेप के मामले की जांच एडीसीपी वेस्ट कपिल देव सिंह को सौंपी गई है। एडीसीपी वेस्ट ने बुधवार को जांच शुरू की। वह सबसे पहले सचेंडी में रेलवे ट्रैक के किनारे पहुंचे, जहां पीड़िता ने अपने साथ गैंगरेप होने की बात बताई थी।

इस दौरान उन्होंने घटनास्थल के आसपास मौजूद दुकानदारों से पूछताछ की, वहीं फोरेंसिक टीम ने मौके से सबूत भी जुटाए।

सचेंडी थाना क्षेत्र में रहने वाली लड़की ने बताया- मैं सोमवार रात करीब 10 बजे घर से निकली थी। इस दौरान स्कॉर्पियो सवार दो लड़कों ने मुझे जबरन गाड़ी के अंदर खींच लिया। इनमें एक पुलिस वाला था। आरोपी सचेंडी में रेलवे ट्रैक के किनारे सुनसान जगह पर ले गए।

दोनों ने स्कॉर्पियो के अंदर ही मेरे साथ गैंगरेप किया। पीड़िता के भाई ने बताया- दरोगा अमित कुमार और शिवबरन ने गैंगरेप किया। करीब 2 घंटे बाद दोनों युवक मेरी बहन को घर के बाहर बेहोशी की हालत में फेंककर भाग गए।

भाई ने बताया- रात करीब 12 बजे मैंने देखा कि बहन घर के बाहर बदहवास पड़ी थी। हम उसे अंदर लेकर गए और होश में लाए। इसके बाद उसने हमें घटना के बारे में बताया। इसके बाद मैंने तत्काल डायल-112 पर पुलिस को सूचना दी। तब पुलिस मौके पर पहुंची।

पुलिस मुझे और बहन को भीमसेन चौकी पर ले गई। लेकिन, जब हमने बताया कि आरोपियों में एक पुलिस वाला है, तो हमें चौकी से भगा दिया गया। इसके बाद मंगलवार को हम लोग पुलिस अफसरों के पास पहुंचे। इसके बाद पुलिस ने हमारी रिपोर्ट तो दर्ज की, लेकिन आरोपियों के नाम हटवा दिए। अज्ञात के खिलाफ गैंगरेप और अपहरण की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की है।

पति से अफेयर के शक में स्कूली-छात्रा की पिटाई

एक-दूसरे के बाल खींचे, नाखून से नोचा, कॉल-रिकॉर्ड देख समझाने आई थी, नहीं मानने पर पीटा

मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, 7 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में पति से अफेयर के शक में महिला ने स्कूली छात्रा की पिटाई कर दी। महिला का आरोप है कि नाबालिग छात्रा उसके पति से कॉल पर बातें करती थी, मना करने पर भी वह नहीं मानी। मामला जनकपुर थाना क्षेत्र का है।

दरअसल, मंगलवार (6 जनवरी) को जनकपुर इलाके में महिला 9वीं की छात्रा को समझाने ही पहुंची थी। इसी दौरान दोनों के बीच विवाद बढ़ गया। बीच सड़क पर मारपीट करने लगे। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में दोनों एक दूसरे को बाल खींचकर, नाखून से नोचते दिख रहे हैं।

घटना के दौरान महिला और छात्रा के बीच जमकर झूमाझटकी हुई। इस मारपीट में छात्रा के चेहरे पर कई जगह नाखून के निशान आ गए। यह घटना सार्वजनिक स्थान (बीच बाजार) पर हुई, जिसके चलते मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने बीच-बचाव कर दोनों को अलग किया। सूचना मिलने पर जनकपुर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस महिला को थाने लेकर आई, जबकि छात्रा घटना स्थल से चली गई थी। जनकपुर थाना प्रभारी ओमप्रकाश दुबे ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची थी, लेकिन छात्रा वहां मौजूद नहीं थी। मारपीट करने वाली महिला ने पुलिस को बताया कि वह इस मामले में कोई लिखित शिकायत दर्ज नहीं कराना चाहती है। महिला का कहना है कि वह छात्रा से अपने पति से बात करने को लेकर नाराज थी। उसने छात्रा को कई बार समझाया था कि वह उसके पति से बात न करे, लेकिन छात्रा नहीं मानी। महिला ने पुलिस को बताया कि उसके पति के मोबाइल में छात्रा से बातचीत के कॉल रिकॉर्ड देखे थे। इसी कारण वह छात्रा को समझाने आई थी, लेकिन बात बढ़ने पर विवाद हो गया। महिला का पति बिजली विभाग में डेली बेसिस पर काम करता है। फिलहाल, पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

डिमना चौक के पास कार में लगी आग

सवार लोगों ने गाड़ी से बाहर कूदकर बचाई जान, शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका

जमशेदपुर, 7 जनवरी (एजेंसियां)। जमशेदपुर के डिमना चौक के पास बुधवार को एक खड़ी कार में अचानक आग लग गई।

इस घटना में कार में सवार यात्री बाल-बाल बच गए। सभी ने गाड़ी से बाहर कूदकर खुद को जलने से बचाया। इधर, आग लगने से सड़क पर कुछ देर के लिए अफरातफरी मच गई।

स्थानीय लोगों के अनुसार, मानगो से डिमना चौक की ओर आने वाली सड़क पर खड़ी कार के बोनट से अचानक धुआं निकलने लगा।

कुछ ही पलों में आग की लपटें उठने लगीं। कार में मौजूद यात्री ने समय रहते खतरा भांप लिया और तुरंत बाहर निकलकर अपनी जान बचाई।

यात्री के बाहर निकलते ही आग तेजी से फैल गई और महज दो मिनट के भीतर पूरी कार को अपनी चपेट में ले लिया। देखते ही देखते कार जलने लगी। आग देखकर आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए, जिससे सड़क पर कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित हुआ।

स्थानीय लोगों ने तत्काल अग्निशमन विभाग को घटना की सूचना दी। सूचना मिलने पर एक दमकल मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है, लेकिन प्रारंभिक तौर पर शॉर्ट सर्किट को हादसे की वजह माना जा रहा है।

जीजा ने साले से 2 करोड़ लेकर ठगों को दिए

रायपुर, 7 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायपुर में ओडिशा के कारोबारी से 2 करोड़ रुपए की ठगी हुई है। आरोपियों ने कारोबारी को शेयर ट्रेडिंग में ज्यादा मुनाफा का लालच दिया। फिर उससे रायपुर बुलाकर 2 करोड़ रुपए कैश ले लिए। पैसे मिलने के बाद आरोपियों ने टालमटोल करना शुरू कर दिया और फिर अचानक फरार हो गए। कारोबारी ने रकम अपने साले से ली थी। फिलहाल कारोबारी की शिकायत पर देवेंद्र नगर थाने में एफआईआर दर्ज की गई है।

नेमीचंद जैन ने पुलिस को शिकायत में बताया कि वह ओडिशा के कालाहांडी का रहने वाला है। नवंबर 2025 में उनके मोबाइल फोन में एक टेलीग्राम ग्रुप का लिंक आया। जिसमें टाटा कंसलटेंसी में 1 लाख इन्वेस्ट करने पर 10 दिन के भीतर 30 हजार प्रॉफिट के बारे में बताया गया। कारोबारी ठगों के झांसे में आ गया उसने पैसे इन्वेस्ट कर दिए। कुछ दिन बाद उसे मुनाफा बताकर 30 हजार रुपए दिया गया।

नकली शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़

हजारीबाग, 7 जनवरी (एजेंसियां)। हजारीबाग जिले में उत्पाद विभाग ने अवैध शराब कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। कटकमसांडी थाना क्षेत्र के आरा भुसाई गांव में एक मिनी नकली शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया गया। इस कार्रवाई से जिले में लंबे समय से चल रहे अवैध शराब के धंधे पर बड़ा प्रहार माना जा रहा है।

छापेमारी के दौरान मौके से कुल 53 पेटी नकली विदेशी शराब बरामद की गई। इसकी बाजार में अनुमानित कीमत 7 से 8 लाख रुपए बताई जा रही है। इसके अतिरिक्त, शराब बनाने में इस्तेमाल होने वाला कच्चा माल, खाली बोतलें, नकली लेबल, ढक्कन और पैकिंग सामग्री सहित अन्य उपकरण भी जब्त किए गए।

यह खुलासा हुआ है कि यहां नकली शराब को विदेशी ब्रांड के नाम पर तैयार कर बाजार में बेचा जा रहा था। उत्पाद विभाग की टीम ने मौके से दो चार पहिया वाहन भी जब्त किए हैं, जिनका उपयोग नकली शराब की ढुलाई के लिए किया जा रहा था। इनमें से एक वाहन लग्जरी श्रेणी का बताया जा रहा है। छापेमारी के दौरान विशेष कुमार सोनी नामक एक शराब तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। वह मटवारी, हजारीबाग का निवासी है। सहायक उत्पाद आयुक्त शिव कुमार साहू के निर्देश पर की गई इस कार्रवाई में आरोपी से गहन पूछताछ की जा रही है। सहायक उत्पाद आयुक्त शिव कुमार साहू ने बताया कि पूछताछ में आरोपी ने इस अवैध कारोबार में शामिल अन्य लोगों के नाम बताए हैं। उसकी निशानदेही पर सात अन्य व्यक्तियों के खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है और उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

ट्रम्प ग्रीनलैंड पर कब्जे के लिए सेना भेज सकते हैं

व्हाइट हाउस बोला– इस बारे में सोच रहे क्या डेनमार्क के 200 सैनिक इसे बचा पाएंगे

वॉशिंगटन, 7 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी प्रशासन ने एक बार फिर ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की बात कही है। बीबीसी के मुताबिक व्हाइट हाउस की प्रवक्ता कैरोलीन लेविट ने मंगलवार को इसे अमेरिकी सुरक्षा के लिए अहम बताया। उन्होंने कहा कि उनकी टीम इसे साकार करने के कई तरीके तलाश रही है, जिनमें सैन्य बल का इस्तेमाल भी शामिल है।

इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प कई बार ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की बात कह चुके हैं। ट्रम्प ने सोमवार को कहा था कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए ग्रीनलैंड बहुत जरूरी है। वहां पर रूसी और चीनी जहाजों की मौजूदगी चिंता की बात है। उन्होंने कहा था कि वह 20 दिन में ग्रीनलैंड पर बात करेंगे।

ग्रीनलैंड, डेनमार्क का एक स्वायत्त इलाका है, जो नाटो का हिस्सा भी है। यहां पर डेनमार्क के करीब 200 सैनिक तैनात हैं।

विदेश मंत्री बोले- हमला नहीं

ग्रीनलैंड को खरीद सकते हैं ट्रम्प

व्हाइट हाउस ने भले ही ग्रीनलैंड पर कब्जे के लिए सेना का इस्तेमाल पर विचार करने की बात कही है, हालांकि अमेरिकी विदेश मंत्री की सोच इससे अलग है। रॉयटर्स के मुताबिक विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने बताया कि प्रशासन का इरादा ग्रीनलैंड पर हमला करने का नहीं है, बल्कि डेनमार्क से इसे खरीदने का है।

एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने रॉयटर्स से कहा कि विकल्पों में सीधे खरीद या ग्रीनलैंड के साथ विशेष समझौता शामिल है और अमेरिका ग्रीनलैंड के लोगों के साथ फायदेमंद रिश्ते बनाना चाहता है।

वहीं, ट्रम्प के वरिष्ठ सलाहकार स्टीफन मिलर ने सीएनएन को दिए इंटरव्यू में कहा कि अमेरिकी सरकार चाहती है कि ग्रीनलैंड अमेरिका का हिस्सा हो। साथ ही भविष्य में कोई भी देश ग्रीनलैंड को लेकर अमेरिका से नहीं उलझे।

ट्रम्प के पहले कार्यकाल में ग्रीनलैंड को लेकर ट्रम्प की इच्छा को मजाक समझा गया था। सीएनएन के मुताबिक, ग्रीनलैंड पर कंट्रोल की बात को राष्ट्रपति की बेफिजूल बकवास माना गया था।

पिछले साल, डोनाल्ड ट्रम्प जूनियर और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने ग्रीनलैंड की औपचारिक यात्रा की थी। इस समय भी अमेरिका की ट्रोलिंग की गई थी।

यूरोपीय नेताओं ने मंगलवार को कहा कि अब वे ट्रम्प की धमकियों को गंभीरता से ले रहे हैं। वेनेजुएला के राष्ट्रपति को अगवा करने के बाद ट्रम्प सरकार अब पूरे वेस्टर्न हेमिसफेयर को ट्रम्प का इलाका मानने लगी है।

पाकिस्तानी सैन्य अफसर का सड़क छाप बयान

प्रेस ब्रीफिंग में बोला– मजा न कराया तो पैसे वापस

इस्लामाबाद, 7 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान की सेना के प्रवक्ता और इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी की एक प्रेस ब्रीफिंग विवादों में आ गई है। ब्रीफिंग के दौरान सैन्य अफसर ने सड़क छाप भाषा का इस्तेमाल किया, जिससे अधिकारी की पेशेवर मर्यादा पर सवाल खड़े हो गए हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस में चौधरी ने भारत और अफगानिस्तान की ओर इशारा करते हुए तंज भरे लहजे में कहा- "मजा न कराया तो पैसे वापस"। अपने बयान में चौधरी ने कहा कि पाकिस्तान को 2026 तक हार्ड स्टेट बनना होगा। उन्होंने यह भी दावा किया कि भारत कभी पाकिस्तान के अस्तित्व को स्वीकार नहीं करेगा। चौधरी ने आगे कहा कि-दुश्मन ऊपर से आए या नीचे से, दाएं से या बाएं से, अकेले आए या साथ मिलकर, हर हाल में निपटा जाएगा।

सऊदी के हाथों यूएई की करारी हार

यमन में प्रिंस सलमान की बल्ले-बल्ले, सबसे बड़ा विरोधी देश छोड़कर भागा

दुबई, 7 जनवरी (एजेंसियां)। यमन के हूती विद्रोहियों के खिलाफ लड़ने वाली एक परिषद ने बुधवार को कहा कि उसने अलगाववादी आंदोलन के एक नेता ऐदारौस अल-जुबैदी को निष्कासित कर दिया है। हालांकि, कुछ रिपोर्टों में यह बताया गया है कि ऐदारौस अल-जुबैदी निष्कासन से पहले ही यमन छोड़कर भाग गए थे। परिषद ने हाल में वार्ता के लिए सऊदी अरब की यात्रा से इनकार करने के बाद अल-जुबैदी पर देशद्रोह के आरोप लगाए हैं।

सऊदी-यूएई तनाव का नतीजा

हूती विरोधी ताकतों के नियंत्रण वाली 'सबा' समाचार एजेंसी की ओर से जारी बयान के अनुसार, यह कदम सऊदी समर्थित बलों और संयुक्त अरब अमीरात द्वारा समर्थित सदर्न ट्रांजिशनल काउंसिल (एसटीसी) के बीच हालिया तनाव को दर्शाता है। एसटीसी नेता ऐदारौस अल-जुबैदी वर्तमान में कहां है, इस बारे में तत्काल कोई पता नतीं चल पाया है। एसटीसी ने 'प्रेसिडेंशियल लीडरशिप काउंसिल' के नाम से प्रसिद्ध हूती विरोधी नेतृत्व समूह के फैसले पर कोई टिप्पणी नहीं की है। यमन में सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन के प्रवक्ता मेजर जनरल तुर्की अल-मलकी के एक पहले के बयान में कहा गया था कि अल-जुबैदी को सऊदी अरब के लिए उड़ान भरनी थी, लेकिन वह परिषद के अन्य अधिकारियों के साथ विमान में सवार नहीं हुए। अल-मलकी ने कहा, ''वैध सरकार और गठबंधन को खुफिया जानकारी मिली थी कि अल-जुबैदी ने बख्तरबंद वाहनों, लड़ाकू वाहनों, भारी एवं हल्के हथियारों और गोला-बारूद सहित सेना के एक बड़े हिस्से को इकट्ठा किया है।'' उन्होंने बताया कि अल-जुबैदी ''किसी अज्ञात स्थान पर भाग गया है''। हाल के हफ्तों में सऊदी अरब ने एसटीसी के ठिकानों पर बमबारी की और कथित तौर पर अमीराती हथियारों की खेप पर हमला किया। सऊदी अरब के दबाव और हूती-विरोधी बलों द्वारा यमन से हटने की चेतावनी मिलने के बाद संयुक्त अरब अमीरात ने शनिवार को अपनी सेना वापस बुला ली।

हादी के दल ने पुलिस के आरोपों से इनकार किया

ढाका, 7 जनवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश में मारे गए छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी की पार्टी 'इंकलाब मंच' ने पुलिस के आरोप पत्र (चार्जशीट) को मानने से इनकार कर दिया है। पार्टी ने आरोप लगाया है कि इस हत्याकांड में केवल स्थानीय अपराधी ही नहीं, बल्कि सरकारी तंत्र भी शामिल है। बंगाली समाचार पत्र 'प्रथम आलो' के अनुसार, इंकलाब मंच ने चेतावनी दी है कि अगर न्याय सुनिश्चित नहीं किया गया, तो उन्हें हिंसक आंदोलन करना पडेग़ा।

ढाका महानगर पुलिस की अपराध शाखा ने मंगलवार को मुख्य संदिग्ध फैसल करीम मसूद सहित 17 लोगों के खिलाफ औपचारिक आरोप तय किए। पुलिस का कहना है कि हादी की हत्या अवामी लीग के वार्ड पार्षद तैजुल इस्लाम चौधरी बप्पी के कहने पर 'राजनीतिक प्रतिशोध' के चलते की गई थी। पुलिस के अनुसार, कथित शूटर मसूद सीधे तौर पर अवामी लीग की छात्र इकाई से जुड़ा था।

इंकलाब मंच के सदस्य सचिव अब्दुल्ला अल जाबेर ने पुलिस के दावे को हास्यास्पद बताया। उन्होंने कहा कि कोई विक्षिप्त व्यक्ति भी यह विश्वास नहीं करेगा कि हादी की हत्या केवल एक वार्ड पार्षद के निर्देशों पर हुई। उन्होंने दावा किया कि इस हत्या में एक पूरा आपराधिक गिरोह और सरकारी तंत्र शामिल था। जाबेर ने कहा, जब तक असली दोषियों को न्याय के कटघरे में नहीं लाया जाता तबतक हमारा संघर्ष नहीं रुकेगा।

बता दें कि जुलाई-अगस्त 2024 के विरोध प्रदर्शनों में प्रमुखता से उभरे 32 वर्षीय हादी को 12 दिसंबर को ढाका में चुनाव प्रचार के दौरान सिर में गोली मारी गई थी। उपचार के दौरान 18 दिसंबर को सिंगापुर में उनका निधन हो गया।

कोलंबिया के राष्ट्रपति की ट्रम्प को धमकी

कहा– हिम्मत है तो मुझे पकड़कर दिखाओ, कभी वेनेजुएला के राष्ट्रपति ने भी ऐसी धमकी दी थी

बोगोटा, 7 जनवरी (एजेंसियां)। वेनेजुएला में अमेरिका की सैन्य कार्रवाई के बाद वॉशिंगटन और लैटिन अमेरिका के देशों के रिश्तों में भारी तनाव पैदा हो गया है। कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो खुलकर अमेरिका के खिलाफ आ गए हैं।

सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक पेट्रो ने सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को सीधी चुनौती देते हुए कहा है कि अगर हिम्मत है तो उन्हें गिरफ्तार करके दिखाएं।

उन्होंने कहा कि वह कोलंबिया में ही मौजूद हैं और अमेरिका का इंतजार कर रहे हैं। पेट्रो के इस बयान ने पूरे लैटिन अमेरिका में सियासी हलचल तेज कर दी है। उन्होंने यह बयान वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को गिरफ्तार करने के बाद दिया।

गौरतलब है कि मादुरो भी अगस्त 2025 में डोनाल्ड ट्रम्प को इसी तरह की चुनौती दे चुके हैं। मादुरो ने कहा था कि अगर हिम्मत है तो अमेरिका आकर उन्हें गिरफ्तार करे। इसके जवाब में अमेरिका ने मादुरो की गिरफ्तारी पर घोषित इनाम की राशि और बढ़ा दी थी।

पेट्रो ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका ने कोलंबिया या उसके आसपास के इलाकों में सैन्य हमला किया तो इसके गंभीर नतीजे होंगे। पेट्रो के मुताबिक, अमेरिकी बमबारी की स्थिति में गांवों में रहने वाले किसान हथियार उठा सकते हैं और पहाड़ी इलाकों में जाकर गुरिल्ला लड़ाई शुरू हो सकती है, जिससे पूरा क्षेत्र अस्थिर हो जाएगा।

पेट्रो ने यह भी कहा कि अगर ऐसे राष्ट्रपति को गिरफ्तार करने की कोशिश की गई, जिसे देश की बड़ी आबादी पसंद करती है और सम्मान देती है, तो जनता का गुस्सा फूट सकता है।

गुस्तावो पेट्रो ने यह भी कहा कि वे खुद पहले गुरिल्ला आंदोलन का हिस्सा रह चुके हैं और उन्होंने 1990 के दशक में हथियार छोड़ दिए थे। उन्होंने कहा कि मैंने कसम खाई थी कि अब कभी बंदूक नहीं उठाएंगे, लेकिन अगर देश और मातृभूमि की रक्षा के लिए जरूरत पड़ी तो वे फिर से हथियार उठा सकते हैं।

इससे पहले ट्रम्प ने कोलंबिया पर गंभीर आरोप लगाए थे। रविवार को पत्रकारों से बात करते हुए ट्रम्प ने कहा था कि कोलंबिया एक बीमार देश है और वहां एक ऐसा शख्स शासन कर रहा है जो कोकीन बनाकर अमेरिका भेजता है।

ट्रम्प ने यह भी कहा कि यह राष्ट्रपति ज्यादा समय तक सत्ता में नहीं रहेगा। इतना ही नहीं, ट्रम्प ने यह बयान भी दिया कि कोलंबिया के खिलाफ सैन्य कार्रवाई करना उन्हें एक अच्छा विचार लगता है।

उत्तर और दक्षिण कोरिया के बीच खत्म होगी दशकों पुरानी दुश्मनी

इस देश ने चीन से मध्यस्थता का किया अनुरोध

शंघाई, 7 जनवरी (एजेंसियां)। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने बुधवार को कहा कि उन्होंने चीनी समकक्ष शी जिनपिंग से एक खास अनुरोध किया है। उन्होंने जिनपिंग से कहा कि वह उत्तर कोरिया के परमाणु संकट को हल करने में मदद करें। इसके साथ ही म्युंग ने चीन से यह भी कहा कि वह उत्तर और दक्षिण कोरिया के बीच शत्रुता को कम करने के लिए मध्यस्थ की भूमिका निभाए।

म्युंग ने कहा कि उन्होंने इसी सप्ताह दोनों नेताओं के बीच हुई शिखर बैठक के दौरान यह अनुरोध किया। चीन यात्रा के शंघाई चरण में अपने साथ यात्रा कर रहे पत्रकारों से बातचीत में म्युंग ने बताया कि सोमवार को बीजिंग में हुई शिखर बैठक के दौरान शी जिनपिंग ने उत्तर कोरिया से जुड़े मुद्दों पर धैर्य रखने की बात कही।

उन्होंने टेलीविजन पर दिए गए बयान में कहा, हम प्रयास कर रहे हैं, लेकिन उत्तर कोरिया के साथ हमारे (बातचीत के) सभी चैनल पूरी तरह बंद हैं, इसलिए हम बिल्कुल संवाद नहीं कर पा रहे हैं। मैंने उनसे कहा कि शांति के लिए चीन की मध्यस्थ की भूमिका अहम होगी। उन्होंने कहा, राष्ट्रपति शी ने हमारे प्रयासों की सराहना की और कहा कि हमें धैर्य रखना चाहिए।

चीन उत्तर कोरिया का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार और प्रमुख रणनीतिक समर्थक है। दक्षिण कोरिया और अमेरिका कई बार चीन से कहते रहे हैं कि वह अपने खास प्रभाव का इस्तेमाल कर लंबे समय से ठप पड़ी कूटनीति फिर से शुरू करने या परमाणु निरस्त्रीकरण के लिए उत्तर कोरिया को राजी करे।

भारत को चाहिए 1500 पैसेंजर विमान, रूस बढ़ा चुका हाथ

फ्रांस का चाहिए साथ, दोस्त के लिए साथ आएंगे दोनों दुश्मन?

नई दिल्ली/मॉस्को/पेरिस, 7 जनवरी (एजेंसियां)। भारत का एविएशन इंडस्ट्री काफी तेजी से आगे बढ़ रहा है और अगले 10 सालों में भारत को कम से कम 1500 से ज्यादा पैसेंजर एयरक्राफ्ट की जरूरत है। भारत में इंडिगो और एयर इंडिया सबसे बड़े मार्केट लीडर हैं। इन दोनों की भारतीय बाजार में 90 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी है। इन दोनों कंपनियों ने अगले 10 सालों में 1500 पैसेंजर प्लेन का ऑर्डर दिया है, जिससे पता चलता है कि भारत के घरेलू एविएशन मार्केट में कितना ज्यादा विस्तार होने वाला है। लेकिन ये सबकुछ अमेरिकी कंपनी बोइंग और एयरबस पर निर्भर करता है, जो दुनिया में 86 प्रतिशत पैसेंजर विमानों का निर्माण करते हैं। लेकिन 2024 के बाद ये डिमांड के मुताबिक सप्लाई नहीं कर पा रहे हैं। इसका असर भारतीय बाजार पर भी पड़ने की आशंका है। इसीलिए सवाल फिर से उठ रहे हैं कि क्या भारत को खुद पैसेंजर विमान बनाने की जरूरत है और क्या ऐसी कोशिश करनी चाहिए? इसकी संभावना इसलिए फिर से बन गई है, क्योंकि पिछले साल अक्टूबर में भारत ने रूस के साथ एसजे-100 पैसेंजर प्लेन को भारत में बनाने के लिए एक शुरुआती समझौता किया था, जिससे घरेलू एयरक्राफ्ट प्रोडक्शन की उम्मीदें काफी बढ़ गई हैं। लेकिन क्या रूस के साथ डील कोई समाधान है? क्या भारत रूस के साथ ज्वाइंट मैन्युफैक्चरिंग प्लान को पूरा कर पाएगा या कई तरह की मुश्किलें आ सकती हैं? आइये समझते हैं।

आपको बता दें कि भारत ने रूस के साथ जिस एसजे-100 पैसेंजर विमान का सौदा किया है, वो एक डबल इंजन विमान है। इसकी क्षमता 103 पैसेंजर्स की होती है और इसे रूसी कंपनी यूनाइटेड एयरक्राफ्ट कॉर्पोरेशन (यूएसी) बनाती है। रूस की कई एयरलाइंस कंपनियां इस विमान का पहले से ही इस्तेमाल कर रही हैं। दिल्ली इस विमान को भारतीय एविएशन इंडस्ट्री के लिए गेमचेंजर मान रही है। लेकिन रिपोर्ट के मुताबिक एक्सपर्ट्स ने विमान की लागत और उसके बाद उससे होने वाली कमाई के बीच अंतर बताते हुए, प्रोजेक्ट की व्यवहार्यता पर सवाल उठाए हैं। हालांकि अभी भी कई बातें साफ नहीं हैं, लेकिन सबसे बड़ी चिंता ये है कि क्या रूसी कंपनी, भारत में तेजी से प्रोडक्शन शुरू कर सकती है?

क्यों अमेरिका और यूरोप के प्रतिबंधों की वजह से रूस पहले ही कई मोर्चों पर जूझ रहा है।

पाक के कबाड़ हथियार के भरोसे बांग्लादेश

खरीदेगी जेएफ-17 थंडर फाइटर जेट, ऑपरेशन सिंदूर में हुआ था फुस्स

लाहौर, 7 जनवरी (एजेंसियां)। राजनीतिक उथल-पुथल और अशांति से जूझ रहा बांग्लादेश अब पाकिस्तानी की तरफ ज्यादा झुकाव दिखा रहा है। एक तरफ जहां न सरकार और न सेना देश को संभल पा रही है। तो दूसरी तरफ कट्टरपंथियों ने देश में आतंक मचा रखा है। देश के अंदर चल रहे आतंरिक असंतोष के बीच बांग्लादेश अब पाकिस्तान के साथ अपनी नजदीकियां बढ़ा रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक बांग्लादेश ने पाकिस्तान के फाइटर जेट जेएफ-17 थंडर फाइटर जेट को खरीदने में रूचि दिखाई है।

पाकिस्तानी सेना ने एक बयान में बताया कि बांग्लादेश ने पाकिस्तान से जेएफ-17 थंडर फाइटर एयरक्राफ्ट खरीदने में रुचि दिखाई है। एक दिन पहले मंगलवार को इस्लामाबाद में बांग्लादेश वायुसेना के एयर चीफ मार्शल हसन महमूद खान और

पाकिस्तान एयर फोर्स (पीएएफ) के एयर चीफ मार्शल जहीर अहमद बाबर सिद्धू के बीच बैठक हुई, जहां इस सौदे पर चर्चा की गई। बैठक को लेकर दावा किया गया है कि इसमें जेएफ-17 थंडर एयरक्राफ्ट की संभावित खरीद पर विस्तार से चर्चा की गई।

पाकिस्तान सेना के मीडिया विंग इंटर सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने एक बयान में कहा, 'बैठक में ऑपरेशनल सहयोग और संस्थागत तालमेल को मजबूत करने पर ध्यान दिया गया, जिसमें ट्रेनिंग, क्षमता निर्माण और एयरोस्पेस प्रगति में सहयोग पर जोर दिया गया।' इसमें कहा गया कि जेएफ-17 थंडर एयरक्राफ्ट की संभावित खरीद पर भी विस्तार से चर्चा हुई। पाकिस्तानी बयान में दावा किया गया है कि इस फाइटर जेट ने भारत के साथ हाल के टकराव के दौरान अपनी युद्ध क्षमताओं को साबित किया है।

बता दें कि जेएफ-17 चौथी पीढ़ी का एक हल्का, सिंगल-इंजन वाला मल्टीरोल लड़ाकू विमान है, जिसे इसे चीन के साथ पाकिस्तान ने तैयार किया है। हाल ही में जेएफ-17 ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चर्चाओं में आया था। पाकिस्तान ने दावा किया था कि पिछले साल मई 2025 में भारत-पाक संघर्ष के दौरान उसने इसी फाइटर जेट से भारत के 6 लड़ाकू विमानों को मार गिराया है। हालांकि भारत ने पाकिस्तान के इस दुष्प्रचार की पोल खोल दी थी, लेकिन पाकिस्तान की आदत से पूरी दुनिया वाकिफ है।

गाजा में सेना तैनात करने से पहले असीम मुनीर हमास संग बना रहे आतंकियों का नया गठबंधन, निशाने पर भारत

इस्लामाबाद, 7 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने गाजा में सैनिकों की तैनाती से पहले हमास के साथ नया आतंकी गठबंधन बना लिया है। इसके तहत हमास के एक शीर्ष आतंकी को पाकिस्तान बुलाया गया है। इस आतंकी ने लश्कर-ए-तैयबा के गुजरांवाला हेडक्वार्टर का दौरा किया है और एक मीटिंग को भी संबोधित किया है। इस घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें हमास आतंकी नाजी जहीर को गुजरांवाला में लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी कैंप में चीफ गेस्ट बनकर पहुंचते हुए देखा जा सकता है। यह घटना तब सामने आई है, जब पाकिस्तान गाजा में अंतरराष्ट्रीय शांति सेना में अपने सैनिकों को तैनात करने की तैयारी कर रहा है। असीम मुनीर ने इसके लिए बड़ी प्लानिंग भी की हुई है।

रिपोर्ट के अनुसार, हमास आतंकी नाजी जहीर ने गुजरांवाला में लश्कर-ए-तैयबा के कमांडर राशिद अली संधू से मुलाकात की। इसे दोनों आतंकी संगठनों के बीच नए सिरे से जुड़ाव के तौर पर देखा जा रहा है। वीडियो में हमास नेता नाजी जहीर को उस बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। इस कार्यक्रम की मेजबानी पाकिस्तान मिल्ली मुस्लिम लीग द्वारा की गई थी। पीएमएमएल लश्कर-ए-तैयबा का प्रॉक्सी है, जिसका इस्तेमाल अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों से बचने के लिए किया जाता है।

नाजी जहीर वही हमास नेता हैं, जिसने पहलगाम आतंकी हमले से कुछ हफ्ते पहले पिछले साल फरवरी में पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर का दौरा किया था। जनवरी 2024 में जहीर ने कराची का दौरा किया। अप्रैल 2024 में, उसने इस्लामाबाद की यात्रा की और अक्टूबर 2023 में इजरायल पर हमले के ठीक एक हफ्ते बाद, उसने पाकिस्तान का दौरा किया और खैबर पख्तूनख्वा में देश की सबसे बड़ी इस्लामी राजनीतिक पार्टी जमात उलेमा-ए-इस्लाम के प्रमुख मौलाना फजलुर्रहमान से मुलाकात की। बाद में उसने इस्लाम हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के साथ भी एक मीटिंग की, जहां उसका सम्मान किया गया।

हमास एक खूंखार आतंकी संगठन है, जिसका उद्देश्य इजरायल का नाश है।

वेनेजुएला से 5 करोड़ बैरल तेल लेंगे ट्रम्प

कहा– कमाई पर भी मेरा कंट्रोल रहेगा, इससे दोनों देशों को फायदा होगा

वॉशिंगटन, 7 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि वेनेजुएला की अंतरिम राष्ट्रपति अमेरिका को 3 से 5 करोड़ बैरल प्रतिबंधित तेल सौंपेगी। ट्रम्प ने बताया कि यह तेल बाजार भाव पर बेचा जाएगा। इससे मिलने वाली रकम पर ट्रम्प का कंट्रोल रहेगा।

5 करोड़ बैरल कच्चे तेल की कीमत वर्तमान में करीब 25 हजार करोड़ रुपए है। अमेरिकी राष्ट्रपति के मुताबिक इसका इस्तेमाल वेनेजुएला और अमेरिका के लोगों के हित में किया जाएगा।

ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि उन्होंने ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट को इस योजना को तुरंत लागू करने के निर्देश दिए हैं। तेल को स्टोरेज जहाजों के जरिए सीधे अमेरिका के बंदरगाहों तक लाया जाएगा। गौरतलब है कि 2 जनवरी को अमेरिका ने वेनेजुएला पर सैन्य कार्रवाई की थी।

इस कार्रवाई में राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सीलिया फ्लोरेस को गिरफ्तार कर अमेरिका लाया गया।

इसके बाद ट्रम्प ने वहां उपराष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज को अंतरिम राष्ट्रपति बनाने के लिए समर्थन दिया था। मादुरो की गिरफ्तारी के बाद ट्रम्प ने कहा कि अमेरिकी तेल कंपनियां वेनेजुएला के खराब हो चुके तेल ढांचे को ठीक करने के लिए अरबों डॉलर का निवेश करेंगी।

मलयेशिया के पूर्व पीएम महाथिर की मौत की अफवाह

बेटी ने किया खारिज, इस चोट से उबर रहे

कुआलालंपुर, 7 जनवरी (एजेंसियां)। मलयेशिया के 100 वर्षीय पूर्व प्रधानमंत्री महाथिर मोहम्मद दाहिनी कूल्हे की हड्डी टूटने से उबर रहे हैं। इस बारे में उनकी बेटी ने कहा कि यह गंभीर है, लेकिन जानलेवा नहीं है। महाथिर मंगलवार को अपने घर पर गिरने के बाद नेशनल हार्ट इंस्टीट्यूट में भर्ती कराए गए। उनके कार्यालय ने बताया कि उन्हें अगले कुछ हफ्तों तक निगरानी और उपचार के लिए अस्पताल में रखा जाएगा।

उनकी बेटी मरीना महाथिर ने बुधवार को बताया, "कूल्हे में फ्रैक्चर है। हमें इसके ठीक होने का इंतजार करना होगा, जिसमें उनकी उम्र के कारण समय लगेगा। कूल्हे में फ्रैक्चर होने पर उनकी हालत उतनी ही ठीक है जितनी किसी और की हो सकती है।" इसके साथ ही उन्होंने अपने पिता की मृत्यु की अफवाहों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, यह किसी भी व्यक्ति में गंभीर हो सकता है, खासकर 100 साल के बुजुर्ग में, लेकिन यह जानलेवा नहीं है। महाथिर के बेटे मुखरिज के अनुसार, 100 वर्षीय बुजुर्ग व्यक्ति सुबह की सामान्य कसरत, तेज चलने के दौरान गिर गए। उन्होंने आगे कहा कि डॉक्टरों ने उनकी उम्र के कारण सर्जरी से इनकार कर दिया है। इसलिए उनके ठीक होने में अधिक समय लग सकता है।महाथिर ने 1981 से 2003 तक और फिर 2018 से 2020 तक प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया। अपने दूसरे कार्यकाल के दौरान वह दुनिया के सबसे उम्रदराज राष्ट्राध्यक्ष बन गए।

हालांकि वह मुख्यधारा की राजनीति से दूर हो गए हैं, फिर भी वह सार्वजनिक रूप से राजनीतिक घटनाक्रमों पर टिप्पणी करते रहते हैं। यह घटना पूर्व नेता के लिए हाल के वर्षों में स्वास्थ्य संबंधी कई परेशानियों की कड़ी में एक और कड़ी जोड़ती है, जिन्हें पहले भी कई बार ऐसी अन्य बीमारियों के लिए अस्पताल में भर्ती कराया जा चुका है जो गंभीर नहीं थीं। महाथिर को हृदय रोग से पीड़ित रहे हैं। उनकी दो बाईपास सर्जरी हुई हैं। पहली 1989 में दिल का दौरा पड़ने के बाद और फिर 2007 में चौगुनी बाईपास सर्जरी। वह जुलाई में 100 वर्ष के हो गए और उन्होंने कहा कि मानसिक और शारीरिक रूप से सक्रिय रहना ही उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

कांग्रेस ने भाजपा पर दोहरा मापदंड अपनाने का लगाया आरोप
सांसदों के फंड खर्च पर सियासी टकराव तेज

जयपुर, 7 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस और भाजपा के बीच सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास निधि (एमपी-लैड) को लेकर सियासी टकराव तेज हो गया है। भाजपा द्वारा तीन कांग्रेस सांसदों पर हरियाणा की एक विधानसभा सीट में कथित तौर पर एमपी-लैड फंड खर्च करने का आरोप लगाए जाने के एक दिन बाद कांग्रेस ने पलटवार किया है। कांग्रेस ने भाजपा पर दोहरा मापदंड अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि खुद भाजपा के कई सांसद भी अपने क्षेत्र से बाहर एमपी-लैड फंड खर्च कर चुके हैं।

राजस्थान कांग्रेस के महासचिव आरसी चौधरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भाजपा और उसके आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय को घेरते हुए सवाल उठाया कि क्या नैतिकता और नियम सिर्फ कांग्रेस पर ही लागू होते हैं। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष से पूछा कि यदि अपने क्षेत्र से बाहर जनकल्याण के लिए फंड देना 'लूट' है, तो वही काम करने वाले भाजपा सांसदों पर कार्रवाई क्यों नहीं होती।

'क्या यह सरकार की आर्थिक स्थिति पर सवाल नहीं उठाता'

चौधरी ने आठ भाजपा सांसदों की सूची साझा की, जिनमें राजस्थान के तीन सांसद भी शामिल हैं। सूची के अनुसार, इन सांसदों ने उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश और गुजरात जैसे राज्यों में अपने एमपी-लैड फंड से काम कराए हैं। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में भी दूसरे सांसदों को फंड देना पड़ रहा है, तो क्या यह सरकार की आर्थिक स्थिति पर सवाल नहीं उठाता।

दरअसल, भाजपा आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने कांग्रेस सांसद राहुल कस्वां (चूरू), बृजेंद्र सिंह ओला (झुंझुनूं) और संजना जाटव (भरतपुर) पर आरोप लगाया था कि उन्होंने हरियाणा के कैथल विधानसभा क्षेत्र में एमपी-लैड फंड जारी किया, जो कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला के बेटे की सीट है। मालवीय ने इसे भाई-भतीजावाद और सार्वजनिक धन की खुली लूट बताया था।

राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित

इस मामले में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने भी कांग्रेस सांसदों पर जांच की मांग की है। वहीं कांग्रेस का कहना है कि एमपी-लैड योजना के दिशा-निर्देशों के तहत सांसदों को अपने क्षेत्र से बाहर भी सीमित राशि खर्च करने की अनुमति है, इसलिए इसे भ्रष्टाचार बताना गलत और राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित है।

पेयजल संकट पर फूटा गुस्सा : बाड़मेर के पीएचईडी दफ्तर में धरने पर बैठे रविंद्र सिंह भाटी

बाड़मेर, 7 जनवरी (एजेंसियां)। बाड़मेर जिले की हरसानी उप तहसील में पेयजल संकट और जल जीवन मिशन के तहत बिछाई गई पाइपलाइन में गंभीर अनियमितताएं सामने आने के बाद शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। विधायक भाटी ने बुधवार को जमीन पर बैठकर पानी की समस्या के निवारण के लिए सत्याग्रह शुरू किया।

शिव विधानसभा क्षेत्र के विधायक रविंद्र सिंह भाटी दोपहर बाद बाड़मेर में अतिरिक्त मुख्य अभियंता कार्यालय में धरने पर बैठ गए। विधायक के साथ बड़ी संख्या में ग्रामीण भी मौजूद रहे। विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने आरोप लगाया कि जेजेएम परियोजना में भारी स्तर पर अनियमितताएं बरती गई हैं। कई गांवों में पाइपलाइन अधूरी पड़ी है, कहीं टंकियां बनी ही नहीं

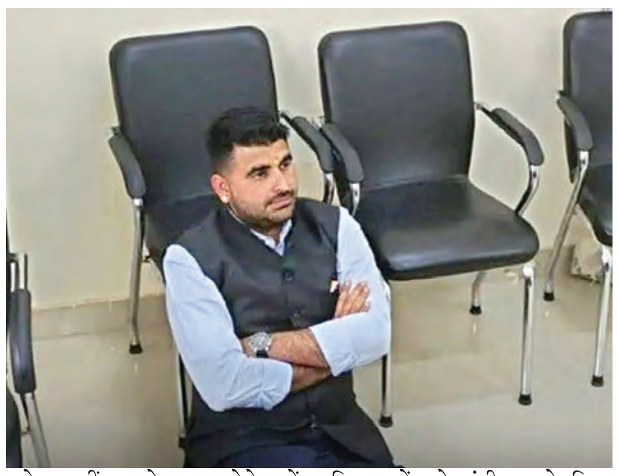

तो कहीं कनेक्शन देने में लापरवाही की गई।

विधायक ने दी आंदोलन को और तेज करने की चेतावनी

विधायक ने कहा कि इन अनियमितताओं को लेकर पूर्व में भी कई बार विभाग को पत्र लिखकर अवगत कराया, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों ने न तो शिकायतों को गंभीरता से लिया और न ही मौके पर जाकर स्थिति का जायजा लिया। विधायक भाटी ने कहा कि पेयजल समस्या का ठोस समाधान और दोषियों पर कार्रवाई नहीं होने तक आंदोलन जारी रहेगा। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि यदि विभाग ने जल्द कार्रवाई नहीं की तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

बंद का दिखा व्यापक असर

धरने के साथ ही आज हरसानी उप-तहसील क्षेत्र में ग्रामीणों की ओर पूर्ण बंद का आह्वान किया गया है। बंद का व्यापक असर देखने को मिला। हालांकि आवश्यक सेवाओं, आपातकालीन व चिकित्सकीय सेवाओं को बंद से अलग रखा गया। ग्रामीणों का कहना है कि जल जीवन मिशन के तहत करोड़ों रुपए खर्च होने के बावजूद आज भी उन्हें शुद्ध पेयजल उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि जल जीवन मिशन के तहत स्वीकृत लेआउट का उल्लंघन करते हुए पाइपलाइन बिछाई गई है। कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं हुआ, मार्ग में मनमानी की गई और सरकारी धन का दुरुपयोग किया गया।

एथेनॉल फैक्ट्री आंदोलन की आग तेज
किसानों की सरकार को चेतावनी, अलर्ट मोड पर प्रशासन

हनुमानगढ़, 7 जनवरी (एजेंसियां)। जिले के टिब्बी क्षेत्र में चल रहे किसान आंदोलन को लेकर किसान नेताओं ने एक बार फिर सरकार और प्रशासन को स्पष्ट संदेश दिया है कि यह संघर्ष केवल किसी एक फैक्ट्री के विरोध तक सीमित नहीं है, बल्कि यह खेती, जमीन और किसानों के भविष्य की लड़ाई है। बुधवार को संगरिया स्थित धानमंडी में आयोजित किसानों की महापंचायत में वक्ताओं ने हनुमानगढ़ जिले के किसानों की एकजुटता की सराहना की। किसान नेताओं ने धारा 163 लागू होने के बावजूद तीसरी बार सफल आयोजन करने पर किसानों को बधाई दी। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि किसी भी किसान को डराने या दबाने की कोशिश की गई तो पूरा हनुमानगढ़ जिला एकजुट होकर विरोध करेगा। यह भी स्पष्ट किया गया कि चाहे

किसान हनुमानगढ़ का हो, संगरिया का या टिब्बी का, सभी किसान एक साथ खड़े हैं। इस एकजुटता के लिए जिले के किसानों और आंदोलन में सहयोग करने वाले सभी लोगों का आभार व्यक्त किया गया। सभा में वक्ताओं ने सरकार की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए। आरोप लगाया गया कि टिब्बी क्षेत्र में शांतिपूर्ण आंदोलन को रोकने के लिए प्रशासनिक दबाव बनाया गया और किसानों को हिरासत में लिया गया। इसके विरोध में पूरे जिले के किसानों ने अपनी नाराजगी जाहिर की और आंदोलन को और तेज किया। वक्ताओं ने सरकार के मंत्रियों के हालिया बयानों का हवाला देते हुए कहा कि किसानों की सहमति के बिना फैसले थोपे जा रहे हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि एमओयू लगातार आगे बढ़ाए जा रहे हैं, जबकि किसानों और जनप्रतिनिधियों को अपनी बात रखने का अवसर नहीं दिया जा रहा। किसान नेताओं ने दो टूक कहा कि जब तक किसानों की मांगों को गंभीरता से नहीं सुना जाएगा, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। किसी भी स्तर पर खेती और किसानी के हितों से खिलवाड़ कर समझौता नहीं किया जाएगा।

किसान नेता जगतार सिंह उग्राहां, मनजीत धनेर, जोगेन्द्र उग्राहां, बलवान पुनियां, मंगेज चौधरी, रेशम सिंह मानुका, भाना सिद्धू, जगजीत सिंह जग्गी, सुभाष गोदारा मक्कासर, रंजीत राजु, अशोक चौधरी, ओम जांगू, मनदीप मान, रघुवीर वर्मा, रामेश्वर वर्मा, राष्ट्रीय किसान संगठन के प्रदेश अध्यक्ष जसवीर भाटी सहित कई नेता आंदोलन में प्रमुख रूप से शामिल रहे। फैक्ट्री का एमओयू रद्द करने तथा किसानों के खिलाफ दर्ज मामलों को वापस लेने की मांग को लेकर किसान आंदोलन कर रहे हैं।

सभा में किसान नेताओं ने कहा कि एथेनॉल फैक्टरी से क्षेत्र की खेती, भूजल और पर्यावरण पर गंभीर प्रभाव पड़ने की आशंका है। आरोप लगाया गया कि बिना किसानों की सहमति के ऐसे उद्योग लगाए जा रहे हैं, जिसे किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किया जाएगा। वक्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं किया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

किसानों की महापंचायत को देखते हुए संगरिया में प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर रहा। शहर के प्रमुख मार्गों पर पुलिस बल तैनात किया गया। कई स्थानों पर बैरिकेडिंग की गई। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए निषेधाज्ञा लागू की गई। एहतियात के तौर पर इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गईं।

केंद्रीय मंत्री गडकरी से मिले सीएम भजनलाल
जयपुर नॉर्दर्न रिंग रोड और अमृतसर-जामनगर कॉरिडोर को लेकर हुई चर्चा

जयपुर, 7 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नई दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की।

इस दौरान दोनों नेताओं के बीच जयपुर की उत्तरी रिंग रोड और जयपुर से अमृतसर व जामनगर कॉरिडोर को लेकर विस्तृत चर्चा हुई।

दिल्ली में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात के दौरान सीएम भजनलाल शर्मा ने जयपुर की उत्तरी रिंग रोड और जयपुर से अमृतसर व जामनगर कॉरिडोर के क्रियान्वयन पर गहन चर्चा की। साथ ही राजस्थान में विभिन्न राजमार्ग परियोजनाओं की प्रगति के संबंध में भी विस्तृत समीक्षा की।

भिवाड़ी में जल भराव की समस्या पर भी चर्चा

इस दौरान भिवाड़ी में जल भराव की समस्या के समाधान पर विस्तृत चर्चा की गई। इस संबंध में बताया गया कि जल भराव की समस्या के समाधान के दृष्टिगत सीईटीपी का निर्माण हो चुका है। वहीं, शीघ्र एसटीपी का निर्माण भी किया जाएगा। बैठक में केंद्रीय भूपेंद्र यादव, जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत सहित कई अधिकारी मौजूद रहे।

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री से यमुना जल समझौते पर चर्चा

इधर, सीएम भजनलाल शर्मा और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल के आवास पर मुलाकात की।

इस दौरान यमुना जल समझौते के अंतर्गत जल प्रबंधन और अग्रिम कार्य योजना, पेयजल सहित विभिन्न परियोजनाओं पर सार्थक चर्चा हुई।

आरपीएससी सदस्य संगीता आर्य का इस्तीफा 39 दिन बाद मंजूर

अजमेर, 7 जनवरी (एजेंसियां)। राज्यपाल ने संगीता आर्य का आरपीएससी सदस्य पद से दिया गया इस्तीफा 39 दिन बाद स्वीकार कर लिया है। करीब एक माह पहले संगीता आर्य ने आरपीएससी सदस्य के पद से इस्तीफा दे दिया था। इधर, आरपीएससी की वेबसाइट से मंगलवार देर रात तक डॉ. संगीता आर्य का फोटो-विवरण हटा लिया गया।

संगीता का आरपीएससी सदस्य के रूप में अक्टूबर, 2026 तक का कार्यकाल था, लेकिन कार्यकाल पूरा होने से एक साल पहले ही उन्होंने अपना इस्तीफा राज्यपाल को भेज दिया। आरपीएससी की ओर से आयोजित कई भर्ती परीक्षाओं में धांधली के प्रकरण सामने आए थे।

गड़बड़ियों के मामले की जांच के लिए एसीबी ने संगीता से पूछताछ भी की थी। एसीबी को ईओ-आरओ भर्ती 2022 में अभ्यर्थी की ओएमआर शीट बदलवा कर पास कराने के नाम पर राशि लेने की शिकायत मिली थी। सब इंस्पेक्टर भर्ती मामले में हाईकोर्ट ने आरपीएससी सदस्यों पर कड़ी टिप्पणी भी की थी।

गहलोत सरकार की सिफारिश पर बनी थीं सदस्य

संगीता आर्य को अक्टूबर 2020 में तत्कालीन सीएम अशोक गहलोत की सिफारिश पर आरपीएससी सदस्य नियुक्त किया गया था। उनका कार्यकाल 2026 में खत्म होने वाला था, लेकिन एक साल पहले ही पद छोड़ना पड़ा। बता दें कि संगीता आर्य 2013 में कांग्रेस के टिकट पर सोजत विधानसभा सीट से चुनाव लड़ चुकी हैं। हालांकि, उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। संगीता आर्य पूर्व मुख्य सचिव निरंजन आर्य की पत्नी हैं।

डॉ. संगीता आर्य का नाम हटने के बाद राजस्थान लोक सेवा आयोग की वेबसाइट पर कुल 7 सदस्यों के नाम रह गए हैं। इनमें बाबूलाल कटारा के नाम के आगे निलंबित लिखा है। अब सरकार को डॉ. आर्य के रिक्त पद के साथ

9 से 11 जनवरी तक होगा ऊंट उत्सव
देश-विदेश से आएंगे लोग

बीकानेर, 7 जनवरी (एजेंसियां)। इस बार 9 से 11 जनवरी तक आयोजित होने वाला अंतरराष्ट्रीय ऊंट उत्सव बीकानेर में रंग-बिरंगे आयोजनों से सजा होगा। पर्यटन विभाग के संयुक्त निदेशक अनिल राठौड़ के अनुसार इस बार ऊंट उत्सव में वन विभाग के सहयोग से 10 जनवरी को बर्ड फेस्टिवल का आयोजन भी किया जाएगा। इस फेस्टिवल में जुड़बीड़ और लव कुश वाटिका में बर्ड वॉचिंग और नेचर वॉक के कार्यक्रम होंगे जहां आपको गिद्ध, शिकारी पक्षी और कई अन्य जीवों को देखे का मौका मिलेगा। हरियाली, कला और विरासत के संगम के साथ ऊंट उत्सव की शुरुआत होगी। 9 जनवरी को शुरू होने वाला तीन दिवसीय ऊंट उत्सव बीकानेर में सांस्कृतिक धरोहर के रूप में मनाया जाएगा। इस दौरान शहरभर में उत्सव के प्रचार के लिए पीले चावल बांटे जाएंगे। साथ ही, हमारी विरासत कार्यक्रम के तहत हेरिटेज वॉक का आयोजन भी होगा। इसके अलावा, बीकानेरी फूड फेस्टिवल, कला प्रदर्शनी और मिस्टर बीकाणा, मिस मरवण शो जैसी आकर्षक प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाएंगी। ऊंटो का अद्भुत करतब और डांस देखने सैलानी बड़ी संख्या में हर साल बीकानेर आते है। हर कोई इस खास लम्हे को अपने कैमरों में कैद जरूर करता है। इतना ही नहीं फर्र कटिंग कला और ऊंटों का अनूठा श्रृंगार भी अपने आप में खास होता है। हर साल जनवरी में होने वाला ऊंट उत्सव राजस्थानी फर्र कटिंग कला को जीवित रखे हुए है। ऊंट के शरीर पर बालों को बारीकी से कटिंग कर राजस्थानी मांडने और संस्कृति को इसके माध्यम से उकेरा जाता है। इस दौरान ऊंटों पर त्वरित मुद्दों के अलावा पर्यावरण बचाओं जैसे संदेश भी दिए जाते है।

एनसीआर के पॉल्यूशन पर सीएम भजनलाल घिरे, इन चार ठिकानों पर फूटा ठीकरा

जयपुर, 7 जनवरी (एजेंसियां)।, दिल्ली-एनसीआर में लगातार बढ़ते वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए केंद्र सरकार अब राज्यों को निर्देश दे रही है। इसी क्रम में राजस्थान की भजनलाल शर्मा सरकार को अलवर, भिवाड़ी, नीमराना और भरतपुर के संबंध में निर्देश दिए हैं।

दिल्ली- एनसीआर में बढ़ रहे प्रदूषण के स्तर को कम करने के लिए भारत सरकार लगातार प्रयास में जुटी है। इसी क्रम में केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने हाल ही राजस्थान और पंजाब प्रदेश के पॉल्यूशन कंट्रोल से जुड़ी उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक ली। पॉल्यूशन कंट्रोल पर ये उनकी पांचवी बैठक है। इस दौरान उन्होंने दोनों राज्यों को निर्देश दिए कि वे दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण से निपटने के लिए सख्ती से कदम उठाए।

राजस्थान के इन शहरों को लेकर समीक्षा

समीक्षा बैठक के दौरान भूपेंद्र यादव ने राजस्थान की प्लानिंग पर चर्चा की। उन्होंने इस दौरान अलवर, भिवाड़ी, नीमराना और भरतपुर में सार्वजनिक परिवहन की कमी को रेखांकित किया। निश्चित समय-सीमा के साथ इलेक्ट्रिक बसों की प्राथमिकता से खरीद करने के निर्देश दिए। उन्होंने राज्यों को निर्देश दिया कि वे प्लान और टारगेट तय कर ले। हर विभाग को साफ-साफ जिम्मेदारी दी जाए कि उसे क्या करना है। परिवहन, उद्योग, कृषि, निर्माण क्षेत्रवार योजनाएं (सेक्टर-वाइज) तैयार करें। उन्होंने कहा कि अगर योजनाएं लगभग आठ महीने पहले ही बना ली जाए, ताकि अगली प्रदूषण की ऋतु (सीज़न) आने तक दृश्यमान सुधार दिखाई देने लगे।

केंद्रीय मंत्री ने दिए ये निर्देश

केंद्रीय मंत्री ने बसों के खरीद के साथ इसके चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के तेजी से विस्तार के भी निर्देश दिए। साथ ही भिवाड़ी और नीमराना में हाईवे पर अव्यवस्थित ट्रक पार्किंग पर कार्रवाई करने को लेकर चर्चा हुई। साथ ही शहर के ट्रैफिक जाम और सड़क पुनर्विकास योजनाओं जैसे पहलूओं पर भी ध्यान देने पर निगरानी बढ़ाने के लिए कहा। पंजाब की समीक्षा में मंत्री ने पराली प्रबंधन मशीनों के प्रभावी उपयोग, पराली के पैलेटाइजेशन और बिजली संयंत्रों व ईंट-भट्टों में उसके उपयोग पर बल दिया।

पुलिस ने किया 2.58 करोड़ के कॉपर चोरी का खुलासा
3 आरोपी गिरफ्तार

कोटपूतली-बहरोड़, 7 जनवरी (एजेंसियां)। कोटपूतली-बहरोड़ जिले में 4 जनवरी 2026 की सुबह जब एक ट्रक खाली हालत में प्रागपुरा के पास खड़ा मिला, तब किसी को अंदाजा नहीं था कि यह मामला जिले की अब तक की सबसे बड़ी कॉपर चोरी में शामिल है। ट्रक में भरा 2 करोड़ 58 लाख 12 हजार 500 रुपये मूल्य का कॉपर रहस्यमय तरीके से गायब था और चालक भी लापता था।

परिवादी राजेश सिंह के मोबाइल पर टोल प्लाजा के मैसेज आए, लेकिन इसके बाद चालक अनिल सिंह शेखावत का फोन बंद हो गया। संदेह गहराया तो तलाश शुरू हुई। ट्रक प्रागपुरा क्षेत्र में ममता होटल से पहले खड़ा मिला, लेकिन उसमें माल नहीं था। होटल के गार्ड ने बताया कि रात करीब डेढ़ से दो बजे के बीच एक सफेद कार आई और चालक उसी में बैठकर चला गया। यहीं से कहानी ने अपराध का रूप ले लिया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र कुमार विश्नोई ने तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नाजिम अली खान के सुपरविजन और वृत्ताधिकारी विराटनगर उमेश निठारवाल के निर्देशन में थानाधिकारी प्रागपुरा मजनाराम के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। पुलिस के सामने चुनौती थी कम समय में सुराग ढूंढना और करोड़ों के माल को सुरक्षित बरामद करना।

टीम ने तकनीकी जांच, टोल प्लाजा डाटा और करीब 150 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू की। ट्रक की हर मूवमेंट को जोड़ा गया, रास्तों को रिवाइंड किया गया और संदिग्ध वाहनों की पहचान की गई। आखिरकार पुलिस की मेहनत रंग लाई।

भीषण सड़क हादसा: सोलर कंपनी के कर्मचारियों से भरी बस पलटी, तीन दर्जन से अधिक घायल

अजमेर, 7 जनवरी (एजेंसियां)। अजमेर जिले के किशनगढ़ शहर थाना क्षेत्र के बड़गांव चौराहे पर बुधवार सुबह एक भीषण सड़क हादसा हो गया। पाटन क्षेत्र स्थित सोलर प्लांट के कर्मचारियों से भरी एक बस हाईवे पर पलट गई। हादसे में बस में सवार तीन दर्जन से अधिक कर्मचारी घायल हो गए, जिनमें से पांच की हालत गंभीर बताई जा रही है। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी और चीख-पुकार मच गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सोलर कंपनी की यह बस नाइट शिफ्ट समाप्त होने के बाद कर्मचारियों को लेकर घर की ओर जा रही थी। बड़गांव चौराहे पर बस जैसे ही यू-टर्न ले रही थी, उसी दौरान तेज रफ्तार से आ रहे एक ट्रेलर ने बस को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस असंतुलित होकर सड़क पर पलट गई। हादसे के बाद बस में फंसे कर्मचारियों को बाहर निकालने के लिए स्थानीय लोग तुरंत मदद के लिए आगे आए।

सूचना मिलते ही बांदर सिंदरी थाना और किशनगढ़ शहर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थानीय लोगों की सहायता से घायलों को बाहर निकाला और एंबुलेंसों की मदद से उन्हें किशनगढ़ के मार्बल सिटी अस्पताल और राजकीय वाईएन अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल सूत्रों के अनुसार, अधिकांश घायलों को हाथ-पैर और सिर में चोटें आई हैं, जबकि पांच कर्मचारियों की हालत गंभीर बनी हुई है और उन्हें विशेष निगरानी में रखा गया है। हादसे के कारण कुछ समय के लिए हाईवे पर यातायात भी प्रभावित रहा। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर ट्रैफिक को नियंत्रित किया और क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाया। किशनगढ़ शहर थाना पुलिस ने ट्रेलर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

कपड़ा फैक्ट्री में दो श्रमिकों की संदिग्ध मौत

भीलवाड़ा, 7 जनवरी (एजेंसियां)। रायला थाना क्षेत्र के रायसिंहपुरा स्थित सीताराम डेनिम कपड़ा फैक्ट्री में दो श्रमिकों की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। दोनों श्रमिक बॉयलर क्षेत्र में कार्यरत थे। श्रमिकों की मौत से गुस्साए श्रमिकों व ग्रामीणों का भीलवाड़ा के महात्मा गांधी चिकित्सालय की मोर्चरी व फैक्ट्री के बाहर प्रदर्शन किया। मांडल विधायक उदयलाल भडाणा भी श्रमिकों के समर्थन में धरने पर बैठे। पुलिस के अनुसार आसींद के जिन्द्रास निवासी गजानंद गाडरी (25) पुत्र रामचंद्र और नानाडी निवासी कमलेश गुर्जर (24) पुत्र जीवराज गुर्जर की बॉयलर साइट पर ड्यूटी थी। बुधवार सुबह आठ बजे अन्य श्रमिक पहुंचे तो दोनों अचेत मिले। इस पर एम्बुलेंस से दोनों को महात्मा गांधी अस्पताल भीलवाड़ा लाए। यहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद मृतकों के परिजनों को सूचना दी गई। वहीं बड़ी संख्या में फैक्ट्री के श्रमिक बाद में महात्मा गांधी अस्पताल की मोर्चरी के बाहर एकत्र हो गए। श्रमिकों का आरोप है कि फैक्ट्री प्रबंधन की लापरवाही के कारण बॉयलर से गैस का रिसाव हुआ, जिससे दोनों श्रमिकों की मौत हो गई। श्रमिक व परिजन निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं। घटना व प्रदर्शन स्थल पर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात है। वहीं पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी अभी समझाइश कर रहे है।

बाल यौन शोषण सामग्री मामले में यूट्यूबर गिरफ्तार

खुद स्वतः संज्ञान लेकर हैदराबाद साइबर क्राइम पुलिस ने की कार्रवाई

हैदराबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद साइबर क्राइम पुलिस ने सोशल मीडिया के माध्यम से बाल यौन शोषण से संबंधित आपत्तिजनक सामग्री बनाने, अपलोड करने और प्रसारित करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। यह मामला साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन, हैदराबाद में दर्ज अपराध संख्या 1885/2025 से संबंधित है। पुलिस द्वारा गिरफ्तार आरोपी की पहचान कंबेटी सत्य मूर्ति के रूप में हुई है, जो आंध्र प्रदेश का निवासी है।

आरोपी एक यूट्यूब चैनल का संचालन कर रहा था। जांच में सामने आया कि आरोपी अपने चैनल पर नाबालिग बच्चों (18 वर्ष से कम आयु) के साक्षात्कार लेकर आपत्तिजनक, अश्लील और यौन रूप से स्पष्ट प्रश्न पूछता था और उन्हें सोशल मीडिया पर प्रसारित करता था। पुलिस के अनुसार, आरोपी द्वारा अपलोड किए गए वीडियो में 15 से 17 वर्ष की आयु के नाबालिग बच्चों को शामिल किया गया था। एक वीडियो में आरोपी ने दो नाबालिग बच्चों को एक-दूसरे को चूमने के लिए उकसाया, जो बच्चों के यौन शोषण की श्रेणी में आता है। वीडियो में प्रयुक्त भाषा और व्यवहार अत्यंत अशोभनीय एवं कानून का गंभीर उल्लंघन करने वाला पाया गया। बीते दिनांक 16 अक्टूबर 2025 को साइबर क्राइम पुलिस, हैदराबाद ने यूट्यूब चैनल पर बाल शोषण से संबंधित वीडियो प्रसारित होने का स्वतः संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज किया। तकनीकी जांच और डिजिटल साक्ष्यों के सत्यापन के बाद यह पुष्टि हुई कि उक्त सामग्री बाल संरक्षण कानूनों और साइबर कानूनों का स्पष्ट उल्लंघन है।

इसके आधार पर आरोपी की पहचान कर उसे गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि आरोपी वर्ष 2018 से यूट्यूबर के रूप में सक्रिय था और यूट्यूब चैनल तथा इंस्टाग्राम अकाउंट का संचालन कर रहा था। शुरुआत में वह सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स के साक्षात्कार अश्लील भाषा में लेकर दर्शक संख्या बढ़ाता था। बाद में अधिक व्यूज़ और कमाई के उद्देश्य से उसने नाबालिग बच्चों को निशाना बनाना शुरू किया और उनके साथ अत्यंत आपत्तिजनक एवं यौन रूप से स्पष्ट बातचीत कर वीडियो अपलोड किए। इस मामले का सफलतापूर्वक खुलासा निरीक्षक एस. नरेश के नेतृत्व में, उप निरीक्षक सुरेश एवं टीम द्वारा किया गया। यह कार्रवाई सहायक पुलिस आयुक्त शिवा मारुति, साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन, हैदराबाद की प्रत्यक्ष निगरानी में संपन्न हुई। हैदराबाद साइबर क्राइम पुलिस ने कड़ी चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि नाबालिगों का ऑनलाइन शोषण एक गंभीर आपराधिक अपराध है और ऐसे मामलों में किसी भी प्रकार की रियायत नहीं दी जाएगी। नाबालिगों से अश्लील, आपत्तिजनक या यौन संकेतात्मक प्रश्न पूछना, उन्हें अनुचित गतिविधियों के लिए उकसाना या ऐसी सामग्री सोशल मीडिया पर अपलोड करना दंडनीय अपराध है।

संक्रांति भीड़ को देखते हुए टीजीएसआरटीसी 6,431 विशेष बसें चलाएगा

हैदराबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) ने संक्रांति पर्व के दौरान यात्रियों की भारी भीड़ को संभालने के लिए 6,431 विशेष बसें चलाने की तैयारी की है, ताकि अपने-अपने गांव जाने वाले यात्रियों को सुरक्षित और सुगम यात्रा सुविधा मिल सके। टीजीएसआरटीसी अधिकारियों के अनुसार, 9, 10, 12 और 13 जनवरी को यात्रा की चरम मांग रहने की संभावना है, जबकि वापसी यात्रा में 18 और 19 जनवरी को अधिक भीड़ रहने की उम्मीद है। इन दिनों यात्रियों की मांग के अनुसार विशेष बसों को आवश्यकता के आधार पर तैनात किया जाएगा।

हैदराबाद के प्रमुख केंद्रों एमजीबीएस, जेबीएस, उप्पल क्रॉस रोड्स, आरामघर, एलबी नगर, केपीएचबी, बोवेनपल्ली और गच्चीबोवली से विशेष सेवाएं संचालित की जाएंगी। यात्रियों की सुविधा के लिए इन केंद्रों पर पंडाल, शामियाना, बैठने की व्यवस्था, सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली, पेयजल सुविधा और मोबाइल शौचालय उपलब्ध कराए जाएंगे। टीजीएसआरटीसी ने बताया कि यदि वापसी यात्रा में यात्रियों की संख्या कम भी रहती है, तो खाली बसों को तुरंत व्यस्त मार्गों पर भेजा जाएगा, ताकि यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

प.पू. डोंग्रेजी महाराज गौशाला द्वारा आगामी 15 फरवरी को आयोजित संत शिरोमणी पूज्य रामचंद्र डोंग्रेजी महाराज जन्म शताब्दी महोत्सव के विशाल कार्यक्रम मे पधारने हेतु प.पू. चिन्न जियर स्वामी, अहोबीलम जीयर स्वामी से निवेदन करते हुए संयोजक जसमत पटेल एवं अन्य ।

अग्रोहा धाम एवं राजस्थान की निशुल्क धार्मिक यात्रा 20 जनवरी से

हैदराबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रघुनाथमल गीताबाई गोयल चैरिटेबल ट्रस्ट वेंकटेश्वरा ग्रुप हैदराबाद द्वारा भाग्यनगर के अग्रबंधुओं के लिए निशुल्क धार्मिक यात्रा का आयोजन किया गया है।

इस यात्रा के दौरान अग्रोहा धाम हिसार एवं राजस्थान के धार्मिक स्थल झुंझनू स्थित रानी सती दादी मंदिर, सालासर बालाजी मंदिर जीन माता मंदिर एवं खाटू श्याम जी मंदिर के दर्शन करवाए जाएंगे। उक्त जानकारी देते हुए वेंकटेश्वरा ग्रुप के चेयरमैन नरेंद्र गोयल ने बताया कि सभी यात्रियों का पंजीकरण हो चुका है। यह यात्रा 20 जनवरी को हैदराबाद से विमान द्वारा दिल्ली के लिए रवाना होगी। दिल्ली से बस द्वारा अग्रोहा धाम जाएगी जहां रात्रि विश्राम के पश्चात अन्य मंदिरों के दर्शन करते हुए खाटू श्याम जी पहुंच कर विश्राम करेंगे।

22 जनवरी को बाबा श्याम के दर्शन पाने के पश्चात जयपुर के लिए प्रस्थान किया जाएगा। जयपुर से हैदराबाद के लिए वासी विमान द्वारा होगी। यात्रा के परामर्शदाता सुरेश अग्रवाल ने बताया कि सभी यात्री संपूर्ण यात्रा के दौरान अपने साथ ओरिजिनल आधार कार्ड अवश्य साथ रखें।

उन्होंने बताया कि यह हर्ष का विषय है भाग्यनगर के इतिहास में पहली बार ऐसी निशुल्क हवाई यात्रा अग्रजनों के लिए आयोजित की गई है।

इस यात्रा में हैदराबाद से हैदराबाद तक का संपूर्ण खर्च ट्रस्ट द्वारा वहन किया जा रहा है। इस सभा में यात्रा प्रायोजक नरेंद्र कुमार गोयल, यात्रा परामर्शदाता सुरेश अग्रवाल, मनोज अग्रवाल, विनय जैन तथा यात्रा संयोजक दिनेश कुमार मोदी एवं श्रीमती अलका मिंडा भी उपस्थित रही।

कुमावत समाज के प्रदेश अध्यक्ष बने तिलायचा सोनाराम कुमावत

हैदराबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कुमावत समाज तेलगांना के अध्यक्ष सोनाराम तिलायचा को पुनः अध्यक्ष बनाया गया। कुमावत समाज की आम सभा में सभा के सभापति सुखराज घोड़ावड़ को बनाया गया। सभा में समस्त एरिया की शाखाओं के पदाधिकारियों ने भाग लिया। कुमावत समाज ज्ञान्बाग कालोनी बेगम बाजार के अध्यक्ष रुपाराम भोबरिया, किसरा अध्यक्ष पप्पुलाल बाकरेचा, गच्चीबावली अध्यक्ष लुम्बाराम जालोरा, श्री कृष्णा कुमावत समाज के अध्यक्ष ओमप्रकाश भोबरिया, काचवानी सिंगाराम के अध्यक्ष भीयाराम मगंलोड़ा, चेंगीचेरला के अध्यक्ष बाबुलाल खरनालिया, बोराबंडा के अध्यक्ष राजूराम बाकरेचा, बिरमगुड़ा के उपाध्यक्ष महेन्द्रकुमार मालीवाड़, बोलारम के अध्यक्ष रमेशकुमार मोटावत, बालाजीनगर के सचिव चेतन पटेल, मलकाराम के अध्यक्ष गोविन्दराम बाकरेचा, कालीमन्दिर के अध्यक्ष पोकरराम गोयल, संगा रेड्डी के अध्यक्ष कानाराम दुबलदिया, देवेन्द्रनगर कुकड़पल्ली के उपाध्यक्ष बाबुलाल घोड़ावड़ (डाला), अलवाल के उपाध्यक्ष श्यामलाल चांदोरा आदि समाज के बंधुओं ने अपने विचार व्यक्त किये।

आप और हम के अध्यक्ष धर्मीचन्द कुमावत ने बताया कि तिलायचा सोनाराम कुमावत का कार्यकाल बहुत ही सहरानीय रहा। सोहनलाल मानणिया ने संगठन को और मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया। धर्माराम डैय्या ने बताया कि शिक्षा पर ध्यान देना जरूरी है । अध्यक्ष तिलायचा सोनाराम कुमावत ने अपने उद्बोधन में कुमावत समाज तेलंगाना के पधारे हुए सभी स्वजातीय बंधुओं का आभार प्रकट किया।

अवसर पर ओमप्रकाश हांगर, बशीलाल रेणवाल, सुनिल मोरवाड़िया , राकेश हिन्दड़, तेजाराम मेरोता, नारायणलाल घोड़ावड़, अशोक पटेल, अशोक मावर, प्रकाश होतवाल, अणदाराम मनावत, मोहनलाल मावर, राजूराम बाकरेचा, मोतीलाल बाकरेचा बुद्वाराम होतवाल, कन्हैयालाल घोड़ावड़, श्रवणलाल मालीवाड़, श्रवणलाल दुबलदिया, प्रकाश चांदोरा, कालुराम मावर, सोहनलाल मोटावत, सोहनलाल मानणिया, भंवरलाल आलोदिया, रामचन्द्र रेणवाल, विनोद अलोदिया, रामकिशोर भड़लीवाल, मोतीलाल भोमावत, कालुराम ईटाड़ा, जगदीश रोहिवाल, पारस करोलिया, रमेश खेडावत, छेलाराम दुबलदिया, शिम्भूराम मोटावत, माणिकचन्द मेड़तिया, कन्हैयालाल चांदोरा, मदनलाल अडाणिया, श्यामलाल मोटावत, हनुमान ईटाड़ा, देवाराम रेणवाल, धर्माराम रेड़, पुखाराम अडाणिया, रमेश अडाणिया, केसाराम दुबलदिया,ओमाराम गोढवाल, ओमकार दुबलदिया, वासुदेव दुबलदिया, सुरेश बोड़ावड़ सुरेश दुबलदिया, कानाराम सांगर, मांगीलाल बांवलेचा, हनुमान पिपावत, नेमीचन्द्र मावर, चेनाराम रेणवाल ,सी आर कुमावत एवम् अन्य उपस्थित थे।

जामबाग पार्षद एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता राकेश जायसवाल ने आज बेगम बाजार पुलिस स्टेशन के बगल में हिंदी नगर में नई ड्रेनेज लाइन के निर्माण कार्य का जायजा लिया। अवसर पर नरेंद्र नाथ, कुल शेखर, मयूर, रघु, कटप्पा और बडी संख्या में विद्यार्थियों का समूह उपस्थित था।

दिलसुखनगर स्थित मरुधरा की नगरी से पधारे राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के युवा नेता थानसिंह डोली, समाज सेवी बाबूसिंह राजपुरोहित का पुष्प-माला व शॉल से सम्मान कर उपस्थित तेलंगाना पॉन ब्रोकर्स एसोशिएशन के कार्याध्यक्ष शंकरसिंह राजपुरोहित, सदस्य राजुसिंह राजपुरोहित, तेजसिंह सेवड़, भाजपा नेता सोहनसिंह, लक्ष्मणसिंह, नारायणसिंह, गोविन्दसिंह राजपुरोहित, बजरंगसिंह, प्रवीणसिंह, दक्षसिंह, किशोरसिंह, कुशालसिंह, कानसिंह, दिनेशकुमार, गौतमसिंह, कल्याणसिंह, चन्द्रभान, स्वरुप चौधरी व अन्य।

कृष्ण गोपाल सेवा समिति ने बच्चों को नाश्ता कराया

हैदराबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कृष्ण गोपाल सेवा समिति की तरफ से बुधवार को अनाथ बच्चों के स्कूल में नाश्ते का प्रबंध करवाया गया।

उक्त जानकारी देते हुए समिति के अध्यक्ष कपिल कुमार अग्रवाल ने बताया कि बच्चों में ही भगवान का रूप होता है और उनकी सेवा करना समाज के सक्षम लोगों का कर्तव्य है।

इसी बात से प्रेरणा लेकर समिति के सदस्यों ने आज अनाथ बच्चों के लिए अन्नदान का आयोजन किया था। उनका मानना है कि दुनिया में इस सेवा से बढ़कर कोई सेवा नहीं है। इस कार्यक्रम में सचिव सचिन अग्रवाल कोषाध्यक्ष कुश अग्रवाल संयुक्त सचिव मनोज गुप्ता ईसी सदस्य सिद्धार्थ पालचम सुनील सुरेश और संजय धन्नावत ने भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष सहयोग दिया।

स्वास्थ्य एवं स्वच्छता पर व्यापक उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित

नगर की स्वास्थ्य-स्वच्छता व्यवस्था की विस्तृत जानकारी दी

हैदराबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम ने बुधवार को अपने मुख्यालय में नव नियुक्त क्षेत्रीय आयुक्तों तथा सहायक एवं उप कार्यकारी अभियंताओं के लिए स्वास्थ्य एवं स्वच्छता विषय पर एक व्यापक उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य अधिकारियों को नगर की सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली, स्वच्छता संरचना तथा प्रमुख योजनाओं की समग्र जानकारी प्रदान करना था। इस अवसर पर नगर निगम के विभिन्न प्रभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। इनमें ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रभाग के अभियंता, सहायक चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी, पशु चिकित्सा निदेशक, वरिष्ठ एवं सहायक कीट-विज्ञान अधिकारी, रियायतधारी संस्था के प्रतिनिधि, निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट संचालक, पर्यावरण संरक्षण प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान के अधिकारी, क्षेत्रीय आयुक्त, अपर क्षेत्रीय आयुक्त, अपर आयुक्त (स्वास्थ्य एवं स्वच्छता), विभागाध्यक्ष तथा मुख्यालय कर्मी उपस्थित रहे। अधिकारियों को अवगत कराया गया कि ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम का स्वच्छता संचालन दो हजार तिरेपन वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला है, जहाँ बारह क्षेत्र, साठ मंडल और तीन सौ वार्डों में लगभग एक करोड़ चौंतीस लाख जनसंख्या को सेवाएँ प्रदान की जा रही हैं। नगर में प्रतिदिन लगभग नौ हजार एक सौ मीट्रिक टन ठोस अपशिष्ट उत्पन्न होता है, जबकि प्रति व्यक्ति अपशिष्ट उत्पादन छह सौ अस्सी ग्राम से अधिक है। कार्यक्रम में नगर निगम के सशक्त कार्यबल पर भी प्रकाश डाला गया, जिसमें स्वच्छता कर्मी, झाड़ू समूह, स्वच्छता क्षेत्र सहायक, स्थायी जनस्वास्थ्य कर्मचारी, स्वच्छता निरीक्षक, जवान तथा पर्यवेक्षक सभी क्षेत्रों में निरंतर सेवाएँ दे रहे हैं। नगर निगम की एकीकृत अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था को विस्तार से प्रस्तुत किया गया, जिसके अंतर्गत प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक संग्रहण प्रणाली, आधुनिक वाहन बेड़ा तथा उन्नत आधारभूत संरचना सम्मिलित है। अधिकारियों को जवाहरनगर एवं दुंडीगल स्थित अपशिष्ट-से-ऊर्जा संयंत्रों की जानकारी दी गई, जहाँ कचरे से विद्युत उत्पादन किया जा रहा है। साथ ही निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट प्रसंस्करण संयंत्रों की कार्यप्रणाली से भी अवगत कराया गया उन्मुखीकरण कार्यक्रम में स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत नगर निगम की प्रमुख उपलब्धियाँ भी साझा की गईं। इनमें स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 में महानगर श्रेणी में छठा स्थान, सात-सितारा कचरा मुक्त नगर का दर्जा, तथा खुले में शौच से मुक्त प्लस-प्लस एवं जल-सुरक्षित नगर प्रमाणन प्रमुख हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

पीएम मोदी ने ...

इतिहास में पहली बार किसी देश के राष्ट्रपति को उसके देश में घुसकर गिरफ्तार किया गया है और विदेशी धरती पर ले जाकर उसके खिलाफ केस चलाया जा रहा है। ये कारनामा अमेरिका के सदर डोनाल्ड ट्रंप ने किया है। उन्होंने अपनी कमांडो फोर्स भेजकर वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को अरेस्ट कर लिया है। मादुरो पर ट्रंप ने अमेरिका में ड्रग्स और गन अवैध रूप से भेजने का आरोप लगाया है। वेनेजुएला का किला ढहने के बाद अब माना जा रहा है कि ट्रंप की एकतरफा कार्रवाई का अगला शिकार ईरान बन सकता है। अगर अब ट्रंप ईरान पर भी कुछ एक्शन ले लेते हैं तो इसमें कोई आश्चर्य नहीं होगा, क्योंकि हाल ही में ईरान और इजरायल की एक झड़प के बीच अमेरिका ने ईरान पर बम बरसा दिए थे।

गायिका नेहा को ...

कोर्ट ने यह भी कहा कि राठौर को 19 जनवरी को जांच अधिकारी (आईओ) के समक्ष उपस्थित होना अनिवार्य है।

और गैर-हाजिरी को गंभीरता से देखा जाएगा। राठौर के वकील ने कोर्ट में बताया कि उनकी मुवक्किल 3 जनवरी को पहले ही आईओ के सामने उपस्थित हो चुकी हैं, जबकि राज्य पक्ष ने सहयोग न करने का आरोप लगाया। एफआईआर के अनुसार, 22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद, जिसमें 26 पर्यटक मारे गए थे, नेहा सिंह राठौर ने अपने एक्स (पूर्व ट्विटर) हैंडल पर एंटी-इंडिया पोस्ट प्रकाशित की। अभियोजन पक्ष का कहना है कि उस समय सरकार पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई कर रही थी, और राठौर की पोस्ट से राष्ट्रीय अखंडता पर विपरीत प्रभाव और धर्म/जाति आधारित अपराध भड़काने की कोशिश हुई। इससे पहले, इलाहाबाद हाई कोर्ट ने उनकी अग्रिम जमानत याचिका को खारिज कर दिया था। कोर्ट ने कहा था कि उनके एक्स पोस्ट प्रधानमंत्री के खिलाफ थे और पीएम के नाम का अपमानजनक तरीके से उपयोग किया गया।

सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि संविधान का अनुच्छेद 19 अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता देता है, लेकिन यह सार्वजनिक व्यवस्था, शील या नैतिकता के लिए उचित प्रतिबंधों के अधीन है। अब मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है और राठौर की अंतरिम सुरक्षा आदेश के तहत गिरफ्तारी से बची हुई है, जबकि जांच अधिकारी के समक्ष उनकी उपस्थिति अनिवार्य रहेगी।

सुप्रीम कोर्ट में आज बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर भी सुनवाई होनी है। लद्दाख के सामाजिक कार्यकर्ता और सुधारक सोनम वांगचुक की रिहाई की अपील वाले इस मामले की सुनवाई जस्टिस अरविंद कुमार और पीबी वराले की पीठ करेगी। बता दें कि यूएपीए कानून से जुड़ी धाराओं का सामना कर रहे वांगचुक फिलहाल राजस्थान की जोधपुर जेल में बंद है। लद्दाख में हुई हिंसक झड़पों के बाद उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत गिरफ्तार किया गया था।

केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा में राजेंद्र कुमार अग्रवाल अशोक रूंगटा सुरेंद्र कुमार अग्रवाल गोपाल बलदवा विट्ठलदास अग्रवाल बड़े गांव वाले,प्रमोद कुमार, अशोक कुमार दीपक कुमार सरायवाला, अशोक कुमार लाखोटिया विनोद कुमार टिकमानी विजय कुमार थंबी प्रवीण कुमार अग्रवाल, विजय कुमार अग्रवाल, पी वी आर मूर्ति संध्या रानी अग्रवाल दिव्या अग्रवाल राजश्री अग्रवाल संतोष अग्रवाल एवम सभी केबीआर वॉकर्स।

दक्षिण मध्य रेलवे

@SCRailwayindia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों की इंटरनेट वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in

निविदा सूचना सं.01_डीआरएम _डब्ल्यू_एचवायबी _26 दि.5-1-2025

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से, विभागीय रेल प्रबंधक/कार्य, हैदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यो हेतु ई-प्रोक्योरमेंट के माध्यम से दि.28-01-2026 के 15.00 बजे तक खुली निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा संख्याः01 _डीआरएम _डब्ल्यु_ एचवायबी_26, कार्य विवरणः 1. जीडब्ल्यूडी-आरसी सेक्शनः प्रस्तावित सुरक्षा संबंधित ट्रैक रखरखाव कार्य तथा अन्य छिटपुट ट्रैक कार्य। 2. डीकेसी-केएसएन सेक्शनः प्रस्तावित सुरक्षा संबंधित ट्रैक रखरखाव कार्य तथा अन्य छिटपुट ट्रैक कार्य। अनुमानित लागत रु.2,16,47,062, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.2,58,200.00

अधिक जानकारी हेतु वेबसाइटः www.ireps.gov.in देखें।

विभागीय रेल प्रबंधक/कार्य/हैदराबाद

PUB/1734

निविदा संख्याःवाय/एसजी/36/2025-26/32, दि.7-1-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ विभागीय सिग्नल व दूरसंचार अभियंता, हैदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यो हेतु ई-प्रोक्योरमेंट के माध्यम से दि.6-2-2026 के 11.30 बजे तक खुली निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम संख्याः01, निविदा संख्याः वाय/एसजी/36/2025-26/32, कार्य विवरणः हैदराबाद डिवीजनः एससी-डीएचएनइ सेक्शनः उमदानगर-पीएसआर की रिलैक्सींग हेतु मौजूदा क्रासओवर नं. 18 की बुदवेल एन्ड की तरफ शिफ्टिंग तथा कामन लूप लाइन के रूप में अप लूप लाइन मेकिंग हेतु जुकल एन्ड की तरफ अतिरिक्त क्रासओवर का प्रावधान-सिग्नल व दूरसंचार व्यवस्थाएं।

अनुमानित लागत रु.19844051,00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.249200.00

वरिष्ठ विभागीय सिग्नल व दूर संचार अभियंता, हैदराबाद

PUB/1735

शुद्धिपत्र-2 निविदा सूचना संख्याः बी-एसजी-पी-इ-05-06इआय-2025-26, दि.09-12-2025 के प्रति

आपके रिफरेंस हेतु शुद्धिपत्र का विवरण नीचे दिया गया हैः

।) निविदा दस्तावेजों में संशोधन किया गया है

(विवरण हेतु कृपया वेबसाइटः www.ireps.gov.in देखें)

फीजिबिलीटी रिपोर्ट रीवीजन-।।

टिप्पणियां. -

शर्ते तथा अन्य विवरण (जैसे संपूर्ण कार्य का नाम, अर्हता मानदंड, तत्समान स्वभाव का कार्य आदि), वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर प्रकाशित निविदा दस्तावेजों में उपलब्ध।

भावी निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि, किसी भी परिवर्तनों या अग्र शुद्धिपत्रों को नोट करने हेतु निविदा बंद करने की तिथि से पहले वेबसाइटः www.ireps.gov.in देखें।

निविदा सूचना को, विभागीय रेल प्रबंधक (उप सिग्नल व दूरसंचार अभियंता/परियोजनाएं/बीजेडए) कार्यालय, द.म.रेलवे, विजयवाडा पर स्थित नोटिस बोर्ड पर भी प्रदर्शित किया गया है।

रेल प्रशासन के पास कोई भी कारण न देते हुए निविदा को निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित है।

उप मुख्य सिग्नल व दूरसंचार अभियंता/परियोजनाएं/विजयवाडा

PUB/1736

शुद्धिपत्र-2 निविदा सूचना संख्याः बी-एसजी-पी-इ-06-06इआय-2025-26, दि.11-12-2025 के प्रति

आपके रिफरेंस हेतु शुद्धिपत्र का विवरण नीचे दिया गया हैः

।) निविदा दस्तावेजों में संशोधन किया गया है

(विवरण हेतु कृपया वेबसाइटः www.ireps.gov.in देखें)

फीजिबिलीटी रिपोर्ट रीवीजन-।।

टिप्पणियां. -

निविदा शर्ते तथा अन्य विवरण (जैसे संपूर्ण कार्य का नाम, अर्हता मानदंड, तत्समान स्वभाव का कार्य आदि), वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर प्रकाशित निविदा दस्तावेजों में उपलब्ध।

भावी निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि, किसी भी परिवर्तनों या अग्र शुद्धिपत्रों को नोट करने हेतु निविदा बंद करने की तिथि से पहले वेबसाइटः www.ireps.gov.in देखें।

निविदा सूचना को, विभागीय रेल प्रबंधक (उप सिग्नल व दूरसंचार अभियंता/परियोजनाएं/बीजेडए) कार्यालय, द.म.रेलवे, विजयवाडा पर स्थित नोटिस बोर्ड पर भी प्रदर्शित किया गया है।

रेल प्रशासन के पास कोई भी कारण न देते हुए निविदा को निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित है।

उप मुख्य सिग्नल व दूरसंचार अभियंता/परियोजनाएं/विजयवाडा

PUB/1737

शुद्धिपत्र-1 निविदा सूचना संख्याःबी-एसजी-पी-इ-07-5ईआय-2025-26, दि.12-12-2025 के प्रति

आपके संदर्भ हेतु शुद्धिपत्र के विवरण को नीचे दिया गया हैः

।) निविदा दस्तावेजों में संशोधन किया गया है (विवरण हेतु कृपया वेबसाइटःwww.ireps.gov.in देखें)

इपीसी एग्रीमेंट रिवीजन-।

फीजिबिलीटी रिपोर्ट रिवीजन-।

पूर्व बोली प्रश्नों के उत्तर

टिप्पणियां-

निविदा शर्ते तथा अन्य विवरण (जैसे संपूर्ण कार्य का नाम, अर्हता मानदंड, तत्समान स्वभाव का कार्य आदि), वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर प्रकाशित निविदा दस्तावेजों में उपलब्ध।

भावी निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि, किसी भी परिवर्तनों या अग्र शुद्धिपत्रों को नोट करने हेतु निविदा बंद करने की तिथि से पहले वेबसाइटः www.ireps.gov.in देखें।

निविदा सूचना को, विभागीय रेल प्रबंधक (उप सिग्नल व दूरसंचार अभियंता/परियोजनाएं/बीजेडए) कार्यालय, द.म.रेलवे, विजयवाडा पर स्थित नोटिस बोर्ड पर भी प्रदर्शित किया गया है।

रेल प्रशासन के पास कोई भी कारण न देते हुए निविदा को निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित है।

उप मुख्य सिग्नल व दूरसंचार अभियंता/परियोजनाएं/विजयवाडा

PUB/1738

संख्याः एनडब्ल्यू/148/डब्ल्यू।।। /निविदा सूचना/2025-26, दि.6-1-2025

निविदा के विवरण को पहले ही वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर अपलोड किया गया है।

क्रम संख्याः01, निविदा संख्याः टी-202526-2-099 प्राधिकरणः को-आर्ड, कार्य विवरणः नांदेड डिवीजन--एसएसइ/पी.वे/एमयुइ क्षेत्राधिकारः विभिन्न यार्डस (एमयुइ, बीओकेआर, एचइएम,ए एसएसके, डीएचएनआर यार्ड्स) पर प्रस्तावित सुरक्षा संबंधित यार्ड सुधार तथा उन्नयन कार्य। (आइआरपीएसएम परियोजना आयडीः11.04.31.25.3.53.001)

निविदा मूल्य रु.85047147.37, पूर्व धरोहर राशि रु.575200.00, कार्य पूरा करने की अवधिः बारह महिने, निविदा प्रपत्र मूल्य रु. शून्य

क्रम संख्याः02, निविदा संख्याः टी-202526-2-100 प्राधिकरणः को-आर्ड, कार्य विवरणः नांदेड डिवीजन--एसएसइ/पी.वे/केएनवीटी क्षेत्राधिकारः विभिन्न यार्डस (बीएचबीके, केएनवीटी, केएसइ, एडीबी यार्ड्स) पर प्रस्तावित सुरक्षा संबंधित यार्ड सुधार तथा उन्नयन कार्य। (आइआरपीएसएम परियोजना आयडीः11.04.31.25.3.53.005)

निविदा मूल्य रु.26071780.32, पूर्व धरोहर राशि रु.280400.00, कार्य पूरा करने की अवधिः नौ महिने, निविदा प्रपत्र मूल्य रु. शून्य

क्रम संख्याः01, निविदा संख्याः टी-202526-2-099, तत्समान स्वभाव का कार्य (रु. पचास लाख से अधिक मूल्य का) -कोई भी सिविल इंजिनियरिंग कार्य (ट्रैक कार्यो/झोनल कार्यो को छोडकर)।

क्रम संख्याः02, निविदा संख्याः टी-202526-2-100

तत्समान स्वभाव का कार्य (रु. पचास लाख से अधिक मूल्य का) -कोई भी सिविल इंजिनियरिंग कार्य (ट्रैक कार्यो/झोनल कार्यो को छोडकर)।

उपरोक्त सभी निविदाएं दि. 02-02-2026 के 15.00 बजे बंद होंगी।

एसआर. डीइएन/को-आर्ड/ नांदेड

निविदा नियम शर्ते/अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सः https://www.ireps.gov.in तथा www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

पूर्व तट रेलवे

सूचना सं. eT-WAT-SOUTH-29-2025
दिनांक : 30.12.2025

कार्य का नाम : 2 वर्षों की समयावधि के लिए पूर्व तट रेलवे के वाल्टियर मण्डल में सहायक कार्य जैसे कि पहरेदारी, पानी देना, पेंट मार्किंग (Paint Marking) एवं डबल रेल टेस्टर (DRT) मशीन या सिंगल रेल टेस्टर (SRT) के साथ USFD परीक्षण के लिए मशीन का संचालन एवं प्रभारी इंजीनियर के निर्देशानुसार कार्य करने के लिए सहायक गैंग (Assisting Gang) की तैनाती।

कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 1,86,93,630.10, EMD : ₹ 2,43,500/-, कार्य पूरा होने की अवधि : 24 (चौबीस) महीने।

निविदा बंद होने की तिथि व समय : दिनांक 21.01.2026 को 1500 बजे।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 10 (दस) दिन पहले वेबसाइट का पुनः अवलोकन करें।

मण्डल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), वाल्टियर

PR-985/Q/25-26

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaartha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

बांग्लादेश को भारत में ही खेलने होंगे वर्ल्ड कप मुकाबले

आईसीसी ने वेन्यू बदलने की मांग खारिज की, नहीं खेले तो पॉइंट्स कटेंगे

नई दिल्ली, 7 जनवरी (एजेंसियां)। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड की टी-20 वर्ल्ड कप के वेन्यू बदलने की मांग को खारिज कर दी है। आईसीसी ने स्पष्ट किया है कि बांग्लादेश को अपने सभी लीग मैच भारत में ही खेलने होंगे, नहीं तो उसे अपने अंक गंवाने पड़ेंगे। बीसीबी ने मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल से बाहर किए जाने के बाद सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए भारत में टी-20 वर्ल्ड कप के मैच खेलने से इनकार कर दिया था और आईसीसी से अपने मैच श्रीलंका में शिफ्ट करने की अपील की थी।

न्यूज एजेंसी एएनआई की रिपोर्ट के अनुसार, मंगलवार को आईसीसी अध्यक्ष जय शाह और कुछ अन्य अधिकारी मुंबई में मौजूद थे। उन्होंने पहले भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के अधिकारियों से चर्चा की और उसके बाद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड से बातचीत की।

आईसीसी ने साफतौर पर कहा कि वेन्यू में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा और बांग्लादेश को भारत में ही वर्ल्ड कप के मैच खेलने होंगे, नहीं तो उसे अंक गंवाने होंगे। 16 दिसंबर को आईपीएल मिनी ऑक्शन में कोलकाता नाइट

राइडर्स ने बांग्लादेशी गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को 9.20 करोड़ रुपए में खरीदा था। इसके बाद बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्या के कारण भारत में मुस्तफिजुर का विरोध होने लगा। अब तक वहां 6 हिंदुओं की हत्या कर दी गई है। बाद में बीसीसीआई ने मुस्तफिजुर को आईपीएल खेलने की अनुमति नहीं दी और 3 जनवरी को केकेआर ने उन्हें रिलीज कर दिया।

केकेआर से मुस्तफिजुर को रिलीज किए जाने के बाद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड और वहां की सरकार ने आईपीएल के प्रसारण पर बैन लगा दिया। साथ ही भारत में वर्ल्ड कप मैच खेलने से भी इनकार कर दिया और आईसीसी को वेन्यू बदलने के लिए ई-मेल भेजा।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने कहा है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद भारत में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप में बांग्लादेश की भागीदारी से जुड़ी चिंताओं को दूर करने के लिए उसके साथ मिलकर काम करने को तैयार है। आईसीसी ने दोहराया है कि वह टी-20 वर्ल्ड कप में बांग्लादेश की पूर्ण और बिना किसी रुकावट के भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

टी-20 वर्ल्ड कप में बांग्लादेश को ग्रुप-सी में रखा गया है। टीम 7 फरवरी को वेस्टइंडीज, 9 फरवरी को इटली और 14 फरवरी को इंग्लैंड से भिड़ने वाली हैं। तीनों मैच कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में खेले जाने हैं। वहीं टीम का आखिरी ग्रुप स्टेज मैच 17 फरवरी को मुंबई में नेपाल से होना है। टी-20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान पहले से अपने मैच श्रीलंका में शिफ्ट करा चुका है। भारत और पाकिस्तान के बीच राजनीतिक विवादों के कारण दोनों ही टीमें एक-दूसरे के देश में क्रिकेट नहीं खेलतीं।

सिंधु ने 2 महीने बाद जीत से वापसी की

मलेशिया ओपन में चीनी ताइपे की खिलाड़ी को हराया; सात्विक-चिराग भी जीते

कुआलालंपुर, 7 जनवरी (एजेंसियां)। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने करीब 2 महीने के बाद कोर्ट में जीत से वापसी की। 30 साल की सिंधु ने मलेशिया ओपन में चीनी ताइपे की सुंग शुओ युन को 51 मिनट में 21-14, 22-20 से हराया। वे पिछले साल अक्टूबर में पैर की चोट से उबरने के लिए वर्ल्ड टूर से हट गई थीं। उनके अलावा, लक्ष्य सेन और सात्विक-चिराग की जोड़ी ने भी अपने-अपने मैच जीत लिए।

कुआलालंपुर में चल रहे इस सुपर 1000 टूर्नामेंट में सात्विक और चिराग की जोड़ी ने चीनी ताइपे के यांग पो ह्सुआन और ली झे-हुए को 35 मिनट में 21-13 21-15 से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। अब उनका सामना मलेशिया के जुनैदी आरिफ और रॉय किंग याप से होगा।

वर्ल्ड नंबर-18 रैंकिंग सिंधू ने सुंग को दूसरी बार हराया। अब उनका रिकॉर्ड 2-0 का है। सिंधू ने पहले गेम में 6-2 की बढ़त हासिल कर ली और फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। उन्हें दूसरे गेम में संघर्ष करना पड़ा। वे एक समय 4-11 से पीछे चल रही थीं। इसके बाद वापसी की। उन्होंने 20-20 के स्कोर के बाद अगले दो अंक हासिल करके मैच जीत लिया।

प्री-क्वार्टर फाइनल में उनका मुकाबला विश्व में नौवें नंबर की जापानी खिलाड़ी टोमोका मियाजाकी से होगा। मियाजाकी जब 21-19, 1-2 से आगे चल रही थी, तब साउथ कोरिया की उनकी प्रतिद्वंदी सिम यू जिन चोटिल होने के कारण मुकाबले से हट गई थी, जिससे जापान की खिलाड़ी अगले दौर में जगह बनाने में सफल रही।

सात्विक और चिराग का अपनी प्रतिद्वंद्वी जोड़ी के खिलाफ 6-0 का शानदार रिकॉर्ड था, जिसे उन्होंने और बेहतर किया। भारतीय जोड़ी ने पहले गेम में शुरू से अंत तक बढ़त बनाए रखते हुए उसे अपने नाम।

चीनी ताइपे की जोड़ी ने दूसरे गेम में बेहतर प्रदर्शन किया और 12-12 के स्कोर तक करीबी मुकाबला बनाए रखा। इसके बाद सात्विक और चिराग ने दमदार खेल दिखाया और लगातार गेम में मैच जीत लिया।

मेंस सिंगल्स में लक्ष्य सेन ने सिंगापुर के जिया हेंग जेसन तेह को 70 मिनट में 21-16, 15-21, 21-14 से हराया। 24 साल के लक्ष्य अब दूसरे दौर में हॉन्ग कॉन्ग के ली च्युक यिउ से खेलेंगे, जिन्होंने छठी वरीयता प्राप्त क्रिस्टो पोपोव को हराया है।

एक अन्य मुकाबले में भारत के आयुष शेट्टी ने मलेशिया के ली जी जिया को सीधे गेमों में 21-12, 21-17 से हराया। दूसरे दौर में उनका सामना चीन के वर्ल्ड नंबर-1 खिलाड़ी शी यू छी से होगा।

अर्जुन तेंदुलकर रचाने वाले हैं शादी

जल्द ही ससुर बनेंगे सचिन!

मुंबई, 7 जनवरी (एजेंसियां)। सचिन तेंदुलकर अब ससुर बनने वाले हैं, क्योंकि उनके बेटे अर्जुन तेंदुलकर शादी के बंधन में बंधने वाले हैं. खबरों की मानें तो दोनों की शादी तय हो चुकी है. अर्जुन मार्च 2026 में मंगेतर सानिया चंडोक से शादी करने जा रहे हैं. सानिया एक बिजनेसवुमन हैं और उनका परिवार भी बड़ी पहचान रखता है. सानिया मुंबई के जाने माने उधोगपति रवि घई की पोती हैं.

अगस्त में हुई थी सगाई

अर्जुन और सानिया ने गुप्त तरीके से सगाई रचाई थी. ये सगाई गुप्त तरीके से हुई थी, जिसमें केवल उनके करीबी परिवार के सदस्य ही शामिल हुए थे. रिपोर्ट्स की मानें तो शादी की रस्में 3 मार्च से शुरू होने वाली हैं, और मुख्य समारोह 5 मार्च 2026 को होने की उम्मीद है.

सचिन तेंदुलकर ने बेटे अर्जुन की सगाई को लेकर खुद जानकारी दी. रेडिट एएमए (आस्क मी एनीथिंग) में जब एक फैन ने पूछा कि क्या अर्जुन की सचमुच सगाई हो गई है, तो 'मास्टर ब्लास्टर' ने जवाब देते हुए कहा "हां, हो गई है, और हम सभी उनके जीवन के इस नए चरण के लिए बहुत उत्साहित हैं" टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि शादी समारोह मुंबई में होगा और एक निजी कार्यक्रम रहेगा, जिसमें परिवार, करीबी दोस्त और क्रिकेट जगत के चुनिंदा सदस्य ही शामिल होंगे.

अर्जुन का हालिया प्रदर्शन

अर्जुन गोवा की ओर से घरेलू टूर्नामेंट में भाग लेते हैं. उन्होंने अब तक 22 प्रथम श्रेणी मैच में 48 विकेट और 620 रन बनाए हैं. इसके अलावा 23 लिस्ट A मैच में उन्होंने 25 विकेट और 155 रन बनाए हैं. वहीं, 29 टी-20 मैच में चंडोक ने 35 विकेट और 189 रन बनाए हैं.

एशेज में पहली बार एक पारी में सात 50+ साझेदारी

ऑस्ट्रेलिया 567 रन पर ऑलआउट; चौथे दिन इंग्लैंड 302/8, बेथेल का पहला टेस्ट शतक

सिडनी, 7 जनवरी (एजेंसियां)। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में खेले जा रहे पांचवें और आखिरी टेस्ट के चौथे दिन बुधवार को ऑस्ट्रेलिया की टीम पहली पारी में 567 रन पर ऑलआउट हो गई। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी के आधार पर 183 रन की बढ़त हासिल की। इससे पहले इंग्लैंड की टीम अपनी पहली पारी में 384 रन पर सिमट गई थी।

दिन का खेल समाप्त होने तक इंग्लैंड ने दूसरी पारी में 8 विकेट के नुकसान पर 302 रन बना लिए हैं और कुल बढ़त 119 रन की हो गई। जैकब बेथेल 142 रन बनाकर नाबाद लौटे। मुकाबले का पांचवां और आखिरी दिन गुरुवार को सुबह 5 बजे शुरू होगा।

ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी के दौरान सात 50 रन से अधिक की साझेदारियां हुईं, जो एशेज इतिहास में पहली बार देखने को मिला।

स्मिथ ने 138 रन बनाए

चौथे दिन का खेलने शुरू होने पर ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 518/7 था। स्टीव स्मिथ (129) और ब्यू वेबस्टर (42) ने पारी को आगे बढ़ाया। मेजबान टीम स्कोर में 49 रन और जोड़कर पहली पारी में 567 रन पर ऑल आउट हो गई। इससे उसे 183 रन की बढ़त मिली। ऑस्ट्रेलिया के लिए कप्तान स्टीव स्मिथ ने 220 गेंदों में 138 रन बनाए, जिसमें 16 चौके और एक छक्का शामिल रहा। ब्यू वेबस्टर ने 87 गेंदों में 71 रन बनाए, जिसमें सात चौके शामिल थे। ट्रेविस हेड ने सबसे ज्यादा 163 रन बनाए।

ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पारी में सात 50 या उससे अधिक रन की साझेदारियां की, जो कि एशेज के इतिहास में पहली बार हुआ है। इससे पहले यह रिकॉर्ड केवल एक बार 2007 में भारत ने द ओवल टेस्ट में बनाया था।

बेथेल 142 रन बनाकर नाबाद लौटे

इंग्लैंड की शुरुआत खराब रही और जैक क्रॉली पहले ही ओवर में आउट हो गए। इसके बाद बेन डकेट और जैकब बेथेल ने पारी को संभाला और अर्धशतकीय साझेदारी की। डकेट ने इस सीरीज में पहली बार 40 रन का आंकड़ा पार किया, लेकिन बाद में वह आउट हो गए। इसके बाद जो रूट ज्यादा देर टिक नहीं पाए और सिर्फ 6 रन बनाकर पवेलियन लौट गए।

हैरी ब्रूक ने बेथेल के साथ मिलकर शतकीय साझेदारी की। हालांकि ब्रूक 42 रन बनाकर आउट हो गए। लोअर ऑर्डर में विकेट गिरते रहे, लेकिन बेथेल एक छोर पर टिके रहे। बेथेल 142 रन बनाकर नाबाद लौटे।

तीसरे दिन हेड और स्मिथ के शतक

ट्रैविस हेड और स्टीव स्मिथ की शतकीय पारियों ने ऑस्ट्रेलिया को एशेज सीरीज के 5वें टेस्ट में इंग्लैंड पर 134 रन की बढ़त दिला दी है। कंगारू टीम ने मंगलवार को तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक 7 विकेट पर 518 रन बना लिए हैं। स्टीव स्मिथ 129 और ब्यू वेबस्टर 42 रन बनाकर नाबाद हैं। हेड ने दिन के पहले सेशन में जोश टंग की गेंद पर कवर ड्राइव के जरिए चौका लगाकर 105 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। उन्होंने 166 गेंदों में 163 रन की पारी खेली, जिसमें 24 चौके और एक छक्का शामिल रहा।

न्यूजीलैंड की टी-20 वर्ल्ड कप टीम का ऐलान

मिचेल सैंटनर कप्तान, जैकब डफी टीम में इकलौता नया चेहरा

वेलिंग्टन, 7 जनवरी (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने आगामी टी-20 वर्ल्ड कप के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। टीम की कमान अनुभवी स्पिन ऑलराउंडर मिचेल सैंटनर को सौंपी गई है। यह उनका नौवां सीनियर ICC वर्ल्ड कप होगा। तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन और मैट हेनरी टूर्नामेंट के दौरान कुछ मैचों से बाहर रह सकते हैं। वह टूर्नामेंट के दौरान पैटरनिटी लीव पर जा सकते हैं।

जैकब डफी टीम में नया नाम

31 साल के तेज गेंदबाज जैकब डफी इस टीम में एकमात्र नए खिलाड़ी हैं।

डफी ने हालिया इंटरनेशनल सीजन में प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए 81 विकेट लिए हैं। इस दौरान उन्होंने एक कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा विकेट लेने के

मामले में रिचर्ड हेडली का पुराना रिकॉर्ड भी तोड़ा। डफी इस समय ICC टी-20 बॉलिंग रैंकिंग में दूसरे स्थान पर हैं।

फिन एलन और मार्क चैपमैन की वापसी

टीम में फिन एलन और मार्क चैपमैन की वापसी हुई है। दोनों खिलाड़ी चोट के कारण टीम से बाहर थे, लेकिन अब पूरी तरह फिट होकर चयन के लिए उपलब्ध हैं।

टीम में स्पिन और बैटिंग का संतुलन

कप्तान सैंटनर के अलावा टीम में ईश सोढ़ी, माइकल ब्रैसवेल, ग्लेन फिलिप्स और रचिन रविंद्र जैसे स्पिन विकल्प शामिल हैं। ईश सोढ़ी न्यूजीलैंड के लिए टी-20 इंटरनेशनल में दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं।बल्लेबाजी विभाग में डेवोन कॉनवे, डेरिल मिचेल, टिम सीफर्ट, फिन एलन और मार्क चैपमैन को जगह दी गई है।

सीफर्ट विकेटकीपर की भूमिका में

टिम सीफर्ट विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभालेंगे। फिलहाल वे ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग में मेलबर्न रेनेगेड्स के लिए खेल रहे हैं, जहां उन्होंने हाल ही में 56 गेंदों में 102 रन की शतकीय पारी खेली थी।

वैभव सूर्यवंशी ने 63 बॉल पर सेंचुरी बनाई

आरोन के साथ 200+ रन की ओपनिंग पार्टनरशिप

बेनोनी, 7 जनवरी (एजेंसियां)। वैभव सूर्यवंशी ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीसरे अंडर-19 वनडे में शतक जड़ दिया है। बेनोनी के विलोमूर पार्क स्टेडियम में खेले जा रहे मुकाबले में उन्होंने 63 बॉल पर सेंचुरी पूरी की। 14 साल के वैभव ने 74 बॉल पर 127 रन की पारी खेली। उन्होंने इस दौरान 10 छक्के और 9 चौके लगाए। वैभव ने आरोन जॉर्ज के साथ 227 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप की। वैभव सूर्यवंशी इस सीरीज में कप्तानी भी कर रहे हैं। बतौर कप्तान भारत के लिए ये उनकी पहली सेंचुरी है।

सूर्यवंशी अब विराट से महज 5 रन पीछे

वैभव सूर्यवंशी अंडर-19 वनडे क्रिकेट में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बैटर्स की सूची में विराट कोहली से महज 5 रन पीछे हैं। वे 18 मैचों में 973 रन बना चुके हैं। जबकि कोहली ने 28 मैचों में 46.57 के एवरेज से 978 रन बनाए हैं। अब तक वैभव का एवरेज (54.05) विराट से अच्छा है।इस सूची में सबसे ज्यादा विजय जोल ने बनाए हैं। विजय के नाम 36 मैचों में 1404 रन हैं। यशस्वी जायसवाल (1386 रन) दूसरे और तन्मय श्रीवास्तव (1316 रन) तीसरे नंबर पर हैं। उन्मुक्त चंद, सरफराज खान और शुभमन गिल भी इस लिस्ट में वैभव से ऊपर हैं।

एसए20 में एमआई केप टाउन की पहली जीत

जॉबर्ग सुपर किंग्स को डकवर्थ-लुईस से 4 विकेट से हराया

न्यूलैंड्स, 7 जनवरी (एजेंसियां)। SA20 में MI केप टाउन ने न्यूलैंड्स में खेले गए मुकाबले में जॉबर्ग सुपर किंग्स को डकवर्थ-लुईस-स्टर्न पद्धति के तहत चार विकेट से हराकर टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज की। बारिश के कारण मैच 12-12 ओवर का कर दिया गया था।

पहले बल्लेबाजी करते हुए जॉबर्ग सुपर किंग्स ने 12 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 123 रन बनाए। इसके जवाब में MI केप टाउन को संशोधित लक्ष्य के तहत 124 रन बनाने थे, जिसे उसने 11.2 ओवर में 6 विकेट खोकर हासिल कर लिया। टीम ने यह लक्ष्य चार गेंद शेष रहते पूरा किया।

बारिश के कारण एक घंटे देरी से शुरू हुए मैच में जॉबर्ग सुपर किंग्स के कप्तान फाफ डु प्लेसिस और उनके नए ओपनिंग पार्टनर

जेम्स विंस ने तेज शुरुआत की और महज 2.4 ओवर में 32 रन जोड़ दिए। हालांकि, विंस (9 गेंदों पर 15 रन, 2 चौके, 1 छक्का) जॉर्ज लिंडे की गेंद पर कवर में कैच आउट हो गए।

फाफ डु प्लेसिस आक्रामक अंदाज में नजर आए और उन्होंने दूसरे ओवर में MI केप टाउन के मुख्य गेंदबाज कगिसो रबाडा की गेंदों पर लगातार चार चौके जड़े। विंस के आउट होने के बाद भी फाफ ने पारी को संभाले रखा और 21 गेंदों में 44 रन बनाए। उनके अलावा जॉबर्ग सुपर किंग्स का कोई भी बल्लेबाज 25 रन का आंकड़ा नहीं छू सका।

एमआई केप टाउन की ओर से कोर्बिन बॉश ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 3 ओवर में 24 रन देकर 3 विकेट लिए, जबकि राशिद खान ने 3 ओवर में 23 रन देकर 2 विकेट झटके।

लक्ष्य का पीछा करते हुए एमआई केप टाउन के लिए रासी वान डर डुसेन ने 24 गेंदों में 35 रन बनाए, जिसमें तीन छक्के शामिल थे। वहीं, वेस्टइंडीज के पावर हिटर निकोलस पूरन ने मात्र 15 गेंदों में 33 रन की तेज पारी खेली और छह छक्के जड़े। इसके अलावा, जेसन स्मिथ ने सिर्फ छह गेंदों में 22 रन बनाकर टीम को जीत की दहलीज तक पहुंचाया।

डब्ल्यूपीएल सीजन-4 : 28 दिन में 22 मैच, मुंबई में एमआई-आरसीबी के बीच ओपनिंग मुकाबला

2 टीमों ने कप्तान बदले

नई दिल्ली, 7 जनवरी (एजेंसियां)। विमेंस प्रीमियर लीग का चौथा सीजन 9 जनवरी से शुरू होने वाला है। पहला मैच डिफेंडिंग चैंपियन मुंबई इंडियंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच होगा। मुकाबला शाम 7:30 बजे नवी मुंबई के डीवाय पाटील स्टेडियम में खेला जाएगा।

5 टीमों के बीच 28 दिनों तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में 22 मैच खेले जाएंगे। वडोदरा में 3 फरवरी को एलिमिनेटर और 5 फरवरी को फाइनल होगा। 2 वेन्यू पर मुकाबले होंगे। नए सीजन से पहले 5 में से 2 टीमों ने अपने कप्तान बदल लिए।

किस फॉर्मेट में खेला जाएगा टूर्नामेंट?

डब्ल्यूपीएल हर बार की तरह लीग फॉर्मेट में खेला जाएगा। पांचों टीमें एक-दूसरे के खिलाफ 2-2 मैच खेलेंगी। यानी एक टीम टूर्नामेंट में 8 मैच खेलेगी। लीग स्टेज खत्म होने के बाद पॉइंट्स टेबल के टॉप पर रहने वाली टीम सीधे फाइनल में एंट्री करेगी। वहीं 2 और 3 नंबर की टीमों के बीच एलिमिनेटर होगा, जिसे जीतने वाली टीम भी फाइनल में जगह बनाएगी। 4 और 5 नंबर की टीम बाहर हो जाएगी।

कितने दिन डबल हेडर होंगे?

डब्ल्यूपीएल में 3 सीजन तक एक भी डबल हेडर यानी एक दिन में 2 मैच नहीं हुए। हालांकि, इस बार शेड्यूल में 2 डबल हेडर शामिल हैं। दोनों ही डीवाय पाटील स्टेडियम में शनिवार को होंगे। पहला डबल हेडर 10 जनवरी और दूसरा 17 जनवरी को खेला जाएगा।

किस वेन्यू पर कितने मैच होंगे?

इस बार 4 की बजाय 2 ही वेन्यू पर टूर्नामेंट खेला जाएगा। मुंबई के डीवाय पाटील स्टेडियम में शुरुआती 11 मैच और वडोदरा के कोटाम्बी स्टेडियम में आखिर के 11 मैच होंगे। वडोदरा में ही प्लेऑफ के दोनों मुकाबले होंगे।

प्लेइंग-11 में कितनी विदेशी रह सकती हैं?

एक टीम की प्लेइंग-11 में ज्यादा से ज्यादा 4 विदेशी प्लेयर्स रह सकती हैं। वहीं बाकी 7 खिलाड़ी भारत की होनी चाहिए। वहीं कोई टीम अगर असोसिएट देश की प्लेयर को प्लेइंग-11 में शामिल करती है तो उनके पास 5 विदेशी प्लेयर को खिलाने की सुविधा भी रहती है।

कितनी टीमें और कप्तान कौन?

चौथे सीजन में भी 5 टीमें ही हिस्सा ले रही हैं। मुंबई इंडियंस, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, दिल्ली कैपिटल्स, यूपी वॉरियर्ज और

गुजरात जायंट्स। इनमें मुंबई, गुजरात और बेंगलुरु को छोड़कर बाकी टीमों ने अपनी कप्तान को बदल लिया। दिल्ली की कप्तानी जेमिमा रोड्रिग्ज करेंगी। वहीं यूपी की कप्तान मेग लैनिंग रहेंगी, जिन्होंने इससे पहले दिल्ली की कप्तानी करते हुए टीम को तीनों सीजन फाइनल तक पहुंचाया।

क्या डब्ल्यूपीएल में भी इम्पैक्ट प्लेयर रूल रहेगा?

नहीं, डब्ल्यूपीएल में इम्पैक्ट प्लेयर रूल नहीं है। इसलिए इसमें इसका इस्तेमाल भी नहीं होगा। असोसिएट प्लेयर्स के रूप में टीमें प्लेइंग-11 में 5 विदेशी प्लेयर्स को जरूर शामिल कर सकती थीं। हालांकि, इस बार ऑक्शन में बिकीं इकलौती असोसिएट प्लेयर अमेरिका की तारा नॉरिस टूर्नामेंट नहीं खेल पाएंगी। वे टी-20 वर्ल्ड कप क्वालिफायर में अमेरिका से खेलते नजर आएंगी, इसलिए डब्ल्यूपीएल से बाहर हो गईं।

सबसे ज्यादा टाइटल किसने जीते?

मुंबई इंडियंस डब्ल्यूपीएल की सबसे सफल टीम है। टीम ने तीनों सीजन प्लेऑफ में जगह बनाई और 2 बार टाइटल भी जीता। टीम 2024 में ही फाइनल तक नहीं पहुंच सकी, तब एमआई को एलिमिनेटर में आरसीबी से हार का सामना करना पड़ गया था। बेंगलुरु ने उस सीजन का खिताब भी जीता था। गुजरात और यूपी की टीमें अब तक किसी फाइनल में भी नहीं पहुंच सकीं।

खिताब की दावेदार टीमें कौन सी हैं?

डिफेंडिंग चैंपियन मुंबई इंडियंस, 2024 की चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और 3 बार की रनर-अप दिल्ली कैपिटल्स ही खिताब की सबसे बड़ी दावेदार हैं। तीनों ने मेगा ऑक्शन में मजबूत टीमें खरीदीं। वहीं यूपी और गुजरात की टीमें ऑक्शन में ज्यादा रकम होने के बावजूद मजबूत टीम नहीं बना सकीं।

प्राइज मनी कितनी रहेगी?

तीनों सीजन की तरह इस बार भी विजेता टीम को 6 करोड़ रुपए का इनाम दिया जाएगा। रनर-अप टीम को 3 करोड़ रुपए मिलेंगे। टूर्नामेंट की बेस्ट बैटर, बेस्ट बॉलर, प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट, सबसे ज्यादा छक्के और बेस्ट स्ट्राइक रेट वाली प्लेयर को 5-5 लाख रुपए दिए जाएंगे। प्लेयर ऑफ द फाइनल को 2.50 लाख रुपए मिलेंगे। वहीं बाकी मुकाबलों में प्लेयर ऑफ द मैच को 1-1 लाख रुपए दिए जाएंगे।

कब और कहां देखें डब्ल्यूपीएल के मैच?

डब्ल्यूपीएल का लाइव टेलीकास्ट स्टार नेटवर्क पर होगा। मुकाबलों की ऑनलाइन स्ट्रीमिंग जियोहॉटस्टार ऐप पर होगी। डब्ल्यूपीएल 2026 में रात के सभी मैच शाम 7:30 बजे से शुरू होंगे। टॉस शाम 7 बजे होगा। वहीं डबल हेडर वाले दिन पहला मैच दोपहर 3.30 बजे शुरू होगा। टूर्नामेंट की पल-पल अपडेट्स के लिए आप दैनिक भास्कर ऐप को फॉलो कर सकते हैं।

13 से 15 जनवरी तक सिकंदराबाद में वैश्विक पतंग एवं मिठाई महोत्सव : जूपल्ली

40 अंतरराष्ट्रीय एवं 55 राष्ट्रीय पतंगबाज़ हिस्सा लेंगे

हैदराबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य की समृद्ध विरासत और संस्कृति को प्रदर्शित करने के उद्देश्य से पर्यटन विभाग मकर संक्रांति के अवसर पर 13 से 15 जनवरी तक सिकंदराबाद के परेड ग्राउंड्स में अंतरराष्ट्रीय पतंग एवं मिठाई महोत्सव का आयोजन कर रहा है।

बुधवार को सचिवालय में मीडिया से बातचीत करते हुए पर्यटन मंत्री जूपल्ली कृष्णा राव ने बताया कि इस पतंग महोत्सव में इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, श्रीलंका, कंबोडिया, थाईलैंड, कोरिया, जापान, पुर्तगाल, वियतनाम, मलेशिया, इटली, स्विट्ज़रलैंड, अल्जीरिया, सिंगापुर, रूस, यूक्रेन और फ्रांस सहित 19 देशों की भागीदारी रहेगी। इसमें 40 अंतरराष्ट्रीय एवं भारत के 15 राज्यों से 55 राष्ट्रीय पतंगबाज़ हिस्सा लेंगे। उन्होंने बताया कि तीनों दिनों में विशेष रात्रि पतंग उड़ान कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा तथा विशाल आकार की विभिन्न प्रकार की पतंगें उड़ाई जाएंगी।

राज्य की स्थानीय संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए तेलंगाना की पारंपरिक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी आयोजित की जाएंगी। मंत्री ने कहा कि महोत्सव स्थल पर लगभग 100 हथकरघा एवं हस्तशिल्प स्टॉल तथा 60 फूड कोर्ट लगाए जाएंगे, जहां तेलंगाना सहित विभिन्न व्यंजनों का आनंद लिया जा सकेगा।

इसके अतिरिक्त, अंतरराष्ट्रीय मिठाई महोत्सव का आयोजन 'कल्चर लैंग्वेज इंडियन कनेक्शंस' के सहयोग से किया जाएगा, जिसमें हैदराबाद में रहने वाले अन्य राज्यों व देशों से आए लोगों द्वारा घरों में तैयार की गई 1,200 से अधिक प्रकार की मिठाइयों का प्रदर्शन किया जाएगा। जूपल्ली कृष्णा राव ने आगे बताया कि पर्यटन विभाग 16 से 18 जनवरी 2026 तक हॉट एयर बैलून महोत्सव का भी आयोजन कर रहा है, जिसमें यूरोपीय देशों से आने वाले 15 अंतरराष्ट्रीय स्तर के हॉट एयर बैलून शामिल होंगे। यह कार्यक्रम सुबह हैदराबाद के बाहरी क्षेत्रों में और शाम को परेड ग्राउंड्स में आयोजित होगा, जहां ड्रोन शो-2026 भी प्रस्तुत किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि 16 और 17 जनवरी को गच्चीबोवली स्टेडियम में अत्याधुनिक ड्रोन, बहुरंगी एलईडी लाइट्स और हवाई करतबों के साथ विशेष ड्रोन शो आयोजित किया जाएगा, जो सांस्कृतिक विरासत से आधुनिक नवाचार की ओर भारत की प्रगति को दर्शाएगा। इस कार्यक्रम में एलईडी से सुसज्जित रेसकोर्स, विशाल स्क्रीन पर एफपीवी (फर्स्ट पर्सन व्यू) लाइव प्रसारण, ड्रोन फुटबॉल तथा तेलंगाना के पर्यटन स्थलों का प्रदर्शन किया जाएगा। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कई पहल कर रही है और उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे स्थानीय पर्यटन स्थलों का कम से कम महीने में एक बार भ्रमण करें, जिससे पर्यटन और रोजगार को बढ़ावा मिले।

मानू की जमीन वापस लेने के प्रयास के खिलाफ छात्रों का विरोध

हैदराबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय (एमएएनयू) के छात्रों ने तेलंगाना कांग्रेस सरकार द्वारा विश्वविद्यालय की 50 एकड़ जमीन वापस लेने के प्रयास के खिलाफ बुधवार को विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया है। छात्रों ने इस कदम को सार्वजनिक शिक्षा के लिए नुकसानदायक बताते हुए सरकार के फैसले का विरोध किया है। छात्र संगठनों ने "भूमि चोरी नमनजूर, सार्वजनिक शिक्षा की रक्षा करो, विश्वविद्यालय की भूमि की रक्षा करो' के नारे के साथ विश्वविद्यालय परिसर में केंद्रीय पुस्तकालय से बाब-ए-इल्म तक रैली निकालने की घोषणा की है।

राज्य सरकार ने हाल ही में विश्वविद्यालय को कारण बताओ नोटिस जारी कर 1998 में आवंटित 200 एकड़ भूमि में से 50 एकड़ भूमि वापस लेने का प्रस्ताव रखा है। नोटिस में नियमों के उल्लंघन का हवाला दिया गया है। इस पर विश्वविद्यालय प्रशासन ने नोटिस का अध्ययन करने और भूमि के उपयोग, शैक्षणिक भवनों, छात्रावासों और भविष्य के विस्तार से जुड़ी जानकारी देने के लिए दो महीने का समय मांगा है। छात्रों ने इस नोटिस को चिंताजनक बताते हुए कहा कि यह कदम राज्य सरकार द्वारा सार्वजनिक शैक्षणिक संस्थानों की भूमि को लेकर अपनाए जा रहे रवैये पर सवाल खड़ा करता है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की जमीन छात्रों, शिक्षकों और आने वाली पीढ़ियों की है, न कि सरकार की मनमानी की।

लॉटरी के नाम पर भूखंड बेचने वाला रियल एस्टेट एजेंट गिरफ्तार

आदिलाबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बोथ पुलिस थाना क्षेत्र में घर के भूखंड बेचने के बहाने लॉटरी निकालकर लोगों से ठगी करने के आरोप में पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से 13 लॉटरी पुस्तिकाएं भी बरामद की गई हैं।

आदिलाबाद के डीएसपी एल. जीवन रेड्डी ने बताया कि सोनाला निवासी रियल एस्टेट एजेंट थुम्मा महिपाल को गिरफ्तार किया गया है। वह घर के भूखंड बेचने के नाम पर लॉटरी निकालने का झांसा देकर भोले-भाले लोगों से प्रति कूपन 2,000 रुपये वसूल कर रहा था। इस संबंध में उसके खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। डीएसपी ने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि रियल एस्टेट डेवलपर्स या एजेंट यदि लॉटरी या लकी ड्रॉ के माध्यम से ग्राहकों को धोखा देते पाए गए तो उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि लॉटरी का आयोजन करना गैरकानूनी है और कुछ लोग इसी तरीके से आम जनता को ठग रहे हैं।

अतिथियों के सम्मान में भारतीयों का कोई सानी नहीं : गोखूल

मॉरीशस के राष्ट्रपति ने श्री वेंकटेश्वर वेद विज्ञान पीठम का दौरा किया

तिरुमला, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मॉरीशस के राष्ट्रपति धर्मबीर गोखूल ने कहा कि मॉरीशस, आंध्र प्रदेश से प्रेरणा लेकर संस्कृति, परंपरा और आधुनिक तकनीक के समन्वय से देश के विकास के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है।

बुधवार को राष्ट्रपति ने तिरुमला स्थित धर्मगिरि के श्री वेंकटेश्वर वेद विज्ञान पीठम का दौरा किया। उनका स्वागत टीटीडी के अतिरिक्त कार्यकारी अधिकारी सीएच वेंकैया चौधरी और वेद विज्ञान पीठम के प्रधानाचार्य कुप्पा शिव सुब्रह्मण्य अवधानी ने किया। इसके पश्चात वेद विद्यालय परिसर स्थित आनंद निलयम में श्री वेंकटेश्वर स्वामी एवं श्री गोदादेवी अम्मावारु के लिए विशेष पूजा-अर्चना की गई। आयोजित विशेष बैठक में वेद विज्ञान पीठम के प्रधानाचार्य ने राष्ट्रपति का स्वागत भाषण दिया। इसके बाद आचार्यों एवं छात्रों ने सामूहिक वेद पारायण किया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य ने धर्मगिरि वेद विज्ञान पीठम के इतिहास की जानकारी दी। सभा को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि वे शिक्षक के रूप में कार्य करते हुए राष्ट्रपति पद तक पहुंचे हैं और समाज में शिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने याद किया कि विश्व तेलुगु सम्मेलन के दौरान उन्हें परिवार सहित श्री वेंकटेश्वर स्वामी के दर्शन का अवसर मिला था। उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश संस्कृति, परंपरा और आधुनिक तकनीक के मजबूत आधार पर प्रगति कर रहा है और मॉरीशस भी इसी मार्ग पर चल रहा है। उन्होंने कहा कि अतिथियों के सम्मान में भारतीयों का कोई सानी नहीं है। राष्ट्रपति ने घोषणा की कि मॉरीशस में निर्माणाधीन हरिहर मंदिर परिसर में टीटीडी के मार्गदर्शन से एक वेद विद्यालय स्थापित किया जाएगा। अंत में वेद विद्वानों ने राष्ट्रपति को वैदिक आशीर्वाद दिया और उन्हें श्री वेंकटेश्वर स्वामी का चित्र भेंट किया गया।

एसीबी ने रिश्वत लेते हुए एंडोमेंट इंस्पेक्टर को पकड़ा

हैदराबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने बुधवार को हैदराबाद में एंडोमेंट विभाग के निरीक्षक अकावरम किरण कुमार को 50 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। आरोप है कि अधिकारी ने बाग अंबरपेट स्थित भूमि से संबंधित सर्वे रिपोर्ट जारी करने के लिए 1.5 लाख रुपये की मांग की थी। रिश्वत की राशि बोग्गुलकुंटा स्थित उसके कार्यालय के पास से बरामद की गई। आरोपी को गिरफ्तार कर नामपल्ली स्थित विशेष एसीबी अदालत में पेश किया गया। मामले की जांच जारी है। सुरक्षा कारणों से शिकायतकर्ता का विवरण गोपनीय रखा गया है।

एसीबी ने महिला अधिकारी समेत तीन को गिरफ्तार किया

हैदराबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी), रंगारेड्डी रेंज ने बुधवार को 2.5 लाख रुपए की रिश्वत मांगने के मामले में पंचायत स्तर के तीन अधिकारियों को रंगे हाथों पकड़ा। एसीबी ने आरोपियों से 1 लाख रुपए की रिश्वत राशि बरामद की, जो कुल मांग की आंशिक किश्त थी। गिरफ्तार किए गए अधिकारियों में नंदीगामा मंडल की मंडल परिषद विकास अधिकारी (एमपीडीओ) पोन्ना सुमति, मंडल पंचायत अधिकारी (एमपीओ) वध्यावथ तेज सिंह तथा एदुलापल्ली ग्राम पंचायत के पंचायत सचिव अवुला चेनैय्या शामिल हैं। एसीबी अधिकारियों के अनुसार, इन अधिकारियों ने चार भूखंडों के लिए मकान निर्माण की अनुमति जारी करने के बदले रिश्वत की मांग की थी, जबकि शिकायतकर्ता पहले ही सभी वैध सरकारी शुल्क अदा कर चुका था। आरोप है कि इससे पहले पंचायत सचिव के माध्यम से 1.5 लाख रुपए की राशि वसूल की जा चुकी थी। बुधवार को 1 लाख की रिश्वत राशि पंचायत सचिव के पास से उसके इशारे पर बरामद की गई। एसीबी ने बताया कि आरोपियों ने अपने पद का दुरुपयोग कर अवैध लाभ प्राप्त करने का प्रयास किया। तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर नांपल्ली स्थित विशेष प्रधान न्यायाधीश (एसपीई एवं एसीबी मामलों) की अदालत में पेश किया जाएगा। मामले की आगे की जांच जारी है। सुरक्षा कारणों से शिकायतकर्ता की पहचान गोपनीय रखी गई है।

तेलंगाना पुलिस में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल

20 आईपीएस व वरिष्ठ अधिकारियों के तबादले

हैदराबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने पुलिस प्रशासन को और अधिक मजबूत, आधुनिक और जनोन्मुखी बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए 20 आईपीएस और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के तबादलों व नई तैनातियों के आदेश जारी किए हैं। ये आदेश सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी किए गए। सरकारी आदेश के अनुसार, हैदराबाद शहर और उसके विस्तारित शहरी क्षेत्रों में कानून-व्यवस्था को अधिक प्रभावी ढंग से नियंत्रित करने के लिए कई नए जोन और कमिश्नरेट गठित किए गए हैं। इसी क्रम में अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। संयुक्त पुलिस आयुक्त (लॉ एंड ऑर्डर), हैदराबाद के पद पर कार्यरत तफसीर इक़बाल, आईपीएस (2008 बैच) को दक्षिण रेंज का अतिरिक्त पुलिस आयुक्त नियुक्त किया गया है। उनके अधीन अब शमशाबाद, गोलकोंडा, राजेंद्रनगर और चारमीनार जोन रहेंगे। वहीं सुश्री एन. श्वेता, आईपीएस (2012 बैच) को उत्तर रेंज का संयुक्त पुलिस आयुक्त बनाया गया है, जिनके अंतर्गत जुबिली हिल्स, खैरताबाद और सिकंदराबाद जोन शामिल होंगे। एस.एम. विजय कुमार, आईपीएस (2012 बैच) को सिद्दिपेट के पुलिस आयुक्त पद से हटाकर हैदराबाद का संयुक्त पुलिस आयुक्त, स्पेशल ब्रांच नियुक्त किया गया है। सुश्री साधना रश्मि पेरूमल, आईपीएस (2019 बैच) को सिद्दिपेट का नया पुलिस आयुक्त नियुक्त किया गया है। वे एस.एम. विजय कुमार का स्थान लेंगी। शहर के तेज़ी से बढ़ते विस्तार को देखते हुए साइबराबाद, मलकाजगिरी, फ्यूचर सिटी और हैदराबाद सिटी कमिश्नरेट के अंतर्गत कई नए जोन गठित किए गए हैं। इनमें डीसीपी स्तर के अधिकारियों की नियुक्तियां गई हैं। एन. कोटि रेड्डी, आईपीएस (2013) - डीसीपी, कुतुबुल्लापुर जोन, साइबराबाद, के. नारायण रेड्डी, आईपीएस (2013) - डीसीपी, महेश्वरम जोन, फ्यूचर सिटी, सुश्री रक्षा के. मूर्ति, आईपीएस (2015) - डीसीपी, सिकंदराबाद जोन, हैदराबाद सिटी, के. सुरेश कुमार, आईपीएस (2016) - डीसीपी, उप्पल जोन, मलकाजगिरी, खरे किरण प्रभाकर, आईपीएस (2017) - डीसीपी, चारमीनार जोन, हैदराबाद सिटी, डॉ. बी. अनुराधा, आईपीएस (2017) - डीसीपी, एल.बी. नगर जोन, मलकाजगिरी, योगेश गौतम, आईपीएस (2018) - डीसीपी, चेवेल्ला जोन, फ्यूचर सिटी, सुश्री ऋतिराज, आईपीएस (2018) - डीसीपी, कुकटपल्ली जोन, साइबराबाद, च. श्रीनिवास, आईपीएस (2018) - डीसीपी, सेरिलिंगमपल्ली जोन, साइबराबाद, च. श्रीधर, आईपीएस (2020) - डीसीपी, मलकाजगिरी जोन, मलकाजगिरी, सुश्री के. शिल्पावल्ली, आईपीएस (2020) - डीसीपी, खैरताबाद जोन, हैदराबाद सिटी, एस. श्रीनिवास, आईपीएस - डीसीपी, राजेंद्रनगर जोन, हैदराबाद सिटी, जी. चंद्र मोहन, एसपी (एनसी) - डीसीपी, गोलकोंडा जोन, हैदराबाद सिटी, ए. रमण रेड्डी, एसपी (एनसी) - डीसीपी, जुबिली हिल्स जोन, हैदराबाद सिटी, बी. राजेश, एसपी (एनसी) - डीसीपी, शमशाबाद जोन, हैदराबाद सिटी, सुश्री च. सिरिशा, एसपी (एनसी) - डीसीपी, शादनगर जोन, फ्यूचर सिटी में तैनात की गई है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, नए जोनों और कमिश्नरेट के गठन का उद्देश्य बढ़ती आबादी, यातायात दबाव, साइबर अपराध, संगठित अपराध और कानून-व्यवस्था की चुनौतियों से अधिक प्रभावी ढंग से निपटना है। छोटे प्रशासनिक क्षेत्र बनने से पुलिस की पहुंच आम नागरिकों तक तेज़ होगी और अपराध नियंत्रण में भी सुधार की उम्मीद है।

वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में बड़ी चोरी

लाखों के सोने-चांदी के आभूषण ले उड़े

हैदराबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। केपीएचबी के सरदार पटेल नगर स्थित वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में बुधवार तड़के चोरों ने बड़ी चोरी को अंजाम दिया। दो अज्ञात व्यक्ति हथियारों का उपयोग कर गर्भगृह तोड़कर मंदिर में घुसे और देवता को सुशोभित करने वाले लगभग 3 तोला सोने और 15 तोला चांदी के आभूषण लेकर फरार हो गए। सुबह चोरी का पता चलने पर मंदिर समिति ने पुलिस को सूचित किया। घटनास्थल का मुआयना करने के बाद पुलिस ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज में संदिग्ध वसंत नगर की ओर जाते हुए दिखाई दे रहे हैं। शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर चार विशेष टीमें गठित की गई हैं, जो चोरों का जल्द पता लगाने और उन्हें गिरफ्तार करने के लिए काम कर रही हैं।

महिला हेड कांस्टेबल ने तेलुगु में चार्जशीट दाखिल कर मिसाल कायम की

हैदराबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। न्याय व्यवस्था को आम लोगों के लिए आसान और समझने योग्य बनाने के उद्देश्य से दुंडीगल पुलिस स्टेशन की एक महिला हेड कांस्टेबल ने पूरी तरह तेलुगु भाषा में चार्जशीट दाखिल कर एक नई मिसाल कायम की है। पुलिस विभाग में जहां आमतौर पर अंग्रेजी भाषा का प्रयोग होता है, वहीं अधिकारी स्वरूपा की इस पहल की व्यापक सराहना की जा रही है। उन्होंने वर्ष 2025 के दौरान दो मामलों की जांच पूरी कर अंतिम रिपोर्ट तेलुगु भाषा में प्रस्तुत की, जिससे पीड़ितों और स्थानीय लोगों को मामला समझने में सुविधा हुई।

एक मामले में बोवरामपेट स्थित एक किराने की दुकान से अवैध रूप से रखी गई शराब जब्त की गई, जबकि दूसरे मामले में एक लापता प्रवासी महिला और उसकी छोटी बेटी को खोजकर सुरक्षित रूप से उनके परिवार से मिलाया गया। वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि क्षेत्रीय भाषाओं के इस्तेमाल से आम जनता का पुलिस और न्याय व्यवस्था पर भरोसा बढ़ता है। स्वरूपा के इस सराहनीय कार्य के लिए उन्हें हैदराबाद में आयोजित राज्य स्तरीय पुलिस कार्यक्रम में साइबर योद्धाओं में से एक के रूप में सम्मानित भी किया गया।

तेलंगाना का गरीब व्यक्ति दो दशक से खाड़ी की जेल में

नागरिकता साबित करने की जंग

दुबई, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के दलित समुदाय से ताल्लुक रखने वाला एक गरीब व्यक्ति पिछले लगभग दो दशकों से खाड़ी देशों की जेल में बंद है और अपने वतन लौटने के लिए खुद को भारतीय नागरिक साबित करने की जद्दोजहद कर रहा है। निर्मल जिले के सोआन मंडल के माधापुर गांव निवासी मंडुला राजन्ना (59) वर्ष 2007 में एक निर्माण कंपनी में काम करने के लिए संयुक्त अरब अमीरात गए थे। एक वर्ष बाद कंपनी से भाग जाने के बाद वे अवैध रूप से वहां रहने लगे। अशिक्षित और अनुसूचित जाति से जुड़े राजन्ना के पास न तो पासपोर्ट की प्रति है और न ही मतदाता पहचान पत्र या आधार कार्ड, जिससे उनकी नागरिकता साबित करना मुश्किल हो गया है।

राजन्ना ने बताया कि शारजाह पहुंचने पर उनका कोई बायोमेट्रिक पंजीकरण नहीं हुआ था और उनका पासपोर्ट कंपनी ने रख लिया था, जो बाद में बंद हो गई। आर्थिक तंगी के चलते उन्होंने सोने के बदले कर्ज लिया, लेकिन समय पर चुकता न कर पाने के कारण उनकी स्थिति और बिगड़ती चली गई। बाद में अवैध रूप से रहने के आरोप में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। भारतीय दूतावास के अधिकारियों ने उनसे दस्तावेज मांगे, लेकिन वे कुछ भी प्रस्तुत नहीं कर सके। उनकी पत्नी लक्ष्मी ने हैदराबाद में मुख्यमंत्री के शिकायत निवारण प्रकोष्ठ और निर्मल जिला कलेक्टर से मदद की गुहार लगाई है। परिवार के पास फिलहाल राजन्ना के नाम पर बैंक खाते की एक फोटो पासबुक ही एकमात्र दस्तावेज के रूप में मौजूद है।

प्रेमिका की मौत से टूटे युवक ने आत्महत्या की

हैदराबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हयातनगर के ब्राह्मणपल्ली गांव के पास बुधवार को एक युवक ने कथित तौर पर अपनी किशोर प्रेमिका की मौत से उबर न पाने के कारण आत्महत्या कर ली। पीड़ित युवक की पहचान सिद्धगोनी महेश के रूप में हुई है। सूत्रों के अनुसार, महेश ने खुद पर पेट्रोल डालकर तुरकायमजल के पास आग लगा ली, जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। यह घटना उस समय हुई जब उसके प्रेमिका, 17 वर्षीय लड़की, की एक दिन पहले फांसी पर लटके पाए जाने की सूचना मिली थी। पुलिस ने बताया कि दोनों पहले भी एक साथ आत्महत्या करने का प्रयास कर चुके थे, लेकिन तब बच गए थे। दोनों घटनाओं में मामले दर्ज कर जांच जारी है ताकि मौतों के सटीक कारण और परिस्थितियों का पता लगाया जा सके।

2014 में सात मंडल आंध्र प्रदेश में किए गए स्थानांतरण के लिए डाला दबाव

नायडू ने स्वीकार किया

हैदराबाद, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने खुलासा किया कि उन्होंने 2014 में तेलंगाना के विभाजन के तुरंत बाद केंद्र सरकार पर दबाव डालकर खम्मम जिले के सात मंडलों को आंध्र प्रदेश में स्थानांतरित कराया था। इस स्वीकारोक्ति से बीआरएस के पुराने आरोपों की पुष्टि हुई कि यह कदम राजनीतिक रूप से प्रेरित और बिना परामर्श के उठाया गया था।

पोलावरम परियोजना स्थल का दौरा करते हुए नायडू ने कहा कि इन मंडलों के बिना परियोजना पूरी नहीं हो सकती थी, इसलिए उन्होंने तत्कालीन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्रियों पर दबाव डाला। उन्होंने यह भी दावा किया कि भारत के इतिहास में पहली बार चुनाव के बाद संसद सत्र शुरू होने से पहले ही राष्ट्रपति की मंजूरी से अध्यादेश जारी किया गया। तेलंगाना के नेता लंबे समय से इन मंडलों की वापसी की मांग कर रहे थे और इसे संवैधानिक रूप से अनुचित बता रहे थे। नायडू ने साथ ही हैदराबाद के विकास और दैनिक पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने का श्रेय भी अपने प्रयासों को दिया।

बीआरएस समर्थित सरपंचों की जीत से पार्टी में नया जोश : केटी रामाराव

खम्मम, 7 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने कहा कि जिले में बीआरएस समर्थित सरपंचों और उप सरपंचों की जीत से पार्टी में नया उत्साह और आत्मविश्वास पैदा हुआ है। उन्होंने बताया कि 127 सरपंचों और 156 उप सरपंचों की जीत यह साबित करती है कि ग्रामीण जनता कांग्रेस के दो साल के शासन से परेशान हो चुकी है। रामाराव ने कहा कि पिछले चुनाव में कांग्रेस को वोट देने वाली जनता अब अपने फैसले पर पछता रही है। बुधवार को नवनिर्वाचित सरपंचों और उप सरपंचों के अभिनंदन कार्यक्रम में शामिल होने खम्मम पहुंचे केटी रामाराव का पार्टी कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। उन्होंने कहा कि आमतौर पर ग्राम पंचायत चुनावों में सत्तारूढ़ दल को बढ़त मिलती है, लेकिन विपक्ष में होने के बावजूद बीआरएस ने पूरे तेलंगाना में करीब 40 प्रतिशत सरपंच सीटें जीतकर शानदार प्रदर्शन किया है।

उन्होंने आरोप लगाया कि कई जगह बीआरएस उम्मीदवार मामूली अंतर से हारे और कुछ स्थानों पर अवैध गतिविधियों व मतगणना में हेरफेर के कारण हार का सामना करना पड़ा। रामाराव ने कहा कि ग्राम पंचायत चुनावों में बीआरएस का प्रदर्शन आने वाले विधानसभा सहित अन्य चुनावों में पार्टी की जीत का संकेत है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से आपसी मतभेद भुलाकर एकजुट होकर पार्टी को मजबूत करने का आह्वान किया। इस अवसर पर सांसद वद्दीराजू रविचंद्र, पूर्व मंत्री पुववाड़ा अजय कुमार, पूर्व सांसद नामा नागेश्वर राव सहित कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.